VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

Classroom Study Material

April 2022 - December 2022

8468022022, 9019066066

DELHI JAIPUR HYDERABAD BHOPAL GUWAHATI RANCHI LUCKNOW PUNE AHMEDABAD CHANDIGARH PRAYAGRAJ

enquiry@visionias.in /c/VisionIASdelhi /Vision_IAS vision_ias www.visionias.in /VisionIAS_UPSC

फाउंडेशन कोर्स
सामान्य अध्ययन
प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा 2024
इनोवेटिव क्लासरूम प्रोग्राम
प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज
मौलिक अवधारणाओं की समझ के विकास एवं विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान
एनीमेशन, पॉवर प्वाइंट, वीडियो जैसी तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग
अंतर - विषयक समझ विकसित करने का प्रयास
योजनाबद्ध तैयारी हेतु करेंट ओरिएंटेड अप्रोच
नियमित क्लास टेस्ट एवं व्यक्तिगत मूल्यांकन
सीसैट कक्षाएं
PT 365 कक्षाएं
MAINS 365 कक्षाएं
PT टेस्ट सीरीज
मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज
निबंध टेस्ट सीरीज
सीसैट टेस्ट सीरीज
निबंध लेखन - शैली की कक्षाएं
करेंट अफेयर्स मैगजीन
लाइव / ऑनलाइन कक्षाएं भी उपलब्ध
Scan the QR CODE to download VISION IAS app
DELHI
15 मार्च, 1 PM | 10 जनवरी, 9 AM
JAIPUR
5 अप्रैल, 3 PM
LUCKNOW
7 जून
BHOPAL
5 जुलाई

#PrelimsIsComing
ABHYAAS 2023
ALL INDIA PRELIMS
(GS+CSAT) MOCK TEST SERIES
2 APRIL | 23 APRIL | 7 MAY
All India ranking & detailed comparison with other students
Vision IAS Post Test Analysis ™ for corrective measures and continuous performance improvement
Closely aligned to UPSC pattern
Available in ENGLISH/ हिन्दी
Register @ www.visionias.in/abhyaas
OFFLINE* IN 170+ CITIES
*SUBJECT TO GOVERNMENT REGULATIONS AND SAFETY OF THE STUDENTS
AGARTALA | AGRA | AHMADNAGAR | AHMEDABAD | AIZAWL | AJMER | ALIGARH | ALMORA | ALWAR | AMARAVATI (ANDRA PARDESH) | AMBALA | AMBIKAPUR | AMRAVATI (MAHARASHTRA) | AMRITSAR | ANANTHAPURU
ASANSOL | AURANGABAD (MAHARASHTRA) | AYODHYA | BALLIA| BANDA | BAREILLY | BATHINDA | BEGUSARAI | BENGALURU | BHADOHI | BHAGALPUR | BHAVNAGAR | BHILAI | BHILWARA | BHOPAL | BHUBANESWAR
BIKANER | BILASPUR | BOKARO | BULANDSHAHR | CHANDIGARH | CHANDRAPUR | CHENNAI | CHHATARPUR (MP) | CHITTOOR | COIMBATORE | CUTTACK | DAVANAGERE | DEHRADUN | DELHI - MUKHERJEE NAGAR
DELHI - RAJINDER NAGAR | DHANBAD | DHARAMSHALA | DHARWAD | DHULE | DIBRUGARH | DIMAPUR | DURGAPUR | ETAWAH | FARIDABAD | FATEHPUR | GANGTOK | GAYA | GHAZIABAD | GORAKHPUR | GREATER NOIDA
GUNTUR | GURDASPUR | GURUGRAM(GURGAON) | GUWAHATI | GWALIOR | HALDWANI | HARIDWAR | HAZARIBAGH | HISAR | HOWRAH | HYDERABAD | IMPHAL | INDORE | ITANAGAR | JABALPUR | JAIPUR | JAISALMER
JALANDHAR | JAMMU | JAMNAGAR | JAMSHEDPUR | JAUNPUR | JHAJJAR | JHANSI | JODHPUR | JORHAT| KAKINADA | KALBURGI (GULBARGA) | KANNUR | KANPUR | KARIMNAGAR | KARNAL | KASHIPUR | KOCHI | KOHIMA
KOLHAPUR | KOLKATA | KORBA | KOTA | KOTTAYAM | KOZHIKODE (CALICUT) | KURNOOL | KURUKSHETRA | LATUR | LEH | LUCKNOW | LUDHIANA | MADURAI (TAMIL NADU) | MANDI | MANGALURU | MATHURA | MEERUT
MIRZAPUR | MORADABAD | MUMBAI | MUNGER | MUZAFFARPUR | MYSURU | NAGPUR | NALANDA | NASIK| NAVI MUMBAI | NELLORE | NIZAMABAD | NOIDA | ORAI | PALAKKAD | PANAJI (GOA) | PANIPAT | PATIALA
PATNA | PRAYAGRAJ (ALLAHABAD) | PUDUCHERRY | PUNE | PURNIA | RAIPUR | RAJKOT | RANCHI | RATLAM | REWA | ROHTAK | ROORKEE | ROURKELA | RUDRAPUR | SAGAR | SAMBALPUR | SATARA | SAWAI MADHOPUR
SECUNDERABAD | SHILLONG | SHIMLA | SILIGURI | SIWAN | SOLAPUR | SONIPAT | SRINAGAR | SURAT | THANE| THANJAVUR | THIRUVANANTHAPURAM | THRISSUR | TIRUCHIRAPALLI | TIRUNELVELI | TIRUPATI | UDAIPUR
UJJAIN | VADODARA | VARANASI | VELLORE

अंतर्राष्ट्रीय संबंध (International Relations)

विषय-सूची

1. भारत और उसके पड़ोसी (India and its Neighbourhood) 5

1.1. भारत-चीन (India-China) 5

1.1.1. एक-चीन नीति (One-China Policy) 7

1.1.2. एक देश, दो प्रणाली (One Country, Two Systems: OCTS) 8

1.2. भारत-पाकिस्तान (India-Pakistan) 9

1.2.1. सिंधु जल संधि (Indus Water Treaty: IWT) 9

1.2.2. शिमला समझौता (The Shimla Agreement) 12

1.2.3. चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (China Pakistan Economic Corridor: CPEC) 13

1.2.4. गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र (Gilgit Baltistan Region) 13

1.3. भारत-बांग्लादेश (India-Bangladesh) 13

1.4. भारत-नेपाल (India-Nepal) 15

1.5. भारत-श्रीलंका (India-Sri Lanka) 17

1.5.1. कच्चातीवू द्वीप (Katchatheevu Island) 18

1.6. भारत-अफगानिस्तान (India-Afghanistan) 18

1.7. भारत-मालदीव (India-Maldives) 19

1.8. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 20

1.9. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 22

2. भारत-दक्षिण पूर्व एशिया (India-Southeast Asia) 24

2.1. भारत-म्यांमार (India-Myanmar) 24

2.2. भारत-वियतनाम (India-Vietnam) 25

2.3. भारत और थाईलैंड (India-Thailand) 26

2.4. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 26

2.5. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 27

3. भारत-पश्चिम एशिया (India-West Asia) 29

3.1. भारत-इजरायल (India-Israel) 29

3.1.1. द्वि-राष्ट्र समाधान (Two State Solution) 30

3.2. भारत-सऊदी अरब (India-Saudi Arabia) 30

3.3. भारत-संयुक्त अरब अमीरात (India-UAE) 32

3.4. भारत- इजरायल- संयुक्त अरब अमीरात- संयुक्त राज्य अमेरिका (I2U2) {India- Israel- United Arab Emirates - USA (I2U2)} 33

3.5. खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council: GCC) 34

3.6. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 35

VISION IAS

© Vision IAS

4. भारत-रूस और मध्य एशिया (India-Russia and Central Asia) 37
4.1. पूर्वी आर्थिक मंच (Eastern Economic Forum: EEF) 37
4.2. जेनेवा कन्वेंशन और रूस-यूक्रेन युद्ध (Geneva Conventions and Russia-Ukraine war) 38
4.3. भारत-तुर्कमेनिस्तान (India-Turkmenistan) 38
4.4. अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (International North-South Transit Corridor: INSTC) 39
4.5. चाबहार पोर्ट (Chabahar Port) 40
4.6. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 42
5. भारत और इंडो-पैसिफिक (India-Indo-Pacific) 45
5.1. भारत-यू.एस.ए. (India-USA) 45
5.1.1. 2+2 संवाद (2+2 Dialogue) 46
5.2. भारत-जापान (India-Japan) 47
5.3. भारत-ऑस्ट्रेलिया (India Australia) 48
5.4. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity: IPEF) 50
5.5. बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal) 51
5.6. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 51
5.7. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 55
6. भारत-यूरोप (India-Europe) 57
6.1. भारत-यूरोपीय संघ (India- European Union) 57
6.2. भारत-यूनाइटेड किंगडम (India-UK) 59
6.3. भारत-फ्रांस (India- France) 60
6.4. भारत-जर्मनी (India-Germany) 61
6.5. भारत-डेनमार्क (India-Denmark) 62
6.6. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 63
6.7. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 63
7. भारत-अफ्रीका (India-Africa) 66
7.1. भारत-मॉरीशस (India-Mauritius) 66
7.2. IBSA त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय आयोग (IBSA Trilateral Ministerial Commission) 68
7.3. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News) 69
8. अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और संगठन (International Institutions and Organizations) 72
8.1. संयुक्त राष्ट्र (The United Nations) 72
8.1.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा United Nations General Assembly (UNGA) 72
8.1.2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (United Nations Security Council: UNSC) 73
8.1.3. संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (UN Economic and Social Council: ECOSOC) 75
8.1.4. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (United Nations Human Rights Council: UNHRC) 75
8.1.5. यू.एन. से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News Related to UN) 78

VISION IAS

8.2. ग्रुप ऑफ ट्वेंटी {Group of 20 (G20)} 79
8.3. क्वाड (QUAD) 81
8.4. शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Cooperation Organisation: SCO) 82
8.5. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (South Asian Association For Regional Cooperation: SAARC) 84
8.6. बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) (Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation: BIMSTEC) 86
8.7. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization: NATO) 87
8.8. ब्रिक्स (BRICS) 89
8.8.1. न्यू डेवलपमेंट बैंक (New Development Bank: NDB) 90
8.9. दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन/आसियान (Association of Southeast Asian Nations: ASEAN) 91
8.10. ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) {Group of Seven (G7)} 93
8.11. गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non-Aligned Movement) 94
8.12. दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (Southern African Development Community: SADC) 95
8.13. सुर्ख़ियों में रहे बहुपक्षीय संगठन/ मंच/ अभिसमय (जिनमें भारत सदस्य/ भागीदार/ हस्ताक्षरकर्ता है) {Multilateral Organisations/Platforms/Conventions in News (Of which India is a Member/Participating/ Signatory} ... 96
8.14. सुर्ख़ियों में रहे बहुपक्षीय संगठन/ मंच (जिनमें भारत सदस्य/ भागीदार नहीं है) {Multilateral Organisations/Platforms in News (of which India is not a Member/Participating)} 98
9. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related to Security) 100
9.1. सामूहिक विनाश के हथियार (Weapons of Mass Destruction: WMD) 100
9.2. परमाणु अप्रसार संधि (Nuclear Non-Proliferation Treaty: NPT) 103
9.3. अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) (International Criminal Police Organization: INTERPOL) .. 103
9.4. वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force: FATF) 104
9.5. मिशन डेफस्पेस (Mission DefSpace) 105
9.6. रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया, 2020 (Defence Acquisition Procedure, 2020) 107
9.7. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 108
10. विविध (Miscellaneous) 112
10.1. भारतीय अंटार्कटिक कानून, 2022 (Indian Antarctic Act, 2022) 112
10.2. आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (Supply Chain Resilience Initiative: SCRI) 114
10.3. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News) 115
11. सुर्ख़ियों में रहे सैन्य अभ्यास (Military Exercises in News) 119

VISION IAS

नोट

प्रिय अभ्यर्थियों,

PT 365 (हिंदी) डॉक्यूमेंट के अंतर्गत, व्यापक तौर पर विगत 1 वर्ष (365) की महत्वपूर्ण समसामयिकी को समेकित रूप से कवर किया गया है, ताकि प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी में अभ्यर्थियों को सहायता मिल सके।

अभ्यर्थियों के हित में PT 365 डॉक्यूमेंट को और बेहतर बनाने के लिए इसमें निम्नलिखित नवीन विशेषताओं को शामिल किया गया है:

संक्षेप में इन्फोग्राफिक्स: कुछ टॉपिक्स, जैसे–
- भारत के द्विपक्षीय संबंध,
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थान एवं संगठन,
- बहुपक्षीय संस्थान,

आदि को सारांश के रूप में प्रस्तुत कर उन्हें इंटरएक्टिव इन्फोग्राफिक्स के रूप में शामिल किया गया है, ताकि उन्हें समझने में आसानी हो, सीखने का सहज अनुभव मिल सके और कंटेंट को बेहतर तरीके से याद रखना सुनिश्चित किया जा सके।

थंबनेल: महत्वपूर्ण जानकारी के सचित्र और इंटरैक्टिव थंबनेल जैसे कि
- संगठनों के मुख्यालय और उनकी स्थापना का वर्ष
- क्या भारत किसी पहल/ संगठन आदि का सदस्य या पक्षकार है या नहीं।

संगठनों से जुड़े इन्फोग्राफिक्स: सुर्खियों में रहे स्थलों से संबंधित भौगोलिक एवं प्रासंगिक जानकारी के लिए।

शब्दावली को जानें: इन्हें महत्वपूर्ण अवधारणाओं और शब्दों को स्पष्ट करने के लिए जोड़ा गया है।

क्या आप जानते : इन्हें प्रारंभिक परीक्षा से संबंधित अलग-अलग टॉपिक के बारे में अतिरिक्त जानकारी देने के लिए जोड़ा गया है।

क्विज़: अभ्यर्थी ने विषय को कितना बेहतर समझा है, इसके परीक्षण के लिए QR आधारित स्मार्ट क्विज़ को शामिल किया गया है।

QUIZ SMART QUIZ	विषय की समझ और अवधारणाओं के स्मरण की अपनी क्षमता के परीक्षण के लिए आप हमारे ओपन टेस्ट ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर स्मार्ट क्विज़ का अभ्यास करने हेतु इस QR कोड को स्कैन कर सकते हैं।	

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

1. भारत और उसके पड़ोसी (India and its Neighbourhood)

1.1. भारत-चीन (India-China)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)[1] के समीप सीमा पर झड़पों की सूचना मिली है।

भारत चीन सीमा विवाद

- भारत और चीन के बीच की सीमा पूरी तरह से और **स्पष्ट रूप से सीमांकित नहीं** है। इसके अलावा, सीमा पर कुछ हिस्सों को लेकर पारस्परिक रूप से सहमत कोई LAC भी नहीं है।
  - 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद LAC अस्तित्व में आया।

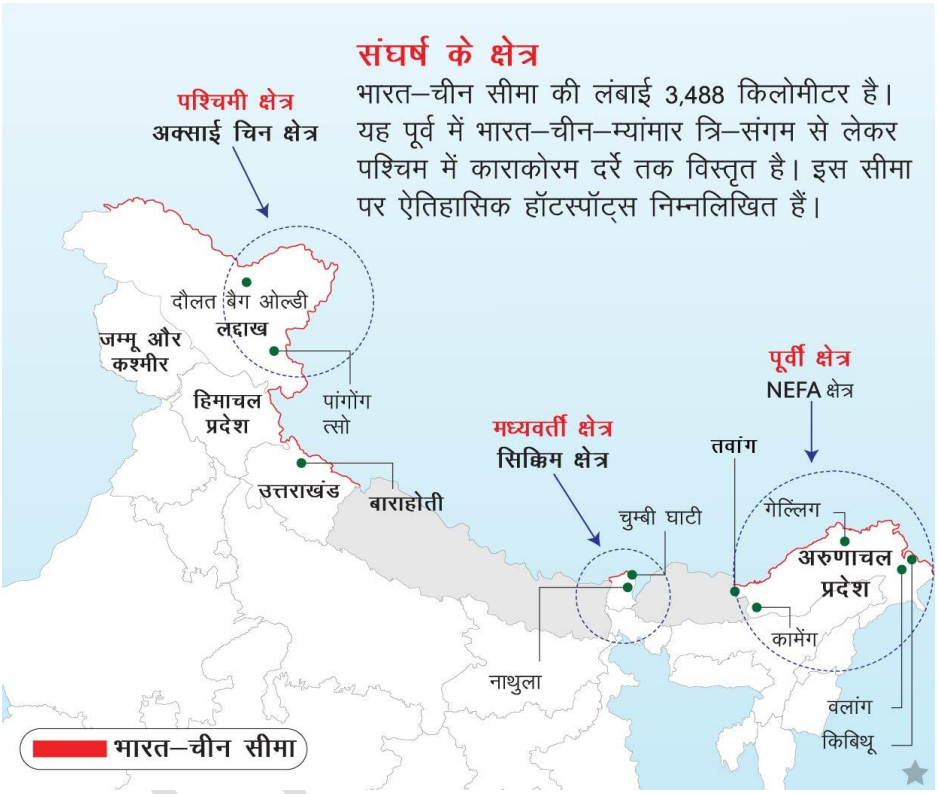

- **भारत-चीन सीमा को तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। ये हैं- पश्चिमी, मध्यवर्ती और पूर्वी क्षेत्र (मानचित्र देखें):**

क्षेत्र	विवाद	भारत का रुख	चीन का रुख
पश्चिमी क्षेत्र (लद्दाख)	यहाँ पर सीमा विवाद 1860 के दशक में अंग्रेजों द्वारा प्रस्तावित **जॉनसन रेखा** से संबंधित है, जो कुनलुन पर्वत तक विस्तृत थी तथा अक्साई चिन को जम्मू और कश्मीर की तत्कालीन रियासत में शामिल करती थी।	भारत द्वारा **जॉनसन रेखा** को मान्यता प्रदान करते हुए अक्साई चिन पर अपना राज्यक्षेत्र होने का दावा किया गया।	चीन इस रेखा को स्वीकृति प्रदान नहीं करता है तथा इसकी बजाय वह **मैकडॉनल्ड रेखा** को स्वीकार करता है, जो अक्साई चिन को उसके नियंत्रण में दर्शाती है।
मध्यवर्ती क्षेत्र (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड)	इस क्षेत्र में अत्यल्प विवाद है। इस अंचल में बाड़ाहोती (जिला चमोली, उत्तराखंड) मैदान के कुछ इलाकों को छोड़कर LAC पर कोई विशेष विवाद नहीं है।	**भारत और चीन परस्पर आदान-प्रदान किए गए मानचित्रों पर व्यापक रूप से सहमत हैं।**	
पूर्वी क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम)	इस क्षेत्र में विवाद 1914 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की शिमला बैठक में निर्धारित **मैकमोहन रेखा** (अरुणाचल प्रदेश में) से संबंधित है।	भारत का दावा है कि मैकमोहन रेखा के अनुसार, तवांग ट्रैक्ट भारत का अभिन्न हिस्सा है (1951 की स्थिति के अनुसार)।	चीन का दावा है कि तवांग ट्रैक्ट उसका हिस्सा है।

[1] Line of actual control

© Vision IAS

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद निपटान तंत्र

1993: LAC पर शांति एवं संयम बनाए रखने हेतु समझौता।

1996: LAC पर सैन्य क्षेत्र में विश्वास–निर्माण उपायों पर समझौता।

2005: LAC पर सैन्य क्षेत्र में विश्वास–निर्माण उपायों के कार्यान्वयन हेतु साधनों पर प्रोटोकॉल।

2012: भारत–चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय हेतु एक कार्यकारी तंत्र की स्थापना पर समझौता।

2013: सीमा रक्षा सहयोग समझौता।

भारत–चीन संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

ऐतिहासिक रूप से, **रेशम मार्ग ने भारत और चीन के बीच प्रमुख व्यापार मार्ग के रूप में कार्य** किया है। इसके अलावा, रेशम मार्ग ने **भारत से पूर्वी एशिया तक बौद्ध धर्म के प्रसार को भी आसान** बनाया है।

भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करता है। यह सीमा भारत के **केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश** जैसे राज्यों के साथ लगती है।

दोनों देशों के मध्य **135 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का द्विपक्षीय व्यापार** है।

चीन के साथ भारत का **व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर** से अधिक हो गया है। किसी भी देश के साथ भारत का यह सबसे बड़ा एकल व्यापार घाटा है।

दिल्ली–बीजिंग, अहमदाबाद–गुआंगझोउ, बेंगलुरु–चेंगदू, कोलकाता–कुनमिंग और चेन्नई–क्वानझोऊ **सिस्टर–सिटी संबंध** साझा करते हैं। वहीं, गुजरात एवं ग्वांगडोंग प्रांत तथा तमिलनाडु व फुज़ियान प्रांत के बीच **सिस्टर–प्रोविंशियल संबंध हैं।**

दोनों देश **ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (SCO), रूस–भारत–चीन (RIC), विश्व व्यापार संगठन (WTO) संयुक्त राष्ट्र और G20** जैसे बहुपक्षीय संगठनों के सदस्य हैं।

1.1.1. एक-चीन नीति (One-China Policy)

सुर्ख़ियों में क्यों?

यू.एस.ए. के हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव के स्पीकर की हाल की ताइवान यात्रा को चीन द्वारा उसकी एक-चीन नीति के उल्लंघन के रूप में देखा गया था।

अन्य संबंधित तथ्य

- अमेरिका **1970 के दशक** से ताइवान को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता देते हुए **'एक चीन' नीति** का समर्थन करता रहा है। हालांकि, ताइवान के साथ उसके अनौपचारिक संबंध भी हैं। ताइवान के साथ उसकी इस नीति को **'रणनीतिक या इरादतन अस्पष्टता[2]'** की रणनीति के रूप में जाना जाता है।
  - ताइवान द्वीप यू.एस.ए. की तथाकथित **"फर्स्ट आईलैंड चेन"** का हिस्सा है। इस सूची में वे देश शामिल हैं, जो अमेरिकी विदेश नीति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

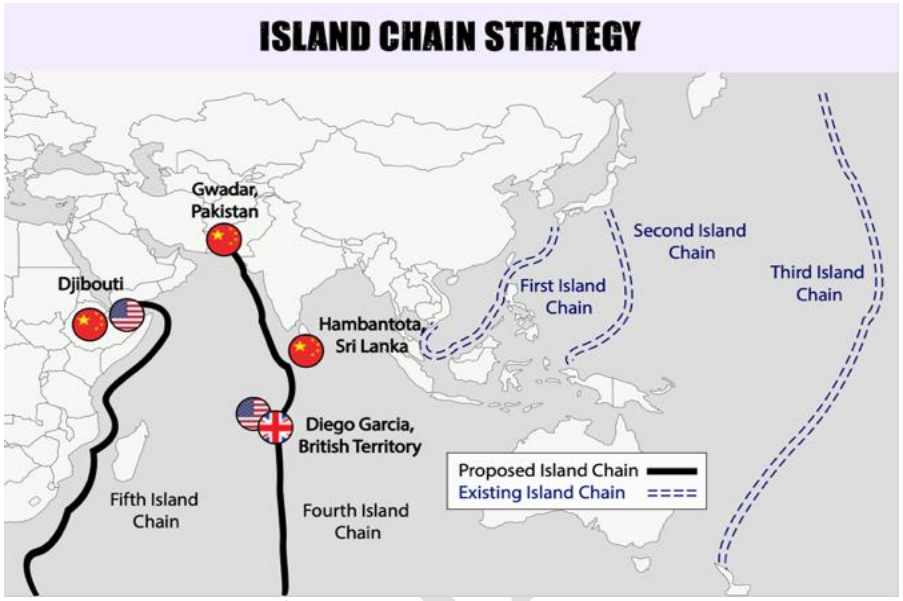

एक-चीन नीति

- यह नीति इस **तथ्य की स्वीकृति** है कि अलग-अलग चीनी राज्यों के बजाय **'चीन की केवल एक ही सरकार'** है।
- इसके अलावा, इस सिद्धांत के तहत विश्व के देश **ताइवान, तिब्बत, हांगकांग और शिनजियांग** जैसे विवादित राज्यक्षेत्रों को चीनी मुख्य भूमि का ही एक अविभाज्य हिस्सा मानते हैं।

फर्स्ट आईलैंड चेन के बारे में

- फर्स्ट आईलैंड चेन में **कुरील द्वीप समूह, जापानी द्वीप समूह, रयूकू द्वीप, ताइवान, उत्तर-पश्चिम फिलीपींस शामिल हैं। यह चेन बोर्नियो तक विस्तारित है।**
- यह चेन रक्षा की पहली पंक्ति है और **पूर्वी चीन सागर, फिलीपीन सागर, दक्षिण चीन सागर और सुलु सागर** के बीच समुद्री सीमाओं के रूप में कार्य करती है।
- इस चेन में **बाशी चैनल** और **मियाको जलडमरूमध्य** स्थित हैं। ये चीन के लिए महत्वपूर्ण चोक पॉइंट्स हैं।
- यह 1951 में अमेरिका द्वारा तैयार की गई **आइलैंड चेन स्ट्रेटेजी** (इन्फोग्राफिक देखें) का एक हिस्सा है। इसमें पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में नौसैनिक अड्डों की एक श्रृंखला बनाकर तत्कालीन सोवियत संघ (USSR) और चीन को रोकने का प्रयास किया गया था। इसका उद्देश्य इन दोनों देशों की समुद्र तक पहुंच को रोकना था।

ताइवान के मामले में भारत की नीति

- भारत **1949** से **'एक चीन'** नीति का पालन करता आ रहा है और अभी तक **ताइवान के साथ उसका कोई औपचारिक संबंध नहीं है।**
- इसके अलावा, 1995 में भारत और ताइवान ने राजनयिक कार्यों के लिए एक-दूसरे के यहां कार्यालयों की स्थापना की थी। ये कार्यालय मुख्य रूप से **वाणिज्य, संस्कृति और शिक्षा** पर केंद्रित हैं।
- हालांकि, **2010 से भारत ने** वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी आक्रामकता में वृद्धि को देखते हुए **"एक चीन" नीति का अनुसरण करना त्याग दिया है।**
- तब से, भारत ने ताइवान के साथ **'दोहरे कराधान से बचाव समझौता' और 'द्विपक्षीय निवेश संधि' पर हस्ताक्षर किए हैं।**

[2] Strategic or deliberate ambiguity

DELHI | JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | AHMEDABAD | LUCKNOW | CHANDIGARH | GUWAHATI © Vision IAS

1.1.2. एक देश, दो प्रणाली (One Country, Two Systems: OCTS)

सुर्ख़ियों में क्यों?

चीन ने हांगकांग पर पुनः नियंत्रण की 25वीं वर्षगांठ मनायी। इस दौरान उसने **एक देश, दो प्रणाली (OCTS)** के तहत हांगकांग पर चीन के नियंत्रण पर बल दिया।

OCTS का इतिहास

- इसे मूल रूप से **चीन और ताइवान को एकजुट** करने के लिए प्रस्तावित किया गया था। लेकिन, ताइवान ने इसे अस्वीकार कर दिया था।
- यह विचार तब फिर से सामने आया, जब चीन ने **ब्रिटेन और पुर्तगाल के साथ वार्ताएं शुरू** की। तब ब्रिटेन और पुर्तगाल क्रमशः **हांगकांग और मकाऊ** पर औपनिवेशिक शासन कर रहे थे।

OCTS के बारे में

- चीन के अनुसार, इस प्रणाली के तहत **मुख्यभूमि चीन का भाग होते हुए भी हांगकांग और मकाऊ की अलग-अलग आर्थिक एवं राजनीतिक प्रणालियां** हो सकती हैं।
  - दोनों क्षेत्र **चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र** बन गए। इनकी **अपनी अलग-अलग मुद्राएं तथा आर्थिक और कानूनी प्रणालियां** हैं।
    - हालांकि, **रक्षा और विदेश मामलों पर चीन** निर्णय लेता है।
- इसके अलावा, हांगकांग के पास **सभा करने की और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता** है। साथ ही, कुछ लोकतांत्रिक अधिकार भी हैं, जो **मुख्य भूमि चीन में उपलब्ध नहीं** हैं।
  - इन स्वतंत्रताओं को **मूल कानून** द्वारा संरक्षित किया जाता है। मूल कानून एक लघु-संविधान है। यह हांगकांग और चीन के बीच संबंधों का मार्गदर्शन करता है।
  - मूल कानून **50 वर्षों के लिए मान्य** है। यह **हांगकांग के लिए 2047 तक और मकाऊ के लिए 2049 तक** मान्य होगा। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि **इस अवधि के बाद क्या होगा।**

क्या आप जानते हैं?

- **प्रथम अफीम युद्ध** के बाद **1842** में अंग्रेजों ने **हांगकांग पर अधिकार** कर लिया था। वर्ष 1898 में, ब्रिटेन और चीन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अंग्रेजों को **हांगकांग के आसपास के द्वीप 99 वर्षों के लिए पट्टे (लीज़) पर दे** दिए गए।
- दूसरी ओर, **मकाऊ पर 1557 ई. से पुर्तगालियों का शासन** था।
- 1980 के दशक में, चीन ने दोनों क्षेत्रों की प्राप्ति के लिए ब्रिटेन और पुर्तगाल **के साथ वार्ता** शुरू की।
- **1997 में हांगकांग** चीनी नियंत्रण में वापस आ गया। वहीं **मकाऊ** की संप्रभुता **1999** में स्थानांतरित कर दी गई।

1.2. भारत-पाकिस्तान (India-Pakistan)

भारत–पाकिस्तान संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा की लंबाई **लगभग 2,300 किलोमीटर है।** यह सीमा भारत के चार क्षेत्रों **(जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात)** के साथ लगती है। इसमें **पाक अधिकृत कश्मीर** (PoK) के कारण कश्मीर के साथ लगती सीमा शामिल नहीं है।

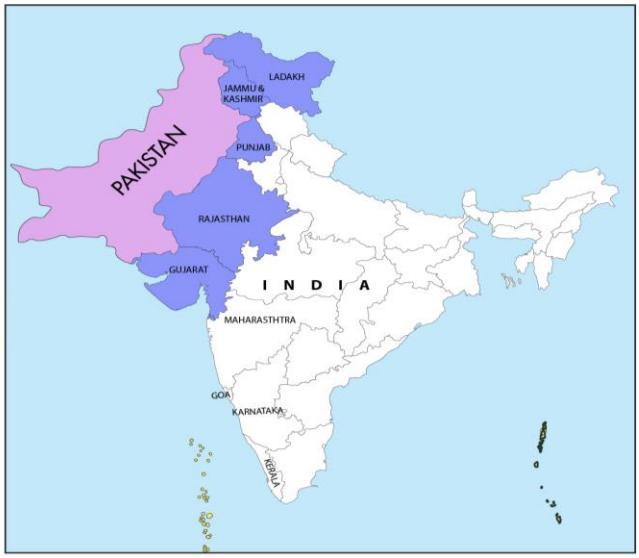

- **भारत–पाकिस्तान की वर्तमान सीमा 1947 में विभाजन के परिणामस्वरूप रेडक्लिफ आयोग द्वारा निर्धारित की गई थी।**
- दोनों देशों के मध्य लगभग 500 मिलियन अमरीकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है। **भारत इस द्विपक्षीय व्यापार में अधिशेष** की स्थिति में है।
- दोनों देशों के बीच **नियंत्रण रेखा (LoC) के आर–पार** यात्रा की शुरुआत 2005 में हुई थी। जम्मू–कश्मीर से व्यापार की शुरुआत 2009 में हुई थी।
- **करतारपुर कॉरिडोर भारतीय श्रद्धालुओं के साथ–साथ भारत के विदेशी नागरिक (OCI) कार्डधारकों को भी गुरुद्वारा करतारपुर साहिब (पाकिस्तान) की वीज़ा–मुक्त यात्रा** की सुविधा प्रदान करता है।
- भारत और पाकिस्तान ने 2012 में एक **वीजा समझौते** पर हस्ताक्षर किए थे। इसने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वीजा प्रणालियों के उदारीकरण को बढ़ावा दिया था।
- भारत और पाकिस्तान **सार्क, G–33, विश्व व्यापार संगठन,** संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे बहुपक्षीय संगठनों के सदस्य हैं।

PT 365 - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

1.2.1. सिंधु जल संधि (Indus Water Treaty: IWT)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने सिंधु जल संधि (IWT) में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस जारी किया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- यह नोटिस IWT पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद **पहली बार इसमें संशोधन करने की प्रक्रिया** को शुरू करता है।
- **भारत** इस **संधि में संशोधन की मांग** कर रहा है। भारत का कहना है कि **पाकिस्तान ने समझौते का उल्लंघन किया है** और इसी वजह से पाकिस्तान को नोटिस जारी किया गया है। इसलिए इस नोटिस के जरिए पाकिस्तान को **IWT के उल्लंघन को सुधारने के लिए अंतर-सरकारी वार्ता में प्रवेश करने पर विचार करने हेतु 90 दिन का समय** दिया गया है।

- यह नोटिस संधि के **अनुच्छेद XII (3)** के तहत जारी किया गया है। **अनुच्छेद XII (3)** में यह कहा गया है कि:

© Vision IAS

- "इस संधि के प्रावधानों को समय-समय पर दोनों सरकारों के बीच विधिवत अनुसमर्थित संधि (Duly ratified treaty) द्वारा संशोधित किया जा सकता है।"

जल–साझाकरण के लिए महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत

हार्मन डॉक्ट्रिन (The Harmon Doctrine)

इसके अनुसार **प्रत्येक देश** का अपने जल संसाधनों पर **संप्रभु अधिकार होता है।** साथ ही, वह अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर इनका अपने अनुसार उपयोग कर सकता है।

कैंपियोन नियम (Campione Rules)

ये नियम तर्कसंगत एवं न्यायोचित हिस्से का निर्धारण करते समय जलभृत (अर्थात् भूमिगत या जीवाश्म जल) को शामिल करने का समर्थन करते हैं।

हेलसिंकी नियम, 1996 (Helsinki Rules)

इन नियमों ने अंतर्राष्ट्रीय जल कानून के मूल सिद्धांत के रूप में नदी को साझा करने वाले देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय जल अपवाह बेसिन के जल के **"तर्कसंगत और न्यायोचित उपयोग"** के सिद्धांत को स्थापित किया है।

बर्लिन नियम, 2004 (Berlin Rules)

ये नियम इस बात का समर्थन करते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय नदी जल अपवाह बेसिन को साझा करने वाले देशों द्वारा जल का प्रबंधन ऐसा होना चाहिए जिससे अन्य संबंधित देशों के हितों को व्यापक हानि नहीं पहुंचे।

सिंधु जल संधि (IWT) के बारे

- IWT पर **1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षर** किए गए थे। इस संधि पर **विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई थी।**
- **उद्देश्य:** यह संधि सिंधु नदी प्रणाली के जल के उपयोग से संबंधित **दोनों देशों के अधिकारों एवं दायित्वों को निर्धारित और सीमित करती है।**
  - इसमें छह मुख्य नदियां शामिल हैं, जिनकी कई सहायक नदियां हैं।
- **नदी जल के बंटवारे के प्रावधान:**
  - **पूर्वी नदियों- सतलुज, ब्यास और रावी** का समस्त जल **भारत को आवंटित किया गया है। साथ ही, भारत इसका** अप्रतिबंधित उपयोग कर सकता है। पूर्वी नदियों द्वारा वार्षिक रूप से प्रवाहित समस्त जल की मात्रा लगभग 33 मिलियन एकड़ फीट (MAF) है।
  - **पश्चिमी नदियों- सिंधु, झेलम और चिनाब** का जल **ज्यादातर पाकिस्तान के लिए निर्धारित किया गया है।** पश्चिमी नदियों द्वारा वार्षिक रूप से प्रवाहित जल की मात्रा लगभग 135 MAF है।
    - इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी नदियों पर रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं के माध्यम से जलविद्युत उत्पन्न करने का अधिकार है। हालांकि, इन परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन के लिए विशिष्ट मानदंडों का अनुपालन अनिवार्य है।
    - चिनाब नदी की सहायक नदियों पर भारतीय हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर (HEP) परियोजनाएं: **पाकुल दुल, किरू, लोअर कलनाई और रतले।**
    - **रन-ऑफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजना** में जलविद्युत उत्पादन संयंत्र द्वारा बहुत कम या किसी प्रकार का जल भंडारण नहीं किया जाता है।

IWT के तहत तीन चरणीय विवाद समाधान तंत्र

नोट: तटस्थ विशेषज्ञों और परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की नियुक्ति **विश्व बैंक** द्वारा की जाती है। हालांकि, संधि **विश्व बैंक को यह निर्धारित करने का अधिकार नहीं देती है कि क्या एक प्रक्रिया को दूसरी प्रक्रिया पर वरीयता दी जानी चाहिए।**

- **अन्य प्रावधान:**
  - संधि के तहत **बांधों, लिंक नहरों, बैराजों और नलकूपों के निर्माण तथा वित्त पोषण हेतु प्रावधान किए गए हैं।** इसके तहत विशेष रूप से सिंधु नदी पर तारबेला बांध और झेलम नदी पर मंगला बांध का निर्माण किया गया है।
  - **संधि में प्रत्येक देश द्वारा एक आयुक्त के साथ स्थायी सिंधु आयोग** गठित करने का प्रावधान किया गया है। इस आयोग का उद्देश्य आपसी संचार के लिए एक चैनल बनाए रखना है। साथ ही, संधि के कार्यान्वयन हेतु प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना होगा। इसके अलावा, **विवादों को हल करने के लिए एक तंत्र** प्रदान किया गया है।

अन्य देशों के साथ नदी जल बंटवारे हेतु भारत के सहयोग का मौजूदा तंत्र

देश	सहयोग के लिए तंत्र
भारत-नेपाल	• **1954 की कोसी संधि** के तहत नेपाल में तटबंधों की स्थापना और रखरखाव किया गया था। • **महाकाली संधि** महाकाली नदी के जल बंटवारे से संबंधित है।

 © Vision IAS

भारत-चीन	• **ब्रह्मपुत्र नदी के** जल विज्ञान से संबंधी सूचना (Hydrological Information) के प्रावधान पर **समझौता ज्ञापन।** • **सतलुज नदी के संबंध में** हाइड्रोलॉजिकल डेटा शेयरिंग पर **समझौता ज्ञापन।** • बाढ़ के मौसम के हाइड्रोलॉजिकल डेटा एवं आपातकालीन प्रबंधन के प्रावधान पर बातचीत और सहयोग पर चर्चा करने के लिए **विशेषज्ञ-स्तरीय तंत्र।**
भारत-बांग्लादेश	• **गंगा संधि** उनकी आपसी सीमा के पास फरक्का बैराज का सतही जल साझा करने हेतु एक समझौता है। • मानसून के मौसम के दौरान **गंगा, तीस्ता, ब्रह्मपुत्र और बराक जैसी प्रमुख नदियों** में **बाढ़ पूर्वानुमान डेटा के प्रसारण** की प्रणाली का निर्माण किया जाना।
भारत-भूटान	• भारत और भूटान की साझा नदियों पर **जल-मौसम विज्ञान और बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क की स्थापना के लिए व्यापक योजना।** • **बाढ़ प्रबंधन हेतु विशेषज्ञों का एक संयुक्त समूह (JGE)।**

1.2.2. शिमला समझौता (The Shimla Agreement)

सुर्ख़ियों में क्यों?

शिमला समझौते के 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

शिमला समझौते के बारे में

- **भारत और पाकिस्तान** के बीच **02 जुलाई, 1972** को हस्ताक्षरित किया गया था।
- इसने भारत और पाकिस्तान के बीच **अच्छे पड़ोसी संबंधों के लिए एक व्यापक रूपरेखा** तैयार की थी।
- इस पर **1971 के युद्ध के बाद शांति स्थापित करने के लिए** हस्ताक्षर किए गए थे।
- **शिमला समझौते के प्रमुख सिद्धांत इस प्रकार हैं:**
  - दो राष्ट्रों के बीच संबंधों को नियंत्रित करने के लिए **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और उद्देश्यों को अपनाना।**
  - **प्रत्यक्ष द्विपक्षीय तरीकों के माध्यम से** सभी मुद्दों के **शांतिपूर्ण समाधान** के लिए पारस्परिक प्रतिबद्धता।
  - दोनों देशों के **लोगों के मध्य संपर्कों पर विशेष ध्यान** देने के साथ **सहयोगात्मक संबंध** निर्मित करना।
  - जम्मू और कश्मीर में **नियंत्रण रेखा का उल्लंघन नहीं** करना। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे महत्वपूर्ण विश्वास निर्माण उपाय है। साथ ही, **स्थायी शांति की कुंजी** भी है।
  - एक दूसरे की **राष्ट्रीय एकता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और संप्रभु समानता का सम्मान** करना।
- एक ओर जहां **भारत** ने शिमला समझौते के सिद्धांतों का **ईमानदारी से पालन** किया है, वहीं दूसरी ओर **पाकिस्तान** अपने शुरुआती **वादों पर खरा नहीं** उतरा है:
  - यह **अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर के मुद्दे** को उठाता रहता है। साथ ही, इसका समाधान खोजने के लिए **तीसरे पक्ष को शामिल करने की मांग** करता रहता है।
  - वह नियंत्रण रेखा का बार-बार उल्लंघन करता रहता है।
- शिमला समझौते के अतिरिक्त, **लाहौर घोषणा-पत्र (1999)** ने भी इस बात को दोहराया है कि **कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय रूप से हल करने की आवश्यकता है।**

1.2.3. चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (China Pakistan Economic Corridor: CPEC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

चीन और पाकिस्तान ने CPEC परियोजना में शामिल होने के इच्छुक तीसरे देश को आमंत्रित करने का फैसला किया है। दोनों देश अफगानिस्तान में CPEC परियोजनाओं का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं।

CPEC के बारे में

- CPEC एक **बुनियादी ढांचा परियोजना** है। यह **पाकिस्तान** के बलूचिस्तान में स्थित **ग्वादर बंदरगाह** को **चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र** से जोड़ती है। इस मार्ग की लम्बाई **3,000 किलोमीटर** है।
- CPEC **चीन की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना "बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव" (BRI) का एक हिस्सा है।**
  - 2013 में शुरू की गई BRI का उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को भूमि तथा समुद्री मार्गों के नेटवर्क से जोड़ना है।
- यह चीन को ग्वादर बंदरगाह से **मध्य पूर्व और अफ्रीका** तक पहुंचने का मार्ग उपलब्ध कराएगा। साथ ही, यह चीन को **हिंद महासागर तक बेहतर पहुंच** प्रदान करेगा। बदले में, चीन पाकिस्तान को ऊर्जा संकट से उबरने तथा लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को स्थिर करने हेतु **पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में सहयोग करेगा।**
- भारत ने कई बार CPEC पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

1.2.4. गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र (Gilgit Baltistan Region)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में ईंधन, भोजन और बिजली की कमी को लेकर गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शन हुए हैं।

इतिहास

- पूर्व में **गिलगित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर रियासत का हिस्सा था।**
- **1949 के भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम समझौते के बाद, "आजाद जम्मू और कश्मीर" की "अस्थायी सरकार" ने गिलगित-बाल्टिस्तान का प्रशासन पाकिस्तान को सौंप** दिया था।
- **भारत ने** 2021 में पाकिस्तान द्वारा गिलगित-बाल्टिस्तान को प्रांतीय दर्जा देने के प्रयास की आलोचना की थी।
  - भारतीय संघ (1947) में जम्मू और कश्मीर के कानूनी, पूर्ण एवं अपरिवर्तनीय विलय के आधार पर **'गिलगित-बाल्टिस्तान' सहित जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश, भारत के एक अभिन्न अंग हैं।**
- **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) समझौते के आलोक में भारत के लिए इस क्षेत्र का सामरिक महत्व बढ़ गया है।**

1.3. भारत-बांग्लादेश (India-Bangladesh)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और बांग्लादेश ने आपसी सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए **कई पहलों की घोषणा** की।

© Vision IAS

भारत–बांग्लादेश संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत और बांग्लादेश 4,096 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। यह सीमा भारत के **असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय और त्रिपुरा** जैसे राज्यों के साथ लगती है।

- **बांग्लादेश, दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा** व्यापार भागीदार देश है।
- इसके अलावा भारत, **बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार** देश है।
- वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 18 अरब डॉलर का है।

- **बांग्लादेश, भारत के लाइन ऑफ क्रेडिट** (LOC) के सबसे बड़े लाभार्थियों (8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) में से एक है।
  - हाल ही में, भारत ने **रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन के लिए बांग्लादेश को 500 मिलियन अमरीकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट** की पेशकश की है।

- 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद, भारत और बांग्लादेश ने **1972 में शांति व मैत्री संधि पर हस्ताक्षर** किए थे।

- **भारत** बांग्लादेश के साथ **54 ट्रांस-बाउंड्री नदियों** को साझा करता है। साथ ही, दोनों देशों के बीच **तीस्ता, गंगा, बराक नदी पर तिपाईमुख जल विद्युत परियोजना** आदि सहित कई नदी जल विवाद भी हैं।

- **अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सहयोग:** सार्क, बिम्सटेक, BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल), इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA) आदि।

प्रमुख निर्णयों और घोषित पहलों पर एक नज़र

- **व्यापक आर्थिक सहयोग तथा भागीदारी समझौता (Comprehensive Economic Partnership Agreement: CEPA):** दोनों पक्ष जल्द ही **CEPA पर वार्ता आरम्भ करेंगे।**
  - CEPA एक **द्विपक्षीय समझौता** है। इसमें **वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार, निवेश, प्रतिस्पर्धा तथा IPRs**[3] शामिल रहते हैं।
- **वाटर शेयरिंग (जल साझाकरण): कुशियारा नदी के जल साझाकरण हेतु समझौता ज्ञापन** पर हस्ताक्षर किए गए। यह 1996 में गंगा जल संधि के बाद इस तरह का पहला समझौता है।

दोनों देशों के बीच अन्य प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार पर प्रोटोकॉल (Protocol on Inland Water Transit and Trade: PIWTT):** यह वाणिज्य और व्यापार के लिए भारत व बांग्लादेश के मध्य अंतर्देशीय जलमार्गों के उपयोग को संभव बनाता है।
  - **PIWTT के दूसरे परिशिष्ट पर** 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे। इसके तहत **2 नए भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्गों** को शामिल किया गया है। ये मार्ग हैं- **गोमती नदी पर सोनामुरा-दौदखंडी और पद्मा नदी पर धूलिया से गोदागिरी मार्ग का अरिचा तक विस्तार।**
- **भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन परियोजना** की शुरुआत की गई है। यह परियोजना भारत के पश्चिम बंगाल स्थित **सिलीगुड़ी** और बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में स्थित **पार्बतीपुर** के मध्य स्थापित की जाएगी। यह **डीजल** की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगी।
  - **चिलाहाटी (बांग्लादेश) और हल्दीबाड़ी (भारत) के बीच रेलवे लिंक को बहाल** किया गया है।
  - **सबरूम** (त्रिपुरा) और **रामगढ़** (बांग्लादेश) को जोड़ने वाले **फेनी ब्रिज (मैत्री सेतु)** का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया है।
  - भारत द्वारा बांग्लादेश के **चटगांव (चट्टग्राम) और मोंगला बंदरगाहों** का उपयोग सीमावर्ती उत्तर पूर्वी राज्यों में माल की ढुलाई के लिए किया जाता है।
  - **अगरतला-अखौरा रेल लिंक कार्य** के पूर्ण हो जाने के बाद बांग्लादेश के लिए भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के बाजारों तक पहुंच प्राप्त कर पाना आसान हो जाएगा।

[3] Intellectual Property Rights/ बौद्धिक संपदा अधिकार

- भारत-बांग्लादेश सीमा पर **बराक नदी कुशियारा और सूरमा नदी में विभाजित** हो जाती है। यहीं पर **कुशियारा, बराक की एक शाखा के रूप में अस्तित्व** में आती है।

- **कनेक्टिविटी परियोजनाएं:**
  - **रूपशा पुल** का उद्घाटन किया गया। यह पुल **खुलना-मंगला बंदरगाह रेल परियोजना का हिस्सा है।**
  - **खुलना दर्शना रेलवे लिंक परियोजना:** वर्तमान गेदे-दर्शना (भारत) से खुलना (बांग्लादेश) के बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया जा रहा है।
  - **पार्वतीपुर-कौनिया रेलवे लाइन** पहले से मौजूद **बिरोल (बांग्लादेश)-राधिकापुर (पश्चिम बंगाल)** क्रॉस बार्डर रेल से जुड़ेगी।
- **अन्य: खुलना के रामपाल में मैत्री विद्युत संयंत्र** का उद्घाटन किया गया। इसे **रियायती वित्त पोषण योजना (CFS)[4] के तहत भारतीय विकास सहायता के रूप में स्थापित** किया जा रहा है।
  - CFS के तहत, भारत सरकार **विदेशों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं** के लिए बोली लगाने वाली **भारतीय संस्थाओं का समर्थन** करती रही है।

1.4. भारत-नेपाल (India-Nepal)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और नेपाल ने आठ समझौते किए हैं।

इन समझौते के तहत लिए गए प्रमुख निर्णय

- **रेलवे: बिहार के जयनगर को नेपाल के कुर्था** से जोड़ने वाली 35 किलोमीटर लंबी सीमा पार रेलवे लाइन की शुरुआत की गई। यह दोनों देशों के बीच पहली ब्रॉड-गेज यात्री रेल संपर्क सेवा है।
- **विद्युत:** भारत ने **सोलु कॉरिडोर** नेपाल को सौंप दिया है। यह **90-किमी लंबी और 132 kV क्षमता वाली विद्युत ट्रांसमिशन लाइन है।** इसे **भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट** के तहत निर्मित किया गया है।
  - **कटैया-कुसाहा और रक्सौल-परवानीपुर सीमा पार विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों** का उद्घाटन किया गया था।
  - दोनों पक्ष **पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना** के कार्यान्वयन में तेजी लाएंगे।
- **कनेक्टिविटी:** दोनों पक्षों ने मेची नदी पर एक पुल के निर्माण के लिए एक समझौता किया था। यह पुल एशियाई विकास बैंक के 'दक्षिण एशियाई उप-क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग सड़क कनेक्टिविटी कार्यक्रम[5] का हिस्सा है।
- **नेपाल, भारत के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल हुआ।**
- **नेपाल में भारत के रुपे (RuPay) कार्ड को लॉन्च किया गया। रुपे कार्ड का संचालन भूटान, सिंगापुर और UAE में पहले से ही जारी है।**

अन्य हालिया घटनाक्रम

- **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र:** भारतीय प्रधान मंत्री ने नेपाल के लुंबिनी में भारत अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र की आधारशिला रखी। इसकी स्थापना भारत स्थित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) कर रहा है।
- **सिस्टर सिटी:** दोनों देश लुंबिनी (भगवान बुद्ध की जन्मस्थली) और कुशीनगर (भगवान बुद्ध का परिनिर्वाण स्थल) के बीच सिस्टर सिटी संबंध स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए।
- **सप्त कोसी बांध परियोजना: सप्त कोसी उच्च बांध (हाई डैम) एक बहुउद्देशीय** परियोजना है। इसके तहत सप्तकोसी नदी पर **निम्नलिखित उद्देश्यों से बांध का निर्माण प्रस्तावित है:** दक्षिण-पूर्वी नेपाल और उत्तरी बिहार में **बाढ़ नियंत्रण** तथा **जलविद्युत** का उत्पादन।
  - भारत पश्चिमी और पूर्वी नेपाल में क्रमश: **महाकाली संधि** (6,480 मेगावाट), **अपर-करनाली परियोजना** (900 मेगावाट) और **अरुण-III परियोजना** (900 मेगावाट) जैसी अन्य परियोजनाओं में भी शामिल है।
- **पश्चिमी सेती और सेती नदी (SR6) परियोजनाएं:** हाल ही में, नेपाल और भारत ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए थे। यह MoU पश्चिमी सेती और सेती नदी (SR6) परियोजनाओं को विकसित करने से संबंधित था। उल्लेखनीय है कि पहले इन

[4] Concessional Financing Scheme

[5] South Asian Sub-Regional Economic Cooperation road connectivity programme

परियोजनाओं को नेपाल चीन के साथ पूरी करने वाला था। वर्ष 2018 में, पुनर्स्थापना और पुनर्वास के मुद्दों का हवाला देते हुए चीन, इन परियोजनाओं से पीछे हट गया था।

- यह करनाली नदी की एक सहायक नदी है।

- **जैव विविधता संरक्षण पर नेपाल के साथ समझौता ज्ञापन:** भारत में नेपाल से लगे निम्नलिखित सीमा-पारीय संरक्षित क्षेत्र (TPA)[6] हैं:
  - **कंचनजंगा संरक्षण क्षेत्र (KCA):** यह भारत और तिब्बत की सीमा के निकट नेपाल के पूर्वोत्तर कोने में स्थित है।
  - **तराई आर्क लैंडस्केप (TAL):** यह उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे भारतीय राज्यों तथा नेपाल की निचली पहाड़ियों के क्षेत्रों में फैला हुआ है।
  - **पवित्र हिमालयी भू-परिदृश्य:** इसका 74% क्षेत्र **नेपाल** में, 25% **सिक्किम** में और शेष 1% **भूटान** में स्थित है।

[6] Transboundary Protected Areas

1.5. भारत-श्रीलंका (India-Sri Lanka)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और श्रीलंका ने कोलंबो में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के अंतर्गत एक अत्याधुनिक **समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (MRCC)**[7] स्थापित करने के लिए एक **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए हैं।

अन्य संबंधित तथ्य

- MRCC, **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा** है। ये केंद्र आपात स्थिति में शीघ्र कार्रवाई के उद्देश्य से समुद्री मार्गों की निगरानी करते हैं, जैसे- संकट में फंसे जहाजों और लोगों को बचाना तथा उनकी निकासी करना, तेल रिसाव जैसी पर्यावरणीय आपदाओं की रोकथाम और नियंत्रण करना आदि।
- इसके तहत प्रत्येक देश, स्वयं के खोज और बचाव क्षेत्र के लिए जिम्मेदार है।
- MRCC को **प्रत्येक देश में नौसेना या तटरक्षक बल द्वारा समन्वित किया जाता है।**
  - भारत में, **तटरक्षक बल MRCC की समन्वयक (Co-ordinating) एजेंसी** है।

[7] Maritime Rescue Co-ordination Centre

© Vision IAS

1.5.1. कच्चातीवू द्वीप (Katchatheevu Island)

सुर्ख़ियों में क्यों?

प्रधान मंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने श्रीलंका से कच्चातीवू द्वीप को पुनः प्राप्त करने के लिए आग्रह किया है।

कच्चातीवू द्वीप के बारे में

- कच्चातीवू, **पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा निर्जन** द्वीप है। यह **बंगाल की खाड़ी को अरब सागर** से जोड़ता है।
  - यह **द्वीप 14वीं शताब्दी में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण निर्मित हुआ था।**
  - ब्रिटिश शासन के दौरान इसे **भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से प्रशासित** किया जाता था।
- कच्चातीवू द्वीप का मुद्दा तब उभरा, जब दोनों देशों ने **1974-76 के बीच चार समुद्री सीमा समझौतों पर हस्ताक्षर** किए थे।
  - भारत-श्रीलंका समझौते के अनुसार यह द्वीप श्रीलंका का हिस्सा बन गया था।
  - हालांकि, द्वीप से संबंधित एक विवाद यह है कि **श्रीलंका भारतीय मछुआरों को यहां आराम करने और अपने जाल को सुखाने से प्रतिबंधित करता है,** जबकि 1974 के समझौते के तहत उपर्युक्त सुविधाओं का प्रावधान किया गया था।

1.6. भारत-अफगानिस्तान (India-Afghanistan)

सुर्ख़ियों में क्यों?

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के लगभग दस माह बाद **भारत ने काबुल में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है।**

तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में भारत की भूमिका से जुड़े अन्य तथ्य

- भारत ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान से अपने नागरिकों और अफगानिस्तान के अन्य भागीदारों को निकालने के लिए **ऑपरेशन देवी शक्ति** शुरू किया था।
- **दुशांबे (ताजिकिस्तान)** में अफगानिस्तान पर चौथी क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता का आयोजन किया गया था। इसमें भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) ने आतंकवाद से निपटने हेतु अफगानिस्तान की क्षमता को बढ़ाने का आह्वान किया।

- इससे पहले, भारत तालिबान के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाता रहा है। हालांकि, अपने स्वयं के भू-राजनीतिक और सामरिक हितों को देखते हुए, भारत तालिबान के साथ अपनी शर्तों पर संपर्क बना रहा है।

भारत–अफगानिस्तान संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत अपने केंद्र शासित प्रदेश **लद्दाख** के जरिए अफगानिस्तान के साथ **106 कि.मी.** की भूमि सीमा साझा करता है।
- **सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही भारत–अफगानिस्तान संबंध विद्यमान है।**
- **भारत और अफगानिस्तान के बीच 1949 में एक 'मैत्री संधि' की गई थी।**

- भारत, **अफगानिस्तान का एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है।**
  - भारत और अफगानिस्तान ने एक **तरजीही व्यापार समझौते** (Preferential Trade Agreement: PTA) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत ने अफगानिस्तान के सूखे मेवों की कुछ किस्मों (38 आइटम) के लिए 50–100% तक की शुल्क संबंधी पर्याप्त रियायतें प्रदान की हैं।
- भारत अब तक **अफगानिस्तान को सबसे अधिक अनुदान प्रदान करने वाले देशों में से एक है।**
- 2017 में **भारत और अफगानिस्तान के बीच एयर फ्रेट कॉरिडोर** की शुरुआत की गई थी।
- 2002 से 2021 तक, **भारत ने अफगानिस्तान में विकास सहायता के रूप में 4 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - काबुल में अफगानिस्तान की संसद का निर्माण;
  - सलमा बांध का पुनर्निर्माण (अफगान–भारत मैत्री बांध परियोजना);
  - जरांज–देलाराम सड़क का निर्माण आदि।

1.7. भारत-मालदीव (India-Maldives)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और मालदीव ने हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए **साइबर सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, सामुदायिक आवास आदि** के क्षेत्र में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

अन्य हालिया घटनाक्रम

- भारत ने **ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (GMCP)** के लिए **100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के नई लाइन ऑफ क्रेडिट (ऋण)** की भी घोषणा की है।
  - GMCP भारत द्वारा वित्त पोषित एक **अवसंरचना परियोजना** है। यह माले को उसके नजदीकी द्वीपों- **विलिंगली, गुलहिफालू और थिलाफुशी** से जोड़ेगी।
- दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए भारत से **क्रेडिट लाइन के साथ एक सुरक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर** किए हैं।
- **मालदीव 'कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव' का हिस्सा** है। इसे **भारत ने शुरू किया** है। इस कॉन्क्लेव में **श्रीलंका और मॉरीशस** के साथ हिंद महासागर में शांतिपूर्ण सहयोग की परिकल्पना की गई है।

© Vision IAS

- हाल ही में **मालदीव के अड्डु सिटी में नेशनल कॉलेज फॉर पुलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट (NCPLE)** का उद्घाटन किया गया। इसे मालदीव में भारत की सबसे बड़ी अनुदान परियोजना के अंतर्गत स्थापित किया गया है।
- मालदीव के राष्ट्रपति ने 'इंडिया आउट' अभियान पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया।
  - **'इंडिया आउट'** दुष्प्रचार को एक संगठित अभियान माना जा रहा है। इसका उद्देश्य **अशांति उत्पन्न कर** दोनों देशों के बीच **संबंधों को बाधित करना** है।
  - भारत-विरोधी इस अभियान का एक कारण 2021 में **भारत द्वारा मालदीव के तटरक्षक बल के लिए उथुरु थिलाफल्हू (UTF)[8] एटोल पर एक बंदरगाह** विकसित करने हेतु द्विपक्षीय सहयोग है। मालदीव में यह अफवाह फैलाई गई कि वहां भारतीय सैन्यकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

भारत–मालदीव संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत, मालदीव का दूसरा **सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश है।**
- 2021 में पहली बार दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार **300 मिलियन डॉलर** का आंकड़ा पार कर गया था।
- भारत की **'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी'** में मालदीव का विशेष स्थान है।
- भारत–मालदीव ने मिनिकॉय द्वीप के राजनीतिक रूप से विवादास्पद मुद्दे को **1976 की समुद्री सीमा संधि** के माध्यम से हल कर लिया था। इस संधि के माध्यम से **मिनिकॉय को भारत के हिस्से** के रूप में मान्यता दी गई।
- **2016** में, भारत–मालदीव ने **रक्षा के लिए एक व्यापक कार्य योजना** पर हस्ताक्षर किए थे।
- **एकुवेरिन,** भारतीय और मालदीव सेना के बीच आयोजित किया जाने वाला एक प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- मालदीव, भारत के सागर **(SAGAR/ क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास)** मिशन का भी हिस्सा है।

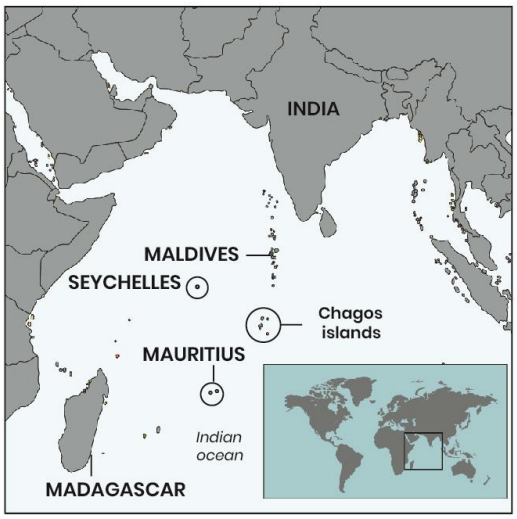

1.8. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क (Trans-Himalayan Multi-Dimensional Connectivity Network: THMCN	चीन और नेपाल **ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क (THMCN)** बनाने पर सहमत हुए हैं। **THMCN के बारे में** • THMCN को **ट्रांस-हिमालयन नेटवर्क** के रूप में भी जाना जाता है। इस आर्थिक गलियारे को 2019 में **नेपाल और चीन के बीच चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)** के एक हिस्से के रूप में प्रस्तावित किया गया था। • इस गलियारे का **उद्देश्य बंदरगाहों, सड़कों, रेलवे, विमानन और संचार में कनेक्टिविटी को बढ़ाना है।** • THMCN का उद्देश्य **चीन और शेष दक्षिण एशिया के बीच एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करना है।** इसके अलावा, इसके उद्देश्य में सीमा नियंत्रण को मजबूत करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (TAR)[9] के एकीकरण में सहायता करना शामिल है।

[8] Uthuru Thilafalhu

[9] Tibet Autonomous Region

चीन की वैश्विक सुरक्षा पहल (Global Security Initiative from China)	• यह चीन द्वारा प्रस्तावित एक पहल है। • चीन के अनुसार नई वैश्विक सुरक्षा पहल, **शीत युद्ध की मानसिकता या आधिपत्यवाद, सत्तावादी राजनीति और गुटों के टकराव** के खिलाफ कार्य करेगी। • यह पहल **संयुक्त राज्य अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति, क्वाड** (भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का समूह) तथा **ओकस/ AUKUS** (ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम एवं संयुक्त राज्य अमेरिका) को प्रतिसंतुलित करेगी।
पॉर्कुपाइन स्ट्रेटेजी (Porcupine strategy)	• ताइवान, चीन द्वारा उस पर हमला किए जाने की स्थिति में जवाबी कार्यवाही के लिए **'पॉर्कुपाइन स्ट्रेटेजी'** पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। • पॉर्कुपाइन, असममित युद्ध की एक रणनीति है। इसमें कमजोर देश का रक्षा तंत्र अपनी शक्ति बढ़ाने की बजाए शत्रु देश की कमजोरी को निशाना बनाता है। ○ इस रणनीति को 2008 में अमेरिकी प्रोफेसर 'विलियम एस मरे' ने प्रस्तावित किया था। • इस रणनीति द्वारा **ताइवान अपने रक्षा तंत्र को इतना मजबूत करना चाहता है, कि उस पर हमला करने वाले किसी भी हमलावर देश को भारी क्षति उठानी पड़े।** • **इस रणनीति में तीन रक्षात्मक परतें हैं:** ○ बाहरी परत इंटेलिजेंस व टोह लेने पर केंद्रित है। ○ दूसरी परत में समुद्र में गुरिल्ला युद्ध की तैयारी है। ○ तीसरी और सबसे अंतिम परत **द्वीप के भूगोल और जनसांख्यिकी** पर निर्भर करती है।
स्पेक्ट्रोग्राफिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ नेबुलर गैस (SING) प्रोजेक्ट {Spectrographic Investigation of Nebular Gas (SING) project}	• **भारत और चीन के बीच तनाव** 'SING परियोजना' में शामिल भारतीय वैज्ञानिकों को चिंतित कर रहा है। • **SING** भारतीय ताराभौतिकी संस्थान (IIA)[10] और रूसी विज्ञान अकादमी के बीच एक सहयोग है। यह तियांगोंग (चीन का नया स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन) के लिए **पेलोड डिजाइन करने** पर केंद्रित है। • **SING** मुख्य रूप से एक **स्पेक्ट्रोग्राफ को भेजने और उसकी अवस्थिति** से संबंधित है। स्पेक्ट्रोग्राफ एक ऐसा उपकरण है, जो **पराबैंगनी विकिरण का अध्ययन** करने के लिए **प्रकाश को घटक आवृत्तियों और तरंग दैर्ध्य** में विभाजित करता है।
वुल्फ वारियर कूटनीति (Wolf Warrior diplomacy)	• **चीन के राष्ट्रीय हितों की रक्षा हेतु चीन के राजनयिकों द्वारा आक्रामक** तरीकों के उपयोग को 'वुल्फ वारियर कूटनीति' के नाम से जाना जाता है। ○ **वुल्फ वारियर कूटनीति:** इसके तहत सोशल मीडिया सहित सार्वजनिक मंच पर आक्रामक, विरोधपूर्ण और शत्रुतापूर्ण कूटनीति का उपयोग किया जाता है। ○ इस कूटनीति **में उकसाने वाले उत्तेजक शब्दों के साथ-साथ आक्रामक कार्रवाइयां भी शामिल** होती हैं। • **चीन के दृष्टिकोण के अनुसार** यह कूटनीति **चीन और चीन के लोगों के प्रति** विशेष रूप से अमेरिका सहित अन्य देशों द्वारा की जाने वाली **'अनुचित' कार्रवाई के प्रति प्रत्यक्ष जवाबी कार्रवाई है।**
चाइना प्लस वन रणनीति (China-Plus-One strategy)	• भारत **'चाइना प्लस वन' रणनीति के हिस्से के रूप में सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है।** ○ 'चाइना प्लस वन' एक व्यावसायिक रणनीति है। इसके तहत **कंपनियां केवल चीन में ही निवेश करने से बचने और चीन से अलग अन्य देशों में भी निवेश करने संबंधी रणनीति अपना** रही हैं। ○ यह रणनीति **2018 में लोकप्रिय होना शुरू** हुई थी। कोविड महामारी के प्रकोप के बाद इसे प्रमुखता मिली है।
एशियाई समाशोधन संघ (Asian Clearing Union: ACU)	• **RBI ने श्रीलंका के साथ किए जा रहे व्यापारिक लेन-देन सहित सभी पात्र चालू खाता लेनदेनों के निपटान हेतु अधिसूचना जारी की है।** इसके तहत लेनदेन का निपटान एशियाई समाशोधन संघ (ACU) प्रणाली के बाहर किसी भी स्वीकृत मुद्रा में किया जा सकता है। इस प्रकार का निपटान अगली अधिसूचना जारी होने तक किया जाता रहेगा। ○ ACU का उद्देश्य बहुपक्षीय आधार पर पात्र लेनदेन के लिए सदस्य देशों के बीच भुगतान

[10] Indian Institute of Astronomy

 © Vision IAS

	की सुविधा प्रदान करना है। इस प्रकार, यह भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के किफायती उपयोग और हस्तांतरण संबंधी लागत में कमी को संभव करता है। ○ **एशियाई मौद्रिक इकाई (AMU), एशियाई समाशोधन संघ का साझा यूनिट ऑफ अकाउंट है। इस मौद्रिक इकाई को 'ACU डॉलर', 'ACU यूरो' और 'ACU येन' के मूल्य-वर्ग में दर्शाया जा सकता है।**

1.9. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

क्रम संख्या	स्थल
1.	**पश्चिमी सेती बांध (नेपाल)** **संदर्भ:** नेपाल और भारत ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए थे। यह MoU **पश्चिमी सेती और सेती नदी (SR6) परियोजनाओं को विकसित** करने से संबंधित था। • सेती (अर्थात् **सफेद नदी**) को **'सेती गंडकी'** के नाम से भी जाना जाता है। यह पश्चिमी नेपाल में प्रवाहित होने वाली एक नदी है। **यह अन्नपूर्णा गिरिपिंड (Massif) से निकलती है।** • यह देवघाट क्षेत्र के निकट **त्रिशूली नदी** में मिलने से पूर्व **महाभारत रेंज** से होकर गुजरती है। यह त्रिशूली की **बाएं किनारे की एक सहायक नदी** है।
2.	**लुंबिनी (नेपाल)** **संदर्भ:** पिछले कुछ दशकों में यह पहली बार है, जब भारत के प्रधान मंत्री ने लुंबिनी (नेपाल) का दौरा किया। • लुंबिनी भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। यहां **सिद्धार्थ गौतम का जन्म 623 ई.पू.** में हुआ था। • यह **दक्षिणी नेपाल के तराई मैदानों (नेपाल के रूपंदेही जिले) में स्थित** है। यह भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से 125 किलोमीटर दूर है। • इस स्थल को अब **बौद्ध तीर्थ स्थल** के रूप में विकसित किया जा रहा है। • इसे **प्राचीन संस्मारक संरक्षण अधिनियम, 1956** द्वारा संरक्षित किया जा रहा है।

	• यह **यूनेस्को (UNESCO) का विश्व धरोहर स्थल** है।
3.	**गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र** **संदर्भ:** भारत और चीन के सैनिकों ने **पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स में पेट्रोलिंग प्वाइंट (PP) 15** से पीछे हटना शुरू कर दिया है। • इससे पहले, चीन ने **देपसांग मैदानों सहित हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट** से अपने सैनिकों को हटाने से मना कर दिया था। ये क्षेत्र दोनों पक्षों के बीच टकराव के बिंदु बने हुए थे। • **PP15, हॉट स्प्रिंग्स नामक** क्षेत्र में स्थित है, जबकि **PP17A गोगरा पोस्ट नामक क्षेत्र के पास है।** ○ ये दोनों क्षेत्र **पूर्वी लद्दाख के गलवान में चांग चेनमो नदी के निकट** अवस्थित हैं। ○ यह क्षेत्र **काराकोरम पर्वत श्रृंखला के उत्तर में** अवस्थित है, जो **पैंगोंग त्सो झील के उत्तर में और गलवान घाटी के दक्षिण-पूर्व** में स्थित है।
4.	**दरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड (DSDBO)** **संदर्भ:** यह सड़क मार्ग **लेह को काराकोरम दर्रे से जोड़ता** है। यह लद्दाख को चीन के शिनजियांग प्रांत से अलग करता है। इसकी **लंबाई 225 किलोमीटर** है। • DS-DBO सड़क मार्ग **भारत की सबसे उत्तरी चौकी दौलत बेग ओल्डी के साथ संपर्क प्रदान करता है।** • इसमें दुनिया में **सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित हवाई पट्टी** है। इसे मूल रूप से 1962 के युद्ध के दौरान बनाया गया था। हालांकि, 2008 तक इसका उपयोग करना बंद कर दिया गया था। • DS-DBO राजमार्ग भारतीय सेना को **तिब्बत-शिनजियांग राजमार्ग के उस हिस्से तक पहुंच प्रदान करता है, जो अक्साई चिन से होकर गुजरता है।** यह सड़क मार्ग अक्साई चिन में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के लगभग समानांतर है।
5.	**पैंगोंग त्सो (Pangong Tso)** **संदर्भ:** विदेश मंत्रालय ने 2020 के सीमावर्ती गतिरोध वाले स्थल के करीब पैंगोंग त्सो झील पर एक दूसरे पुल के निर्माण की पुष्टि की है। • पैंगोंग त्सो, तिब्बती भाषा में अर्थ उच्च घास भूमि वाली झील है। यह भारत-चीन सीमा पर हिमालय श्रृंखला में **4,350 मीटर** की ऊंचाई पर स्थित है। यह **विश्व में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित खारे पानी की झील** है। • यह एक **एंडोरेहिक झील** है। इसकी लगभग **160 कि.मी.** की कुल लंबाई में से, **एक तिहाई भारत (लद्दाख क्षेत्र) में** है, जबकि **शेष दो-तिहाई चीन में** है। • इसे **रंग बदलने** के लिए जाना जाता है। यह अलग-अलग समय पर **नीले, हरे** और **लाल रंग** में दिखाई देती है।
6.	शिंकू ला दर्रा **संदर्भ:** सीमा सड़क संगठन शिंकू ला दर्रे पर **विश्व की सबसे ऊंची सुरंग का निर्माण** करेगा। इसका निर्माण **2025 तक 'योजक परियोजना'** के तहत किया जाएगा। **यह हिमाचल प्रदेश को लद्दाख से जोड़ेगी।** • यह **लद्दाख की जास्कर घाटी और हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी के मध्य** अवस्थित है। • विश्व की सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित सुरंग **अटल सुरंग, रोहतांग** में अवस्थित है।
7.	**माणा ला (माणा दर्रा), उत्तराखंड** **संदर्भ:** प्रधान मंत्री ने **माणा गांव (चमोली जिला) से माणा दर्रे** तक **कनेक्टिविटी परियोजना** की आधारशिला रखी है। • **माणा दर्रा** 18,192 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह **भारत और चीन की सीमा के बीच अंतिम बिंदु है।** यह **भारत और तिब्बत** के बीच का एक **प्राचीन व्यापार मार्ग** भी है। • इसे **'डूंगरी ला'** के नाम से भी जाना जाता है। यह **नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व के भीतर स्थित है।** • माणा गांव **सरस्वती नदी** के तट पर स्थित है। यहां **भोटिया** (मंगोल जनजाति) लोग रहते हैं।
8.	**नेचिफू सुरंग (Nechiphu Tunnel)** **संदर्भ:** सीमा सड़क संगठन (BRO) ने नेचिफू सुरंग (अरुणाचल प्रदेश) के उत्खनन कार्य के समापन के लिए सफलतापूर्वक 'विस्फोट' किया। • **नेचिफू सुरंग बालीपारा-चारदुआर-तवांग रोड पर बनाई जा रही है।** यह असम के बालीपारा को चीन की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के तवांग से जोड़ेगी। • इसके उत्खनन को **BRO के प्रोजेक्ट वर्तक** के तहत पूरा किया गया है।

DELHI | JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | AHMEDABAD | LUCKNOW | CHANDIGARH | GUWAHATI © Vision IAS

2. भारत-दक्षिण पूर्व एशिया (India-Southeast Asia)

2.1. भारत-म्यांमार (India-Myanmar)

सुर्ख़ियों में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'तटीय विनियमन क्षेत्र' (CRZ) की मंजूरी के लिए **चेन्नई में म्यांमार/ मलेशिया-इंडिया-सिंगापुर ट्रांजिट (MIST) कॉरिडोर** बनाने का सुझाव दिया है।

Myanmar/Malaysia–India–Singapore Transit (MIST) corridor

अन्य संबंधित तथ्य

- MIST एक **अंतर्राष्ट्रीय सबमरीन केबल संचार नेटवर्क** है। यह नेटवर्क **भारत को म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर से जोड़ने के लिए** समुद्र के नीचे से गुजरेगा।
  - यह एशिया में **सुरक्षित, विश्वसनीय, मजबूत और किफायती दूरसंचार सुविधाएं प्रदान करेगा।** इसका मुख्य ट्रंक रूट **सिंगापुर में 'तुआस' से भारत में 'मुंबई'** तक होगा।
  - MIST केबल सिस्टम की **कुल लंबाई 8,100 कि.मी.** है।

भारत–म्यांमार संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- म्यांमार भारत से सीमा साझा करने वाला एकमात्र आसियान देश है।
- म्यांमार पूर्वोत्तर भारत के साथ 1,643 किलोमीटर की भूमि सीमा साझा करता है। पूर्वोत्तर भारत के ये राज्य हैं: अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम।
- दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लंबे समय से लगभग 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बना हुआ है।
- म्यांमार में भारत का विकास सहायता पोर्टफोलियो अब 1.75 बिलियन डॉलर से अधिक का हो गया है। इन विकास परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट;
  - त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना;
  - रखाइन प्रांत विकास कार्यक्रम, तथा
  - बागान में आनंद मंदिर की बहाली और संरक्षण।
- दोनों देश बिम्सटेक, एशियाई क्षेत्रीय फोरम मेकांग–गंगा सहयोग, संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुपक्षीय संगठनों के सदस्य हैं।

2.2. भारत-वियतनाम (India-Vietnam)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और वियतनाम ने **पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते पर हस्ताक्षर** किए हैं।

अन्य संबंधित तथ्य

- इस समझौते से दोनों देशों की सेनाएं मरम्मत और विभिन्न मदों की पुनःपूर्ति के लिए **एक-दूसरे के सैन्य अड्डों का उपयोग** कर सकेंगी।
  - पारस्परिक लॉजिस्टिक सहायता पर समझौता ज्ञापन **वियतनाम द्वारा किसी देश के साथ किया गया पहला ऐसा बड़ा समझौता** है।
- **अन्य प्रमुख समझौते:**
  - रक्षा सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से **'भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी 2030' के लिए संयुक्त विजन दस्तावेज** पर हस्ताक्षर किए गए।
  - वियतनाम को दी गई **500 मिलियन डॉलर की डिफेंस लाइन ऑफ क्रेडिट** को शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जाएगा।
  - भारत के रक्षा मंत्री ने बौद्ध मंदिर **ट्रान क्वोक पैगोडा** का दौरा किया। यह श्रद्धेय मंदिर सदियों पुरानी सभ्यता और लोगों के आपसी संबंधों की पुष्टि करता है।

शब्दावली को जानें

- लॉजिस्टिक समझौते (LA) **प्रशासनिक व्यवस्थाएं** हैं। ये ईंधन के आदान–प्रदान के लिए **सैन्य सुविधाओं तक पहुंच** की सुविधा प्रदान करती हैं। साथ ही, ये लॉजिस्टिक सहायता को सरल बनाने के लिए आपसी सहमति का भी प्रावधान करती हैं।
  - भारत ने **क्वाड के सभी देशों के अलावा फ्रांस, सिंगापुर और साउथ कोरिया** के साथ भी कई लॉजिस्टिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत–वियतनाम संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत और वियतनाम का लगभग 11 **बिलियन अमेरिकी डॉलर** का द्विपक्षीय व्यापार है।
- भारत कई कार्यक्रमों के जरिए वियतनाम के साथ भागीदारी बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। उदाहरण के लिए- **मेकांग-गंगा परियोजना, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC), e-ITEC** पहल आदि।
- संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन के अलावा **आसियान, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, मेकांग गंगा सहयोग, एशिया यूरोप मीटिंग (ASEM)** जैसे विविध क्षेत्रीय मंचों पर भी भारत और वियतनाम एक-दूसरे के सहयोगी बने हुए हैं।

- **सांस्कृतिक जुड़ाव:**
  - बौद्ध भिक्षु **महाजावक और कल्याणकुरीयारे को दूसरी शताब्दी ई. पू.** के दौरान वियतनाम में बौद्ध धर्म की स्थापना का श्रेय दिया जाता है।
  - **महात्मा गांधी और हो ची मिन्ह** को क्रमशः भारत और वियतनाम में राष्ट्रपिता की उपाधि प्रदान की गई है।

© Vision IAS

2.3. भारत और थाईलैंड (India-Thailand)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और थाईलैंड के **राजनयिक संबंधों** को **75 वर्ष** पूर्ण हुए।

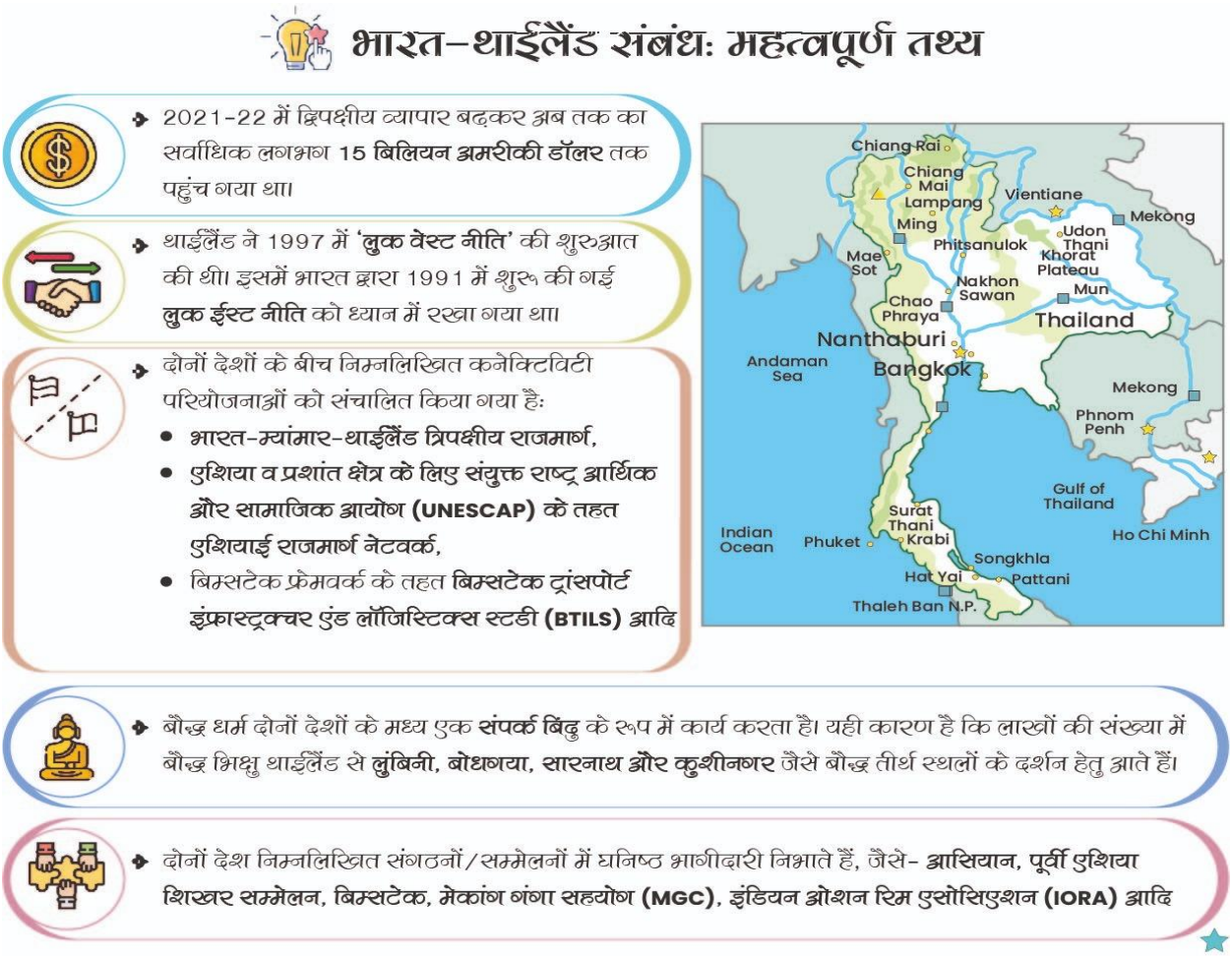

2.4. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

डिजिटल नोमैड वीज़ा (Digital Nomad Visa: DNV)	• **इंडोनेशिया** ने ज़्यादा संख्या में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए **DNV की घोषणा की** है। इसका उद्देश्य कोविड-19 के आर्थिक प्रभावों से निपटना है। ○ DNV **रिमोट वर्कर्स को बिना कर भुगतान किए रहने** की अनुमति देगा। • **डिजिटल नोमैड्स:** ये लोग **अलग-अलग स्थानों की यात्रा करते हुए अपने मूल स्थान से दूर रहकर कार्य** करते हैं। ये अपनी **अर्जित आय को उस देश में खर्च करते हैं, जहां की वे यात्रा** कर रहे होते हैं। • ये लोग किसी एक **स्थान पर निर्भर नहीं रहते हैं और प्रौद्योगिकी सक्षम जीवन शैली** को अपनाते हैं। इस जीवन शैली के तहत, **इंटरनेट से जुड़ी इस दुनिया में कहीं भी यात्रा करते हुए कार्य किया जा सकता है।**
'पूर्वी जलमार्ग कनेक्टिविटी परिवहन ग्रिड' (Eastern Waterways Connectivity Transport Grid: EWCTG)	• पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय **EWCTG** विकसित करने की योजना बना रहा है। इसके जरिए **भारत,** दक्षिण एशिया और पूर्वी दक्षिण एशिया के साथ **क्षेत्रीय एकीकरण एवं व्यापार को बढ़ावा** देने के लक्ष्यों को पूरा करना चाहता है। ○ EWCTG भारत की **एक्ट ईस्ट नीति का हिस्सा** है। इसे **भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग** के वर्तमान नेटवर्क पर विकसित किया जाएगा। ○ इसे आगे **म्यांमार, मलेशिया, सिंगापुर और थाईलैंड** से जोड़ा जाएगा।

अंडमान-आचे लिंक (Andaman-Aceh Link)	• **भारत-इंडोनेशिया संयुक्त टास्क फोर्स ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा आचे प्रांत** के बीच कनेक्टिविटी स्थापित करने में आने वाली चुनौतियों की समीक्षा की है। • इस लिंक की परिकल्पना 2018 में **'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग के साझा विज़न'** के तहत की गई थी। अंडमान-आचे लिंक के अंतर्गत **इंडोनेशिया के आचे प्रांत के सबांग शहर को अंडमान और निकोबार-द्वीप समूह से जोड़ा जाएगा।** ○ अंडमान और निकोबार से लगभग 90 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित **ग्रेट चैनल (या छह डिग्री चैनल) निकोबार को आचे प्रांत से अलग करता है।** • **सबांग अंडमान सागर और मलक्का जलडमरूमध्य के समीप** स्थित है। इसकी अवस्थिति इसे भारत के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है। यह अंडमान और निकोबार में पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे अन्य लाभ भी प्रदान कर सकता है।

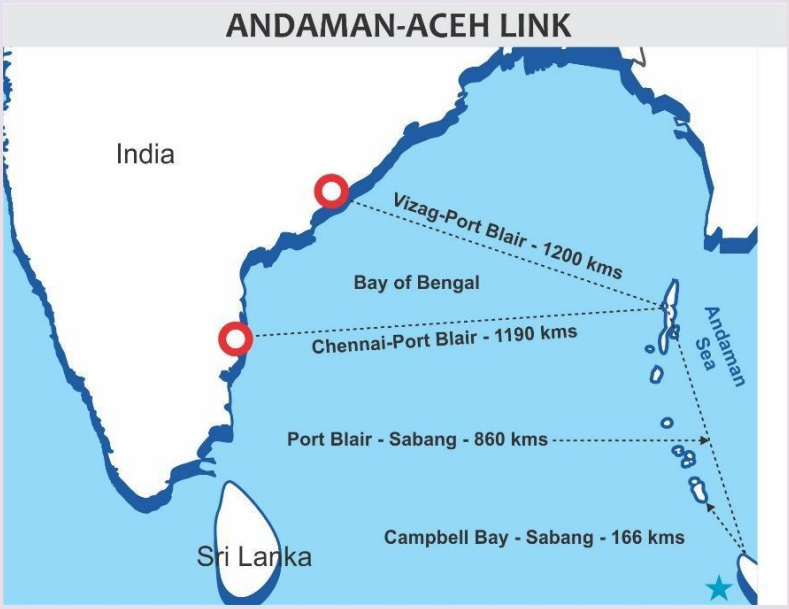

2.5. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

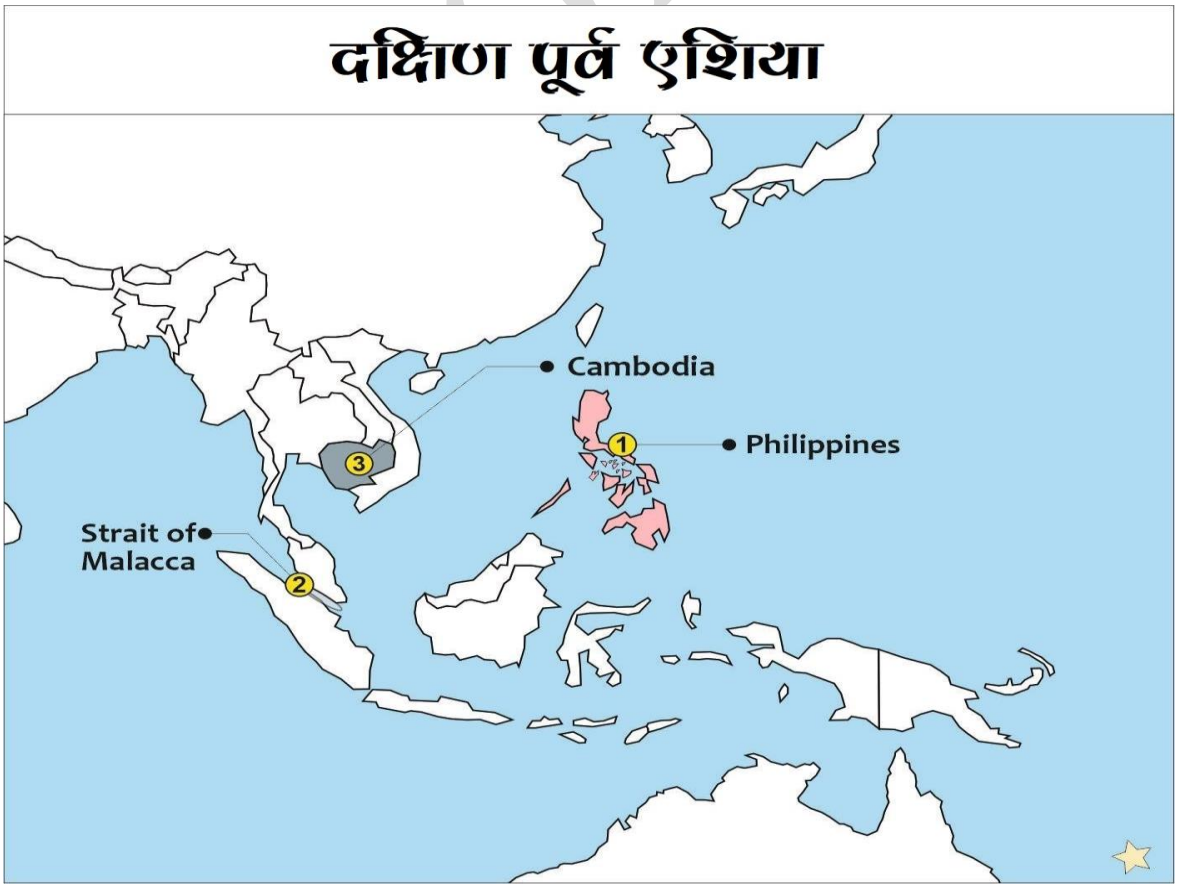

© Vision IAS

क्रम संख्या	स्थल
1.	**फिलीपींस (राजधानी: मनीला)** **संदर्भ:** भारत और फिलीपींस ने फिनटेक, शिक्षा तथा रक्षा क्षेत्र में संबंधों को और आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। • **अन्य जानकारी:** रोड्रिगो दुतेर्ते के बाद **बोंगबोंग मार्कोस जूनियर** फिलीपींस के नए राष्ट्रपति बने हैं। • फिलीपींस एक द्वीपसमूह राष्ट्र है। इसमें विश्व की 5वीं सबसे बड़ी तटरेखा (36,290 कि.मी.) के साथ 7,000 से अधिक द्वीप शामिल हैं। फिलीपींस किसी भी देश के साथ **कोई भूमि सीमा साझा नहीं** करता है। • यह **इंडोनेशिया, चीन, जापान, पलाऊ, मलेशिया, वियतनाम और ताइवान** के साथ **समुद्री सीमा** साझा करता है।
2.	**मलक्का जलडमरूमध्य** **संदर्भ:** भारतीय और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच **भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्त (IND-INDO CORPAT) अभ्यास** अंडमान सागर तथा मलक्का जलडमरूमध्य में आयोजित किया गया।. • मलक्का जलडमरूमध्य **अंडमान सागर (हिंद महासागर) और दक्षिण चीन सागर (प्रशांत महासागर) को जोड़ने** वाला एक जलमार्ग है।. ○ यह वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह **हिंद महासागर और प्रशांत महासागर** के बीच सबसे कम दूरी का समुद्री मार्ग प्रदान करता है। ○ समुद्र द्वारा परिवहन किए जाने वाले कुल तेल का लगभग **एक चौथाई भाग** इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
3.	**कंबोडिया (राजधानी: नोम पेन्ह)** **संदर्भ:** चीन **थाईलैंड की खाड़ी पर कंबोडिया के रीम नेवल बेस** में अपनी दूसरी विदेशी चौकी (प्रथम जिबूती में) स्थापित करेगा। • कंबोडिया एक **दक्षिण पूर्व एशियाई देश** है। यह **थाईलैंड, लाओस** और **वियतनाम** से घिरा हुआ है। **थाईलैंड की खाड़ी** इसे समुद्री पहुंच प्रदान करती है। • **प्राचीन अंगकोरवाट मंदिर** उत्तरी कंबोडिया में स्थित है। इसे **सूर्यवर्मन द्वितीय** ने बनवाया था। यह दुनिया में सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है।

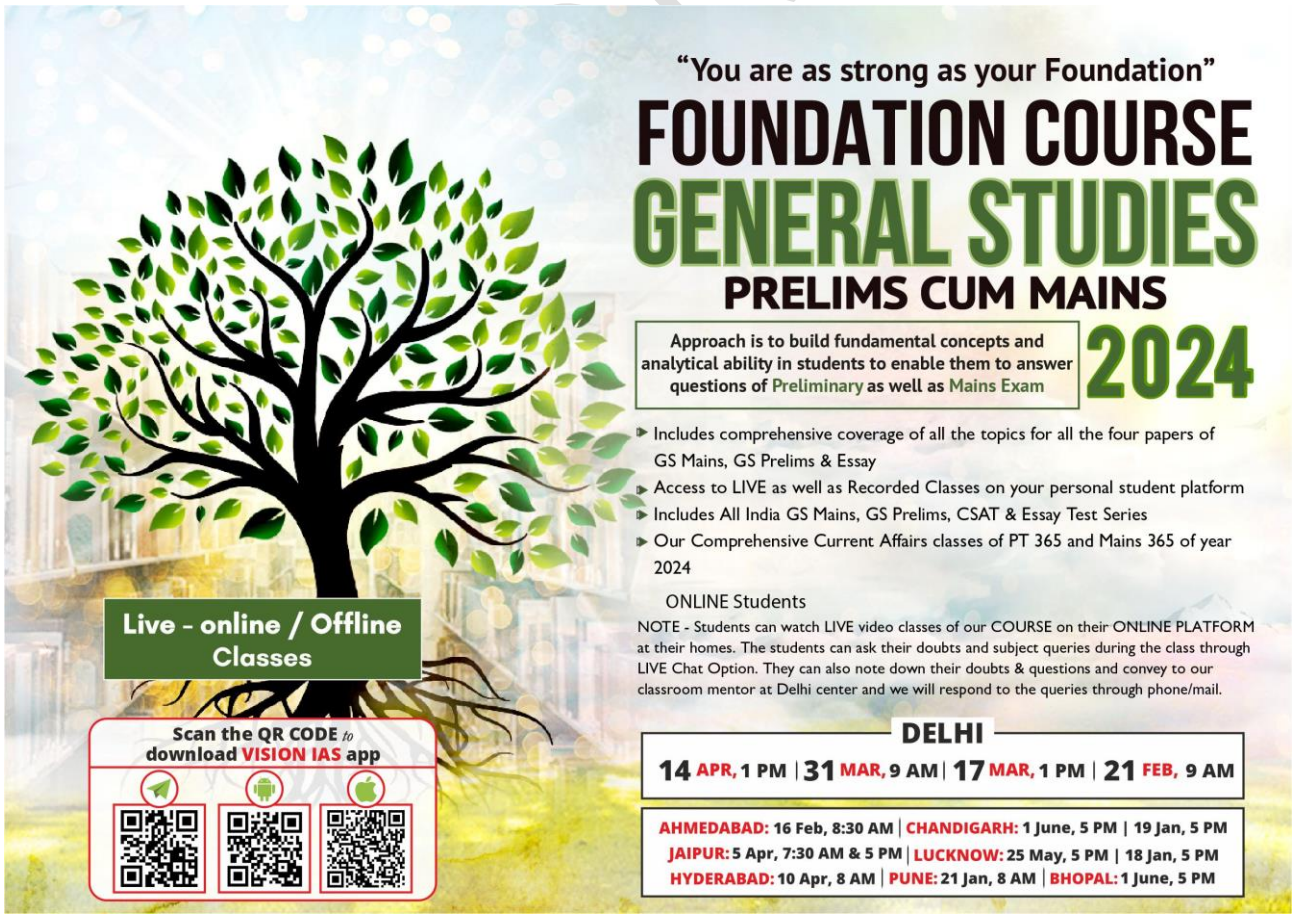

3. भारत-पश्चिम एशिया (India-West Asia)

3.1. भारत-इजरायल (India-Israel)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और इजरायल के **रक्षा मंत्रियों** ने **द्विपक्षीय वार्ता** में भाग लिया। इसमें भविष्य की रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए **रक्षा सहयोग पर भारत-इजरायल विजन**[11] को अपनाया गया।

इजरायल के साथ शुरू की गई अन्य पहलें

- **भारत-इजरायल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी नवाचार कोष (I4F)**[12]
  - I4F भारत और इजरायल के बीच एक सहयोग है। यह सहयोग भारत और इजरायल की कंपनियों के बीच **संयुक्त औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने, सुविधाजनक बनाने और समर्थन देने पर केंद्रित है।** इसका उद्देश्य सहमत 'फोकस क्षेत्रकों' में मौजूदा चुनौतियों का समाधान करना है।
- दोनों देशों ने **कृषि सहयोग में विकास के लिए तीन वर्षीय कार्यक्रम** (वर्ष 2021-2023) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कार्यक्रम से दोनों देशों के **स्थानीय किसानों** को लाभ प्राप्त होगा।
- **भारत और इजरायल मुक्त व्यापार समझौते (FTA)**[13] **पर बातचीत** कर रहे हैं।

शब्दावली को जानें

- **पैरा डिप्लोमेसी:** इसे "उप–राष्ट्रीय इकाइयों की विदेश नीति संबंधी क्षमता" के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके तहत उप–राष्ट्रीय इकाइयां मेट्रोपॉलिटन स्टेट से स्वतंत्र अपने स्वयं के विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय हितों की दिशा में भागीदारी करती हैं। इन उप–राष्ट्रीय इकाइयों में अलग–अलग देशों या संघों के राज्य या एकात्मक शासन व्यवस्था वाले देशों की स्वायत्त संस्थाएं शामिल होती हैं।

भारत–इजरायल संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

PT 365 - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

[11] India-Israel Vision on Defence Cooperation

[12] India-Israel Industrial R&D and Technological Innovation Fund

[13] Free Trade Agreement

© Vision IAS

- **रक्षा क्षेत्र में:**
  - **भारत, इजरायल से सर्वाधिक सैन्य उपकरण क्रय करने वाला देश रहा है।**
  - SIPRI रिपोर्ट, 2021 के अनुसार **भारतीय रक्षा आयात में इजरायल की हिस्सेदारी लगभग 13%** है। इनमें महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियां और संयुक्त विकास परियोजनाएं शामिल हैं। इजरायल से खरीदे गए घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - मिसाइल: **बराक–8** (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल) और **स्पाइक** (एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल), तथा
    - **मानव रहित हवाई यान (UAVs): जैसे– हारोप और हेरॉन।**
- भारत द्वारा **बागवानी, सूक्ष्म सिंचाई जैसे क्षेत्रों में इजरायल की विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकियों** का उपयोग किया जा रहा है।
- भारत **2020–21** में इजरायल का **तीसरा** सबसे बड़ा **व्यापार भागीदार देश** था।
- **पैरा डिप्लोमेसी:** उत्तर प्रदेश ने **बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट को दूर करने के लिए** इजरायल के साथ 'प्लान ऑफ कोऑपरेशन' पर हस्ताक्षर किए हैं।

3.1.1. द्वि-राष्ट्र समाधान (Two State Solution)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक आपातकालीन सत्र आयोजित किया गया। इसमें भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि **'द्वि-राष्ट्र समाधान'** पर वार्ता के जरिए ही **इजरायल और फिलिस्तीन के बीच दीर्घकालिक शांति** बहाल की जा सकती है।

द्वि-राष्ट्र समाधान के बारे में

- यह एक स्वतंत्र एवं संप्रभु देश **फिलिस्तीन** और एक स्वतंत्र व संप्रभु देश **इजरायल** के शांतिपूर्ण अस्तित्व को संदर्भित करता है।
- 1991 में **अमेरिकी मध्यस्थता** वाले **मैड्रिड शांति सम्मेलन** के दौरान **द्वि-राष्ट्र समाधान** पर सहमति प्रदान कर दी गई थी।

भारत की इजरायल-फिलिस्तीन नीति

- **भारत** ने 1947 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐतिहासिक फिलिस्तीन के क्षेत्र में इजरायल के निर्माण के **खिलाफ मतदान** किया था।
- शीत-युद्ध के दौरान **भारत फिलिस्तीनी स्वतंत्रता का एक मजबूत समर्थक** बना रहा। भारत अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों के अनुरूप, **इजरायल के कब्जे के खिलाफ एक नैतिक तथा कानूनी पक्ष** लेता रहा।
- भारत ने **1992 में इजराइल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध** स्थापित किए।
- 2018 में, भारत ने एक **डी-हाइफ़नेशन नीति** अपनाई। इस नीति का अर्थ था कि **इजराइल के साथ भारत का संबंध द्विपक्षीय आपसी मुद्दों पर आधारित** होगा। यह संबंध भारत के फिलिस्तीन के साथ संबंधों से **स्वतंत्र और पृथक** होगा।

3.2. भारत-सऊदी अरब (India-Saudi Arabia)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **भारत-सऊदी अरब सामरिक भागीदारी परिषद (SPC)** की मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

अन्य संबंधित तथ्य

- SPC की स्थापना 2019 में भारतीय प्रधान मंत्री की सऊदी अरब की यात्रा के दौरान की गई थी।
- **इसके दो मुख्य स्तंभ हैं:**
  - **राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति,** तथा
  - **अर्थव्यवस्था एवं निवेश समिति।**

भारत–सऊदी अरब संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष–2021–22 में दोनों के बीच 42.86 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था।
- सऊदी अरब भारत के लिए हाइड्रोकार्बन का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। यह भारत की कच्चे तेल की 18% और LPG की 30% आवश्यकताओं की आपूर्ति करता है।
- सऊदी अरब में 28 लाख से अधिक प्रवासी भारतीय कार्यरत हैं।

- भारत की ई–माइग्रेट प्रणाली को सऊदी अरब की ई–थावतीक (e–Tawtheeq) प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य श्रमिकों के लिए प्रवासन प्रक्रिया का उचित संचालन करना है।
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
  - सऊदी अरब में पवित्र शहर मक्का और मदीना स्थित हैं। यहां हजारों भारतीय वार्षिक हज और उमरा तीर्थ यात्रा के लिए आते हैं।
  - हाल ही में, दोनों देशों ने योग सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। खाड़ी क्षेत्र में किसी भी देश ने पहली बार योग सहयोग पर समझौता किया है।
- **रक्षा सहयोग**
  - द्विपक्षीय अभ्यास 'अल–मोहद अल–हिंदी' आयोजित किया जाता है।
  - भारत–सऊदी अरब रक्षा सहयोग संयुक्त समिति (JCDC) का गठन किया गया है। इसे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की व्यापक समीक्षा और मार्गदर्शन करने के लिए गठित किया गया है।
- भारत और सऊदी अरब बहुपक्षीय मंचों, जैसे– संयुक्त राष्ट्र, G20, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) आदि के सदस्य हैं।

संबंधित सुर्ख़ियां

मिडिल ईस्ट ग्रीन इनिशिएटिव (MGI)

- हाल ही में, **MGI 2022 के शिखर सम्मेलन** का आयोजन किया गया था।
- यह **सऊदी अरब के नेतृत्व में जलवायु पर एक क्षेत्रीय वार्ता** है। इसे **2021 में लॉन्च** किया गया था। इसका **उद्देश्य MENA[14] क्षेत्र एवं उससे बाहर के देशों** को एक साथ लाना है।
- **MGI के लक्ष्य:**
  - क्षेत्रीय हाइड्रोकार्बन उत्पादन से **कार्बन उत्सर्जन को 60% से अधिक तक कम करना।**

[14] Middle East and North Africa/ मध्य-पूर्व और उत्तरी-अफ्रीका

© Vision IAS

- मध्य-पूर्व क्षेत्र में 50 बिलियन वृक्ष लगाना और 200 मिलियन हेक्टेयर निम्नीकृत भूमि के बराबर क्षेत्र का पुनरुद्धार करना।
- यह वैश्विक कार्बन स्तर को 2.5% तक कम करने में मदद कर सकता है।

3.3. भारत-संयुक्त अरब अमीरात (India-UAE)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और UAE के बीच हस्ताक्षरित **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA)**[15] लागू हो गया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- इस समझौते से **अगले पांच वर्षों के दौरान** द्विपक्षीय वस्तु व्यापार के **100 अरब डॉलर से अधिक** तक पहुंचने की उम्मीद है। इसी तरह सेवाओं में व्यापार के **15 अरब डॉलर से अधिक** तक पहुंचने की अपेक्षा है।
- CEPA के लागू होने से लगभग **26 बिलियन डॉलर मूल्य के भारतीय उत्पादों को लाभ होने की संभावना है।** वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात इन वस्तुओं पर **5% का आयात शुल्क** लगाता है।

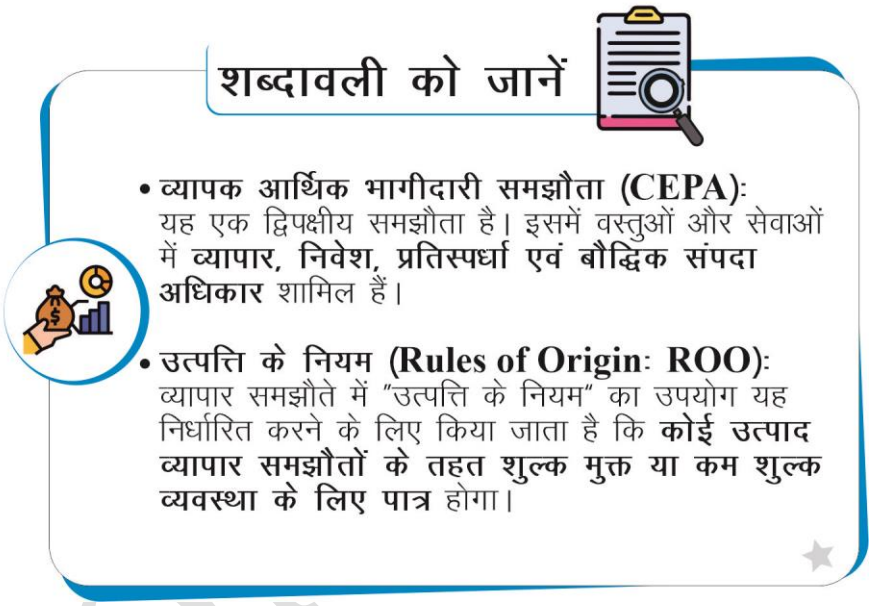

- भारत से संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किए जाने वाले **लगभग 90% उत्पादों पर शून्य शुल्क लगेगा।**
- किसी उत्पाद के आयात में अचानक वृद्धि से निपटने के लिए एक **स्थायी रक्षोपाय तंत्र** की व्यवस्था की गयी है।
- भारतीय जेनेरिक दवाओं को विकसित देशों में अनुमति मिलने के बाद **UAE** में भी स्वत: पंजीकरण और विपणन अधिकार प्राप्त हो जाएगा।
- इसमें **'उत्पत्ति के नियम (Rules of origin)'** जैसा सख्त प्रावधान भी किया गया है। इसके तहत 40% तक मूल्य वर्धन को अनिवार्य बनाया गया है।

[15] Comprehensive Economic Partnership Agreement

भारत–संयुक्त अरब अमीरात (UAE) संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और चीन के बाद **भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार** देश है।

रक्षा और सुरक्षा: समुद्री सहयोग के लिए **डेजर्ट ईगल** जैसे नियमित सैन्य अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।

★ **दोनों देश संयुक्त रूप से चरमपंथ और आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।**

संयुक्त अरब अमीरात में **भारतीय प्रवासियों की सर्वाधिक संख्या** (लगभग 35 लाख) है। ये भारत में अधिक मात्रा में विप्रेषण (रेमिटेंस) के माध्यम से योगदान करते हैं। UAE से भारत को 2019 में 17.06 बिलियन डॉलर का विप्रेषण प्राप्त हुआ था।

इसरो द्वारा UAE के पहले नैनो सैटेलाइट नैयिफ (Nayif)–1 को लॉन्च किया गया है।

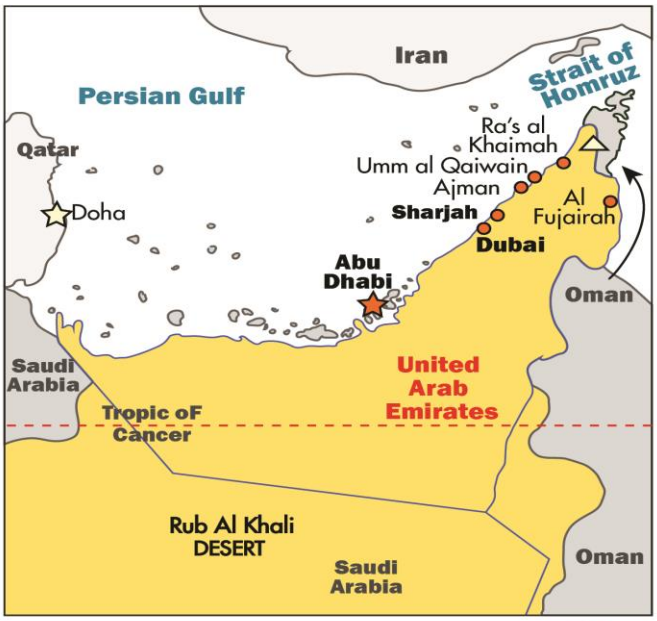

NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) ने घोषणा की है कि **भीम UPI अब पूरे UAE में NEOPAY टर्मिनल्स पर उपलब्ध होगा।** गौरतलब है कि NIPL भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) की अंतर्राष्ट्रीय शाखा है।

★ वैश्विक स्तर पर, UPI को **भूटान और नेपाल** में स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। साथ ही, UPI अब **सिंगापुर** के PayNow के साथ भी कनेक्ट हो गया है।

भारत और **संयुक्त अरब अमीरात संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB), इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA) जैसे बहुपक्षीय मंचों के सदस्य** हैं।

3.4. भारत- इजरायल- संयुक्त अरब अमीरात- संयुक्त राज्य अमेरिका (I2U2) {India- Israel- United Arab Emirates - USA (I2U2)}

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **I2U2** देशों (भारत, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका) के नेताओं के **प्रथम वर्चुअल शिखर सम्मेलन** का आयोजन संपन्न हुआ।

I2U2 के बारे में

- I2U2 मंच का **पहली बार उल्लेख इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच अब्राहम समझौते** के अनुसरण में **अक्टूबर 2021 में** किया गया था।
  इस मंच को **समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और परिवहन** से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए प्रस्तुत किया गया था।
  - इसे एक **अंतर्राष्ट्रीय मंच** के रूप में स्थापित किया गया है। इसके उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - पारस्परिक हितों के साझा क्षेत्रों पर चर्चा करना;

अब्राहम समझौता

- अब्राहम समझौता, **इजरायल और कई अरब देशों के मध्य शांति समझौतों** की एक शृंखला है। यह समझौता सबसे पहले **संयुक्त अरब अमीरात** के साथ हस्ताक्षरित किया गया था।
  - 2020 में, **संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्यस्थता के बाद** इस समझौते को **संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजरायल** के मध्य लागू किया गया था।
- 'अब्राहम' नाम दुनिया के तीन प्रमुख धर्मों- इस्लाम, ईसाई धर्म और यहूदी धर्म के **एक ही परमेश्वर को संदर्भित करता है।**
- यह प्रतीकात्मक तौर पर प्रयोग किया जाने वाला एक शीर्षक है, जो साझा कुल/वंश को मान्यता देकर **अरबी और यहूदी लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देता है।**

© Vision IAS

- व्यापार में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना; तथा
- संबंधित क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में निवेश करना।

  - I2U2 को **'पश्चिम एशियाई क्वाड' के रूप में भी जाना जाता** है।
  - **यह मुख्यतः अर्थव्यवस्था पर केंद्रित है,** इसमें **सैन्य दृष्टिकोण शामिल नहीं है।**

- इसके तहत **सहयोग के छह क्षेत्रों** की पहचान की गयी है, जिसमें **जल, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा** शामिल हैं।
  - I2U2 का **लक्ष्य निजी क्षेत्र की पूंजी और विशेषज्ञता को जुटाना है।** इसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं-
    - अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना,
    - उद्योगों के लिए कम कार्बन आधारित विकास मार्ग प्रशस्त करना,
    - लोक स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार करना, तथा
    - हरित और उभरती महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना।

3.5. खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council: GCC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

GCC के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार तेज गति से बढ़ रहा है।

- **भारत-GCC संबंधों का महत्व**
  - **व्यापार और आर्थिक संबंध:** GCC वर्तमान में **भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार समूह** है। वित्त वर्ष 2021-22 में दोनों पक्षों के बीच **154 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक का द्विपक्षीय व्यापार दर्ज किया गया था।
  - भारत-GCC में के बीच **FTA पर हस्ताक्षर नहीं** हुआ है।
  - 2021-22 में भारत के कुल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इराक सहित GCC के साथ संपन्न हुआ था।
  - **ऊर्जा सुरक्षा:** GCC के पर्याप्त तेल और गैस भंडार भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भारत के लिए कच्चे तेल के आयात के प्रमुख स्रोत हैं।
  - **विप्रेषण (Remittance):** 2017 में, भारत में कुल विप्रेषण प्रवाह का 55.6% हिस्सा अकेले GCC देशों का था।
  - **प्रवासी आबादी:** संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कुवैत में कुल अनिवासी भारतीयों (NRIs) का आधे से अधिक हिस्सा निवास करता है।

3.6. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

क्रम संख्या	स्थल
1.	**लाल सागर (Red Sea)** **संदर्भ:** अमेरिकी नौसेना ने एक नई टास्क फोर्स का गठन किया है। इसे यमन युद्ध के बीच लाल सागर में गश्त करने के लिए सहयोगी देशों के साथ गठित किया गया है। • लाल सागर **एशिया और अफ्रीका** के बीच विश्व का **सबसे उत्तरी उष्णकटिबंधीय सागर** है। यह उत्तर में **स्वेज की खाड़ी** और **अकाबा की खाड़ी** को दक्षिण में **बाब अल-मंडेब जलसंधि** से जोड़ता है। • यह **ग्रेट रिफ्ट वैली** का हिस्सा है। **मिस्र, सूडान, इरिट्रिया व जिबूती** इसके पश्चिमी तट पर स्थित हैं। **यमन और सऊदी अरब** पूर्वी तट पर स्थित हैं। • **उच्च तापमान** और वर्षा की कमी के कारण, इसमें **लवणता की अत्यधिक मात्रा पायी** जाती है। • लाल सागर विश्व का सबसे उत्तरी उष्णकटिबंधीय समुद्र भी है। यह **विश्व वन्यजीव कोष (WWF) के ग्लोबल 200** ईको-रीजन का भी एक भाग है।
2.	**वेस्ट बैंक** **संदर्भ:** इजरायल के एक न्यायालय ने वेस्ट बैंक क्षेत्र से 1,000 फिलिस्तीनियों को निष्कासित करने का आदेश दिया है। • **अवस्थिति:** ○ वेस्ट बैंक, **फिलिस्तीन** का एक क्षेत्र है। यह मध्य पूर्व में **जॉर्डन नदी के पश्चिम में** स्थित है। यह एक **स्थलरुद्ध (Landlocked) क्षेत्र** है। ○ इसके उत्तर, पश्चिम और दक्षिण दिशा में **इजरायल की सीमाएं** लगती हैं। इसके पूर्व में **जॉर्डन स्थित है।** ○ 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध में **इजरायल ने वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था।** यद्यपि, फिलिस्तीन चाहता है कि यह उसके भविष्य के राज्य का मुख्य हिस्सा बने। ○ वर्तमान में यहां 132 इजरायली बस्तियां और 124 अनधिकृत बस्तियां भी हैं। यहां सैन्य चौकियां भी स्थित हैं।

© Vision IAS

3.	**नागोर्नो-काराबाख़ (Nagorno-Karabakh) क्षेत्र** **संदर्भ:** आर्मेनिया में नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र को लेकर सरकार विरोधी अशांति देखी जा रही है। • **अवस्थिति और सीमाएं:** ○ यह **आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच एक विवादित क्षेत्र** है। ○ **संघर्ष-** काराबाख अर्मेनियाई लोगों ने काराबाख को सोवियत अजरबैजान से सोवियत आर्मेनिया को सौंपने की मांग की। ○ **मिन्स्क समूह** का गठन OSCE[16] द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य नागोर्नो-काराबाख संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए अर्मेनिया और अजरबैजान के बीच वार्ता की सुविधा प्रदान करना था। ▪ इस समूह की **सह-अध्यक्षता** रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस ने की थी।
4.	**तुर्किये, भूतपूर्व तुर्की (राजधानी: अंकारा)** **संदर्भ:** • **तुर्की और पश्चिमी सीरिया में 7.8 तीव्रता का भूकंप** आया, जिससे व्यापक क्षति हुई और हजारों लोग मारे गए। • **अन्य घटनाक्रम:** संयुक्त राष्ट्र ने तुर्की सरकार द्वारा अनुरोध करने के बाद **तुर्की का नाम बदलकर 'तुर्किये'** कर दिया है। • तुर्की के राष्ट्रपति ने अपने शासन को मजबूत करने के लिए चुनाव से संबंधित कानूनों में बदलाव को मंजूरी प्रदान की है। • इसक एक बड़ा भाग **प्रायद्वीप** है। यह **यूरोप** (पूर्वी थ्रेस के माध्यम से) और **एशिया** (अनातोलियाई पठार के माध्यम से) महाद्वीपों को जोड़ता है। • **भौगोलिक विशेषताएं:** ○ यह **'अनातोलिया पठार'** का प्रमुख भाग है। ○ यह **मुख्य रूप से पहाड़ी देश है**, और निम्न-भूमि तटीय किनारे तक सीमित है। ○ संकीर्ण जलडमरूमध्य में **बोस्पोरस, मरमारा सागर और डारडेनेल्स** शामिल हैं। इन्हें सामूहिक रूप से **'तुर्की जलडमरूमध्य'** के हिस्से के रूप में जाना जाता है।
5.	**जॉर्डन (राजधानी: अम्मान)** **संदर्भ:** भारत और जॉर्डन ने **उर्वरकों की आपूर्ति** संबंधी चुनौतियों के बीच, चालू वर्ष के लिए और साथ ही एक दीर्घकालिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य भारत को उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। • जॉर्डन अरब प्रायद्वीप में स्थित एक मध्य पूर्वी देश है। • **अल-अकाबा,** जॉर्डन का एकमात्र बंदरगाह है। यह अकाबा की खाड़ी (लाल सागर) में जॉर्डन को एक छोटी तटरेखा प्रदान करता है।
6.	**कतर (राजधानी- दोहा)** **संदर्भ:** उपराष्ट्रपति ने कतर की यात्रा की है। साथ ही, केंद्र सरकार ने कतर के साथ **कृषि और खाद्य भौगोलिक संकेतक उत्पादों के लिए वर्चुअल नेटवर्किंग बैठक का आयोजन** किया है। • यह फारस की खाड़ी के पश्चिमी तट पर **स्वतंत्र अमीरात** (एक अरबी इस्लामी राजशाही) है।
7.	**सीरिया (राजधानी: दमिश्क)** **संदर्भ:** हाल ही में, यू.एस.ए. ने सीरिया में मिलिशिया नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। • **अवस्थिति और सीमाएं:** ○ यह **दक्षिण-पश्चिमी एशिया में भूमध्य सागर के पूर्वी तट** पर स्थित है। ○ इसके क्षेत्र में **गोलन हाइट्स** का क्षेत्र भी शामिल है। इस पर वर्ष 1981 में इज़राइल ने कब्जा कर लिया था।

[16] Organization for Security and Co-operation in Europe/ यूरोपीय सुरक्षा एवं सहयोग संगठन

4. भारत-रूस और मध्य एशिया (India-Russia and Central Asia)

4.1. पूर्वी आर्थिक मंच (Eastern Economic Forum: EEF)

सुर्ख़ियों में क्यों ?

भारत के प्रधान मंत्री ने **7वीं पूर्वी आर्थिक मंच (EEF) की बैठक में आभासी रूप से भाग** लिया। इसका आयोजन **रूस द्वारा व्लादिवोस्तोक** में किया गया था।

EEF के बारे में

- EEF की स्थापना 2015 में की गई थी। इसे **रूस के सुदूर पूर्व (RFE)[17] क्षेत्र में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित** किया गया था।
- EEF इस क्षेत्र में **आर्थिक क्षमता, उपयुक्त व्यावसायिक परिस्थितियों और निवेश के अवसरों** को प्रदर्शित करता है।
- फोरम का उद्देश्य **रूस के सुदूर पूर्व (RFE) क्षेत्र को एशिया प्रशांत क्षेत्र से जोड़ना है।**
- **रूस के सुदूर पूर्व (RFE) क्षेत्र के बारे में:**
  - फार ईस्टर्न फेडरल डिस्ट्रिक्ट (FEFD) **रूस का सबसे पूर्वी भाग** है। यह क्षेत्र **प्रशांत और आर्कटिक महासागर तथा पांच देशों** (चीन, जापान, मंगोलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और नॉर्थ कोरिया) **के साथ सीमाएं साझा करता है।**
  - यह क्षेत्र **रूस के राज्य क्षेत्र के 1/3 भाग** को कवर करता है। यह क्षेत्र **प्राकृतिक संसाधनों** जैसे कि मछली, तेल, प्राकृतिक गैस, लकड़ी, हीरे, कोयला और अन्य खनिजों से समृद्ध है।
  - रूसी सरकार ने इस क्षेत्र का विकास **रूस को एशियाई व्यापारिक मार्गों से जोड़ने के रणनीतिक उद्देश्य** से किया है।
  - **चीन:** यह इस क्षेत्र में सबसे बड़ा निवेशक है (कुल निवेश का 90% हिस्सा)। इसके बाद **साउथ कोरिया और जापान** का स्थान है।

RFE क्षेत्र में भारत की पहलें

- **भारत के नीति आयोग** तथा **रूस के मिनिस्ट्री फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ रस्सियन फार ईस्ट एंड आर्कटिक** के बीच भी सहयोग किया जा रहा है। ये दोनों 2020 और 2025 के बीच आर्कटिक तथा रूस के सुदूर पूर्व को विकसित करने की योजना पर कार्य कर रहे हैं।
- भारत ने इस क्षेत्र में अवसंरचना को विकसित करने के लिए **1 बिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट की पेशकश की है।**
- **तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)** ने इस क्षेत्र में **सखालिन-1 परियोजना** में हिस्सेदारी खरीदी है।
- **भारत, जापान और रूस ने संयुक्त सुदूर पूर्व परियोजनाओं के संबंध में अपनी पहली ट्रैक II** वार्ता संपन्न की है।

भारत–रूस संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- **रक्षा साझेदारी:** ब्रह्मोस क्रूज़ मिसाइल कार्यक्रम, सुखोई Su-30 और सामरिक परिवहन विमान।
- **ऊर्जा सुरक्षा:**
  - रूस ने भारत में परमाणु रिएक्टर्स (कुडनकुलम) का निर्माण किया है।
  - दोनों देश असैन्य परमाणु सहयोग का विस्तार तीसरे देश (जैसे– बांग्लादेश) में कर रहे हैं।

- **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी:**
  - पूर्व सोवियत संघ ने भारत के पहले दो उपग्रह **आर्यभट्ट और भास्कर** को प्रक्षेपित किया था।
  - रूस ने भारी रॉकेट के विनिर्माण हेतु भारत को **क्रायोजेनिक तकनीक** प्रदान की है।

[17] Russia's Far East

© Vision IAS

- **बहुपक्षीय सहयोग:**
  - रूस **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** (UNSC) में भारत के लिए **स्थायी सीट का समर्थन** करता है। इसके अलावा, इसने भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में सम्मिलित करने का समर्थन भी किया था।
  - दोनों देश **ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन** (SCO), **G20** जैसे अलग-अलग मंचों पर एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं।

- **सांस्कृतिक संबंध:** 2015 में रूस में **'नमस्ते रूस'** का आयोजन किया गया था। जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के कार्यान्वयन का संचालन करता है।

4.2. जेनेवा कन्वेंशन और रूस-यूक्रेन युद्ध (Geneva Conventions and Russia-Ukraine war)

सुर्ख़ियों में क्यों?

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान रूसी सैनिकों पर **जेनेवा कन्वेंशन्स के सिद्धांतों के उल्लंघन का आरोप** लगाया गया है।

जेनेवा कन्वेंशन के बारे में

- **जेनेवा कन्वेंशन** वस्तुतः **चार संधियों** और **तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स** का एक सेट है। इन **चार संधियों** को **1949** में औपचारिक रूप दिया गया था।
  - जेनेवा कन्वेंशन्स को संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य देशों सहित, 196 देशों द्वारा अनुसमर्थित (Ratified) किया गया है।
  - इसके तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स को क्रमशः 174, 169 और 79 देशों द्वारा अनुसमर्थित किया गया है।

जेनेवा कन्वेंशन	क्या शामिल है?
प्रथम	• यह कन्वेंशन युद्ध के दौरान 'भूमि/ स्थल' पर **घायल और बीमार पड़े सैनिकों** को संरक्षण प्रदान करता है। • साथ ही, इसके तहत **चिकित्सा और धार्मिक कर्मियों,** चिकित्सा इकाइयों और चिकित्सा संबंधी परिवहन को भी संरक्षण प्रदान किया गया है।
द्वितीय	• यह युद्ध के दौरान 'समुद्र' में **घायल और बीमार पड़े सैनिकों** तथा **क्षतिग्रस्त जलपोतों के सैन्य कर्मियों** को संरक्षण प्रदान करता है। • साथ ही, इसके तहत **समुद्र से गुजरने वाले जहाज रूपी अस्पताल और चिकित्सा संबंधी परिवहन को भी संरक्षण प्रदान किया** गया है।
तृतीय	• यह **युद्ध बंदियों पर भी लागू** होता है। इसके तहत सामान्य संरक्षण जैसे कि युद्ध बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार करना, भोजन देना, चिकित्सा संबंधी उपचार और सभी युद्ध बंदियों के साथ एक समान व्यवहार करना आदि शामिल हैं।
चतुर्थ	• यह कन्वेंशन **नागरिकों को संरक्षण प्रदान** करता है। इसमें कब्जा किए गए क्षेत्र के लोग भी शामिल हैं।
तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल	
प्रोटोकॉल I और II	• ये **अंतर्राष्ट्रीय** (प्रोटोकॉल I) और **गैर-अंतर्राष्ट्रीय** (प्रोटोकॉल II) **सशस्त्र संघर्षों के पीड़ितों के संरक्षण** को मजबूती प्रदान करते हैं और युद्ध लड़ने के तरीकों को भी सीमित करते हैं।
प्रोटोकॉल III	• **रेड क्रिस्टल के रूप में एक अतिरिक्त प्रतीक** बनाया गया। इसे रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट प्रतीक के समान अंतर्राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है।

4.3. भारत-तुर्कमेनिस्तान (India-Turkmenistan)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत के राष्ट्रपति ने **तुर्कमेनिस्तान** की यात्रा की। यह **किसी भारतीय राष्ट्रपति द्वारा की गई तुर्कमेनिस्तान की पहली यात्रा** है।

भारत-तुर्कमेनिस्तान संबंधों के बारे में

- दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान में पुरातात्विक खोजों से तुर्कमेनिस्तान के **सिंधु घाटी सभ्यता** के साथ संपर्कों का पता चला है।
- 1650 ई. में **दिल्ली में बना 'तुर्कमान गेट'** भी भारत और तुर्कमेनिस्तान के बीच सदियों पुराने संबंधों का साक्षी है।

- भारत 1991 में तुर्कमेनिस्तान की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले **शुरूआती देशों में से एक था।** भारत ने **1992 में तुर्कमेनिस्तान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध** स्थापित किए थे।

भारत–मध्य एशिया संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- मध्य एशिया भारत के **एक्सटेंडेड नेबरहुड** का हिस्सा है। भारत के अधिकांश मध्य एशियाई देशों के साथ रणनीतिक संबंध हैं।
- जनवरी 2022 में, भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ पर **पहले भारत–मध्य एशिया शिखर सम्मेलन** की मेजबानी भारत ने की थी।
- भारत, **अंतर्राष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा** (INSTC) और **अश्गाबात समझौता** दोनों का सदस्य है।

- भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के माध्यम से कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए कदम उठाए हैं। इससे **मध्य एशियाई देशों** के लिए समुद्र तक सुरक्षित, किफायती और सुगम पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी।
- भारत ने मध्य एशिया में सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- जुलाई 2015 में **अश्गाबात** में **मध्य एशिया के पहले योग और पारंपरिक चिकित्सा केंद्र** का उद्घाटन किया गया था।

मध्य एशियाई देशों के साथ महत्वपूर्ण पहलें

- **कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी:** यह **राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों** सहित व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है। इस नीति में **तुर्कमेनिस्तान** सहित मध्य एशिया के अन्य देशों के साथ गहरे पारस्परिक संबंधों की परिकल्पना की गई है।
- **अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC):** इसमें **ईरान के माध्यम से भारत को रूस, मध्य एशिया और यूरोप से जोड़ने वाले जल, रेल और सड़क मार्ग** शामिल हैं। भारत चाबहार बंदरगाह को INSTC ढांचे में शामिल करने की भी योजना बना रहा है।
- **TAPI (तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत) गैस परियोजना:** इस परियोजना का उद्देश्य **तुर्कमेनिस्तान के गल्किनेश गैस क्षेत्र** से प्रस्तावित 1814 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के माध्यम से **अफगानिस्तान, पाकिस्तान और अंत में भारत** में 33 अरब क्यूबिक मीटर गैस का परिवहन करना है। इसे **'शांति पाइपलाइन'** भी कहा जाता है।
- **अश्गाबात समझौता (भारत 2018 में शामिल हुआ):** इसका उद्देश्य **मध्य एशिया और फारस की खाड़ी के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविध परिवहन तथा पारगमन गलियारा** स्थापित करना है।

4.4. अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (International North-South Transit Corridor: INSTC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

ईरान ने INSTC का उपयोग करके रूसी वस्तुओं को भारत में भेजना शुरू कर दिया है।

© Vision IAS

INSTC के बारे में

- INSTC लगभग 7,200 कि.मी. का एक **मल्टी-मॉडल परिवहन नेटवर्क** है। इसका विचार **पहली बार वर्ष 2000 में रूस, भारत और ईरान** ने प्रस्तुत किया था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देना है।
  - INSTC सर्वप्रथम **हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर** से जोड़ता है। इसके आगे ये **रूस के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग और उत्तरी यूरोप** से जुड़े हुए हैं।
  - **वर्तमान में, इसके 13 सदस्य हैं:** भारत, ईरान, रूस, अजरबैजान, आर्मेनिया, कजाकिस्तान, बेलारूस, तुर्की, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, ओमान, यूक्रेन और सीरिया।

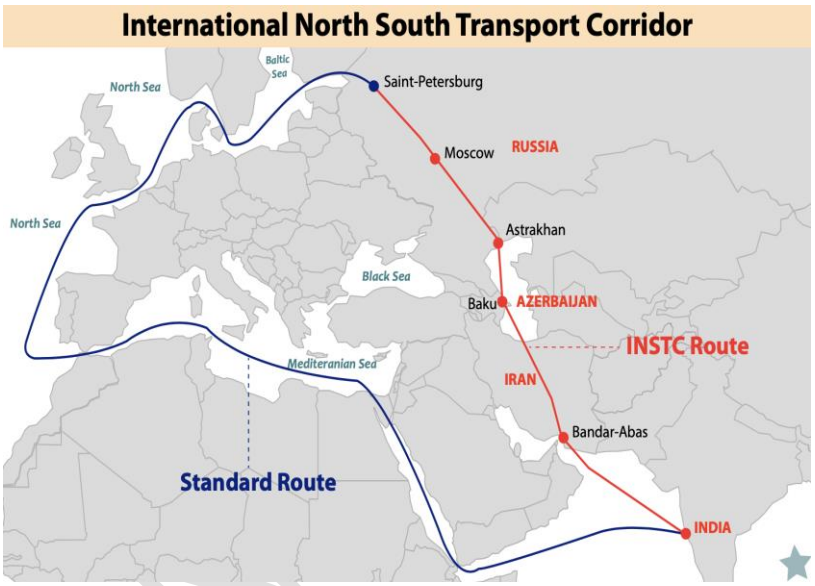

- **भारत के लिए INSTC का महत्व:**
  - यह भारत और रूस के बीच **वस्तुओं के परिवहन की लागत को लगभग 30% तक कम** करेगा। साथ ही, यह भारत और रूस के बीच **परिवहन में लगने वाले समय** को (स्वेज नहर के माध्यम से लगने वाले समय की तुलना में) लगभग आधा कर देगा।
  - यह भारत और रूस के बीच **ढुलाई की लागत को 30% तक कम** करेगा और **ट्रांजिट टाइम (पारगमन अवधि) को 40 दिनों की तुलना कम करके में 25 दिनों से भी कम** करेगा।
  - यह गलियारा भारत को **मध्य एशिया और उसके परे सुगम पहुंच** प्राप्त करने में मदद करेगा। इसके अलावा, व्यापार और निवेश संपर्क का विस्तार करने में भी मदद करेगा।
  - वर्तमान व्यापारिक साझीदारों, (विशेष रूप से **मौजूदा ऊर्जा कनेक्टिविटी) पर निर्भरता कम** करेगा। यह **आपूर्ति श्रृंखलाओं के फिर से व्यवस्थित होने से** संभव होगा।
  - इसे चीन की **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के विरुद्ध 'भारतीय प्रतिक्रिया'** के रूप में भी देखा जा रहा है।
  - यह भारत के लिए ऊर्जा संपन्न मध्य एशिया, आर्कटिक, नॉर्डिक और बाल्टिक क्षेत्र तक पहुंच हेतु एक गलियारे का काम करेगा।
- **भारत को रूस और यूरोप से जोड़ने वाले अन्य प्रस्तावित गलियारे:**
  - **चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा:** यह भारत और रूस को जोड़ेगा।
  - **भारत का अरब-भूमध्यसागरीय (Arab-Med) गलियारा:** यह यूनान के परेयस (Piraeus) बंदरगाह और मध्य पूर्व के माध्यम से भारत को यूरोप की मुख्य भूमि से जोड़ेगा।

4.5. चाबहार पोर्ट (Chabahar Port)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत ने **'चाबहार दिवस'** मनाया। इस दौरान भारत और ईरान ने **चाबहार बंदरगाह** एवं **INSTC** अंतरमहाद्वीपीय व्यापार मार्ग की प्रगति की समीक्षा की।

चाबहार पोर्ट के बारे में अन्य संबंधित तथ्य

- चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के **सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत** में ओमान की खाड़ी में स्थित है।

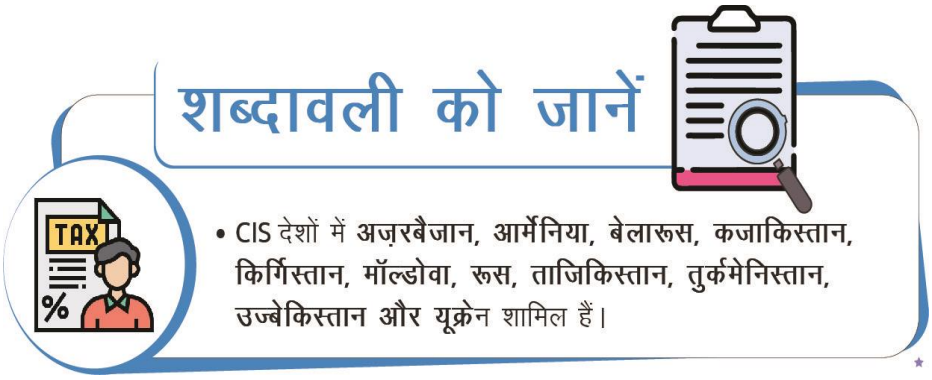

- यह **ईरान का एकमात्र गहरा समुद्री बंदरगाह (Deep-Sea Port) है, जिसकी खुले समुद्र तक सीधी पहुंच है।**
- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत जैसे देशों के साथ इसकी भौगोलिक निकटता है। इसके साथ ही यह **तेजी से विकसित हो रहे INSTC पर एक प्रमुख ट्रांजिट सेंटर के रूप में अवस्थित है।** ये सारी स्थितियां इसे इस क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्रों में शामिल होने की क्षमता प्रदान करती हैं।

- **भारत, अफगानिस्तान और ईरान ने 2016 में इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट एंड ट्रांजिट कॉरिडोर (चाबहार एग्रीमेंट) स्थापित** करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
  - इसमें **चाबहार बंदरगाह से अफगानिस्तान की सीमा के साथ जाहेदान तक एक रेल लाइन का निर्माण** तथा **अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए वैकल्पिक व्यापार मार्ग** के रूप में इसे जरांज-डेलाराम राजमार्ग से जोड़ना शामिल था।
  - भारत द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता से अफगानिस्तान में 215 कि.मी. लंबे जरांज-डेलाराम हाईवे का निर्माण पहले ही पूरा किया जा चुका है।
- **भारत** CIS[18] देशों तक पहुंचने के लिए INSTC के तहत एक ट्रांजिट हब के रूप में **चाबहार बंदरगाह का विकास करना चाह रहा है।**

भारत की अन्य सीमा-पारीय कनेक्टिविटी पहलें

- **कलादान मल्टी-मॉडल पारगमन परिवहन सुविधा:** यह भारत और म्यांमार के मध्य एक समुद्र, नदी व भूमि आधारित परिवहन प्रणाली है। यह पहले समुद्री परिवहन के माध्यम से भारतीय बंदरगाहों को **म्यांमार के सितवे बंदरगाह** से जोड़ती है और फिर नदी परिवहन तथा सड़क मार्ग के माध्यम से **मिजोरम** (भारत) को जोड़ती है।
- **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना:** 1,360 कि.मी. लंबा यह सीमापार परिवहन नेटवर्क **मोरेह (भारत) को बागान (म्यांमार) से जोड़ते हुए माई सॉट (थाईलैंड)** से जुड़ जाएगा।
- **मेकांग-भारत आर्थिक गलियारा:** इस गलियारे में हो **ची मिन्ह (वियतनाम), बैंकॉक (थाईलैंड), नोम पेन्ह (कंबोडिया), दवेई (म्यांमार) और चेन्नई (भारत)** को जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है।
- **स्टिलवेल रोड (लेडो रोड और बर्मा रोड):** यह भारत के **लेडो (असम) को म्यांमार से होते हुए चीन के कुनमिंग (युन्नान प्रांत)** से जोड़ने वाला ओवरलैंड रोड है। ध्यातव्य है कि लेडो रोड को द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जापान के विरुद्ध चीन को सहायता पहुंचाने के लिए बनाया गया था।
- **दिल्ली-हनोई रेलवे लिंक:** यह म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर होते हुए भारत को वियतनाम से जोड़ने हेतु प्रस्तावित है।
- **तामू-कलेवा-कलेम्यो मैत्री सड़क:** यह म्यांमार के सागिंग क्षेत्र में तामू से कलेम्यो तक 160 कि.मी. की क्रॉस बॉर्डर सड़क है। यह भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग का हिस्सा है।
- **म्यांमार में रि-टिडिम रोड:** यह म्यांमार के चिन प्रांत में रि (Rhi) से टिडिम तक 80 कि.मी. की क्रॉस बॉर्डर सड़क है।
- **बांग्लादेश, चीन, भारत और म्यांमार (BCIM) आर्थिक गलियारा:** यह चीन के कुनमिंग को म्यांमार और बांग्लादेश से होते हुए कोलकाता से जोड़ने वाला सीमा-पार परिवहन नेटवर्क है।

[18] Commonwealth of Independent States/ स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल

© Vision IAS

4.6. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

मध्य एशिया

रूस-यूक्रेन क्षेत्र

क्रम संख्या	स्थल
1.	**ताजिकिस्तान (राजधानी: दुशांबे)** **संदर्भ:** हाल ही में, एक भारतीय राजनयिक ने **बोख्तार** में भारत-ताजिकिस्तान मैत्री अस्पताल (ITFH) को ताजिकिस्तान को सौंप दिया है। • **राजनीतिक सीमाएं:** ताजिकिस्तान एक स्थलरुद्ध मध्य एशियाई देश है। यह **किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, अफगानिस्तान** और **चीन** के साथ अपनी सीमाओं को साझा करता है। • **स्थलाकृति:** इसकी 93% भूमि पहाड़ी है। इसकी **मुख्य पर्वत श्रृंखलाएं** उत्तर में **अलय रेंज** और दक्षिण-पूर्व में **पामीर पर्वत** हैं। **पामीर पर्वत दुनिया की छत "हाई एशिया" का हिस्सा है।**
2.	**किर्गिस्तान (राजधानी: बिश्केक)** **संदर्भ:** हाल ही में, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के बीच सीमा पर हिंसक संघर्षों में कई लोग मारे गए और घायल हुए। • **अवस्थिति और सीमाएं:** ○ यह **मध्य एशिया** में स्थित है। ○ यह उत्तर-पश्चिम और उत्तर में **कजाकिस्तान;** पूर्व एवं दक्षिण में **चीन;** दक्षिण में **ताजिकिस्तान;** तथा पश्चिम में **उज्बेकिस्तान** से घिरा हुआ है।
3.	**उज़्बेकिस्तान (राजधानी ताशकंद)** **संदर्भ:** हाल ही में, उज्बेकिस्तान के **कराकल्पकस्तान क्षेत्र** में उसकी स्वायत्तता को सीमित करने से संबंधित योजना को लेकर अशांति फैल गयी। • **अन्य जानकारी: उज्बेकिस्तान के समरकंद** में कथित तौर पर भारत में विनिर्मित सिरप का सेवन करने से कम-से-कम 18 बच्चों की मौत हो गई। उक्त सिरप में मौजूद **एथिलीन ग्लाइकोल** को इसका कारण माना जा रहा है। • यह **दोहरे रूप से भू-आबद्ध** एक मध्य-एशियाई देश है। ○ **दोहरे भू-आबद्ध** से तात्पर्य है कि यह **उन देशों** से घिरा हुआ है, जो खुद भू-आबद्ध हैं। ○ विश्व स्तर पर, इसके अलावा केवल एक और राष्ट्र **लिकटेंस्टीन (Liechtenstein)** ही दोहरे रूप से भू-आबद्ध है।
4.	**कजाकिस्तान (राजधानी- नूरसुल्तान)** **संदर्भ:** ईंधन की कीमतों में अचानक और तीव्र वृद्धि ने कजाकिस्तान में राष्ट्रीय संकट पैदा कर दिया। • कजाकिस्तान **मध्य एशिया का सबसे बड़ा** और **दुनिया का नौवां सबसे बड़ा** देश है।
5.	**खेरसॉन क्षेत्र (Kherson) (यूक्रेन)** **संदर्भ:** खेरसॉन क्षेत्र में **प्रॉक्सी सरकार** ने **घोषणा की है कि सभी नवजात शिशुओं को रूसी नागरिकता प्रदान की जाएगी।** • साथ ही, रूस ने यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र में एक नया प्रशासन स्थापित किया है। उसने इस क्षेत्र में रूबल को मुद्रा के रूप में पेश करना शुरू कर दिया है। • खेरसॉन **दक्षिणी यूक्रेन का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है।** यह **काला सागर में विलीन होने वाली नीपर नदी के तट** पर स्थित है। • 1778 में, यह काला सागर तट पर रूसी नौसेना का पहला नौसैनिक अड्डा और शिपयार्ड था। • यह यूक्रेन और रूस के मध्य चल रहे युद्ध के दौरान **रूसी सेना के अधीन आने वाला पहला प्रमुख शहरी केंद्र है।**
6.	**ट्रांसनिस्ट्रीया (Transnistria) क्षेत्र** **संदर्भ:** रूस, यूक्रेन की पश्चिमी सीमा पर मोलदोवा के ट्रांसनिस्ट्रिया क्षेत्र में एक नया मोर्चा खोलने जा रहा है। • **अवस्थिति**: नीस्टर (Dniester) नदी के पूर्वी तट पर। • **सीमा:** इसके पश्चिम में मोलदोवा और पूर्व में यूक्रेन स्थित है। • इसे अक्सर 'सोवियत संघ के अवशेष (Remnant of the Soviet Union)' के रूप में वर्णित किया जाता है। • रूस इसे स्वतंत्र क्षेत्र नहीं मानता है। **इसकी अर्थव्यवस्था** सब्सिडी और मुफ्त गैस के लिए रूस पर निर्भर है। • ट्रांसनिस्ट्रिया में अधिकांश लोग **रूसी भाषा** बोलते हैं और रूस की तरह **सिरिलिक (Cyrillic) लिपि** का उपयोग करते हैं।
7.	**स्नेक आइलैंड** **संदर्भ:** स्नेक आइलैंड पर हवाई हमले में यूक्रेन ने रूसी सेना को अत्यधिक क्षति पहुँचाई है। • **ज़मिन्यि द्वीप (Zmiinyi Island) को स्नेक या सर्पेंट आइलैंड के नाम से भी जाना जाता है।**

© Vision IAS

	• यह प्रारंभ से अंत तक 700 मीटर से कम लंबाई का एक चट्टानी भूभाग है। इसे **'एक्स-आकार'** के रूप में वर्णित किया गया है। • यह द्वीप **काला सागर तट से 35 कि.मी. दूर, डेन्यूब नदी के मुहाने के पूर्व में** और **ओडेसा बंदरगाह शहर के लगभग दक्षिण-पश्चिम भाग** में अवस्थित है। • **स्नेक आइलैंड पर कोई सांप नहीं पाए** जाते हैं। • यह **द्वीप यूक्रेन के अधीन है।**
8.	**केर्च जलडमरूमध्य (Kerch Strait)** **संदर्भ:** रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के दौरान 'केर्च ब्रिज' पर विस्फोट हुआ है। यह पुल रूस को क्रीमिया से जोड़ता है। • इसे '**क्रीमियन ब्रिज**' के रूप में भी जाना जाता है। यह पुल **यूरोप का सबसे लंबा पुल** है। यह **केर्च जलडमरूमध्य** पर निर्मित है। • केर्च जलडमरूमध्य **रूस के क्रास्नोडार क्राई के तमन प्रायद्वीप तथा क्रीमिया के केर्च प्रायद्वीप के मध्य** स्थित है। • यह **आज़ोव सागर को काला सागर** से जोड़ता है।

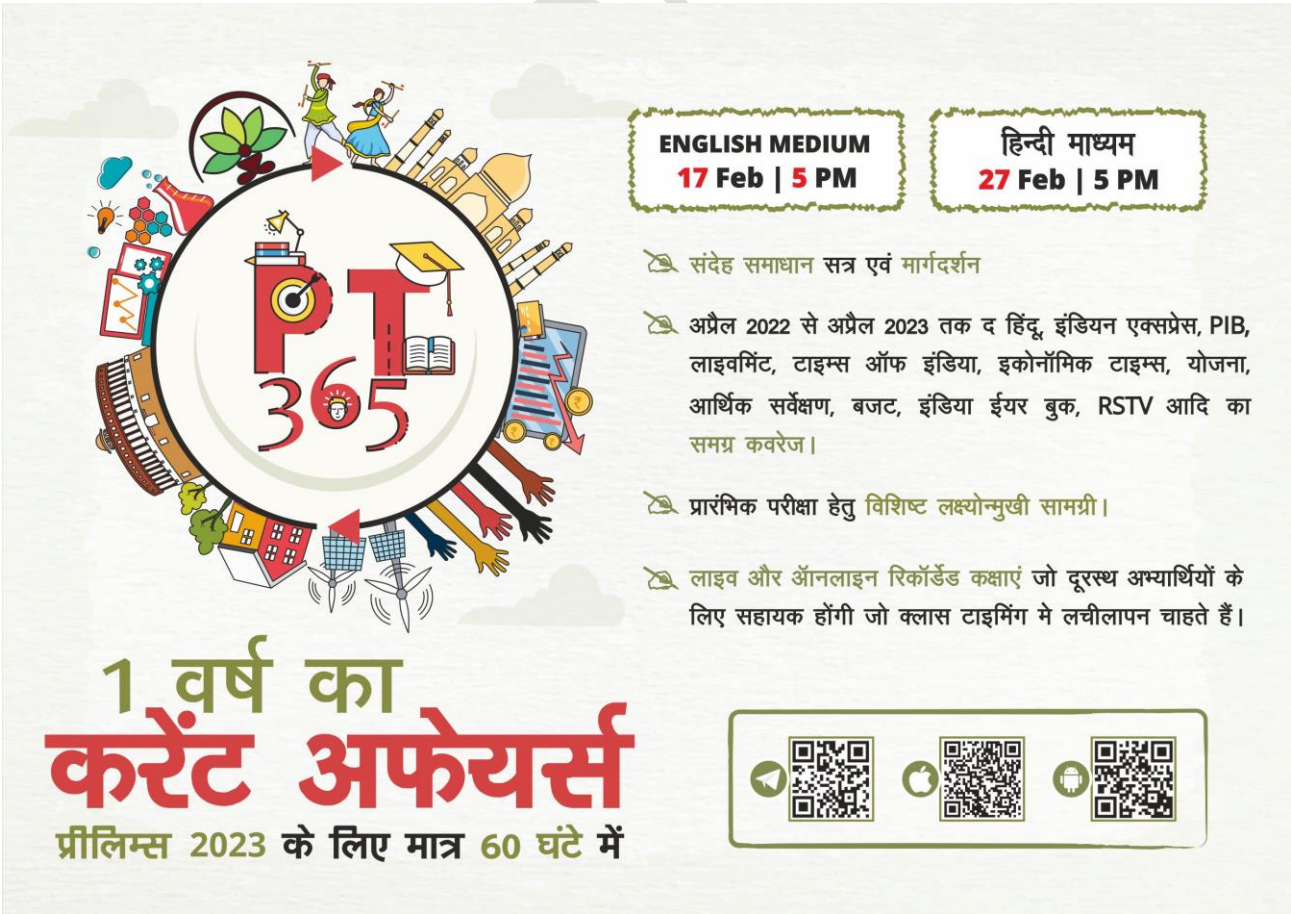

5. भारत और इंडो-पैसिफिक (India-Indo-Pacific)

5.1. भारत-यू.एस.ए. (India-USA)

भारत–संयुक्त राज्य अमेरिका संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- व्यापारिक एवं आर्थिक संबंध: 2021–22 में चीन को पीछे कर संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार देश बन गया था।
  - 2020–21 में संयुक्त राज्य अमेरिका, मॉरीशस को पीछे छोड़ते हुए भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन गया था।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका, भारतीय FDI के लिए शीर्ष 5 निवेश गंतव्यों में से एक है।

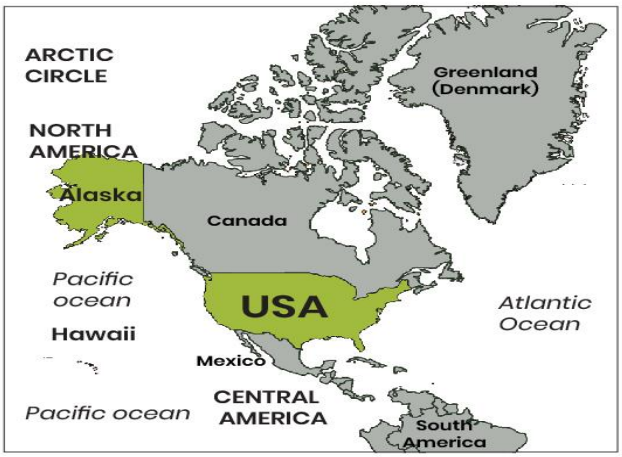

- रक्षा क्षेत्र में सहयोग: भारत–अमेरिका रक्षा सहयोग "न्यू फ्रेमवर्क फॉर इंडिया यू.एस. डिफेंस कोऑपरेशन" पर आधारित है।
  - अमेरिका ने 2016 में भारत को अपने 'प्रमुख रक्षा भागीदार' के रूप में मान्यता दी थी।
  - दोनों देशों ने निम्नलिखित रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं–
    - लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (LEMOA) (अगस्त 2016);
    - कम्युनिकेशंस कम्पेटिबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (COMCASA) (सितम्बर 2018);
    - इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी एग्रीमेंट (ISA) (दिसंबर 2019);
    - बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (BECA) (अक्टूबर 2020) और
    - जनरल सिक्योरिटी ऑफ मिलिट्री इंफॉर्मेशन एग्रीमेंट (GSOMIA)
- दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों का भी आयोजन किया जाता है, जैसे– युद्ध अभ्यास, वज्र प्रहार आदि।
  - वर्ष 2019 में तीनों सेनाओं को शामिल करते हुए सैन्य–अभ्यास टाइगर ट्रम्फ आयोजित किया गया था।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षेत्रक में सहयोग: भारत–अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते पर 2005 में हस्ताक्षर किए गए थे। इसे 2019 में दस वर्षों की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया था।
  - इसरो और नासा भू–पर्यवेक्षण के लिए एक संयुक्त माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग उपग्रह के निर्माण की दिशा में संयुक्त रूप से प्रयासरत हैं। इस उपग्रह को निसार (NISAR) नाम दिया गया है।
- प्रवासी भारतीय/ लोगों का आपस में संपर्क: भारतीय अमेरिकी (3.18 मिलियन) लोग संयुक्त राज्य अमेरिका में तीसरे सबसे बड़े एशियाई नृजातीय समूह हैं।
- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका कई बहुपक्षीय मंचों पर एक–दूसरे का सहयोग करते रहे हैं, जैसे– संयुक्त राष्ट्र, G20, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (ASEAN) क्षेत्रीय मंच, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन आदि।

© Vision IAS

5.1.1. 2+2 संवाद (2+2 Dialogue)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच **चौथा "2+2 संवाद"** वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- दोनों देश वर्ष 2023 में भारत की सह-मेजबानी में **इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ्स कॉन्फ्रेंस (IPACC)** और **इंडो-पैसिफिक आर्मी मैनेजमेंट सेमिनार (IPAMS)** के आयोजन के लिए उत्सुक हैं।

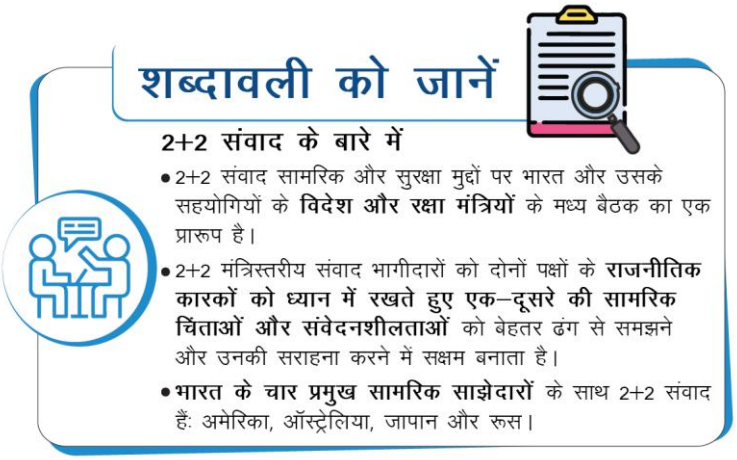

- दोनों देश **यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID) द्वारा समर्थित कोविड-19 लर्निंग एक्सचेंज वर्चुअल प्लेटफॉर्म** के विस्तार के लिए तत्पर हैं ताकि अधिक-से-अधिक जनसंख्या के लिए कार्यक्रमों को शामिल किया जा सके और शहरों एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को **सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने** की अनुमति प्रदान की जा सके।
- **नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) उपग्रह** पर भी चर्चा की गयी। इसे 2023 में भारत से लॉन्च किए जाने की योजना है।
- **रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (DTTI)**[19] को पुनर्जीवित करने पर भी विचार किया गया। इसमें अत्याधुनिक, नई उभरती और अति महत्वपूर्ण सैन्य प्रौद्योगिकियों पर संयुक्त परियोजनाएं शामिल हैं।
  - भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने **DTTI के तहत एयर-लॉन्च मानव रहित हवाई वाहन (ALUAV)**[20] के लिए एक प्रोजेक्ट-एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए।

संबंधित सुर्ख़ियां

काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट (CAATSA)

संयुक्त राज्य अमेरिका के हाउस ऑफ़ रिप्रेजेन्टेटिव ने एक विधायी संशोधन पारित किया है। इसके तहत **CAATSA के तहत लागू आर्थिक प्रतिबंधों से भारत को छूट** दी गयी है। भारत ने 2018 में रूस से **S-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली** खरीदने पर एक समझौता किया था। इसी कारण अमेरिका ने भारत पर CAATSA एक्ट के जरिए आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। उल्लेखनीय है कि यह मिसाइल रक्षा प्रणाली चीन जैसे आक्रामक देशों को रोकने में सहायक हो सकती है।

- CAATSA यू.एस.ए. का एक कानून है। अमेरिका ने 2017 में CAATSA एक्ट लागू किया था। इसका उद्देश्य आर्थिक प्रतिबंधों का उपयोग करके **रूस, नॉर्थ कोरिया और ईरान के साथ सैन्य समझौते करने वाले देशों को दंडित करना** है।
  - CAATSA एक्ट **केवल S-400 तक ही सीमित नहीं** है। यह रूस के साथ भविष्य में हथियारों के विनिर्माण या विकास के लिए अन्य संयुक्त उद्यम या **किसी अन्य प्रकार के प्रमुख सैन्य सौदों पर लागू** हो सकता है।
  - अमेरिका ने **तुर्की पर भी** रूस से S-400 मिसाइल सिस्टम खरीदने के कारण **CAATSA के तहत प्रतिबंध लगाए हैं।**
- S-400 एक लंबी दूरी की सचल **सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (LR-SAM)**[21] **प्रणाली है।**
  - S-400 ट्रायम्फ में ड्रोन, मिसाइल, रॉकेट और यहां तक कि लड़ाकू जेट सहित लगभग सभी प्रकार के हवाई हमलों से बचाव करने की क्षमता है।

[19] Defence Technology and Trade Initiative

[20] Air-launched Unmanned Aerial Vehicle

[21] Long-range surface-to-air missile

5.2. भारत-जापान (India-Japan)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हुए हैं।

भारत–जापान संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- **आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग:**
  - 2011 में दोनों देशों ने एक व्यापक **आर्थिक साझेदारी समझौते** (CEPA) पर हस्ताक्षर किए थे, जो अब तक जारी है।
  - **जापानी आधिकारिक विकास सहायता (ODA) के जरिए जापान भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दानकर्ता है।** यह भारत की कुछ प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, जैसे– **दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे** को सहायता प्रदान कर रहा है।
  - जापान भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। इसने पिछले दो दशकों में लगभग **35 बिलियन डॉलर के FDI** का योगदान किया है।
  - भारत और जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर **सप्लाई चेन रिजिलियंस इनीशिएटिव** (SCRI) पर काम कर रहे हैं।

- G-4 के रूप में **जर्मनी और ब्राजील** के साथ मिलकर भारत एवं जापान UNSC की स्थायी सदस्यता की दिशा में प्रयासरत हैं।

- इसरो और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) **एक लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन (LUPEX) मिशन** पर एक साथ काम कर रहे हैं। इस मिशन का लक्ष्य **2024 तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक लैंडर और रोवर** भेजना है।

- भारत और जापान ने **एक्विजिशन एंड क्रॉस–सर्विसिंग एग्रीमेंट** (ACSA) नामक एक आपसी लॉजिस्टिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

- दोनों देशों ने 2019 में **'इंडिया–जापान इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फंड'** लॉन्च किया था।

- भारत और जापान की सेनाओं द्वारा नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास का आयोजन किया जाता है, जैसे– **शिन्यू मैत्री (वायु सेना), धर्म गार्जियन (सेना), JIMEX (नौसेना), सहयोग–काइजिन (तटरक्षक बल), और मालाबार (नौसेना, बहुपक्षीय)।**

- गुजरात के अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (AMA) में एक **जापानी 'जेन गार्डन–काइजन अकादमी'** का उद्घाटन किया गया है।

- **हिंद–प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख द्विपक्षीय सहयोग:** इंटीग्रेटेड इंडो–पैसिफिक स्ट्रैटेजी; म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई एग्रीमेंट (MLSA); एशिया–अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर (AAGC); क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग या क्वाड और सप्लाई चेन रेजिलिएंस इनिशिएटिव (SCRI)

© Vision IAS

संबंधित सुर्ख़ियां

- **जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे की हत्या**
  - उनकी पुस्तक **'उत्सुकुशी कुनी ई (Utsukushii Kuni E)'** (टुवार्ड्स ए ब्यूटीफुल कंट्री) में भारत का विशेष उल्लेख किया गया है।
- **भारत-जापान संबंधों में उनका योगदान:**
  - आबे ने शांति और सुरक्षा के लिए **भारत-जापान के बीच विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा दिया था।**
  - **आबे के कार्यकाल में, जापान ने प्रमुख परियोजनाओं में सहायता के माध्यम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के दसवें हिस्सा का योगदान दिया था।** इन परियोजनाओं में मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना भी शामिल थी।
  - **उन्होंने चार अंतर्राष्ट्रीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं में भारत के प्रवेश का समर्थन किया था।** इसके अतिरिक्त, रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी में भी सहयोग को बढ़ावा दिया था।
- शिंजो आबे के योगदान के लिए, **भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2021 में प्रतिष्ठित पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया था।**

5.3. भारत-ऑस्ट्रेलिया (India Australia)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)[22] लागू हो गया है।

ECTA के बारे में

- ECTA दोनों देशों के बीच **व्यापार को प्रोत्साहित करने और उसमें सुधार लाने के लिए एक संस्थागत तंत्र प्रदान** करता है। इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रभावी **लगभग सभी टैरिफ लाइन्स** (साधारण शब्दों में, आयात-निर्यात पर कर) को शामिल किया गया है।
- एक दशक से भी अधिक समय के बाद **किसी विकसित देश के साथ भारत का यह पहला व्यापार समझौता** है।
- ECTA भारत के लिए 2022 में प्रभावी होने वाला **दूसरा व्यापार समझौता** है। इससे पहले **भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता**[23] भी प्रभावी हो चुका है।

समझौते के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- भारत से निर्यात की जाने वाली **96 प्रतिशत** वस्तुओं को ऑस्ट्रेलिया अपने बाजार में **शुल्क मुक्त पहुंच** (जीरो-ड्यूटी एक्सेस) प्रदान करेगा।

  इनमें इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न और आभूषण, वस्त्र, परिधान तथा चमड़े जैसे मुख्य क्षेत्रकों के उत्पाद शामिल हैं।

[22] Economic and Cooperation Trade Agreement

[23] Comprehensive Economic Partnership Agreement

- विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में **भारतीय स्नातकों को** अध्ययन के बाद **वर्क वीजा** दिया जाएगा।
- **ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू कर कानून में संशोधन करने पर सहमत हो गया है।** इसके तहत ऑस्ट्रेलिया में तकनीकी सेवाएं प्रदान करने वाली भारतीय कंपनियों की ऑफशोर इनकम (दूसरे देश में अर्जित आय) पर कराधान व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा।
- इस समझौते में **फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए एक अलग अनुबंध** किया गया है। इससे पेटेंट युक्त, जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं को त्वरित मंजूरी मिल सकेगी।
- इस समझौते में **उत्पत्ति के नियम (Rules of Origin), सेनेटरी और फाइटोसैनिटरी (SPS) उपाय, विवाद निपटान तंत्र, नेचुरल पर्सन्स (पेशेवरों) की आवाजाही** जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं।

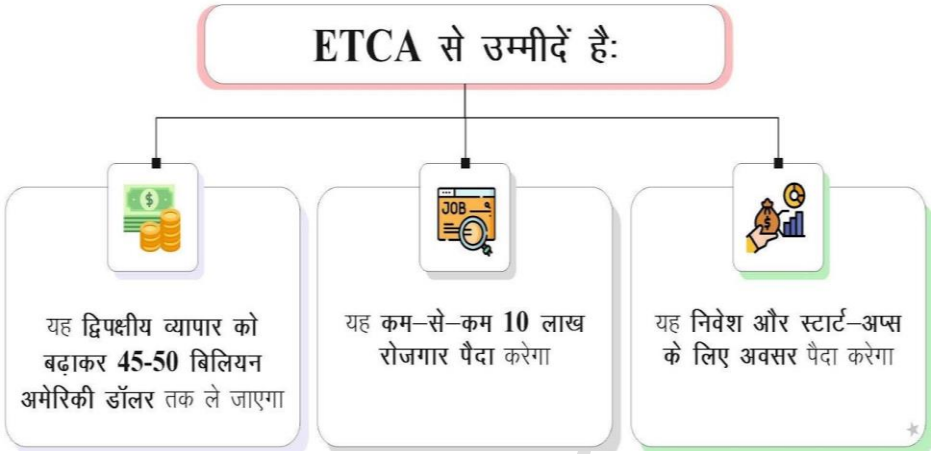

अन्य हालिया घटनाक्रम:

- **ऑस्ट्रेलिया-भारत जल सुरक्षा पहल (AIWASI)**[24] के लिए तकनीकी सहयोग हेतु भारतीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और ऑस्ट्रेलिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य शहरी जल सुरक्षा और प्रबंधन पर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग का समर्थन करना है।
- दोनों देश लिथियम और कोबाल्ट जैसे **दुर्लभ भू-खनिजों से जुड़ी संयुक्त परियोजनाओं में सहयोग** के लिए सहमत हुए हैं।

[24] Australia-India water security initiative

5.4. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity: IPEF)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **भारत,** अमेरिकी नेतृत्व वाले आर्थिक समूह **इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF)** का हिस्सा बनने के लिए सहमत हुआ है।

इंडो–पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (IPEF)

IPEF के बारे में: IPEF संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में **14 भागीदार देशों के लिए एक फ्रेमवर्क है।** इसका उद्देश्य भागीदार देशों के बीच **आपसी संबंधों को मजबूत करना** और क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण आर्थिक एवं व्यापार संबंधी मामलों पर भागीदारी को सुनिश्चित करना है। इन मामलों में कोविड महामारी के कारण उजागर हुई कमियों को देखते हुए लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना आदि शामिल है।

मुख्य विशेषताएं

- इस समूह का उद्देश्य हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक और गैर–पारदर्शी व्यापार एवं आर्थिक नीतियों को प्रतिसंतुलित करना है।
- **यह एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।**
- IPEF का प्राथमिक लक्ष्य **मानक स्थापित करना और व्यापार को सुविधाजनक** बनाना है। इसका उद्देश्य न तो सदस्यों के बीच **बाजार पहुंच को बढ़ावा देना** है और न ही यह प्रशुल्क में कमी करने से संबंधित वार्ता करेगा।
- यह फ्रेमवर्क भविष्य में शामिल होने के इच्छुक अन्य देशों के लिए खुला होगा।

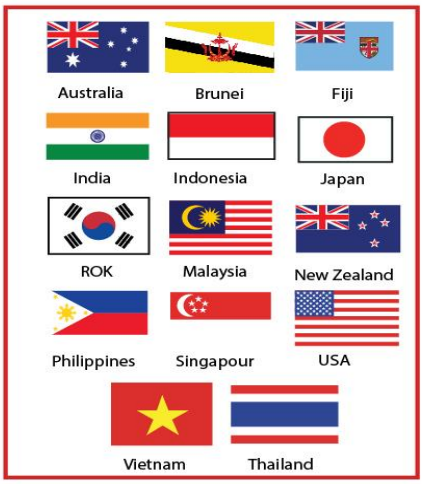

IPEF* के चार स्तंभ

- व्यापार
- आपूर्ति श्रृंखला
- स्वच्छ ऊर्जा, डीकार्बोनाइजेशन और अवसंरचना
- कर चोरी पर लगाम एवं भ्रष्टाचार–रोधी

नोट– देश उपर्युक्त निर्धारित स्तंभों में से **किसी भी पहल में शामिल होने (या शामिल नहीं होने) के लिए स्वतंत्र** हैं, लेकिन एक बार किसी स्तंभ में शामिल होने के बाद उनसे **सभी प्रतिबद्धताओं का अनुपालन करने की अपेक्षा** की जाती है।

- **भारत अभी तक चार में से तीन स्तंभों यथा आपूर्ति श्रृंखला, कर चोरी पर लगाम और भ्रष्टाचार–रोधी तथा स्वच्छ ऊर्जा पर सहमत हुआ है।**

भारत के लिए IPEF का महत्त्व

- **क्षेत्रीय व्यापार** में भागीदारी बढ़ेगी।
- यह कई मुद्दों पर **वार्ता करने के लिए मंच** प्रदान करेगा। इन मुद्दों में जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर पर्यावरणीय प्रतिबंध और डेटा स्थानीयकरण आदि शामिल हैं।
- बेहतर **आर्थिक अवसर** उपलब्ध कराएगा।
- हिंद–प्रशांत क्षेत्र में **चीन के प्रभाव को कम** करने में मदद करेगा।
- **लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं** में भागीदारी बढ़ाएगा।

हिंद–प्रशांत के बारे में:

- यह एक भौगोलिक कंस्ट्रक्ट है, जो लंबे समय से प्रचलित "एशिया–पैसिफिक" अवधारणा के विकल्प के रूप में उभरी है।
- अलग–अलग देश इस क्षेत्र की अलग–अलग तरीके से व्याख्या करते हैं।

हिंद–प्रशांत का महत्त्व

- यह क्षेत्र विश्व के 44% भू–क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है।
- इस क्षेत्र में विश्व की 65% आबादी निवास करती है।
- यह क्षेत्र विश्व–GDP के 62% का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह क्षेत्र विश्व के पण्य व्यापार के 46% का प्रतिनिधित्व करता है।

5.5. बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, नालंदा विश्वविद्यालय ने विश्व समुद्री दिवस (29 सितंबर) के अवसर पर एक बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र, **सेंटर फॉर बे ऑफ बंगाल स्टडीज (CBS)** का शुभारंभ किया है।

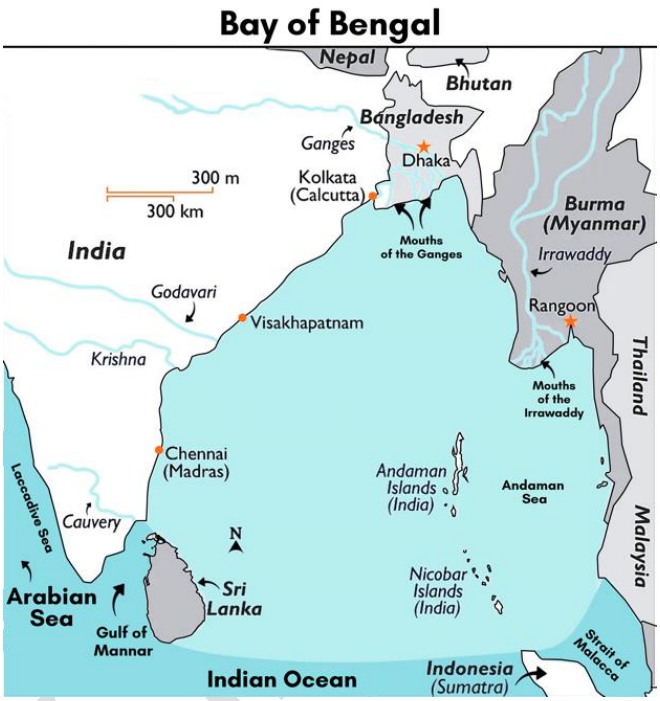

अन्य संबंधित तथ्य

- भारत ने 2018 में नेपाल में **चौथे बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन** के दौरान CBS की स्थापना की घोषणा की थी।
- CBS बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के लिए अवसर पैदा करने हेतु **भू-अर्थशास्त्र और भू-राजनीति, पारिस्थितिकी, व्यापार और कनेक्टिविटी, समुद्री सुरक्षा और कानून, सांस्कृतिक विरासत तथा ब्लू इकोनॉमी** जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेगा।
- यह समुद्री जुड़ाव के लिए भारत के समग्र फ्रेमवर्क को मजबूत करेगा।

बंगाल की खाड़ी (BoB) के संबंध में भारत द्वारा आरंभ की गई पहल

- **हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (Indian Ocean Naval Symposium: IONS):** इसका नेतृत्व भारतीय नौसेना करती है। यह इस क्षेत्र के सैन्य प्रमुखों को क्षेत्रीय चुनौतियों, जैसे- आतंकवाद, पायरेसी आदि पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।
- **नौसेना अभ्यास:** भारत BoB से सटे देशों, दक्षिण पूर्व एशिया और हिंद महासागर समुदाय की समुद्री नौसेनाओं के बीच दो वर्ष में एक बार **नौसैन्य अभ्यास मिलन (MILAN)** की मेजबानी करता है। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र की नौसेनाओं के बीच बेहतर संबंध और समझ को बढ़ाना है।
- **व्हाइट शिपिंग एग्रीमेंट्स:** ये समझौते **वाणिज्यिक पोत-परिवहन के संबंध में सूचनाओं के आदान-प्रदान** को संभव बनाते हैं।
  - भारत के वर्तमान में **बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका** के साथ व्हाइट शिपिंग एग्रीमेंट्स हैं। थाईलैंड एवं इंडोनेशिया के साथ इस पर हस्ताक्षर करने के लिए बातचीत चल रही है।
- **सुनामी चेतावनी प्रणाली:** INCOIS (इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इन्फॉर्मेशन सर्विसेज), हैदराबाद में राष्ट्रीय सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य **सुनामी से जुड़ी अग्रिम चेतावनी प्रदान करना और 2004 की सुनामी जैसे विनाशकारी प्रभावों के दोहराव को रोकना है।**
- **प्रोजेक्ट मौसम:** यह पूर्व-आधुनिक काल में **मानसूनी पवनों से संबंधित ज्ञान** और उनके पैटर्न में परिवर्तन को समझने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र के कई देशों के साथ सहयोग करने हेतु **संस्कृति मंत्रालय की एक पहल** है।

5.6. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

ऑकस (AUKUS)	• चीन ने **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA)** में AUKUS समूह के खिलाफ प्रस्तावित अपना प्रारूप संकल्प वापस ले लिया है।
	  ○ यह **भारत की 'कुशल और प्रभावशाली'** कूटनीति क्षमता से संभव हुआ है। इसके तहत भारत ने कई छोटे देशों को चीनी संकल्प पर स्पष्ट रुख अपनाने में मदद की थी।
	• AUKUS **ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य एक नया त्रि-पक्षीय सामरिक रक्षा गठबंधन** है।
	• **मुख्य उद्देश्य:**
	  ○ परमाणु-चालित पनडुब्बियों की एक श्रेणी का निर्माण करना,

DELHI | JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | AHMEDABAD | LUCKNOW | CHANDIGARH | GUWAHATI © Vision IAS

	○ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर कार्य करना, जहाँ चीन के उदय को एक बढ़ते खतरे के रूप में देखा जाता है, और ○ व्यापक तकनीकों का विकास करना।
पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक (PBP)	• **चीन को प्रतिसंतुलित करने के लिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और जापान** ने 'पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक (PBP)' पहल की घोषणा की है। ○ इससे पहले, चीन ने **'कॉमन डेवलपमेंट विजन'** नामक एक प्रारूप समझौता जारी किया था। इसमें चीन ने यह मंशा प्रकट की है कि वह **प्रशांत देशों के साथ** कानून लागू करने में सहयोग का विस्तार करना चाहता है। • **पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक (PBP) के बारे में:** ○ यह पांच देशों का एक **अनौपचारिक तंत्र** है। यह प्रशांत द्वीपीय देशों का समर्थन करने और क्षेत्र में **राजनयिक व आर्थिक संबंधों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। ○ इसका उद्देश्य निकट सहयोग के माध्यम से प्रशांत क्षेत्र में **"समृद्धि, लचीलापन और सुरक्षा"** को बढ़ाना है। ○ यह **"प्रशांत क्षेत्रवाद को आगे ले जायेगा"** और प्रशांत द्वीपसमूह मंच के साथ मजबूत संबंध स्थापित करेगा। ○ इसके **सहयोग के क्षेत्रों** में जलवायु संकट, कनेक्टिविटी और परिवहन, समुद्री सुरक्षा आदि शामिल हैं।
'पारस्परिक पहुंच समझौते' (Reciprocal Access Agreement: RAA)	• हाल ही में, **जापान और ऑस्ट्रेलिया** ने **'पारस्परिक पहुंच समझौते (RAA)'** पर हस्ताक्षर किए हैं। • RAA एक नया समझौता है। यह रक्षा-क्षेत्र में बेहतर सहयोग करने के लिए संपन्न किया गया है। **इसका उद्देश्य चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक शक्ति के विरुद्ध आपसी सुरक्षा संबंधों** को मजबूत करना है।
भारत, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) व फ्रांस की त्रिपक्षीय बैठक (India, UAE and France Trilateral meet)	**भारत, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) व फ्रांस ने अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की** • इस बैठक का उद्देश्य **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता** लगाना था। इन क्षेत्रों में शामिल हैं: समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR)[25], **ब्लू इकोनॉमी**, क्षेत्रीय संपर्क, बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग, **ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा,** स्टार्ट-अप्स आदि। • **भारत-यू.ए.ई.-फ्रांस त्रिपक्षीय मंच और इसका महत्व:** ○ **त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क के तहत हिंद प्रशांत में सहयोग को बढ़ावा देना।** ○ यह ऊर्जा और क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र या अरब सागर में **रणनीतिक स्वायत्तता** को बढ़ाएगा। ○ यह **भारत की वैश्विक भूमिका** के साथ-साथ भारत की **एक्ट ईस्ट पॉलिसी, लुक वेस्ट पॉलिसी, क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास (सागर/SAGAR) पहल** आदि की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। ○ यह 'स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत' के **साझा लक्ष्यों की दिशा में कार्य करने का अवसर** भी प्रदान करता है।
खनिज सुरक्षा साझेदारी (Minerals Security Partnership: MSP)	• **भारत ने अमेरिकी नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP) में शामिल नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की है** • MSP वस्तुतः **स्थिर और विविध खनिज आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी** है। ○ MSP महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों (Critical minerals) का **उत्पादन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण** सुनिश्चित करता है। इससे देशों को उनके भूवैज्ञानिक संसाधनों का आर्थिक विकास के लिए पूर्ण लाभ उठाने में मदद मिलेगी। ○ इस साझेदारी में 11 सदस्य शामिल हैं। ये हैं: **साउथ कोरिया, अमेरिका, कनाडा, जापान, जर्मनी, यूनाइटेड**

[25] Humanitarian Assistance and Disaster Relief

	किंगडम, यूरोपीय संघ आयोग, फिनलैंड, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे। ○ यह साझेदारी **कोबाल्ट, निकेल, लिथियम आदि जैसे खनिजों और 17 "दुर्लभ मृदा" खनिजों** की आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करेगी।
हिंद-प्रशांत त्रिपक्षीय विकास सहयोग कोष (Indo-Pacific Trilateral Development Cooperation Fund)	• भारत और फ्रांस हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सहयोग के तहत **हिंद-प्रशांत त्रिपक्षीय विकास सहयोग कोष** की स्थापना की दिशा में कार्य करने के लिए सहमत हुए हैं। ○ इस कोष का उद्देश्य भारत स्थित नवप्रवर्तकों (Innovators) और स्टार्ट-अप्स को अपने नवाचारों को तीसरे देशों (विशेष रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र) में ले जाने में सहायता करना है। ○ यह कोष **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन फ्रेमवर्क और इसकी स्टार-सी (STAR-C) परियोजना** के तहत **विकास परियोजनाओं को शुरू करने** के अवसरों का भी पता लगाएगा। • भारत ने **यूनाइटेड किंगडम के साथ वैश्विक नवाचार साझेदारी (GIP)** शुरू की है। यह जापान, जर्मनी, फ्रांस और यूरोपीय संघ जैसे अन्य देशों/संगठनों के साथ त्रिपक्षीय परियोजनाओं के लिए **TDC फंड** का उपयोग करने हेतु **एक रूपरेखा प्रदान करेगी।** • भारत TDC फंड के **माध्यम से GIP में योगदान करेगा।**
अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी (US-India Strategic Clean Energy Partnership: USISCEP)	• संयुक्त राज्य अमेरिका में **USISCEP की मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन संपन्न** हुआ है। • संशोधित USISCEP को **अमेरिका-भारत जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा, 2030** के अनुसार लॉन्च किया गया था। • इस साझेदारी का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा और नवाचार को आगे बढ़ाना; उभरती हुई स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना और **निम्नलिखित पांच स्तंभों के माध्यम से तकनीकी समाधानों को लागू करना है:** ○ उत्तरदायी तेल और गैस स्तंभ, ○ विद्युत और ऊर्जा दक्षता स्तंभ, ○ नवीकरणीय ऊर्जा स्तंभ, ○ सतत विकास स्तंभ तथा ○ उभरते ईंधन और प्रौद्योगिकियां।
व्यापक और प्रगतिशील प्रशांत-पार भागीदारी समझौता (Comprehensive and Progressive Agreement for Trans-Pacific Partnership: CPTPP)	CPTPP में शामिल होने के लिए यू.के. का अनुरोध विचाराधीन है।

 © Vision IAS

निवेश प्रोत्साहन समझौता (Investment Incentive Agreement: IIA)	• **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका** ने एक निवेश प्रोत्साहन समझौते (IIA) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 1997 में भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित निवेश प्रोत्साहन समझौते का स्थान लेगा। • यह समझौता अतिरिक्त निवेश सहायता कार्यक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करेगा। ये कार्यक्रम **संयुक्त राज्य अमेरिका की एक विकास वित्त एजेंसी DFC** ने प्रस्तावित किए हैं। इनमें **ऋण, इक्विटी निवेश, निवेश गारंटी, निवेश बीमा या पुनर्बीमा, संभावित परियोजनाओं एवं अनुदानों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन जैसे निवेश सहायता कार्यक्रम** शामिल हैं। ○ यह समझौता, भारत में निवेश सहायता प्रदान करना जारी रखने की दृष्टि से **DFC** के लिए कानूनी रूप से आवश्यक है। ○ DFC या उसकी पूर्ववर्ती एजेंसियां 1974 से भारत में सक्रिय हैं। ये अब तक 5.8 बिलियन डॉलर की निवेश सहायता प्रदान कर चुकी हैं।
फ्रेंड-शोरिंग प्लान (Friend-shoring Plan)	संयुक्त राज्य अमेरिका 'फ्रेंड-शोरिंग' प्लान के तहत भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। • फ्रेंड-शोरिंग अमेरिका द्वारा प्रस्तुत अवधारणा है। इसका बाह्य अवरोधों या आर्थिक मंदी से **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की रक्षा के साधन के रूप में** उल्लेख किया जाता है। • इस अवधारणा के पीछे मूल विचार **साझा मूल्यों वाले देशों का एक समूह बनाना** है। इसके बाद कंपनियों को इसी समूह के देशों में **विनिर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां** बनाना है। ○ इसके तहत **सेमीकंडक्टर उद्योग, हरित ऊर्जा, दूरसंचार और खनिज उद्योग क्षेत्रकों पर बल** दिया जाता है। • **फ्रेंड-शोरिंग का महत्व:** ○ महत्वपूर्ण कच्चे माल, प्रौद्योगिकियों या उत्पादों के मामले में चीन और रूस जैसे देशों द्वारा बाजार में **अपने प्रभुत्व का अनुचित लाभ उठाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था को बाधित** करने से रोका जा सकेगा। ○ **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता** लाने में मदद मिलेगी। इससे व्यवसाय युद्ध, अकाल, राजनीतिक परिवर्तन या भावी महामारी जैसे **बाह्य संकटों का सामना करने में सक्षम हो सकेंगे।**

5.7. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

क्रम संख्या	स्थल
1.	**सोलोमन द्वीप (राजधानी: होनियारा)** **संदर्भ:**हाल ही के एक दस्तावेज़ से पता चला है कि **सोलोमन द्वीप और चीन** अभूतपूर्व स्तर के **सुरक्षा सहयोग हेतु एक समझौते** पर सहमत हुए हैं। • **भौतिक अवस्थिति:** सोलोमन द्वीप मेलानेशिया में एक द्वीपीय राष्ट्र है। यह दक्षिणी-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है। • **पड़ोसी देश:** यह पापुआ न्यू गिनी के दक्षिण-पूर्व में और वानुअतु के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।
2.	**फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ़ माइक्रोनेशिया (FSM) (राजधानी: पालीकिर)** **संदर्भ:** FSM वर्तमान में कोविड-19 के प्रकोप का सामना कर रहा है। यद्यपि, FSM ने स्वयं को ढाई वर्षों तक इस वायरस के प्रकोप से सफलतापूर्वक बचाए रखा था। • **अवस्थिति और सीमाएं:** ○ यह पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक संप्रभु द्वीपीय राष्ट्र है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का एक सहयोगी देश है। ○ यह 4 द्वीपीय राज्यों में विभाजित है: चुउक, कोसरे, पोह्नपेई (पोनापे) और याप। ○ **समुद्री पड़ोसी:** मार्शल द्वीप समूह, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी और गुआम।

© Vision IAS

3.	**पूर्वी तिमोर (राजधानी: दिली)** **संदर्भ: आसियान (ASEAN)** ने पूर्वी तिमोर को अपने समूह के **11वें सदस्य** के रूप में स्वीकार करने पर सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की है। • पूर्वी तिमोर को आधिकारिक तौर पर **'डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ तिमोर-लेस्ते'** कहा जाता है। • **अवस्थिति:** यह दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है। यह ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिम में इंडोनेशिया द्वीपसमूह के सबसे दक्षिणी किनारे पर अवस्थित है। ○ **इसकी सीमा पश्चिम में इंडोनेशिया से लगती है।**
4.	**फिजी (राजधानी: सुवा)** **संदर्भ:** सिल्विनी राबुका **फिजी के नए प्रधान मंत्री** बने हैं। • फिजी **दक्षिणी प्रशांत** में स्थित है। इसे **"300 आइलैंड्स इन सन"** भी कहा जाता है। • यह **हवाई द्वीप और न्यूजीलैंड के बीच ओशिनिया** में स्थित एक द्वीप समूह है। • **तीन सबसे बड़े द्वीप:** विती लेवु, वनुआ लेवु और तावेयुनी।
5.	**कुरील द्वीप समूह** **संदर्भ:** जापान के अनुसार, **इन विवादित द्वीपों पर रूस का अवैध कब्जा है।** • **जापान ने इन द्वीपों को उत्तरी क्षेत्र कहा है,** जबकि **रूस इन्हें दक्षिणी कुरील** कहता है। ○ जापान कुरील द्वीप श्रृंखला के अंतर्गत **इटुरुप, कुनाशीर, शिकोटन और हबोमाई द्वीपों** पर दावा करता है। • **अवस्थिति:** ज्वालामुखी द्वीप समूह की यह श्रृंखला जापान के होक्काइडो से रूस के कामचटका प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे तक प्रशांत महासागर के उत्तर में फैली हुई है। ○ यह **ओखोटस्क सागर को प्रशांत महासागर से अलग करता है।**

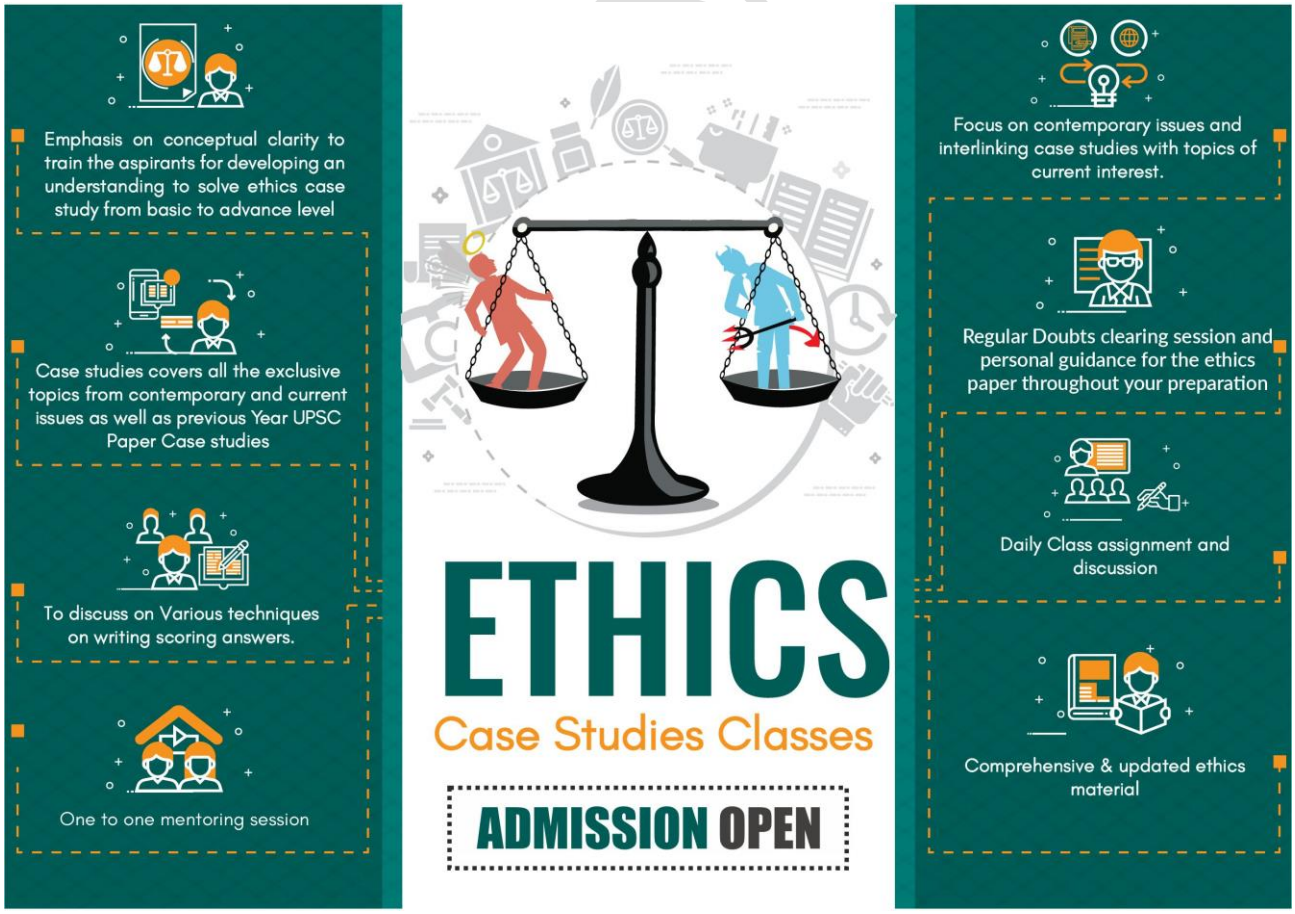

6. भारत-यूरोप (India-Europe)

6.1. भारत-यूरोपीय संघ (India- European Union)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने **भारत-EU व्यापार एवं निवेश समझौतों (BTIA)[26] के लिए पहले दौर की वार्ता** का समापन किया।

अन्य संबंधित तथ्य

- दोनों साझेदार लगभग **नौ वर्षों बाद BTIA पर वार्ता** पुन: आरंभ कर रहे हैं। यह (BTIA) मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का एक रूप है। वर्ष 2013 में पहले की वार्ताओं को रोक दिया गया था। इन वार्ताओं को समझौते के दायरे और अपेक्षाओं को लेकर विद्यमान मतभेदों के कारण रोका गया था।
  - FTA के तहत **व्यापार, निवेश और भौगोलिक संकेत (GI) पर समझौते** शामिल हैं।

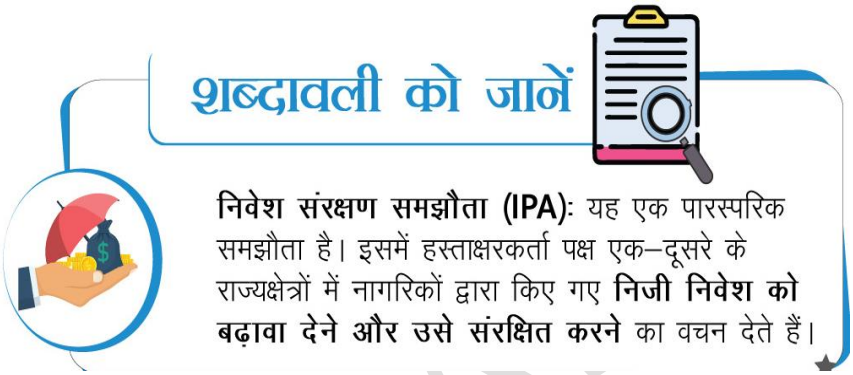

- **भारत के लिए यूरोपीय संघ का महत्व:**
  - यह भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ के बाजारों में **प्रतिस्पर्धात्मक लाभ** हासिल करने में मदद करेगा। वहीं घरेलू निर्माताओं को यूरोपीय संघ के **सस्ते आयात तक पहुंच** प्राप्त करने में मदद करेगा।
  - यूरोपीय संघ को **भारत को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विकास का मुख्य स्रोत** माना जाता है। मुक्त व्यापार समझौता मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देगा।
  - यूरोपीय संघ भी एक बड़े बाजार की तलाश कर रहा है, क्योंकि **यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार स्थिर** हो गया है। इसके अलावा, यूनाइटेड किंगडम के साथ भी उसका व्यापार कम हो रहा है।

भारत-यूरोपीय संघ (EU)

- 2021-22 में भारत का यूरोपीय संघ के साथ **द्विपक्षीय व्यापार 116.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था।**
- **मुक्त व्यापार समझौते के अलावा निम्नलिखित समझौतों पर भी वार्ता शुरू हुई है:**
  - **पृथक निवेश संरक्षण समझौता (IPA)[27],** और
  - **भौगोलिक संकेतक (Geographical Indicator: GI) समझौता।**
- **भौगोलिक संकेतक (GI) समझौता** GI उत्पादों के व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए एक **पारदर्शी और पूर्वानुमान आधारित विनियामक परिवेश** स्थापित करता है।
- दोनों पक्ष आर्थिक और तकनीकी संबंधों को मजबूत करने के लिए यूरोपीय संघ-भारत व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद[28] की स्थापना हेतु सहमत हुए हैं।
- **भारत एवं यूरोपीय आयोग 'भारत-यूरोपीय संघ (EU) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (TTC)' गठित करने पर सहमत हुए हैं:**
  - **TTC** दोनों पक्षों के बीच एक **रणनीतिक समन्वय तंत्र** के रूप में कार्य करेगी। यह परिषद दोनों भागीदारों को **व्यापार, विश्वसनीय प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के मामले में सामने आई चुनौतियों से निपटने में मदद** करेगी। साथ ही, यूरोपीय संघ और भारत के बीच इन क्षेत्रों में सहयोग को और बेहतर करेगी।
  - **भारत ने पहली बार** किसी पक्ष के साथ इस तरह का समझौता किया है। वहीं **यह यूरोपीय संघ के लिए ऐसा दूसरा समझौता** है। EU, वर्ष 2021 में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ US-EU TTC समझौता कर चुका है। इस अनिश्चित वैश्विक रणनीतिक परिवेश में EU के साथ भारत की ऐसी साझेदारी भारत के बढ़ते राजनीतिक महत्व को दर्शाती है।

[26] Bilateral Trade and Investment Agreements

[27] Investment Protection Agreement

[28] EU-India Trade and Technology Council

DELHI | JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | AHMEDABAD | LUCKNOW | CHANDIGARH | GUWAHATI © Vision IAS

यूरोपीय संघ (EU)

मुख्यालय
ब्रुसेल्स, बेल्जियम
1993 में स्थापित

EU के बारे में: यह यूरोप के 27 संप्रभु सदस्य देशों का एक **राजनीतिक और आर्थिक संघ** है।

- इसकी स्थापना **मास्ट्रिच संधि (1993)** से हुई थी।

उद्देश्य:

- शांति को बढ़ावा देना, यूरोपीय संघ के मूल्यों का अनुपालन करना और राष्ट्रों में जीवन यापन के स्तर में सुधार करना,
- एक आंतरिक बाजार स्थापित करना, तथा
- पर्यावरण की गुणवत्ता की रक्षा और सुधार करना।

सदस्य:

जर्मनी	चेक रिपब्लिक
फ्रांस	पुर्तगाल
इटली	ग्रीस
स्पेन	हंगरी
नीदरलैंड्स	स्लोवाकिया
पोलैंड	लक्जमबर्ग
स्वीडन	बुल्गारिया
बेल्जियम	क्रोएशिया
ऑस्ट्रिया	लिथुआनिया
आयरलैंड	स्लोवेनिया
डेनमार्क	लातविया
फिनलैंड	एस्टोनिया
रोमानिया	साइप्रस
माल्टा	

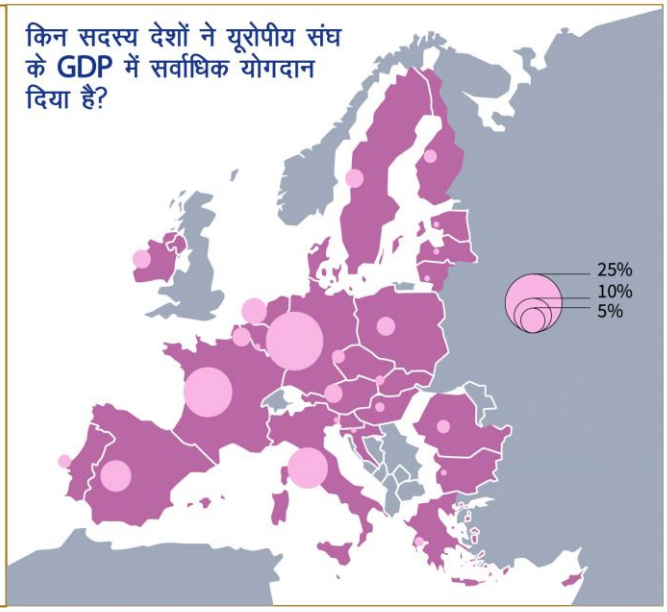

अन्य यूरोपीय संस्थाएं

यूरोपीय परिषद
यह EU के प्रत्येक सदस्य देश के राष्ट्राध्यक्षों या सरकार के प्रमुखों को एक मंच पर लाती है। साथ ही, यूरोपीय संघ की राजनीतिक दिशा निर्धारित करती है।

यूरोपीय संसद
यह **यूरोपीय संघ की प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित एकमात्र संस्था है।** यूरोपीय परिषद के साथ यूरोपीय संसद के पास **विधायी शक्ति है (EU कानूनों को बनाने और अपनाने की शक्ति)। हालांकि, इनके पास विधायी प्रक्रिया शुरू करने की कोई शक्ति नहीं है।**

यूरोपीय आयोग
यह यूरोपीय संघ की **राजनीतिक रूप से स्वतंत्र कार्यकारी शाखा** है। यह अकेले ही नवीन यूरोपीय कानूनों के प्रस्ताव तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। यह **यूरोपीय संसद एवं यूरोपीय परिषद के निर्णयों को लागू करता है।**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

- यूनाइटेड किंगडम (यूरोपीय संघ का एक संस्थापक सदस्य) ने 2020 में संगठन की सदस्यता छोड़ दी थी।
- यूरो क्षेत्र (जिन देशों ने यूरो को मुद्रा के रूप में अपनाया) में यूरोपीय संघ के 20 सदस्य देश शामिल हैं। **क्रोएशिया** 2023 में इस क्षेत्र में शामिल होने वाला नवीनतम देश है।
- यूरोपीय संघ का अपना ध्वज, गान और आदर्श वाक्य (motto): **"यूनाइटेड इन डाइवर्सिटी"** है।

6.2. भारत-यूनाइटेड किंगडम (India-UK)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल के दिनों में भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच विभिन्न पहलों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

सहयोग के क्षेत्र (Area of Cooperation)	प्रमुख समझौते/ घटनाक्रम
व्यापार और समृद्धि (Trade and prosperity)	• अक्टूबर 2022 के अंत तक **मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर जारी अधिकांश वार्ताओं को पूरा** करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। • **भारत-यूनाइटेड किंगडम वैश्विक नवाचार भागीदारी (GIP)**[29] कार्यान्वयन व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। इसके तहत भारत से एशिया, अफ्रीका और हिन्द-प्रशांत के अन्य देशों में क्लाइमेट-स्मार्ट समावेशी नवाचारों को बढ़ावा दिया जायेगा।
रक्षा और सुरक्षा (Defence and Security)	• ब्रिटेन ने भारत के साथ प्रौद्योगिकी संलग्नता को आसान बनाने के लिए एक **मुक्त सामान्य निर्यात लाइसेंस** की घोषणा की है। • **"इंडिया-UK इलेक्ट्रिक प्रपल्शन कैपेसिटी पार्टनरशिप" पर एक संयुक्त कार्यदल** की स्थापना की घोषणा की गयी है। • **साइबर प्रशासन,** साइबर अवरोध और साइबर हमलों से निपटने की क्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग को गहन करने हेतु **संयुक्त साइबर वक्तव्य** जारी किया गया। • रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने हेतु **चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए एक उप-समूह** गठित करने पर भी सहमति व्यक्त की गयी।
यू.के.-इंडिया यंग प्रोफेशनल स्कीम (UK India Young professional scheme)	• ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ने इस योजना की घोषणा की है। • इस योजना के तहत, ब्रिटेन 18-30 वर्ष के डिग्री धारक भारतीय नागरिकों को **ब्रिटेन में दो वर्ष तक रहने और कार्य करने के लिए प्रतिवर्ष** 3,000 वीजा प्रदान करेगा। • इस पर **यू.के.-इंडिया माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप (MMP)** के भाग के रूप में हस्ताक्षर किया गया था। • यह योजना **पारस्परिक आधार पर** 2023 से शुरू होगी।
इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर यू.के.-नीति आयोग की सहयोगात्मक पहल (UK-NITI Aayog collaborative initiatives on electric mobility)	• COP 26 के अध्यक्ष की भारत यात्रा के दौरान नीति आयोग ने निम्नलिखित दो पहले शुरू की हैं: ○ **ई-अमृत/E-AMRIT (एक्सीलेरेटेड ई-मोबिलिटी रिवॉल्यूशन फॉर इंडियाज़ ट्रांसपोर्टेशन:** यह पहल देश में बैटरी चालित वाहनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शुरू की गयी है। ○ **एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी रीयूज पर रिपोर्ट:** यह पहल यूनाइटेड किंगडम के ग्रीन ग्रोथ फंड टेक्निकल कोऑपरेशन फैसिलिटी द्वारा समर्थित है। • इस रिपोर्ट का उद्देश्य भारत में मौजूदा बैटरियों के पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना, बैटरी प्रौद्योगिकियों का विकास करना है। • **एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी है।** यह **विद्युत ऊर्जा को या तो विद्युत-रासायनिक या रासायनिक ऊर्जा के रूप में भंडारित** कर सकती है। यह आवश्यकता पड़ने पर इसे वापस विद्युत ऊर्जा में बदल सकती है।
अन्य	• भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग तथा यूनाइटेड किंगडम के बिज़नेस, एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल स्ट्रेटेजी विभाग के बीच **'परमाणु ऊर्जा साझेदारी के लिए वैश्विक केंद्र पर सहयोग' पर समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किए गए। • **सामरिक तकनीकी संवाद:** 5G, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि जैसी नई और उभरती संचार प्रौद्योगिकियों पर मंत्रिस्तरीय संवाद आयोजित किये जाने पर भी सहमति बनी है।

[29] Global Innovation Partnership

DELHI | JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | AHMEDABAD | LUCKNOW | CHANDIGARH | GUWAHATI © Vision IAS

भारत–यूनाइटेड किंगडम संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- दोनों देशों के बीच **41 अरब अमेरिकी डॉलर** का द्विपक्षीय व्यापार है।
- यूनाइटेड किंगडम **भारत में छठा सबसे बड़ा निवेशक देश है।** इसमें लगभग 33 बिलियन डॉलर का संचयी निवेश शामिल है।
- भारत **यूनाइटेड किंगडम में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है।**
- भारत और यूनाइटेड किंगडम ने 2010 में एक **असैन्य परमाणु सहयोग घोषणा–पत्र** पर हस्ताक्षर किए थे।

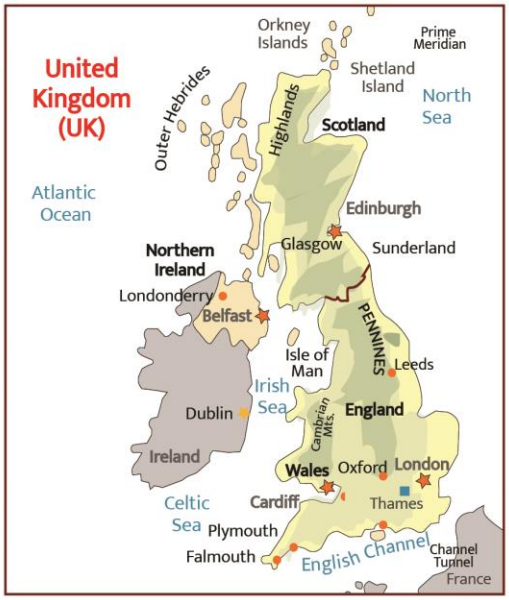

- यूनाइटेड किंगडम **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन** करता रहा है।
- भारत और यूनाइटेड किंगडम ने 2015 में **रक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी (Defence and International Security Partnership: DISP)** समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- **यहां भारतीय मूल की आबादी लगभग 1.8 से 2 मिलियन है, जो यहां की नृजातीय आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा है।**
- यूनाइटेड किंगडम में पढ़ने वाले **कुल विदेशी छात्रों की संख्या के मामले में भारतीय छात्रों का स्थान दूसरा है।**
- **यूनाइटेड किंगडम–इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव (UKIERI)** 2005 में शुरू किया गया था।
- **इंडिया–यूनाइटेड किंगडम ग्रीन ग्रोथ इक्विटी फंड** भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, इलेक्ट्रिक गतिशीलता और पर्यावरणीय उप–क्षेत्रकों में संस्थागत निवेश जुटा रहा है।
- भारत और यूनाइटेड किंगडम **संयुक्त राष्ट्र, WTO, राष्ट्रमंडल, G20** जैसे बहुपक्षीय मंचों के सदस्य हैं।

6.3. भारत-फ्रांस (India- France)

सुर्ख़ियों में क्यों?

पेरिस में भारत-फ्रांस के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर वार्ता संपन्न हुई।

भारत - फ्रांस संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत का फ्रांस के साथ **व्यापार अधिशेष** है। दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार लगभग 8 बिलियन डॉलर का है।
- COP21 के दौरान दोनों देशों ने संयुक्त रूप से **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** (ISA) को शुरू किया था। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है।
- **रक्षा सहयोग:**
  - भारत ने फ्रांस से राफेल विमान की खरीदारी की है। इसके अलावा, भारत ने छह स्कॉर्पीन पनडुब्बियों (P-75 प्रोजेक्ट) के अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए हैं।
  - दोनों देशों के मध्य संयुक्त रूप से **द्विवार्षिक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास** का आयोजन किया जाता है। इनमें **गरुड़ (वायु सेना), वरुण (नौसेना) और शक्ति (थल सेना) नामक तीन सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास** शामिल हैं।
  - दोनों देशों ने **रेसिप्रोकल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमेंट** पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

- **भारत और फ्रांस ने भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए सहयोग समझौते** पर हस्ताक्षर किए हैं।
- भारत, **इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर** (ITER) का एक सदस्य है। यह एक बहु-राष्ट्रीय संघ है। इसका गठन फ्रांस के कैडाराचे में स्थित एक प्रायोगिक संलयन (Fusion) रिएक्टर के निर्माण के लिए किया गया है।
- दोनों देशों ने 2008 में एक **असैन्य परमाणु समझौते** पर हस्ताक्षर किए थे।
- भारत, **फ्रांसीसी नेतृत्व वाले हाई एम्बिशन कोएलिशन फॉर नेचर एंड पीपल** (HAC) में शामिल हो गया है। इसका लक्ष्य 2030 तक दुनिया की कम-से-कम 30% भूमि और महासागर को संरक्षण के अधीन लाना है।
- **दोनों देश कई बहुपक्षीय संगठनों जैसे कि G20, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन आदि के सदस्य हैं।**

6.4. भारत-जर्मनी (India-Germany)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और जर्मनी ने स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए **10.5 बिलियन डॉलर के हरित समझौते पर हस्ताक्षर** किए।

अन्य संबंधित तथ्य

- **इस साझेदारी के तहत निम्नलिखित सहयोग क्षेत्रों को शामिल किया गया है:**
  - **भारत-जर्मनी ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप का विकास।**
  - **भारत-जर्मनी अक्षय ऊर्जा साझेदारी की स्थापना:** इसमें **नवोन्मेषी सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान** केंद्रित किया जाएगा।

 © Vision IAS

- **'कृषि पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों के संधारणीय प्रबंधन'** पर एक पथ प्रदर्शक सहयोग स्थापित किया जाएगा।
- **बॉन चैलेंज** के तहत **वन परिदृश्य को बहाल करने के लिए सहयोग को बढ़ाया जाएगा।**
- **हरित ऊर्जा गलियारों पर सहयोग बढ़ाना:** लेह-हरियाणा ट्रांसमिशन लाइन और कार्बन न्यूट्रल लद्दाख की परियोजना कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

- **कुछ अन्य पहलों की घोषणा**
  - **ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पर भारत-जर्मनी साझेदारी:** यह साझेदारी मेट्रो, लाइट मेट्रो आदि जैसे परिवहन के सतत साधनों के एकीकरण को समर्थन प्रदान करेगी।
  - **नीति आयोग-BMZ डायलॉग:** इसका उद्देश्य शहर स्तर पर **सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के स्थानीयकरण** को मजबूत करना है।
  - ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के क्रियान्वयन में सहायता करने के लिए **भारत-जर्मन ऊर्जा कार्यक्रम (IGEN)** शुरू किया गया था।
  - जून 2022 में, भारत और G-7 ने **'जस्ट एनर्जी ट्रांजिशन पार्टनरशिप (JETP)'** की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की थी।

6.5. भारत-डेनमार्क (India-Denmark)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल के एक बैठक में भारत और डेनमार्क ने कहा कि वे **हरित रणनीतिक साझेदारी (GSP)**[30] को और मजबूत बनाएंगे।

GSP के बारे में

- **हरित रणनीतिक साझेदारी** (GSP) की स्थापना 2020 में की गयी थी। यह **हरित विकास के लिए 5 वर्ष की कार्य योजना** है। यह ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, चक्रीय अर्थव्यवस्था, जल प्रबंधन आदि पर केंद्रित है।
  - यह विशेष रूप से **पेरिस समझौते और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के महत्वाकांक्षी कार्यान्वयन** पर केंद्रित है।
- **भारत-डेनमार्क बैठक के अन्य परिणाम:**
  - **"इंडिया ग्रीन फाइनेंस इनिशिएटिव"** लॉन्च की गई है। इसके तहत भारत में हरित विकास और रोजगार पैदा करने में तेजी लाने के लिए भारत में हरित परियोजनाओं का वित्त-पोषण किया जायेगा।
  - भारत **'इंटरनेशनल सेंटर फॉर एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (ICARS)' में मिशन पार्टनर** के रूप में शामिल होने पर सहमत हुआ है।
    - ICARS **'वन हेल्थ' पर एक अनुसंधान साझेदारी मंच** है। यह निम्न और निम्न मध्यम आय वाले देशों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (Antimicrobial resistance) से निपटने के लिए संदर्भ-विशिष्ट व लागत प्रभावी समाधानों के विकास एवं कार्यान्वयन का समर्थन करता है।
  - डेनमार्क ने **ग्लोबल डिजिटल हेल्थ पार्टनरशिप (GDHP)** में अपने प्रवेश की पुष्टि की है।
    - GDHP सरकारों और राज्यक्षेत्रों, सरकारी एजेंसियों तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच एक सहयोग मंच है। इसे डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए गठित किया गया है।
    - **भारत GDHP का सदस्य है।**

[30] Green Strategic Partnership

6.6. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

ग्लोब गेटवे (Global Gateway)

यह चीन की **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)** का मुकाबला करने के लिए **यूरोपीय संघ (EU) की 300 बिलियन यूरो की अवसंरचना वित्त-पोषण योजना** है।

- यह सामाजिक, पर्यावरणीय, वित्तीय और श्रम संबंधी उच्च मानकों को बढ़ावा देने का प्रयास करेगी।
- **अवसंरचना विकास के लिए अन्य पहलें:**
  - **बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (B3W) पहल:** इसे **G-7 बैठक के दौरान** शुरू किया गया था। यह एक **मूल्य-संचालित और पारदर्शी वैश्विक अवसंरचना साझेदारी** है, जो विकासशील देशों में 40 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक अवसंरचना आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती है।
  - **एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर:** यह एशिया और अफ्रीका के बीच विकास, कनेक्टिविटी और सहयोग के संबंध में भारत-जापान का एक सहयोगात्मक विजन है।

6.7. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

यूरोप

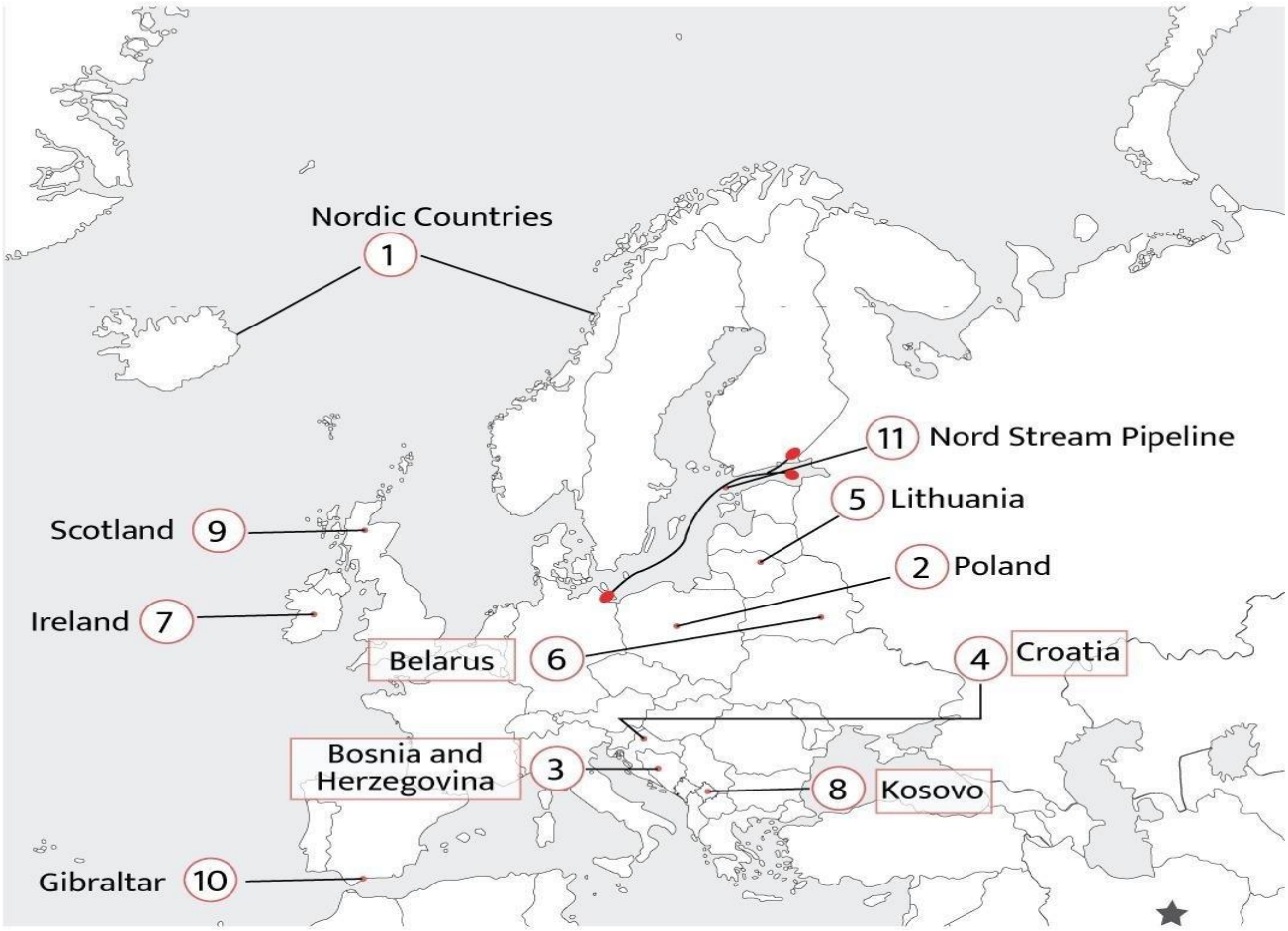

© Vision IAS

क्रम संख्या	स्थल
1.	**नॉर्डिक देश (Nordic Countries)** **संदर्भ:** मई 2022 में भारत और नॉर्डिक देशों ने कोपेनहेगन में **दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन** की मेजबानी की। पहला शिखर सम्मेलन स्टॉकहोम में 2018 में आयोजित किया गया था। • नॉर्डिक देशों में नॉर्डिक क्षेत्र के पांच देश, यानी **डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड और आइसलैंड** शामिल हैं। इसमें निम्नलिखित भी शामिल हैं: ○ किंगडम ऑफ़ डेनमार्क के हिस्से के रूप में फरो आइलैंड्स और ग्रीनलैंड, तथा ○ अलैंड जो फिनलैंड का हिस्सा है। • इन सभी की स्कैंडिनेवियाई उत्पत्ति है। ये एक समान राज्य व्यवस्था, कानून और संस्कृति साझा करते हैं।
2.	**पोलैंड (राजधानी: वारसा)** **संदर्भ:** भारत और पोलैंड ने आपराधिक मामलों पर एक **पारस्परिक कानूनी सहायता संधि** पर हस्ताक्षर किए हैं। • **राजनीतिक सीमाएं:** पोलैंड बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है। यह **डेनमार्क और स्वीडन** के साथ समुद्री सीमाएं साझा करता है। • **क्षेत्रीय सीमाएं:** यह **बेलारूस, चेक रिपब्लिक, जर्मनी, रूस का एक बाह्य क्षेत्र कालिनिनग्राद ओब्लास्ट, लिथुआनिया, स्लोवाकिया और यूक्रेन** के साथ क्षेत्रीय सीमा साझा करता है।
3.	**बोस्निया और हर्ज़ेगोविना (राजधानी: साराजेवो)** **संदर्भ:** यूरोपीय संघ **बोस्निया और हर्जेगोविना को अपनी सदस्यता के लिए उम्मीदवार का दर्जा** देने पर सहमत हो गया है। • बोस्निया और हर्ज़ेगोविना **दक्षिण-पूर्वी यूरोप** में स्थित एक **बाल्कन देश** है। ○ इससे पहले यह **यूगोस्लाविया संघ** का एक राज्य था। • यह **क्रोएशिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो** से अपनी सीमाएं साझा करता है। ○ **एड्रियाटिक सागर इसे समुद्री पहुंच** प्रदान करता है।
4.	**क्रोएशिया (राजधानी: ज़ाग्रेब)** **संदर्भ: क्रोएशिया** ने **यूरो मुद्रा** को अपना लिया है और यूरोप के पासपोर्ट-मुक्त **शेंजेन क्षेत्र** में शामिल हो गया है। ध्यातव्य है कि इससे पहले क्रोएशिया की मुद्रा **कुना** थी। • क्रोएशिया **दक्षिण-पूर्वी यूरोप** में स्थित है। यह **बाल्कन प्रायद्वीप** के उत्तर पश्चिमी छोर पर अवस्थित है। ○ **डेन्यूब नदी,** सर्बिया के साथ इसकी सुदूर उत्तर-पूर्वी सीमा बनाती है। डेन्यूब नदी, **वोल्गा के बाद यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी** नदी है
5.	**लिथुआनिया (राजधानी: विनियस)** **संदर्भ:** मंत्रिमंडल ने वर्ष 2022 में लिथुआनिया में एक **नए भारतीय मिशन** की स्थापना को मंजूरी दी है। • लिथुआनिया **उत्तर पूर्वी यूरोप में स्थित** सबसे बड़ा और **सबसे अधिक आबादी वाला बाल्टिक** देश है। • यह स्वीडन के साथ अपनी समुद्री सीमा साझा करता है।
6.	**बेलारूस (राजधानी: मिन्स्क)** **संदर्भ:** व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-बेलारूस अंतर-सरकारी आयोग का 11वां सत्र आयोजित किया गया। • बेलारूस **पूर्वी यूरोप में स्थित** एक देश है, जो पहले **USSR** का हिस्सा था। • **यह यूरोप का सबसे बड़ा स्थलरुद्ध देश (Landlocked country)** है।
7.	**आयरलैंड (राजधानी: डबलिन)** **संदर्भ:** भारतीय मूल के **लिओ वराडकर** दूसरी बार आयरलैंड के तीसक (Taoiseach) (प्रधान मंत्री) चुने गए हैं। • **राजनीतिक सीमाएं:** ○ यह पश्चिमी यूरोप का द्वीपीय राष्ट्र है। यह **ग्रेट ब्रिटेन** के पश्चिम में अवस्थित है। ○ यह ग्रेट ब्रिटेन के बाद **यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप** है।
8.	**कोसोवो (राजधानी: प्रिस्टीना)** **संदर्भ:** कोसोवो ने **नृजातीय तनाव के कारण सर्बिया के साथ लगी अपनी मुख्य सीमा को बंद** कर दिया है। • कोसोवो यूरोप के बाल्कन क्षेत्र में स्थित एक स्थलरुद्ध देश है। • कोसोवो ने अपने **सर्ब और मुख्य रूप से अल्बानियाई निवासियों** के बीच लंबे समय से जारी तनावपूर्ण संबंधों के बाद **वर्ष 2008 में सर्बिया से अपनी एकतरफा स्वतंत्रता की घोषणा** की थी।

9.	**स्कॉटलैंड (राजधानी: एडिनबर्ग)** **संदर्भ:** स्कॉटलैंड ने **अक्टूबर 2023 में स्वतंत्रता के लिए एक नए जनमत संग्रह की घोषणा** की है। • **अन्य जानकारी:** स्कॉटलैंड में कानूनी रूप से लिंग परिवर्तन के लिए आयु सीमा कम करने के पक्ष में मतदान किया गया है। • इससे पहले 2014 के जनमत संग्रह में, स्कॉटिश मतदाताओं ने **स्वतंत्रता को अस्वीकार** कर दिया था। इसमें 55% मतदाताओं ने कहा था कि वे यूनाइटेड किंगडम (UK) का हिस्सा बने रहना चाहते हैं। • UK **इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स** और **नदर्न आयरलैंड** से मिलकर बना है। • यह **उत्तरी यूरोप में स्थित है** और **ग्रेट ब्रिटेन द्वीप के लगभग एक तिहाई** भाग का निर्माण करता है।
10.	**जिब्राल्टर** **संदर्भ:**180 वर्ष के बाद जिब्राल्टर के ब्रिटिश अधिकृत क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर एक शहर घोषित कर दिया गया है। • **स्पेनिश उत्तराधिकार के युद्ध के बाद** हस्ताक्षरित एक शांति संधि के तहत जिब्राल्टर को ब्रिटेन को सौंप (1713 ई. में) दिया गया था।
11.	**नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन** **संदर्भ:** हाल ही में, दो क्षतिग्रस्त अपतटीय पाइपलाइनों में चौथा लीकेज पॉइंट खोजा गया है। इसमें महत्वपूर्ण नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन **(नॉर्ड स्ट्रीम 1 और नॉर्ड स्ट्रीम 2)** भी शामिल हैं। इस पाइपलाइन को **बाल्टिक सागर के माध्यम से रूस से यूरोप तक प्राकृतिक गैस की आपूर्ति** के लिए डिज़ाइन किया गया है। • **नॉर्ड स्ट्रीम-1** जल की सतह के नीचे गैस की एक पाइपलाइन है। यह **1,224 कि.मी.** लंबी है। यह उत्तर-पश्चिमी **रूस के वायबोर्ग से बाल्टिक सागर के माध्यम से पूर्वोत्तर जर्मनी के लुबमिन शहर** तक जाती है। • **नॉर्ड स्ट्रीम- 2 रूस के उस्त-लुगा से बाल्टिक सागर के माध्यम से जर्मनी के ग्रिफ़्सवाल्ड** शहर तक जाती है।

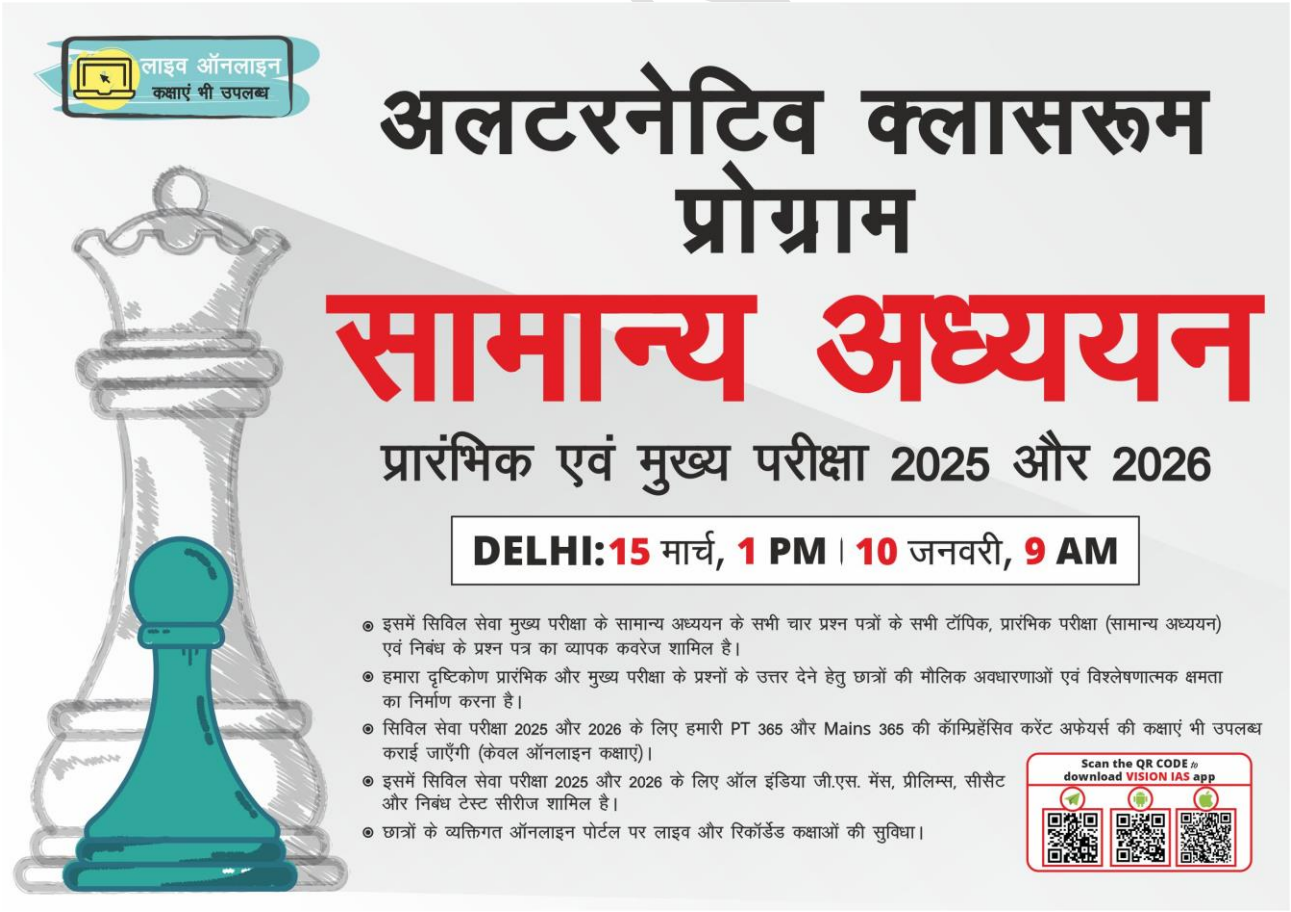

7. भारत-अफ्रीका (India-Africa)

7.1. भारत-मॉरीशस (India-Mauritius)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल में, भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौता (CECPA)[31] प्रभावी हो गया।

भारत-मॉरीशस CECPA के बारे में

- यह **भारत द्वारा अफ्रीका में किसी देश के साथ हस्ताक्षरित पहला व्यापार समझौता है।**
- **भारत-मॉरीशस CECPA में निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - वस्तुओं का व्यापार,
  - उत्पाद के उत्पत्ति संबंधी नियम,
  - सेवाओं में व्यापार,
  - सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी (SPS) उपाय,
  - विवाद निपटान,
  - नेचुरल पर्सन्स (जैसे कि पेशेवर आदि) की आवाजाही,
  - दूरसंचार,
  - वित्तीय सेवाएं, आदि।

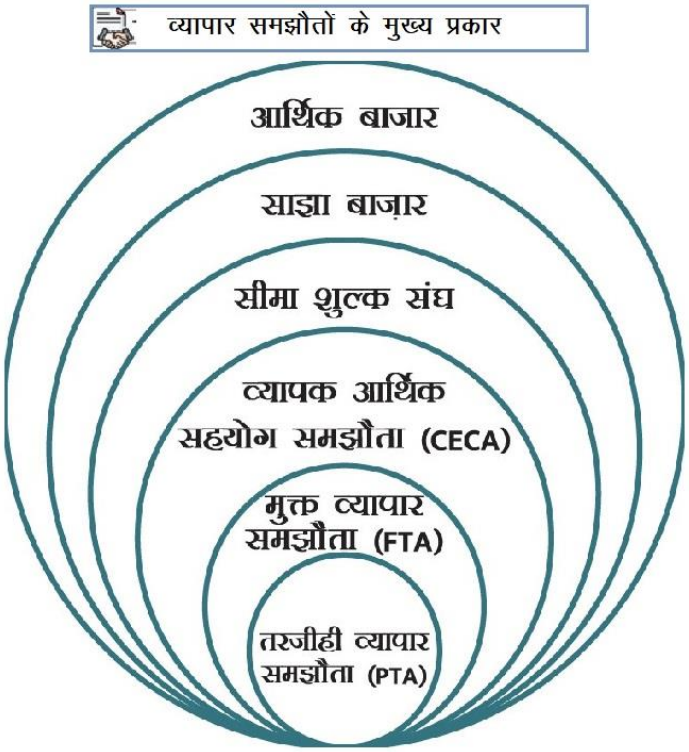

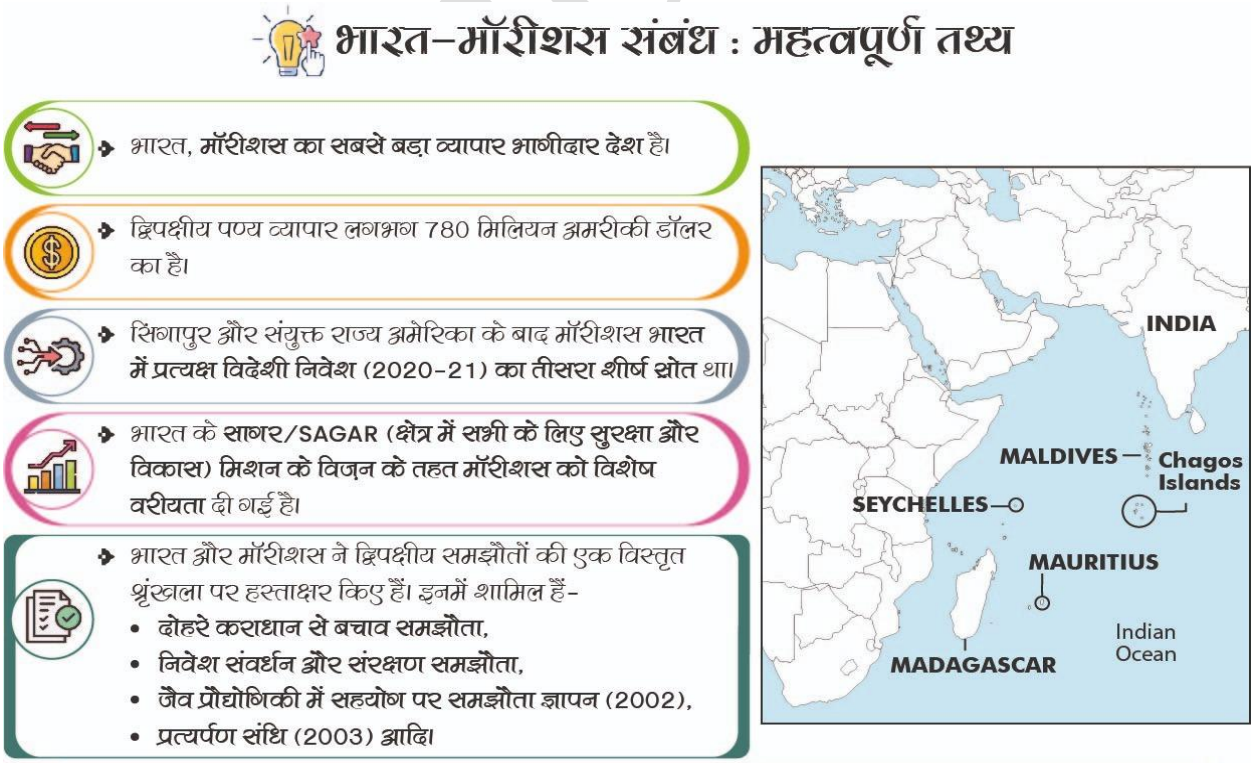

[31] Comprehensive Economic Cooperation and Partnership Agreement

- मॉरीशस की जनसंख्या में **लगभग 70% लोग भारतीय मूल के हैं।**
- मॉरीशस में 2 नवंबर को '**अप्रवासी दिवस**' मनाया जाता है। 1834 ई. को इस दिन '**एटलस**' **नामक जहाज** भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के पहले समूह को लेकर **मॉरीशस पहुंचा** था।
- 12 मार्च (दांडी नमक मार्च के शुभारंभ की तारीख) को **मॉरीशस राष्ट्रीय दिवस** मनाया जाता है। यह दिवस **महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति** में मनाया जाता है।
- भारत और **मॉरीशस विश्व व्यापार संगठन, राष्ट्रमंडल और संयुक्त राष्ट्र संघ** जैसे अलग-अलग अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सदस्य हैं।
- रक्षा सहयोग के तहत भारत ने मॉरीशस को **डोर्नियर विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, MK III और ध्रुव हेलीकॉप्टर** सौंपे हैं।

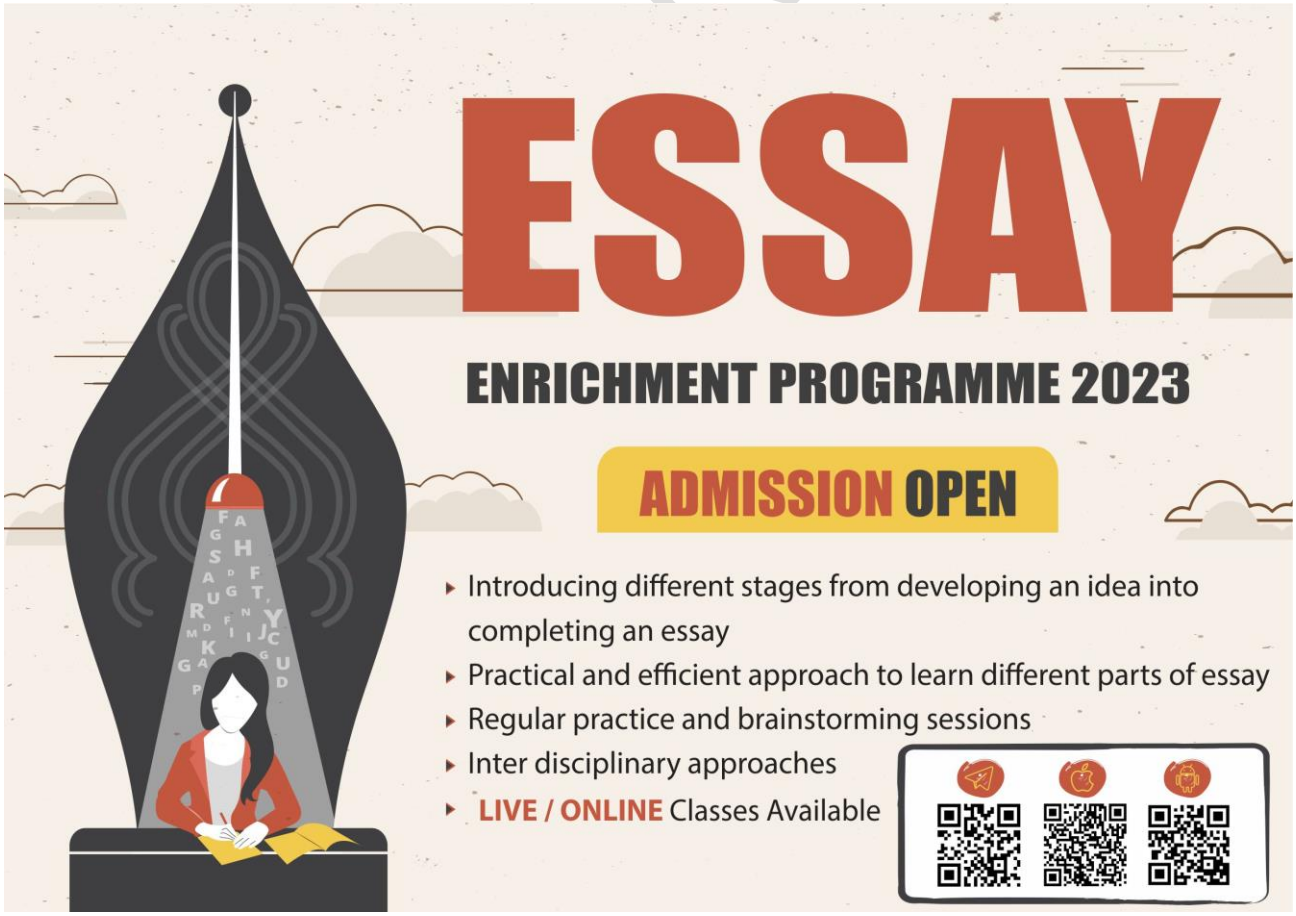

7.2. IBSA त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय आयोग (IBSA Trilateral Ministerial Commission)

सुर्ख़ियों में क्यों?

10वां **IBSA[32] डायलॉग फोरम-त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय आयोग (TMC)** की बैठक सितंबर 2022 में आयोजित हुई।

INDIA BRAZIL SOUTH AFRICA FORUM

इंडिया–ब्राजील–साउथ अफ्रीका (IBSA) डायलॉग फोरम

IBSA के बारे में:

- यह विश्व के अलग–अलग क्षेत्रों के तीन देशों का एक **त्रिपक्षीय समूह** है।

स्थापना: 2003 में **ब्रासीलिया घोषणा–पत्र** के माध्यम से।

उद्देश्य:

- अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर साझा विचार बनाए रखना।
- अपने क्षेत्रों के बीच व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी उन्मूलन और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना।

सदस्य:

भारत

ब्राज़ील

साउथ अफ्रीका

IBSA के तहत प्रमुख पहलें:

- विकासशील देशों में मांग के आधार पर गरीबी और भुखमरी उन्मूलन के लिए **IBSA** फंड की स्थापना की गई है।
- परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में सहयोग के लिए 14 जॉइंट वर्किंग ग्रुप गठित किए गए हैं।
- 2005 में **IBSA** बिज़नेस फोरम लॉन्च किया गया था। इसमें भारतीय उद्योग परिसंघ **(CII)** भारत की भागीदारी का समन्वय करता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

- भारत **G20** शिखर सम्मेलन के साथ छठे **IBSA** शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा।

[32] इंडिया-ब्राजील-साउथ अफ्रीका

7.3. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

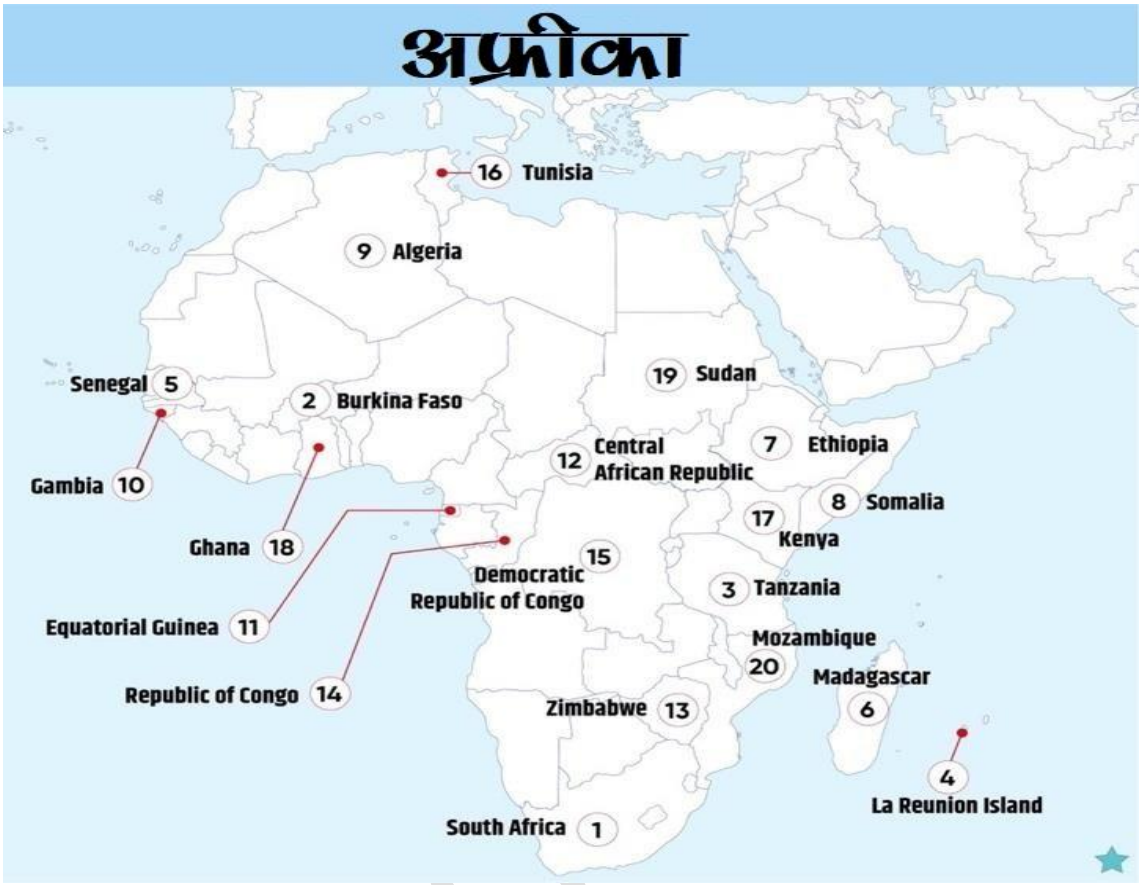

क्रम संख्या	स्थल
1.	**साउथ अफ्रीका {राजधानी: प्रिटोरिया** (प्रशासनिक), केपटाउन (विधायी) और ब्लोमफोंटेन(न्यायिक)} • **संदर्भ:** दक्षिण अफ्रीका ने 1994 के बाद से नागरिक अशांति का सबसे बुरा दौर झेला है। ○ पर्वतीय देश **लेसोथो** साउथ अफ्रीका के दक्षिण-पूर्व में इससे घिरा हुआ एक स्थलरुद्ध क्षेत्र है।
2.	**बुर्किना फासो (राजधानी: औगाडौगू)** **संदर्भ:** • हाल ही में, बुर्किना फासो में **सेना ने तख्तापलट** किया था। • बुर्किना फासो की एक सैन्य अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। • यह पश्चिमी अफ्रीका में स्थित एक **स्थलरुद्ध** देश है।
3.	**तंजानिया: राजधानी: दार अस सलाम (प्रशासनिक राजधानी) और डोडोमा (विधायी राजधानी)** **संदर्भ: सामिया सुलुहू हसन** तंजानिया की **पहली महिला राष्ट्रपति बनीं है।** • यह पूर्वी अफ्रीका में स्थित एक देश है। **ज़ांज़ीबार, पेम्बा और माफिया द्वीप समूह** इस देश के भाग हैं। ○ **तंजानिया स्थित माउंट किलिमंजारो,** अफ्रीका का सबसे ऊँचा स्थान है। ○ **विक्टोरिया झील** (दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ताजे पानी की झील) उत्तरी तंजानिया में स्थित है।
4.	**ला रीयूनियन द्वीप (राजधानी सेंट-डेनिस)** **संदर्भ:** हाल ही में, **भारत और फ्रांस की नौसेनाओं ने फ्रांसीसी ला रीयूनियन द्वीप से दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में दूसरा संयुक्त गश्त अभियान** किया है। • यह मैस्करेन द्वीप समूह का हिस्सा है। यह पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित है। यह 12 फ्रांसीसी विदेशी क्षेत्रों में से एक है। यह मॉरीशस के दक्षिण-पश्चिम और मेडागास्कर के पूर्व में स्थित है।

© Vision IAS

	• यह आकार में अंडाकार है और इसकी ज्वालामुखीय उत्पत्ति है।
5.	**सेनेगल (राजधानी: डाकार)** **संदर्भ:** भारत ने सेनेगल के साथ तीन समझौता ज्ञापनों (सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा मामलों में सहयोग और अधिकारियों के लिए वीजा मुक्त व्यवस्था) पर हस्ताक्षर किए हैं। • सेनेगल एक **अफ्रीकी देश** है। यह **पश्चिम अफ्रीका के उभार पर स्थित है।**
6.	**गास्कर (राजधानी: एंटानानैरिवो)** **संदर्भ:** हाल ही में, **भारत और मेडागास्कर ने 'टेली-एजुकेशन' तथा 'टेली-मेडिसिन' पर एक समझौता ज्ञापन** पर हस्ताक्षर किए हैं। • **मेडागास्कर एक द्वीपीय देश है।** यह **दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर** में स्थित है। **मोज़ाम्बिक चैनल** इसे अफ्रीकी तट से अलग करता है। ○ यह **विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है।** • यह कोमोरोस, मेयट और रीयूनियन (फ्रांस के अधीन), मॉरीशस, मोजाम्बिक तथा सेशेल्स के साथ अपनी **समुद्री सीमाओं को साझा करता है।**
7.	**इथियोपिया (राजधानी: अदीस अबाबा)** **संदर्भ:** इथियोपियाई सरकार और **टाइग्रे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट (TPLF)** ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। • यह **हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका** में स्थित एक **स्थलरुद्ध देश** है। यह एक **बड़ी भ्रंश घाटी द्वारा विभाजित** है। • इथियोपिया सरकार और विद्रोही टाइग्रे बलों के बीच जारी संघर्ष के कारण यह देश गृह-युद्ध के खतरे से ग्रस्त था।
8.	**सोमालिया (राजधानी: मोगादिशु)** **संदर्भ:** सोमालिया में आतंकवादी संगठन 'अल-शबाब' ने एक होटल की घेराबंदी कर ली थी। इस होटल को 30 घंटे की विध्वंसक कार्रवाई के बाद आतंकवादियों से मुक्त करवाया गया है। • सोमालिया अफ्रीका का **सबसे पूर्वी देश है।** यह **उत्तरपूर्वी अफ्रीका में हॉर्न ऑफ अफ्रीका प्रायद्वीप** पर स्थित है। • **अदन की खाड़ी और हिंद महासागर** इसे समुद्री संपर्क प्रदान करते हैं। • **भूमध्य रेखा** सोमालिया से होकर गुजरती है।
9.	**अल्जीरिया (राजधानी: अल्जीयर्स)** **संदर्भ:** भारत दीर्घावधि के अनुबंधों पर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की खरीद के लिए अल्जीरिया के साथ भी वार्ता कर रहा है। • यह **उत्तरी अफ्रीका में अवस्थित** है। • इस देश में **सहारा रेगिस्तान का विस्तार है तथा इसकी चरम जलवायु** का प्रभाव है।
10.	**गाम्बिया (राजधानी: बांजुल)** **संदर्भ:** WHO के बाद, भारत ने भारत में विनिर्मित कफ सिरप पीने से गाम्बिया में बच्चों की मौत के मामले की जांच शुरू की है। • **गाम्बिया अफ्रीका महाद्वीप की मुख्य भूमि** का सबसे छोटा गैर-द्वीपीय देश है। • इसकी राजधानी बांजुल गाम्बिया नदी के मुहाने के पास स्थित है। गाम्बिया नदी अटलांटिक महासागर में गिरती है। • यह देश तीन तरफ से सेनेगल से घिरा हुआ है और एक तरफ अटलांटिक महासागर है।
11.	**इक्वेटोरियल गिनी (राजधानी: मलाबो)** **संदर्भ:** इक्वेटोरियल गिनी के **राष्ट्रपति छठी बार** राष्ट्रपति के रूप में पुनर्निर्वाचित हुए हैं। इस प्रकार वे **विश्व में सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति** पद पर बने रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने **1979 में** इक्वेटोरियल गिनी के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। • यह **अफ्रीका के पश्चिमी तट पर** स्थित तेल संसाधन समृद्ध एक छोटा **उष्णकटिबंधीय देश** है। इसमें **बायोको सहित पांच द्वीप** हैं। इसकी राजधानी 'मलाबो' भी बायोको द्वीप पर स्थित है। ○ इसकी मुख्य भूमि को रियो मुनि के नाम से जाना जाता है। ○ यह **नाइजीरिया** तथा **साओ टोमे और प्रिंसिपे** के साथ अपनी **समुद्री सीमा** साझा करता है।
12.	**सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक (राजधानी: बंगुई)** **संदर्भ:** यह देश सोना व यूरेनियम के खनन के लिए **भारतीय निवेश** का इच्छुक है। • यह **मध्य अफ्रीका** में स्थित एक **स्थलरुद्ध देश** है।
13.	**जिम्बाब्वे (राजधानी: हरारे)** **संदर्भ:** • जिम्बाब्वे में मुद्रास्फीति दरों में 130% से अधिक की वृद्धि हो गई है। • जिम्बाब्वे ने मुद्रास्फीति को रोकने और मुद्रा को बढ़ावा देने के लिए **सोने के सिक्कों को वैध मुद्रा** के रूप में प्रस्तुत किया है।

	• यह दक्षिणी अफ्रीका का एक **स्थलरुद्ध** देश है। यह **मकर रेखा के उत्तर** में स्थित है। • **करिबा झील आयतन के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा जलाशय है।**
14.	**रिपब्लिक ऑफ़ कांगो (राजधानी ब्राज़ाविल)** **संदर्भ:** हाल ही में, कांगो ने अपना पहला **समुद्री संरक्षित क्षेत्र** निर्मित किया है। **समुद्री संरक्षित क्षेत्र से आशय सीमित मानवीय गतिविधियों वाले महासागरीय भाग से है।** • **रिपब्लिक ऑफ़ कांगो** पहले **इक्वेटोरियल** अफ्रीका के फ्रांसीसी उपनिवेश का हिस्सा था। • यह एक मात्र देश है जहां बोनोबो (चिम्पांजी की प्रजाति को मनुष्य के निकटतम संबंधी माना जाता है) चिम्पांजी पाए जाते हैं।
15.	**डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) (राजधानी: किंशासा)** **संदर्भ:** कांगो ने तेल कंपनियों को अपनी वन भूमि की नीलामी करने का निर्णय लिया है। • यह **मध्य अफ्रीका** में स्थित है। यह अफ्रीका महाद्वीप का **दूसरा सबसे बड़ा देश है।** • यहां पृथ्वी पर सबसे विशाल पुराने विकासित वर्षावनों में से एक मौजद हैं। • यहां **'विरुंगा राष्ट्रीय उद्यान'** अवस्थित है। यह विश्व का सबसे महत्वपूर्ण **'गोरिल्ला अभयारण्य'** है।
16.	**ट्यूनीशिया (राजधानी: ट्यूनिस)** **संदर्भ:** हाल ही में, **ट्यूनीशिया में संवैधानिक बदलावों पर योजनाबद्ध जनमत संग्रह** और दर्जनों न्यायाधीशों की बर्खास्तगी को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। • ट्यूनीशिया भूमध्य सागर (उत्तर में) के तट पर **एक उत्तरी अफ्रीकी देश है।** यह **लीबिया और अल्जीरिया के साथ अपनी भूमि सीमाओं** को साझा करता है। ○ **ट्यूनीशिया, लीबिया, अल्जीरिया, मोरक्को और मॉरिटानिया इन पांच देशों** को **माघरेब देशों** के रूप में जाना जाता है। ○ वर्ष 2011 में, ट्यूनीशिया में **'जैस्मिन क्रांति' के रूप में 'अरब स्प्रिंग' की शुरुआत हुई थी।**
17.	**केन्या (राजधानी: नैरोबी)** **संदर्भ:** ONGC विदेश लिमिटेड (OVL) केन्या में तटवर्ती तेल परियोजनाओं में निवेश के लिए विचार विमर्श कर रही है। • विवादों के बीच 'विलियम रुटो' को केन्या के राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया गया है। ○ **तुर्काना झील:** दुनिया की सबसे बड़ी **स्थायी मरुस्थलीय झील** है। यह **दुनिया की सबसे बड़ी क्षारीय झील** भी है। ○ **विक्टोरिया झील:** यह अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है। यह युगांडा और तंजानिया में भी विस्तृत है।
18.	**घाना (राजधानी: अक्रा)** **संदर्भ:** घाना ने **एक सरकारी आर्थिक कार्यक्रम का समर्थन करने** के लिए **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ वार्ता शुरू की है।** • यह पश्चिमी अफ्रीका का एक देश है, जो **गिनी की खाड़ी** के तट पर स्थित है। • **गोल्ड कोस्ट** पश्चिम अफ्रीका में एक पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश था, जिसे अब **घाना गणराज्य** के रूप में जाना जाता है।
19.	**सूडान (राजधानी: खार्तूम)** **संदर्भ:** संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सूडान के युद्धग्रस्त **दारफुर क्षेत्र** में कबायली संघर्षों में लगभग 100 लोग मारे गए। • सूडान अफ्रीका के **पूर्वोत्तर** में स्थित है। यह **7 देशों (मिस्र, लीबिया, चाड, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान, इथियोपिया और इरिट्रिया)** के साथ सीमा साझा करता है। ○ वर्ष 2011 में **दक्षिण सूडान** इससे अलग हुआ था।
20.	**मोजाम्बिक (राजधानी: मापुटो)** **संदर्भ:** बढ़ते आतंकवाद के कृत्यों के बीच, भारत और मोजाम्बिक आतंकवाद-रोधी प्रयासों को तेज करने तथा कट्टरपंथ को समाप्त करने के उपाय शुरू करने पर सहमत हुए हैं। • मोजाम्बिक दक्षिणी अफ्रीका में स्थित है। यह छह अन्य अफ्रीकी देशों के साथ अपनी सीमाएं साझा करता है। इन देशों में शामिल हैं- **तंजानिया, मलावी, जाम्बिया, जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और इस्वातिनी।** • **ज़ाम्बेज़ी नदी,** सबसे बड़ी अफ्रीकी नदी है। **लिम्पोपो नदी** मकर रेखा को दो बार काटती है जो हिंद महासागर में गिरने से पहले मोजाम्बिक से भी प्रवाहित होती है।

© Vision IAS

8. अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और संगठन (International Institutions and Organizations)

8.1. संयुक्त राष्ट्र (The United Nations)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने **"न्यू ओरिएंटेशन फॉर रिफॉर्म्ड मल्टीलेटरल सिस्टम्स (नॉर्म्स/ NORMS)"** के जरिए संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधारों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इसका उद्देश्य एक ऐसी **वैश्विक व्यवस्था** का निर्धारण करना है जो **समकालीन वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से प्रदर्शित** कर सके।

नॉर्म्स/NORMS के बारे में

- नॉर्म्स **वर्तमान बहुपक्षीय संरचना (शांति व सुरक्षा, विकास और मानवाधिकार) के सभी तीन स्तंभों** में सुधार की परिकल्पना करता है। नॉर्म्स के तहत **संयुक्त राष्ट्र** को केंद्र में रखा गया गया है।
- इसमें **प्रतिनिधित्व पर आधारित एक बहुपक्षीय संरचना**[33] का आह्वान किया गया है। यह संरचना आतंकवाद, कट्टरपंथ, महामारी तथा नई और उभरती प्रौद्योगिकियों से पैदा होने वाले खतरों जैसी अन्य **उभरती चुनौतियों से निपटने** के लिए आवश्यक है।
- भारत ने 'अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने' पर आयोजित **UNSC की खुली चर्चा की अध्यक्षता करते हुए यह विचार प्रस्तावित** किया है।

8.1.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा United Nations General Assembly (UNGA)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, UNGA ने कुछ महत्वपूर्ण संकल्पों को अपनाया है।

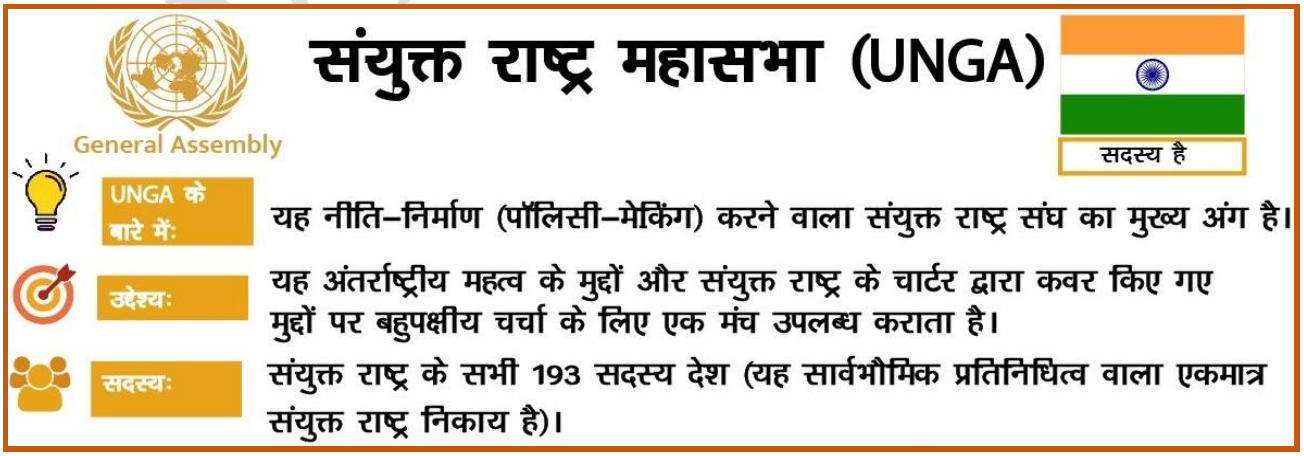

[33] Representative Multilateral Structure

प्रमुख संकल्प (Key Resolutions)

सार्वभौमिक मानवाधिकार के रूप में स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण तक पहुंच (Access to clean and healthy environment as Universal Human Right)	• यह संकल्प **कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं** है। • इसे **मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, 1948 में शामिल नहीं** किया गया है। • **भारत ने महासभा के एक संकल्प के पक्ष में मतदान किया है।** • इससे पहले वर्ष 2021 में, जेनेवा में **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद** ने एक संकल्प पारित किया था। यह संकल्प स्वस्थ और सतत पर्यावरण तक पहुंच को सार्वभौमिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करता है। • 50 वर्ष पूर्व, **वर्ष 1972 में आयोजित स्टॉकहोम संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सम्मेलन का समापन पर्यावरण के मुद्दों को वैश्विक स्तर पर रखने के संकल्प** के साथ हुआ था।
बहुभाषावाद पर संकल्प, जिसमें पहली बार हिंदी भाषा का उल्लेख किया गया है (Resolution on multilingualism that mentions Hindi language for first time)	• इसे **भारत** द्वारा आगे बढ़ाया गया था। • यह संकल्प संयुक्त राष्ट्र संघ को हिंदी सहित अन्य **आधिकारिक और गैर-आधिकारिक भाषाओं में महत्वपूर्ण संचारों का प्रसार** जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। • **संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएं निम्नलिखित हैं:** अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश।
अंतर्राष्ट्रीय कर सहयोग ढांचे को तैयार करने के लिए संकल्प {Resolution for developing an international tax co-operation framework}	• **नाइजीरिया ने 54 अफ्रीकी देशों के एक संघ** की ओर से इस संकल्प को प्रस्तुत किया था। ○ इस संकल्प का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय उद्यमों और शीर्ष के अमीरों द्वारा **वैश्विक कर के दुरुपयोग को समाप्त** करना है। • वर्तमान में OECD (आर्थिक सहयोग और विकास संगठन), **वैश्विक कर संबंधी मामले में दुनिया का अग्रणी नियम निर्माता** है। इस क्षेत्र में इसका पिछले 60 साल से वर्चस्व कायम है। यह निर्णय **OECD के वर्चस्व के अंत की शुरुआत** हो सकता है। • ध्यातव्य है कि वर्ष 2021 में, 136 देश OECD के नेतृत्व में **"टू पिलर सॉल्यूशन"** के तहत एक समझौते पर सहमत हुए थे। ○ **पिलर वन:** इसके तहत **डिजिटल अर्थव्यवस्था में कर** अधिकार प्रदान किए गए हैं। साथ ही, **यह विश्व की दिग्गज कंपनियों के मुनाफे का आवंटन उन देशों को भी करता है,** जहां उनका ग्राहक आधार महत्वपूर्ण है। ▪ कुल मिलाकर, इसके अंतर्गत दुनिया के 100 सबसे लाभदायक बहुराष्ट्रीय उद्यमों के लिए सालाना **125 बिलियन डॉलर से अधिक के कर अधिकार उपभोक्ता-केंद्रित देशों को आवंटित किए जाने थे।** ○ **पिलर टू:** इसमें **15% की वैश्विक न्यूनतम कर दर** की व्यवस्था की गई है। यदि न्यूनतम दर से अधिक कर वसूला जाता है, तो संबंधित देश द्वारा कर की अतिरिक्त राशि वापस की जाएगी।

8.1.2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (United Nations Security Council: UNSC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, UNSC में पांच नए अस्थाई सदस्य चुने गए।

अन्य संबंधित तथ्य

- UNSC में **वर्ष 2023-2024** के कार्यकाल के लिए अग्रलिखित देशों को अस्थायी सदस्य के रूप में चुना गया है: **इक्वाडोर,जापान, माल्टा, मोजाम्बिक** और **स्विट्जरलैंड।**

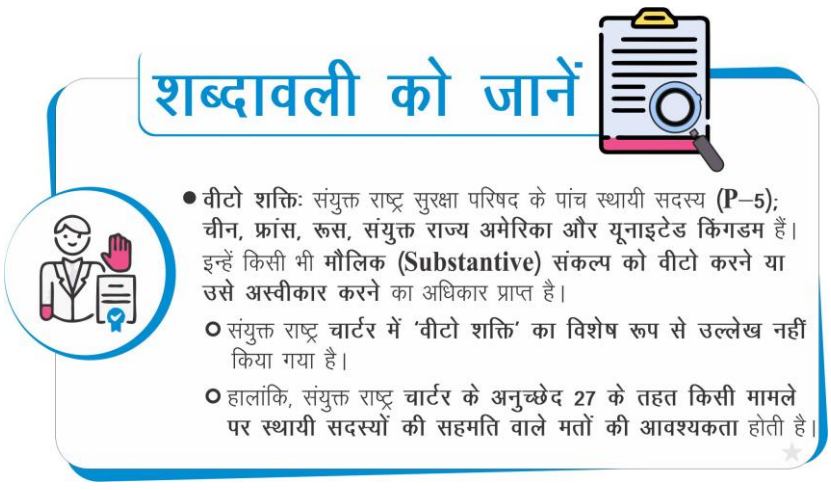

© Vision IAS

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)

Security Council

UNSC के बारे में

यह संयुक्त राष्ट्र का मुख्य संकट–प्रबंधन (Crisis-management) निकाय है। इसका प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना है। इसके लिए इसे संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों पर **बाध्यकारी दायित्वों (Binding Obligations) को लागू** करने का अधिकार प्रदान किया गया है।

सदस्य:

इसके सदस्यों की कुल संख्या 15 (पांच स्थायी और दस अस्थायी) है:

- **पांच स्थायी सदस्य:** ये हैं– चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका। इन्हें सामूहिक रूप से P5 के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें **"वीटो पॉवर"** प्रदान की गई है।
- **दस अस्थायी सदस्य:** ये सदस्य **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दो–तिहाई बहुमत** के माध्यम से निर्वाचित होते हैं। इनके कार्यकाल की अवधि **दो वर्ष** होती है। इन्हें **वीटो पॉवर प्रदान नहीं** की गई है।

UNSC की अध्यक्षता:

प्रत्येक सदस्य को **केवल एक माह** के लिए UNSC की अध्यक्षता करने का अवसर दिया जाता है। अध्यक्षता के लिए **सदस्य देशों के नामों के अंग्रेजी वर्णमाला क्रम का पालन करते हुए उनका चयन** किया जाता है।

संघर्ष को रोकने के लिए साधन:

वार्ताया मध्यस्थता या शांतिपूर्ण तरीके इसके मुख्य साधन हैं। UNSC को अधिक मुखर कार्रवाई करने का का भी अधिकार है, जैसे– **प्रतिबंध लगाना, बल प्रयोग करना** आदि।

- ये देश **भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे** की जगह लेंगे। इन देशों का कार्यकाल वर्ष 2022 के अंत में समाप्त हो रहा है।
  - भारत ने सुरक्षा परिषद में अपना **दो वर्षीय कार्यकाल जनवरी 2021 में** शुरू किया था। यह UNSC में कुल मिलाकर भारत का आठवां कार्यकाल था।

- **अन्य गैर-स्थायी सदस्य हैं: अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना और संयुक्त अरब अमीरात।**

UNSC से संबंधित अन्य हालिया घटनाक्रम

हाल ही में, G4 देशों ने UNSC में तत्काल सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया।

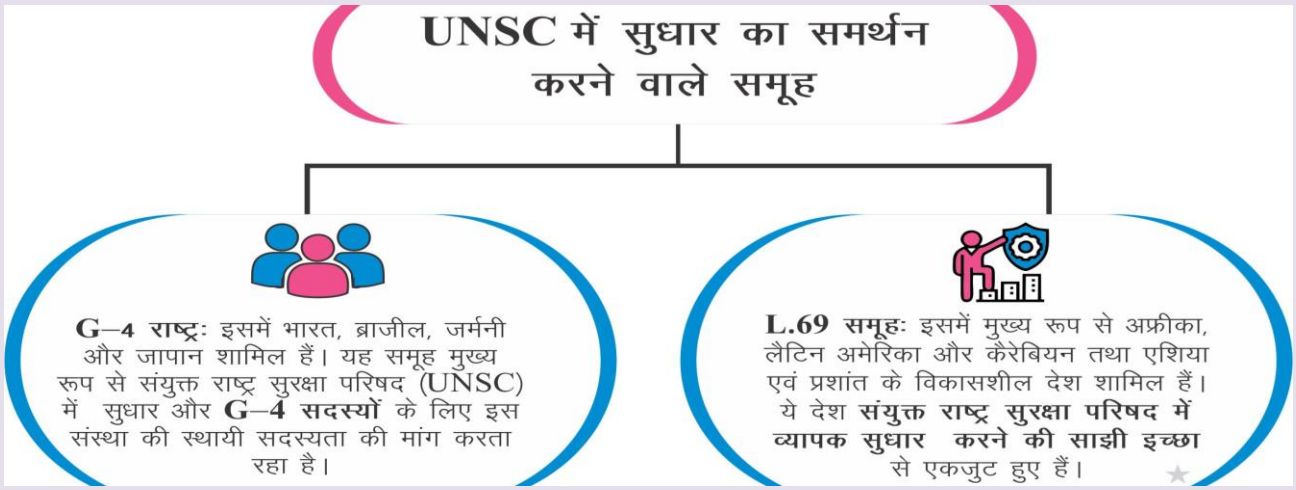

- UNSC संबंधी सुधारों की प्रक्रिया पर वर्तमान में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** के **अंतर-सरकारी वार्ता (IGN) फ्रेमवर्क** के तहत चर्चा की जा रही है।
  - **चीन को छोड़कर UNSC के सभी स्थायी सदस्यों ने** विस्तारित UNSC में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

- भारत **UNSC के सुधार और विस्तार** के लिए निम्नलिखित मंचों के साथ सहयोग कर रहा है:
  - **G-4:** भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान, तथा
  - **L.69:** एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के समान विचारधारा वाले देशों का समूह।

8.1.3. संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (UN Economic and Social Council: ECOSOC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत, ECOSOC के चार प्रमुख निकायों के लिए चयनित हुआ।

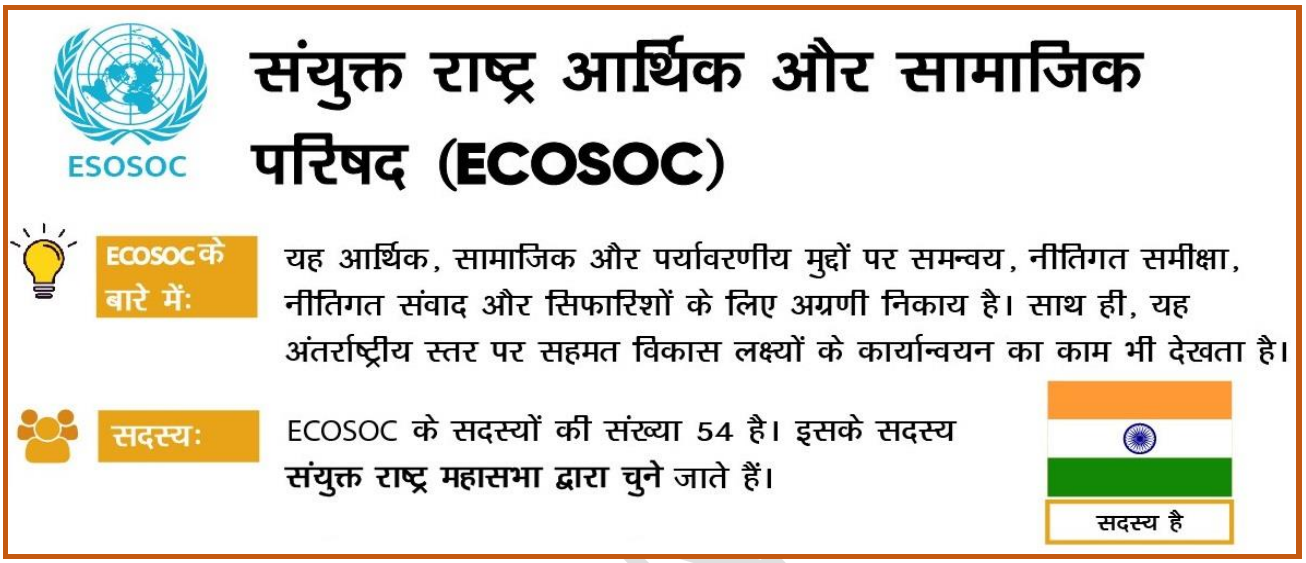

अन्य संबंधित तथ्य

- **भारत** को अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और ओमान के साथ पिछले वर्ष **2022-24 की अवधि हेतु UN-ECOSOC के लिए चुना गया था।** इन्हें एशिया-प्रशांत देशों की श्रेणी में चुना गया है।
- **ECOSOC के ये चार निकाय निम्नलिखित हैं:**

निकाय	कार्य
सामाजिक विकास आयोग (Commission for Social Development)	यह ECOSOC को **सामान्य प्रकृति की सामाजिक नीतियों पर परामर्श** प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, **यह विशेष रूप से, सामाजिक क्षेत्र के उन सभी मामलों पर भी सलाह** देता है, जिन पर विशेषीकृत अंतर-सरकारी एजेंसियां विचार नहीं करती हैं।
गैर-सरकारी संगठनों पर समिति (Committee on Non-Governmental Organisations)	यह गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रस्तुत **सलाहकार दर्जा प्राप्त करने के लिए आवेदनों और पुनर्वर्गीकरण के अनुरोधों पर विचार** करती है। इसके अतिरिक्त, गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रस्तुत चार वर्षीय रिपोर्टों पर भी विचार करती है।
विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी आयोग (Commission on Science and Technology for Development: CSTD)	यह **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास को प्रभावित करने वाले सामयिक और प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक वार्षिक अंतर-सरकारी मंच का आयोजन** करता है।
आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर समिति (Committee on Economic, Social and Cultural Rights: CESCR)	यह समिति निकाय के **पक्षकार देशों द्वारा आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों के कार्यान्वयन पर नज़र** रखती है।

8.1.4. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (United Nations Human Rights Council: UNHRC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रूस को **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से निलंबित** करने के लिए एक संकल्प को अंगीकृत किया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- महासभा, मानवाधिकार परिषद के **किसी सदस्य की 'परिषद में सदस्यता के अधिकारों' को निलंबित** कर सकती है। ऐसा **उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत** से किया सकता है।
  - **अनुपस्थित सदस्यों की गणना नहीं की जाती है।** किसी संकल्प को पारित होने के लिए दो-तिहाई हां/ना (Yes/No) मतों की आवश्यकता होती है।
- रूस से पहले, **लीबिया** इस परिषद से निलंबित होने वाला अंतिम सदस्य देश था। लीबिया को **2011** में निलंबित कर दिया गया था।

मानवाधिकार क्या हैं?

- ये सार्वभौमिक अधिकार हैं जो राष्ट्रीयता, लैंगिक, राष्ट्रीय या नृजातीय मूल, रंग, धर्म, भाषा, या किसी अन्य स्थिति की परवाह किए बिना हम सभी को प्राप्त हैं।
- इनमें सबसे बुनियादी अधिकार जैसे कि **जीवन के अधिकार** से लेकर **जीवन को सार्थक बनाने वाले अधिकार** जैसे कि **भोजन, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता के अधिकार** भी शामिल हैं।
- **मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा-पत्र (UDHR)**[34] को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में अपनाया था। यह मौलिक मानवाधिकारों के सार्वभौमिक संरक्षण को निर्धारित करने वाला पहला कानूनी दस्तावेज था।
- UDHR के साथ दो प्रसंविदा (Covenants) मिलकर इंटरनेशनल बिल ऑफ राइट्स का निर्माण करते हैं। ये दो प्रसंविदा हैं:
  - अंतर्राष्ट्रीय नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्रसंविदा (International Covenant for Civil and Political Rights,) और
  - अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार प्रसंविदा (International Covenant for Economic, Social and Cultural Rights)।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (United Nations High Commissioner for Refugees: UNHCR)

- एक एक वैश्विक संगठन है। यह शरणार्थियों, जबरन विस्थापित समुदायों और राज्य विहीन लोगों का जीवन बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा उनके लिए बेहतर भविष्य के निर्माण के प्रति समर्पित है।
- **इसका गठन 1950 में** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की परिस्थितियों में हुआ था।

[34] Universal Declaration of Human Rights

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC)

मुख्यालय
जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड
स्थापना: 2006

UNHRC के बारे में:

- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक **अंतर–सरकारी निकाय** है। वर्तमान में इसके **सदस्यों की संख्या 47** है।
- **यह सीधे महासभा को रिपोर्ट करता है।**
- यह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (OHCHR) से मौलिक और तकनीकी सहायता प्राप्त करता है, जो संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के अधीन एक कार्यालय है।
- इसके निर्णय, संकल्प और सिफारिशें कानूनी रूप से **बाध्यकारी नहीं होते हैं।**
- इसने **1946 से 2006** तक संचालित पूर्ववर्ती संस्था **कमीशन ऑन ह्यूमन राईट** को प्रतिस्थापित किया है।
  - **कमीशन ऑन ह्यूमन राईट** को 1946 में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) की एक सहायक संस्था के रूप में स्थापित किया गया था।

अधिदेश (सौंपे गए कार्य):

- **मानवाधिकारों के उल्लंघनों को रोकना एवं उनका मुकाबला करना** और उनको रोकने के लिए **सिफारिशें करना।**
- संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर मानवाधिकारों की **मुख्यधारा को बढ़ावा देना और समन्वय स्थापित करने के लिए कार्य करना।**
- यह **यूनिवर्सल पीरियॉडिक रिव्यू (UPR)** का प्रबंधन करता है। UPR एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य देश के समग्र मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा की जाती है।

भारत की स्थिति:

अक्टूबर 2021 में, भारत को छठे कार्यकाल (2022–2024) हेतु UNHRC के लिए पुनः निर्वाचित किया गया।

सदस्य

क्षेत्र	सीटों की संख्या
अफ्रीकी देश	13
एशिया–प्रशांत के देश	13
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई देश	8
पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देश	7
पूर्वी यूरोपीय देश	6

पात्रता:

- **संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य इसके सदस्य बनने** ने के लिए पात्र हैं।
- देशों को पहले उनके क्षेत्रीय समूहों द्वारा **नामित** किया जाता है, उसके बाद उन्हें **गुप्त मतदान** के जरिए महासभा द्वारा **निर्वाचित** किया जाता है। इसके लिए **पूर्ण बहुमत** की आवश्यकता होती है।
- महासभा **मानव अधिकारों को बढ़ावा और संरक्षण** रिकॉर्ड के साथ–साथ इस संबंध में उनकी स्वैच्छिक प्रतिज्ञाओं और प्रतिबद्धताओं के लिए **उम्मीदवार राष्ट्रों के योगदान** को ध्यान में रखती है।

अवधि:

- परिषद के **सदस्य तीन वर्ष की अवधि** के लिए सेवारत रहते हैं और **लगातार दो कार्यकालों** की सेवा के पश्चात् **तत्काल पुनः निर्वाचन के लिए पात्र नहीं होते** हैं।
  - यदि परिषद का कोई सदस्य "मानव अधिकारों का अशिष्टतापूर्ण और व्यवस्थित उल्लंघन" करता है, तो महासभा **उपस्थित सदस्यों के दो–तिहाई मतदान के साथ उसकी सदस्यता को निलंबित कर सकती है।**

© Vision IAS

8.1.5. यू.एन. से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News Related to UN)

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष (India-UN Development Partnership Fund)

- हाल ही में, भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग की पांचवी वर्षगांठ मनाई।

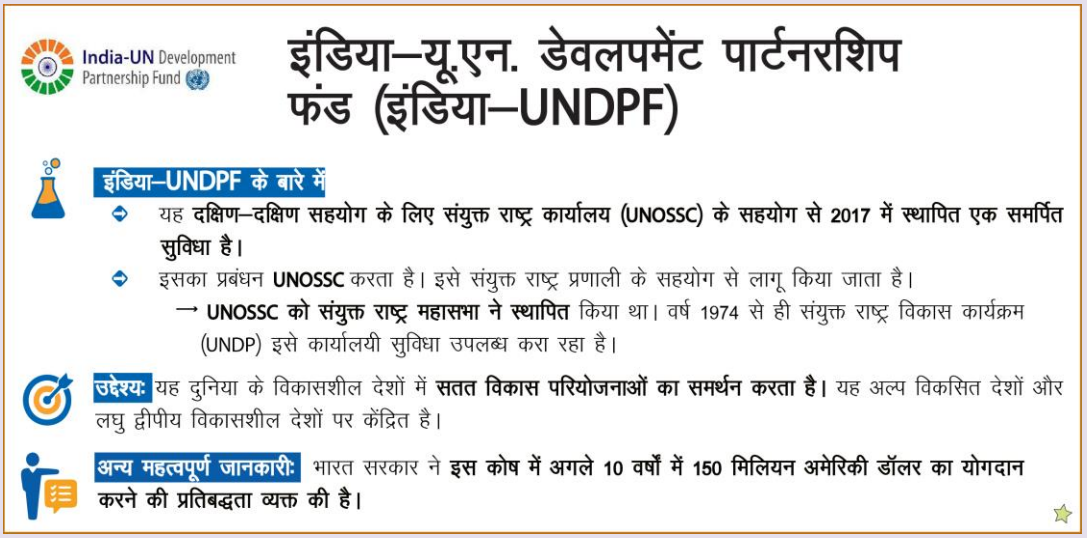

यू.एन. वीमेन अर्थात् महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग {United Nations Commission on Status of Women (CSW)}

- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) ने **ईरान को CSW की सदस्यता से हटाने के लिए एक संकल्प स्वीकृत** किया है।

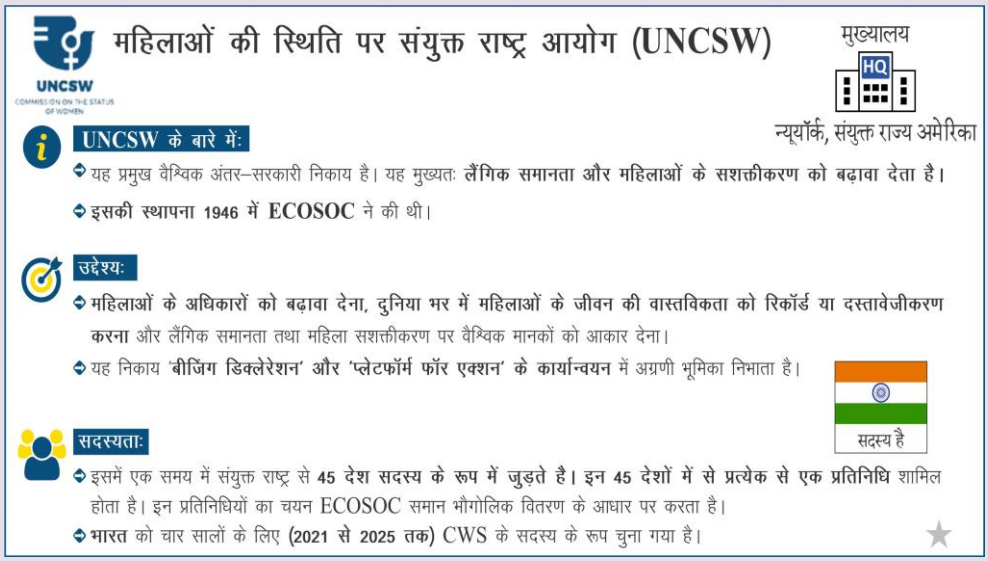

नानसेन शरणार्थी पुरस्कार (Nansen Refugee Award)

- जर्मनी की पूर्व चांसलर **एंजेला मर्केल को UNHCR के 2022 के नानसेन शरणार्थी पुरस्कार** से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार सीरियाई संकट के दौरान **शरणार्थियों की सुरक्षा हेतु** किए गए उनके कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा।
- इस पुरस्कार को 1954 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित या राज्य विहीन लोगों की रक्षा के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले **व्यक्तियों, समूहों या संगठनों** को दिया जाता है।
  - इसका नाम नॉर्वेजियन अन्वेषक, वैज्ञानिक, राजनयिक और मानवतावादी **'फ्रिडजॉफ नानसेन'** के नाम पर रखा गया है।
  - वह **लीग ऑफ नेशंस में शरणार्थियों के लिए पहले उच्चायुक्त** थे। उन्हें 1922 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
  - **प्रथम पुरस्कार विजेता:** एलेनोर रूजवेल्ट; वह **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग** की प्रथम अध्यक्ष थीं।

8.2. ग्रुप ऑफ ट्वेंटी {Group of 20 (G20)}

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **G20** का **17वां शिखर सम्मेलन संपन्न** हुआ। इस सम्मेलन में **बाली घोषणा-पत्र को स्वीकृति** प्रदान की गई है।

अन्य संबंधित तथ्य

- इस G20 शिखर सम्मेलन का आदर्श वाक्य (Motto) था- **"रिकवर टुगेदर, रिकवर स्ट्रॉन्गर[35]"।**
- भारत ने इंडोनेशिया से G20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

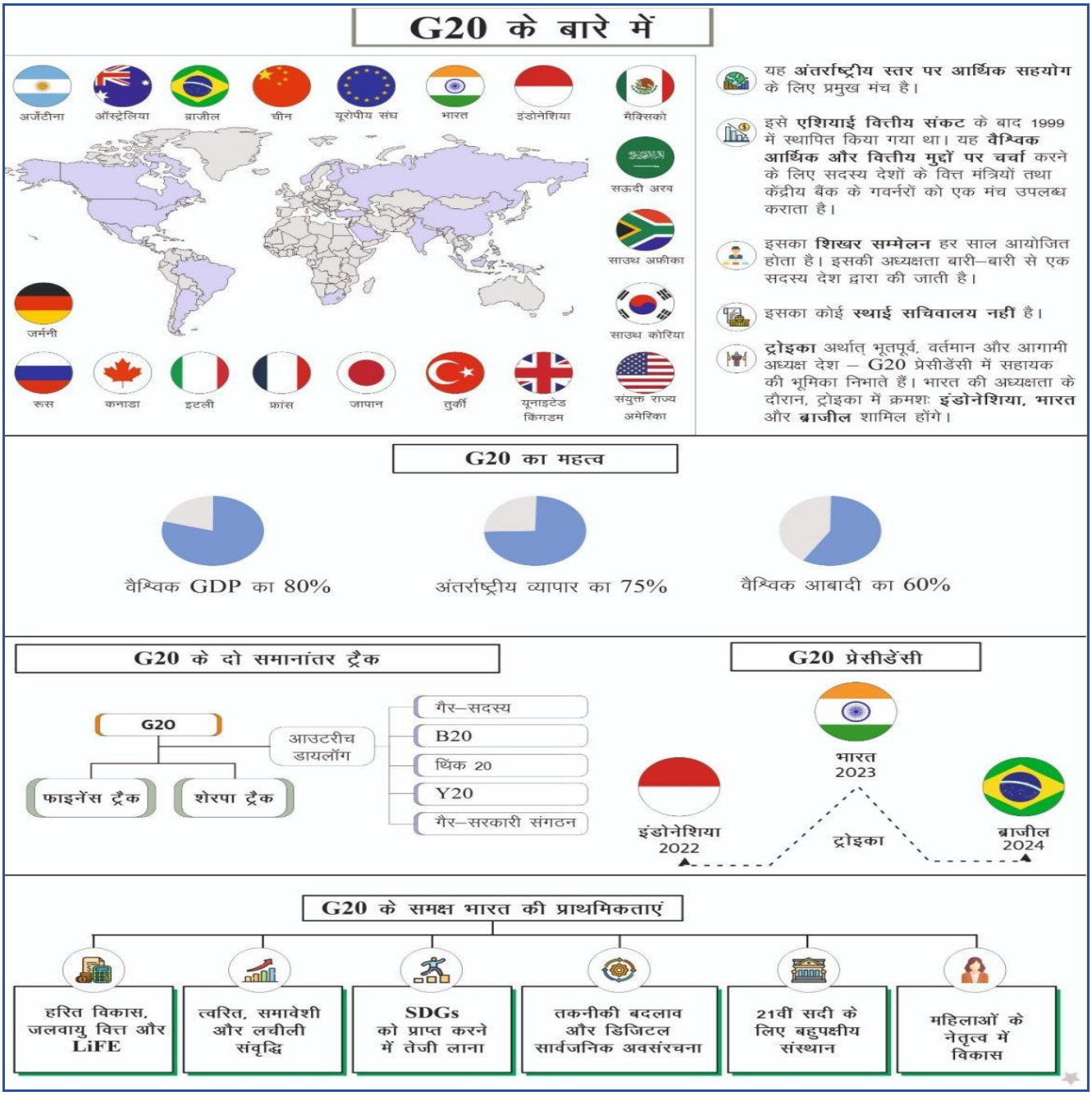

[35] Recover Together, Recover Stronger

© Vision IAS

बाली घोषणा-पत्र 2022 के प्रमुख बिंदु

- G20 ने **यूक्रेन में चल रहे युद्ध में अपने मतभेदों पर प्रकाश डाला** और यूक्रेन के इलाकों से रूस की पूर्ण वापसी का आह्वान किया।
- G20 ने **वैश्विक खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया।**
  - समूह ने **तुर्की और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में संपन्न काला सागर अनाज समझौते (Black Sea Grain Initiative)** का स्वागत किया।
    - यह **रूस और संयुक्त राष्ट्र सचिवालय द्वारा हस्ताक्षरित** एक समझौता ज्ञापन है। यह क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए खाद्य उत्पादों और उर्वरकों के रूस व यूक्रेन से निर्यात की अनुमति प्रदान करता है।
- समूह ने अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों के प्रावधान का स्वागत किया है। यह प्रावधान **अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों (2005) को लागू करने** और वित्त-पोषण में कमी को दूर करने में सहायता करेगा।
  - इसने विश्व बैंक के अधीन गठित **महामारी PPR[37] के लिए वित्तीय मध्यस्थ कोष (महामारी कोष)[38]** की स्थापना की सराहना की है।

भारत द्वारा G20 की अध्यक्षता (India's G20 Presidency)

- भारत की प्रेसिडेंसी या अध्यक्षता की थीम है- **"वसुधैव कुटुम्बकम"** या **"एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य"।**
- यह थीम पृथ्वी पर सभी जीवों के मूल्य की पुष्टि करती है। इसके अतिरिक्त, यह व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास के स्तर पर भी **पर्यावरण के लिए जीवन शैली[36]** को भी रेखांकित करती है।
- **लोगो:** G-20 का लोगो **भारत के राष्ट्रीय ध्वज** के जीवंत रंगों से प्रेरित है। इसमें भारत के राष्ट्रीय फूल **कमल** के साथ **पृथ्वी** को जोड़ा गया है, जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।
- भारत ने **G20 द्वारा सामूहिक कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एक नया वर्किंग ग्रुप** बनाया है।

अन्य संबंधित सुर्खियां	
शेरपा बैठक (Sherpa Track)	• भारत ने अपनी अध्यक्षता में **पहली जी20 शेरपा बैठक में 'ग्लोबल साउथ' के महत्व को रेखांकित** किया है। • शेरपा बैठक में अलग-अलग कार्यकारी समूह **तकनीकी और नीतिगत** मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इन समूहों में प्रत्येक सदस्य देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी शामिल होते हैं। ○ ये बैठकें **विकासोन्मुख मुद्दों** (जैसे- कृषि, भ्रष्टाचार आदि) के समाधान पर **केंद्रित** होती हैं। • **शेरपा** जी8, जी20 जैसी अंतर्राष्ट्रीय शिखर बैठकों में शामिल **सदस्य देश के नेता का एक निजी प्रतिनिधि** होता है। ○ 'शेरपा' शब्द **नेपाली शेरपा लोगों से प्रेरित** है। ये पर्वतारोहियों के लिए गाइड के रूप में काम करते हैं।
जी20 फाइनेंस ट्रैक	• जी20 फाइनेंस ट्रैक की पहली बैठक **बेंगलुरु** में आयोजित की गयी। • फाइनेंस ट्रैक का नेतृत्व **जी20 देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर** करते हैं। ○ यह **वैश्विक आर्थिक संवाद और नीतिगत समन्वय के लिए एक प्रभावी मंच** प्रदान करता है। ○ इसके तहत, **वैश्विक ऋण सुभेद्यताओं का प्रबंधन, बेहतर वित्तीय समावेशन, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के लिए वित्त-पोषण आदि** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ○ जी20 के अंतर्गत एक अन्य ट्रैक **शेरपा ट्रैक** है। यह **वार्ताओं व चर्चा के एजेंडे पर ध्यान देने** के साथ-साथ जी20 के मूल कार्यों का समन्वय भी करता है।
अर्बन-20 (U20)	• भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत, **आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय U20 कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।** • U20, जी20 में शामिल देशों के शहरों को जलवायु परिवर्तन, सामाजिक समावेशन आदि सहित **शहरी विकास के अलग-अलग महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने तथा सामूहिक समाधान प्रस्तावित** करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। • यह **राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों के बीच लाभकारी संवाद को सुगम** बनाता है। साथ ही, यह जी20 एजेंडे में शहरी विकास के मुद्दों के महत्व को बढ़ावा देने में मदद भी करता है।
G20 डिजिटल इनोवेशन एलायंस (DIA)	**इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने 'स्टे सेफ ऑनलाइन' अभियान और 'G20 डिजिटल इनोवेशन एलायंस (DIA)' लॉन्च किया।** **G20-DIA के बारे में**

[36] Lifestyle for Environment: LiFE/ लाइफ

[37] Prevention, Preparedness and Response/ रोकथाम, तत्परता और प्रतिक्रिया

[38] Financial Intermediary Fund for Pandemic PPR (the 'Pandemic Fund'

	• इसका उद्देश्य G20 सदस्य देशों के साथ-साथ आमंत्रित गैर-सदस्य राष्ट्रों के स्टार्ट-अप्स द्वारा विकसित नवीन और प्रभावशाली डिजिटल तकनीकों को **पहचानना, उन्हें मान्यता देना और अपनाने योग्य बनाना** है। • इसके तहत **छह विषयों (थीम)** से जुड़े डिजिटल समाधान प्राप्त किए जाएंगे। ये विषय हैं- **एग्री-टेक, हेल्थ-टेक, एड-टेक, फिन-टेक, सिक्योर्ड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्कुलर इकोनॉमी।**

8.3. क्वाड (QUAD)

सुर्ख़ियों में क्यों?

क्वाड नेताओं का वर्ष 2022 का चौथा शिखर सम्मेलन टोक्यो में संपन्न हुआ।

- **चौथे क्वाड शिखर सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष:**
  - क्वाड राष्ट्र **भू-पर्यवेक्षण आधारित निगरानी** और **सतत विकास** रूपरेखा बनाने पर सहमत हुए हैं।
  - यह रूपरेखा अवैध, अविनियमित और असुरक्षित (IUU)[39] मत्स्यन से निपटने पर लक्षित है।
    - इसके तहत संबंधित राष्ट्रीय उपग्रह डेटा संसाधनों के समग्र लिक्स के लिए अंतरिक्ष-आधारित असैन्य पृथ्वी अवलोकन डेटा और "क्वाड सैटेलाइट डेटा पोर्टल" साझा किया जाएगा।
  - अगले पांच वर्षों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 50 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की अवसंरचना सहायता और निवेश की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
  - G20 कॉमन फ्रेमवर्क के तहत कर्ज के मुद्दों से निपटने के लिए जरूरतमंद देशों की क्षमताओं को मजबूत किया जायेगा।
    - इसके अलावा, क्वाड ऋण प्रबंधन संसाधन पोर्टल के माध्यम से ऋण उपलब्धता और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जायेगा।
  - क्वाड क्लाइमेट चेंज एडेप्टेशन एंड मिटिगेशन पैकेज (Q-CHAMP) का शुभारंभ किया गया है। इस पहल की दो थीम हैं: शमन और अनुकूलन।
  - हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) पर क्वाड साझेदारी की स्थापना की गयी है। यह पहल इस क्षेत्र में आपदाओं के मामले में सहयोग को मजबूत करेगी और इनसे प्रभावी ढंग से निपटेगी।
  - पहले क्वाड साइबर सुरक्षा दिवस की शुरुआत की जाएगी। यह दिवस क्वाड, हिंद-प्रशांत और इनसे परे क्षेत्र के व्यक्तियों को साइबर खतरों से बेहतर तरीके से बचने के लिए जागरूक करेगा।

[39] Illegal, Unregulated and Unprotected

© Vision IAS

8.4. शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Cooperation Organisation: SCO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **SCO** के **राष्ट्र प्रमुखों की परिषद (HSC)**[40] का 22वां सम्मेलन **उज्बेकिस्तान के समरकंद** शहर में संपन्न हुआ है।

सम्मेलन के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

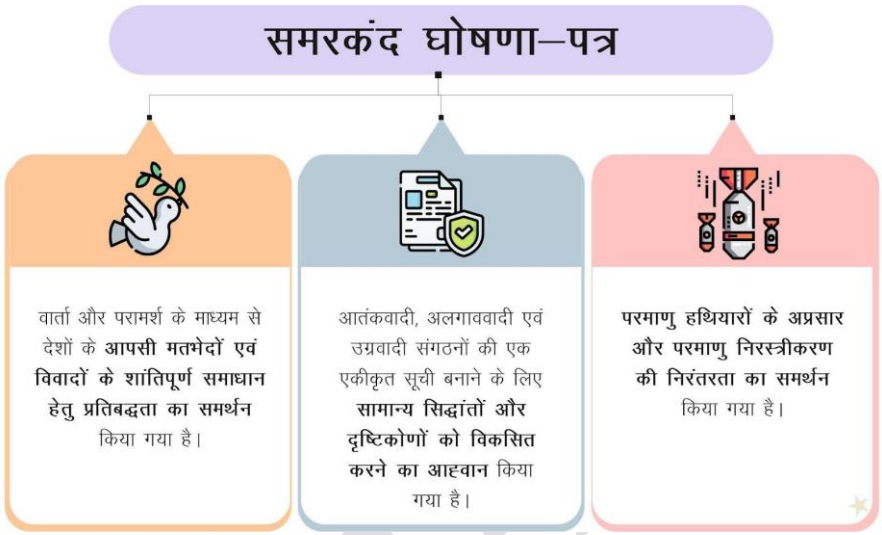

- इसमें **समरकंद घोषणा-पत्र (Samarkand Declaration)** को अपनाया गया।
- **SCO की अध्यक्षता भारत को सौंप दी गई।** SCO के 2023 में आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत द्वारा की जाएगी।
- इस सम्मेलन में **वाराणसी को वर्ष 2022-2023 के लिए SCO की पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित** किया गया है। इसका उद्देश्य इस संगठन के सदस्य देशों की समृद्ध विरासत और पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देना है।
- **ईरान को संगठन के स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार किया गया है।**
- **शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका:**
  - **खाद्य सुरक्षा:** भारत ने मोटे अनाज को बढ़ावा देने की पहल और खाद्य सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के समाधान पर जोर दिया है।
  - **पारंपरिक औषधियां:** भारत पारंपरिक औषधियों पर SCO के एक नए कार्यदल के गठन हेतु पहल करेगा।

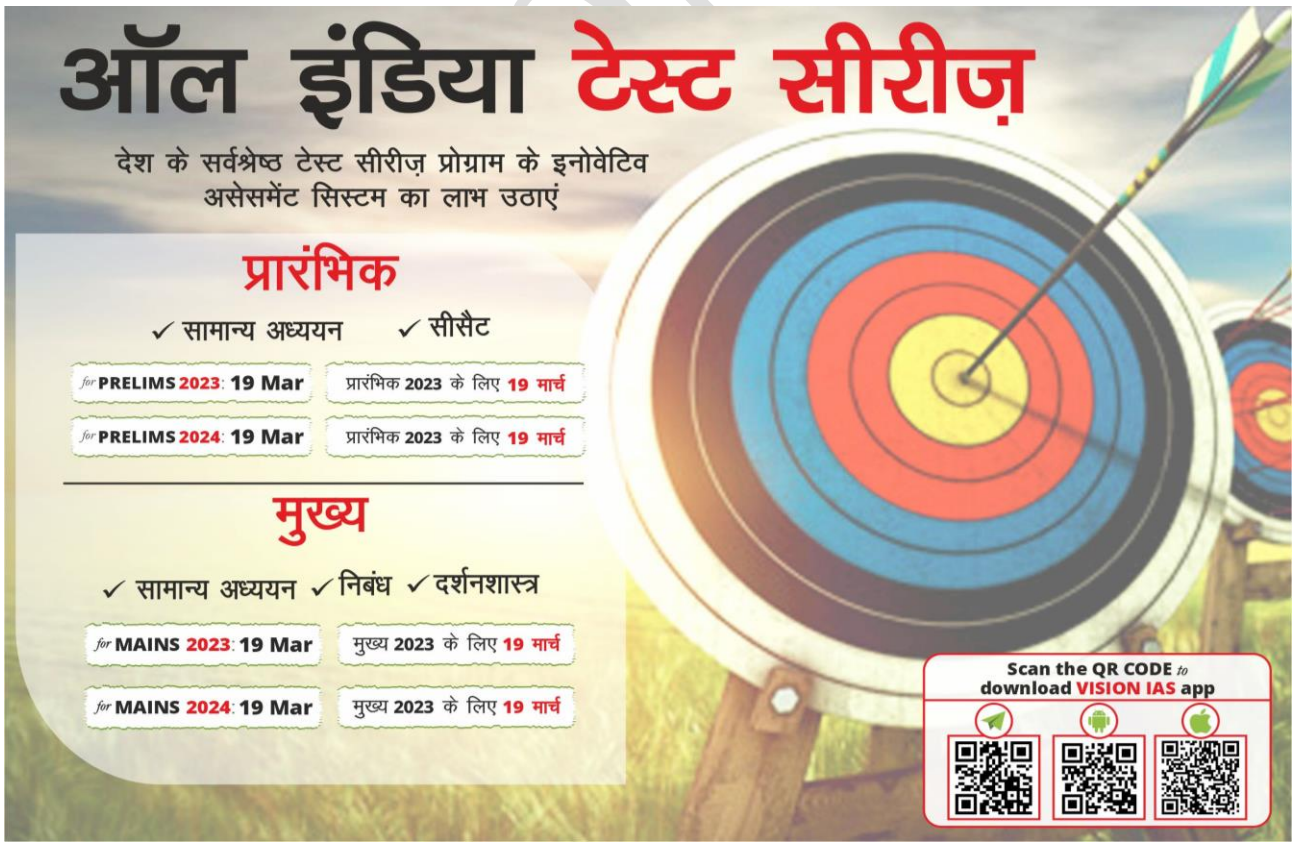

[40] Heads of State Council

SCO

SCO के बारे में

यह एक स्थायी अंतर–सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 2001 में शंघाई (चीन) में की गई थी

SCO को **2005 से ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक** का दर्जा मिला हुआ है।

SCO के प्रमुख लक्ष्य

- सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करना
- सीमा से संबंधित मुद्दों का समाधान
- सैन्य सहयोग
- खुफिया जानकारी का साझाकरण
- आतंकवाद से निपटना
- मध्य एशिया में यू.एस.ए. के प्रभाव को रोकना

SCO के सदस्य और सहभागी देश

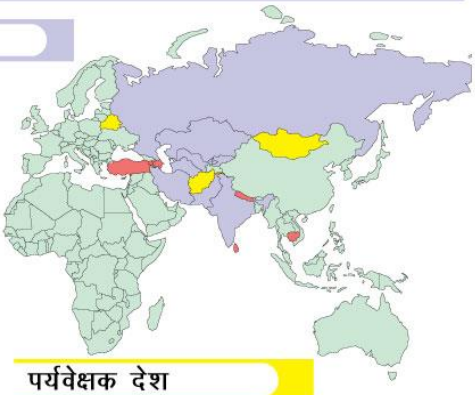

सदस्य देश

- चीन
- कज़ाखस्तान
- किर्गिज़स्तान
- रूस
- ताजिकिस्तान
- उज़्बेकिस्तान
- भारत
- पाकिस्तान
- ईरान

पर्यवेक्षक देश

- अफगानिस्तान
- बेलारूस
- मंगोलिया

वार्ता भागीदार देश

- आर्मेनिया
- अजरबैजान
- कंबोडिया
- नेपाल
- श्रीलंका
- तुर्की

SCO प्रतिनिधित्व करता है

- **41%** वैश्विक जनसंख्या का
- **25%** वैश्विक भूक्षेत्र का
- **24%** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का

कार्यात्मक संरचना

- राष्ट्र प्रमुखों की **परिषद (Heads of State Council: HSC)**: यह निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है।
- **सरकार प्रमुखों की परिषद (Heads of Government Council: HGC)**: यह बहुपक्षीय सहयोग और प्राथमिक निर्देशों हेतु रणनीति के निर्माण के लिए वार्ता करने वाला निकाय है।
- दो स्थाई निकाय
- **SCO बिज़नेस काउंसिल**: आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए।
- **SCO इंटरबैंक कंसोर्टियम**: बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए।

- **सचिवालय**: यह SCO की गतिविधियों के मध्य समन्वय स्थापित करता है। साथ ही यह सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, कानूनी, संगठनात्मक तथा तकनीकी सहायता भी प्रदान करता है।
- **क्षेत्रीय आतंकवाद–रोधी संरचना (Regional Anti-Terrorist Structure: RATS)**: इसे क्षेत्रीय आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से निपटने का काम सौंपा गया है।

© Vision IAS

8.5. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (South Asian Association For Regional Cooperation: SAARC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल में, दिल्ली स्थित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) में महीने भर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन देखा गया। इस विश्वविद्यालय की स्थापना SAARC के तहत की गई है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

सार्क/दक्षेस/SAARC

सार्क के बारे में:

सार्क एक **क्षेत्रीय अंतर–सरकारी संगठन** है जो दक्षिण एशिया में अपने सदस्य देशों के बीच **आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा** देता है।

उद्देश्य:

- दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना।
- आर्थिक संवृद्धि में तेजी लाना, क्षेत्रीय अखंडता, आपसी विश्वास, सामूहिक आत्मनिर्भरता आदि को मजबूत करना।

प्रमुख तथ्य

- **स्थापना:** 1985 में, ढाका, बांग्लादेश।
- **सचिवालय:** काठमांडू, नेपाल
- **जनसंख्या:** कुल वैश्विक जनसंख्या का 24%
- **क्षेत्रफल:** कुल वासयोग्य क्षेत्र का 3.4%
- **GDP:** वैश्विक अर्थव्यवस्था का 4.2%
- **अंतिम सार्क शिखर सम्मेलन:** 2014 में काठमांडू में हुआ था।

सदस्य

सार्क की उपलब्धियां

- **दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता (साफ्टा/SAFTA):** 2016 तक सभी व्यापारिक वस्तुओं के सीमा शुल्क को शून्य करने के लिए इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह समझौता केवल वस्तुओं तक ही सीमित है।
- **दक्षिण एशिया प्रेफेरेंसियल ट्रेड एग्रीमेंट (साप्टा/SAPTA):** यह 1995 में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना है।
- **सार्क खाद्य बैंक:** यह बैंक किसी खाद्यान्न की कमी या प्राकृतिक आपदा, बाढ़, भूकंप आदि के समय संकट का सामना करने के लिए एक आपातकालीन स्रोत के रूप में सुविधा प्रदान करता है।
- सेवाओं में व्यापार पर सार्क समझौता **(SAARC Agreement on Trade in Services: SATIS):** इस समझौते के अंतर्गत सेवाओं में व्यापार के उदारीकरण के लिए 'GATS – प्लस सकारात्मक सूची दृष्टिकोण' का पालन किया जा रहा है।
- **सार्क विश्वविद्यालय** भारत में स्थापित किया गया है।
- **इस्लामाबाद में सार्क मध्यस्थता परिषद:** यह विवादों के समाधान के लिए दक्षिण एशियाई देशों हेतु एक कानूनी मंच के रूप में कार्य करेगी।
- **सार्क विकास कोष:** इसका उद्देश्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना है।
- **ढाका में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO):** यह संगठन अंतर–क्षेत्रीय व्यापार को सुगम बनाने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ाने हेतु इस क्षेत्र के लिए सामंजस्यपूर्ण मानकों को विकसित करेगा।

संबंधित सुर्ख़ियां

करेंसी स्वैप एग्रीमेंट (Currency Swap Agreement: CSA)

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण** के साथ एक **CSA** पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत किया गया है।
  - CSA, दो देशों के बीच **पूर्व निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन मुद्राओं के विनिमय** के लिए किया गया एक समझौता या अनुबंध है।
- **सार्क करेंसी स्वैप** सुविधा का परिचालन **2012 में शुरू हुआ** था। इसका उद्देश्य अल्पकालिक विदेशी मुद्रा तरलता आवश्यकताओं या दीर्घकालिक व्यवस्था होने तक भुगतान संतुलन की समस्या के समाधान के लिए एक बैकस्टॉप लाइन ऑफ़ फंडिंग प्रदान करना था।
  - इसके अंतर्गत, **अमेरिकी डॉलर, यूरो या भारतीय रुपये** में आहरण (Withdrawal) किया जा सकता है।

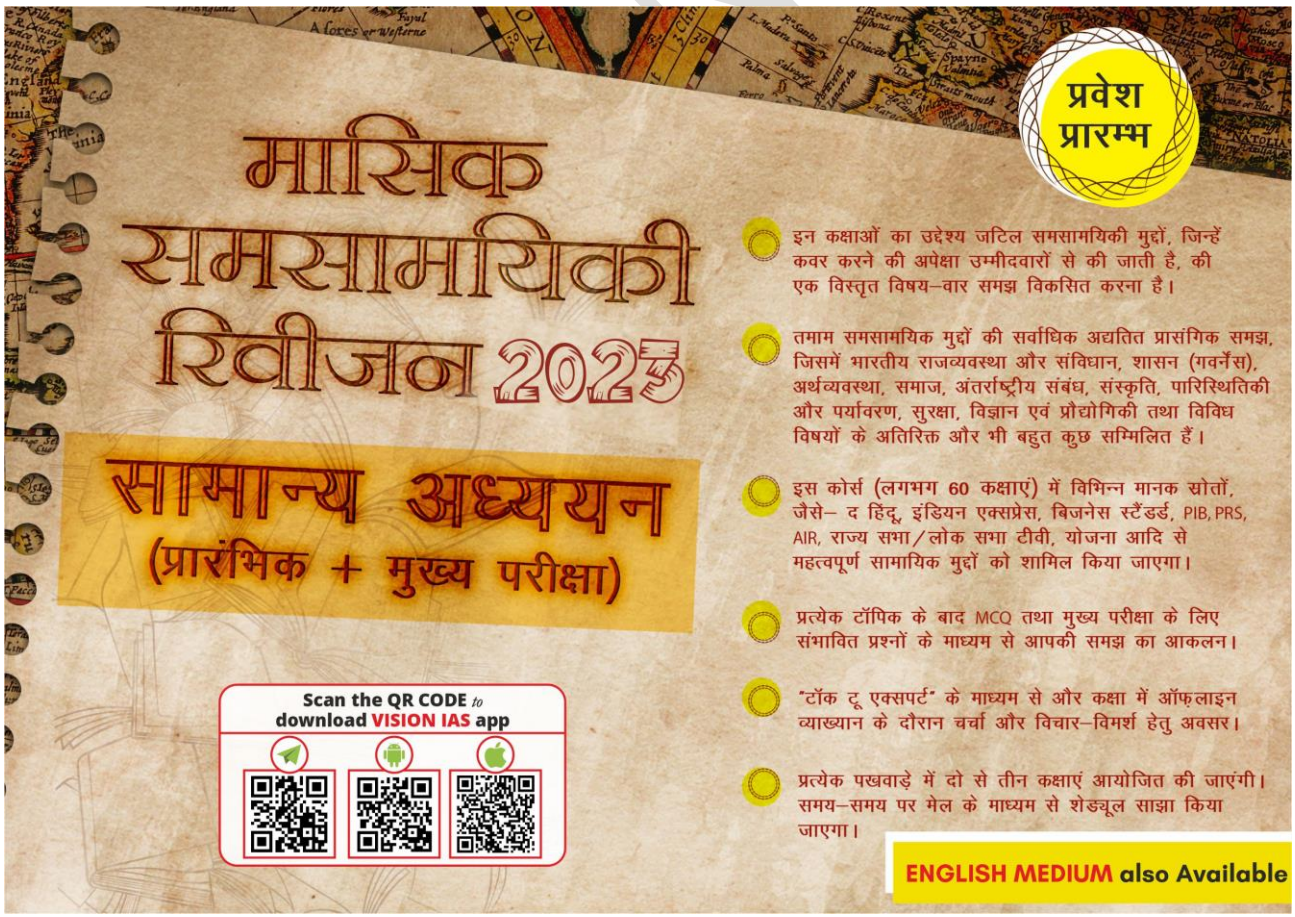

8.6. बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) (Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation: BIMSTEC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

कई विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए **बिम्सटेक के समान एक बेहतर क्षेत्रीय मंच** स्थापित करने की आवश्यकता है।

8.7. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization: NATO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान **मैड्रिड (स्पेन) में नाटो शिखर सम्मेलन** आयोजित किया गया।

सम्मेलन के कुछ प्रमुख निष्कर्ष

- इसके दौरान नाटो ने **नई सामरिक अवधारणा (Strategic Concept) को मंजूरी दी है।** इसमें बताया गया है कि आने वाले वर्षों में नाटो अपनी सुरक्षा परिदृश्य के समक्ष खतरों और चुनौतियों का समाधान कैसे करेगा।
  - इस दस्तावेज में **रूस को नाटो की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष खतरे** के रूप में बताया गया है।
  - **पहली बार,** नाटो ने अपने गठबंधन की सुरक्षा, हितों और मूल्यों के लिए **चीन को एक खतरा** माना है।
- **फिनलैंड और स्वीडन को नाटो की सदस्यता** के लिए आमंत्रित किया गया है। यह तुर्की द्वारा इन देशों की सदस्यता के संबंध में उपयोग किए गए वीटो को हटाने के बाद संभव हो पाया।
- **नाटो इनोवेशन फंड** की शुरुआत की गई है। यह अगले 15 वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे दोहरे उपयोग वाली उभरती प्रौद्योगिकियों को विकसित करने वाले स्टार्ट-अप्स में 1 बिलियन यूरो का निवेश करेगा।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO)

मुख्यालय
ब्रुसेल्स, बेल्जियम
1949 में स्थापित

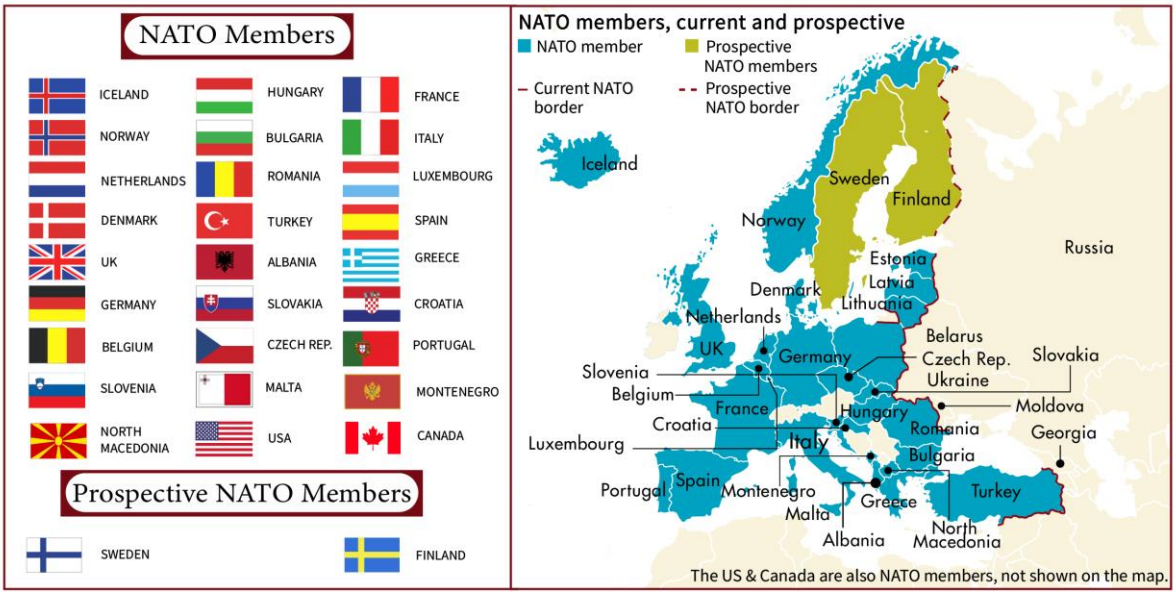

NATO के बारे में: नाटो एक ट्रान्साटलांटिक **राजनीतिक और सैन्य गठबंधन** है।

उद्देश्य:

- किसी सदस्य राष्ट्र को किसी बाहरी देश द्वारा धमकाने या उस पर हमला करने की स्थिति में **सैन्य और राजनीतिक साधनों के माध्यम से पारस्परिक सुरक्षा प्रदान करना।**
- सदस्य देशों एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच **सहयोग को बढ़ावा देना, लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा का समर्थन करना।**

उत्पत्ति: यह 12 संस्थापक सदस्यों के साथ उत्तरी अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर के बाद अस्तित्व में आया था। उत्तरी अटलांटिक संधि को लोकप्रिय रूप से **वाशिंगटन संधि** के नाम से भी जाना जाता है।

- ★ वर्तमान में, इसके सदस्यों की संख्या 30 है। वर्ष 2020 में **नॉर्थ मैसेडोनिया** इसमें शामिल होने वाला नवीनतम सदस्य है।

मुख्य विशेषताएं:

- **यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51** से अपना प्राधिकार प्राप्त करता है।
- नाटो संधि ने सामूहिक रक्षा की एक प्रणाली स्थापित की है। इसके अनुसार किसी सदस्य देश के ऊपर किया गया आक्रमण सभी सदस्य देशों के विरुद्ध आक्रमण माना जाता है।
- **नाटो की खुले द्वार की नीति** किसी भी यूरोपीय देश को नाटो में शामिल होने की अनुमति देती है, जो उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा को बेहतर कर सकता है और उसमें योगदान दे सकता है।

प्रमुख गैर–नाटो सहयोगियों की स्थिति: यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उन नजदीकी सहयोगी देशों के लिए दिया गया एक पदनाम है, जिनके अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन वे नाटो के सदस्य नहीं हैं।

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने **जापान, साउथ कोरिया, इजरायल आदि सहित 30 अन्य देशों को प्रमुख गैर–नाटो सहयोगी देश** का दर्जा दिया है।
  - ★ **भारत एक प्रमुख गैर–नाटो सहयोगी (Non-NATO Ally) नहीं है।**

8.8. ब्रिक्स (BRICS)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, चीन की अध्यक्षता में **14वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन** का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन वर्चुअल रूप में किया गया था।

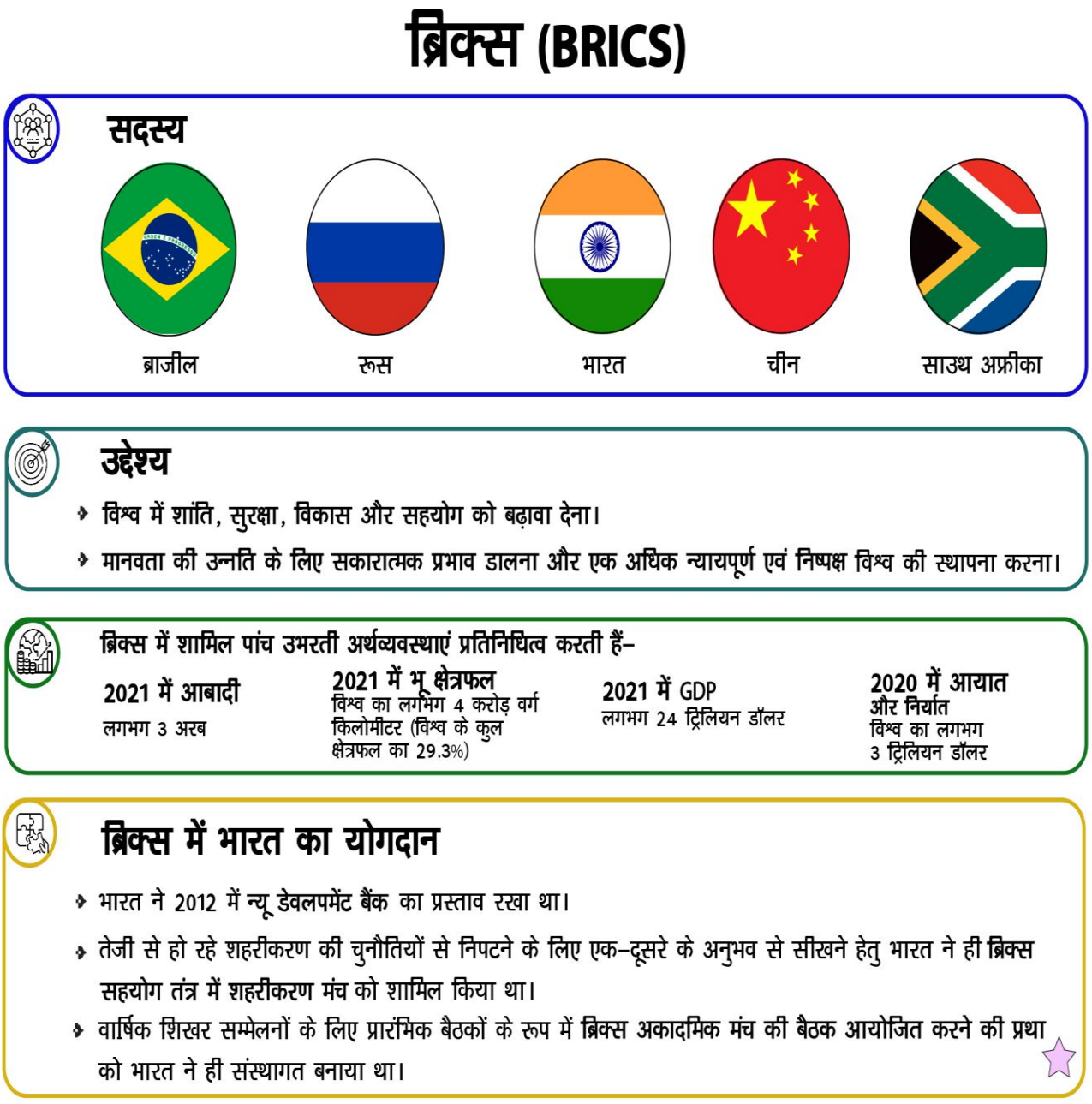

इस शिखर सम्मेलन के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- शिखर सम्मेलन की थीम थी- **"उच्च गुणवत्ता वाली ब्रिक्स साझेदारी को बढ़ावा दें, वैश्विक विकास के लिए एक नए युग की शुरुआत करें (Foster High-quality BRICS Partnership, Usher in a New Era for Global Development)"।**
- इस सम्मेलन में ब्रिक्स नेताओं ने **"बीजिंग घोषणा-पत्र"** को अपनाया।

© Vision IAS

- **भारत द्वारा प्रस्तावित पहल:** भारत ने ब्रिक्स पहचान को मजबूत करने का आह्वान किया है। साथ ही **ब्रिक्स दस्तावेजों,** ब्रिक्स रेलवे अनुसंधान नेटवर्क के लिए **ऑनलाइन डेटाबेस स्थापित करने तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के बीच सहयोग को मजबूत करने का प्रस्ताव दिया है।**
  - भारत ब्रिक्स देशों में स्टार्ट-अप्स के बीच संबंध मजबूत करने के लिए इस वर्ष **ब्रिक्स स्टार्ट-अप कार्यक्रम** का आयोजन करेगा।
- **भ्रष्टाचार के लिए सुरक्षित पनाहगाह (Safe Haven) को समाप्त करना:** ब्रिक्स देशों ने **भ्रष्टाचार के लिए सुरक्षित पनाहगाह को समाप्त करने** से संबंधित ब्रिक्स पहल का स्वागत किया है। इस पहल के कारण **शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से** भ्रष्टाचार-रोधी क्षमता निर्माण को और अधिक मजबूती मिलेगी। **साथ ही यह बहुपक्षीय ढांचे के भीतर भ्रष्टाचार-रोधी आदान-प्रदान** और सहयोग को बढ़ाएगी।

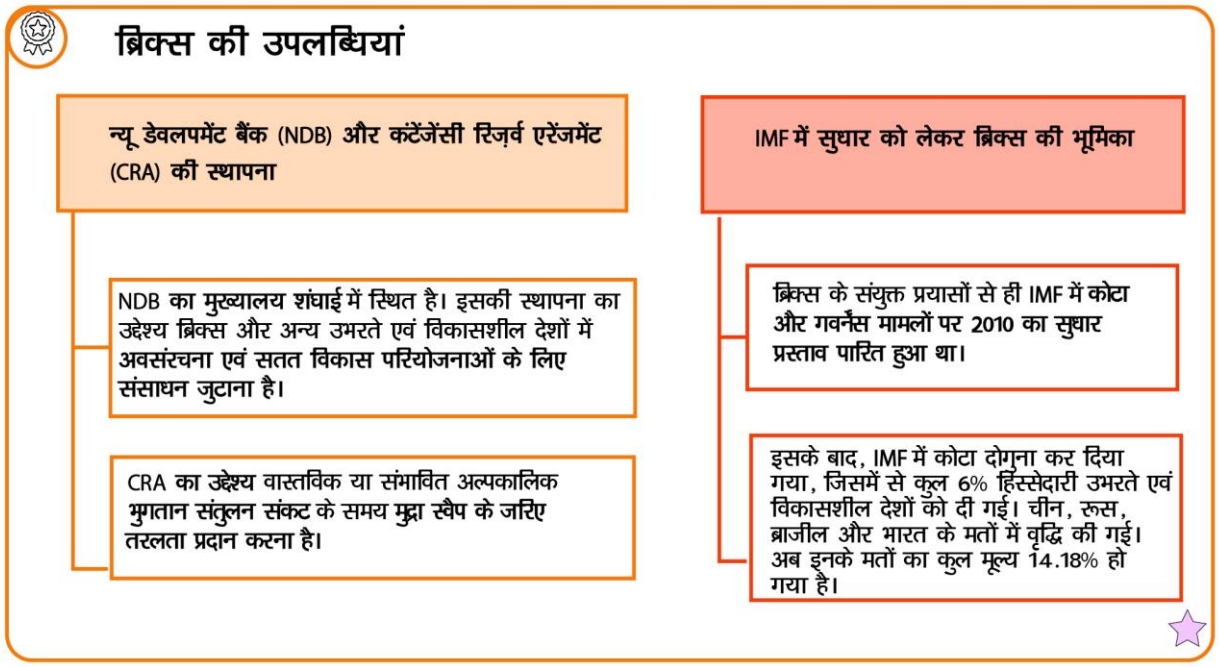

8.8.1. न्यू डेवलपमेंट बैंक (New Development Bank: NDB)

सुर्ख़ियों में क्यों?

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में अपना भारतीय क्षेत्रीय कार्यालय (IRO) शुरू करने की घोषणा की है।

ब्रिक्स (BRICS) NDB के बारे में

- NDB **एक बहुपक्षीय विकास संस्थान (MDI)**[41] है। इसे **2014 में फोर्टालेजा आयोजित छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान** स्थापित किया गया था। ब्रिक्स (BRICS) देशों में शामिल हैं- ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका।

[41] Multilateral Development Institution

- **इस बैंक की सदस्यता संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के लिए खुली है।**
  - **NDB ने 2021 में चार नए सदस्यों को शामिल किया:** बांग्लादेश, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और उरुग्वे।
- **उद्देश्य:** NDB के पास **100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अधिकृत पूंजी (Authorized capital)** है। NDB ब्रिक्स देशों और अन्य उभरती हुई एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे तथा टिकाऊ विकास परियोजनाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करता है।
- **शासन संरचना (Governance Structure):** इसके कार्यों को एक बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स, एक बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स, एक अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के माध्यम से संपादित किया जाता है। इसमें चक्रानुक्रम के आधार पर संस्थापक सदस्यों में से ही किसी एक को अध्यक्ष के रूप में चयनित किया जाता है।

भारतीय सदस्यता वाले प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय बहुपक्षीय विकास संस्थान (MDIs)

बहुपक्षीय विकास संस्थानों के नाम	स्थापना वर्ष	मुख्यालय	कुल सदस्य	वित्तपोषण का प्रकार
विश्व बैंक समूह*	IBRD – 1944 IFC – 1956 IDA – 1960 MIGA – 1988	वॉशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका	IBRD – 189 IFC – 185 IDA – 173 MIGA – 182	रियायती और गैर रियायती ऋण, इक्विटी निवेश, अनुदान (ग्रांट) और ऋण संबंधी गारंटी (अधीनस्थ / उप–संस्थानों के लिए)
अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	1944	वॉशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका	190	यह मुख्य रूप से नीतिगत सुधारों को अपनाए जाने के शर्त पर ऋण देता है। इन नीतिगत सुधारों में शामिल हैं– निजीकरण, कृषि या विद्युत क्षेत्र में नीतिगत सुधार आदि।
अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक ग्रुप (AFDB)	AFDB – 1964 अफ्रीकन डेवलपमेंट फंड (ADF) – 1972	आबिदजान (आइवरी कोस्ट)	81	गैर–रियायती और रियायती ऋण, इक्विटी निवेश, और ADF द्वारा ऋण की गारंटी के रूप में अनुदान
एशियाई विकास बैंक (ADB)	ADB – 1966 एशियन डेवलपमेंट फंड (ADF) – 1973	फिलीपिंस के मनीला शहर का मंडालुयोंग	68	गैर–रियायती और रियायती ऋण, इक्विटी निवेश, और एशियन डेवलपमेंट फंड द्वारा ऋण की गारंटी के रूप में अनुदान
न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB)	2014	शंघाई, चीन	9	गारंटी, निजी निवेशकों की मदद से सामूहिक ऋण, इक्विटी निवेश, प्रोजेक्ट बॉण्ड और अन्य प्रमुख विकास संस्थानों के साथ मिलकर वित्तपोषण की व्यवस्था
एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB)	2016	बीजिंग, चीन	103	ऋण, किसी उद्यम की इक्विटी पूंजी में निवेश, अंडर–राइटिंग (जोखिम अंकन) के ओपन ऑप्शन के साथ गारंटी प्रदान करना

*विश्व बैंक समूह (World Bank Group) के अंतर्गत शामिल हैं– (i) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD), (ii) अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA), (iii) अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC), (iv) बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA), और (v) निवेश संबंधी विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)। ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक पद सामूहिक रूप से IBRD और IDA को संदर्भित करता है।

नोट– भारत ICSID का सदस्य नहीं है।

8.9. दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन/आसियान (Association of Southeast Asian Nations: ASEAN)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने सिंगापुर के साथ मिलकर **आसियान (ASEAN) विदेश मंत्रियों की विशेष बैठक (दिल्ली डायलॉग)** की सह-अध्यक्षता की।

बैठक के मुख्य निष्कर्ष

- भारत-आसियान साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर **वर्ष 2022 को भारत-आसियान मैत्री वर्ष के रूप में घोषित** किया गया था।
- इस बैठक का मुख्य उद्देश्य साझेदारी के सभी तीन स्तंभों- आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक-सुरक्षा के तहत आपसी सहयोग की प्रगति की समीक्षा करना था। इसके अलावा, **आसियान-भारत कार्य योजना (2021-2025) के कार्यान्वयन** को और आगे बढ़ाने लिए कदम उठाने पर भी चर्चा की गई।

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान/ASEAN)

मुख्यालय
जकार्ता, इंडोनेशिया

ASEAN के बारे में: यह एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- जनसंख्या: विश्व की 8.5 प्रतिशत।
- सकल घरेलू उत्पाद (GDP): विश्व की 3.5 प्रतिशत।

उद्देश्य: सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग एवं स्थिरता, आर्थिक संवृद्धि व विकास तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।

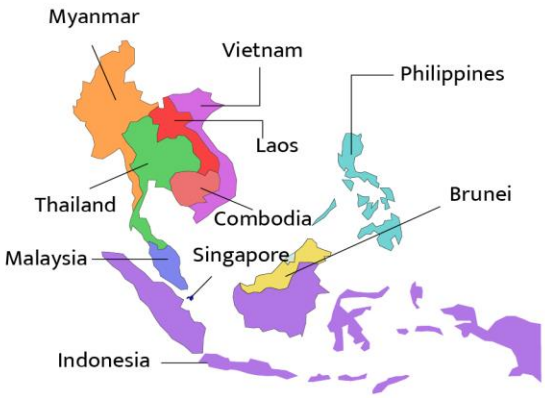

सदस्य: दस सदस्य-

- ब्रुनेई
- मलेशिया
- थाईलैंड
- लाओस
- सिंगापुर
- इंडोनेशिया
- फ़िलिपींस
- कंबोडिया
- म्यांमार
- वियतनाम

वार्ता भागीदार वाले सदस्य

- ऑस्ट्रेलिया
- चीन
- भारत
- न्यूज़ीलैंड
- रूस
- संयुक्त राज्य अमेरिका
- कनाडा
- यूरोपीय संघ
- जापान
- साउथ कोरिया
- यूनाइटेड किंगडम

क्षेत्रीय सहयोग तंत्र

आसियान प्लस थ्री (APT)	पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन (EAS)
सदस्य: दस आसियान सदस्य देश और चीन, जापान और रिपब्लिक ऑफ कोरिया।	**सदस्य:** दस आसियान सदस्य देश तथा ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूज़ीलैंड, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, रूसी संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका।
उद्देश्य: इस मंच का उद्देश्य क्षेत्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देकर, क्षेत्रीय अवसंरचना के विकास एवं वित्तीय सहयोग को मजबूत करके आर्थिक एकीकरण को सुदृढ़ करना है।	**उद्देश्य:** क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और समृद्धि के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना।

अतीत में भारत द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम।

- भारत ने **समुद्री सुरक्षा सहयोग** के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के साथ साझेदारी की है।
- भारत ने **ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर** के साथ साझेदारी में समुद्री प्रदूषण का समाधान करने पर EAS कार्यशाला का भी आयोजन किया है।
- भारत ने 14वें EAS के दौरान **इंडो-पेसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI)** की घोषणा की थी।

8.10. ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) {Group of Seven (G7)}

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत के प्रधान मंत्री ने जर्मनी में आयोजित G-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

इस शिखर सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष

- G-7 देशों के नेताओं ने **"वैश्विक अवसंरचना एवं निवेश के लिए साझेदारी" (PGII)**[42] योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य विकासशील और मध्यम आय वाले देशों में पारदर्शी और निर्णायक अवसंरचना परियोजनाओं के विकास के लिए 2027 तक 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर की निधि जुटाना है।
  - इस संबंध में PGII को **बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड इनिशिएटिव (2021 के G-7 शिखर सम्मेलन में आरंभ)** का नया स्वरूप माना जा रहा है। साथ ही, इसे चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के प्रतिसंतुलन के रूप में देखा जाता है।
- पेरिस समझौते के प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए G-7 ने **क्लाइमेट क्लब** की स्थापना पर सहमति व्यक्त की है।

ग्रुप ऑफ सेवन (G7)

इसके बारे में:

यह **अग्रणी औद्योगिक राष्ट्रों का एक अनौपचारिक मंच** है। इस समूह में शामिल देशों का **वैश्विक व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली पर वर्चस्व** है।

उद्देश्य:

इस संगठन की बैठकें वार्षिक रूप से **वैश्विक आर्थिक गवर्नेंस, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तथा ऊर्जा नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा** करने के लिए आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, इन बैठकों में मौजूदा परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है।

सदस्य:

1997 में रूस के इस समूह में शामिल होने के बाद इसे 'G8' कहा जाने लगा था। हालांकि, 2014 में **क्रीमिया** पर कब्जा करने के बाद रूस को इस समूह से बाहर करने के परिणामस्वरूप इसे एक बार फिर से **G7** कहा जाने लगा है।

यद्यपि, यूरोपीय संघ **G7** का सदस्य नहीं है, परंतु यह इसके वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लेता है।

G7 की उपलब्धियां

- इस समूह ने 2002 में **मलेरिया और एड्स की रोकथाम के लिए एक वैश्विक कोष स्थापित** करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- **G7** के वित्त मंत्रियों ने **बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर कम-से-कम 15% वैश्विक न्यूनतम कर लागू करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त** की है।
- 2015 में सदस्यों ने स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और विकास के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए **ग्लोबल अपोलो कार्यक्रम** लॉन्च किया था।

G7 आकड़ों में

25 प्रतिशत: वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में G7 देशों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है।

46 प्रतिशत: वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में G7 देशों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत है।

1/10: वैश्विक आबादी का 1/10वां हिस्सा G7 देशों में निवास करता है।

[42] Partnership for Global Infrastructure and Investment

© Vision IAS

संबंधित सुर्ख़ियां

भारत ने G-7 समूह के देशों और अन्य चार आमंत्रित देशों (अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल व दक्षिण अफ्रीका) के साथ "2022 रेजिलिएंट डेमोक्रेसीज स्टेटमेंट (RDS)" पर हस्ताक्षर किए

- इन देशों ने वैश्विक चुनौतियों (जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 आदि) के **समान, समावेशी और स्थायी समाधान** की दिशा में कार्य करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इन देशों ने **नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था** के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की है।
- **रेजिलिएंट डेमोक्रेसीज स्टेटमेंट (RDS) के सिद्धांत:**
  - **वैश्विक उत्तरदायित्व:** इसमें अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए सम्मान को बढ़ावा देना; दुनिया भर में लोकतंत्र तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का समर्थन करना आदि शामिल हैं।
  - **सूचना परिवेश:** इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से अभिव्यक्ति व विचार की स्वतंत्रता की रक्षा करना; खुला, मुक्त, वैश्विक, अंतर-संचालनीय, विश्वसनीय तथा सुरक्षित इंटरनेट सुनिश्चित करना आदि शामिल है।
  - **नागरिक समाज:** इसमें नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं की स्वतंत्रता व विविधता की रक्षा करना; दुर्भावनापूर्ण विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ क्षमता का निर्माण करना आदि सम्मिलित हैं।
  - **समावेश और समानता:** इसमें विचार, विवेक व धर्म/ विश्वास की स्वतंत्रता की रक्षा करना और अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा देना; सामाजिक एकता एवं समावेश आदि समाहित हैं।

8.11. गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non-Aligned Movement)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) के 60 वर्ष पूरे हुए।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन के बारे में

- NAM का गठन **अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के स्वतंत्रता संग्राम** के दौरान तथा **शीत युद्ध के चरम दौर** में हुआ था।
  - इसके गठन के पीछे मूल विचार यह था कि **दो नवगठित सैन्य गुटों (नाटो और वारसॉ संधि) से स्वयं को "गुटनिरपेक्ष"** घोषित किया जाए।
  - इस प्रक्रिया में **मिस्र, घाना, भारत, इंडोनेशिया और यूगोस्लाविया** के तत्कालीन सरकार प्रमुखों द्वारा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई थी, जो बाद में इस आंदोलन के संस्थापक बने।

- **उत्पत्ति:** 1955 में बांडुंग (इंडोनेशिया) में आयोजित एशिया-अफ्रीका सम्मेलन के दौरान।
- इस सम्मेलन के दौरान घोषित **"बांडुंग के दस सिद्धांतों"** को बाद में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के मुख्य लक्ष्यों के रूप में अपनाया गया था।
- **NAM का पहला सम्मेलन: बेलग्रेड सम्मेलन** 1961 में **भारत, यूगोस्लाविया, मिस्र, घाना और इंडोनेशिया के नेतृत्व में** आयोजित किया गया था।
- NAM की नीति **पंचशील के 5 सिद्धांतों पर आधारित** है।

- ज्ञातव्य है कि शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात्, आंदोलन की प्रासंगिकता का लोप होने लगा था। किंतु **हवाना शिखर सम्मेलन (2006)** के दौरान, सदस्य देशों ने उन आदर्शों, सिद्धांतों और उद्देश्यों (संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि की, जिनके आधार पर आंदोलन की स्थापना हुई थी।
- इसके **120 सदस्य** हैं जिनमें अफ्रीका से 53 देश, एशिया से 39, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन से 26 और यूरोप (बेलारूस, अजरबैजान) से 2 देश शामिल हैं।
    - 17 देश और 10 अंतर्राष्ट्रीय संगठन NAM में पर्यवेक्षक हैं।

8.12. दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (Southern African Development Community: SADC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत-दक्षिणी अफ्रीका विकास साझेदारी पर **भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)**[43] और **भारतीय आयात-निर्यात बैंक (एक्ज़िम बैंक) के सहयोग** से एक क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अन्य संबंधित तथ्य

- यह सम्मेलन **भारत और दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (SADC) के मध्य संवाद स्थापित** करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

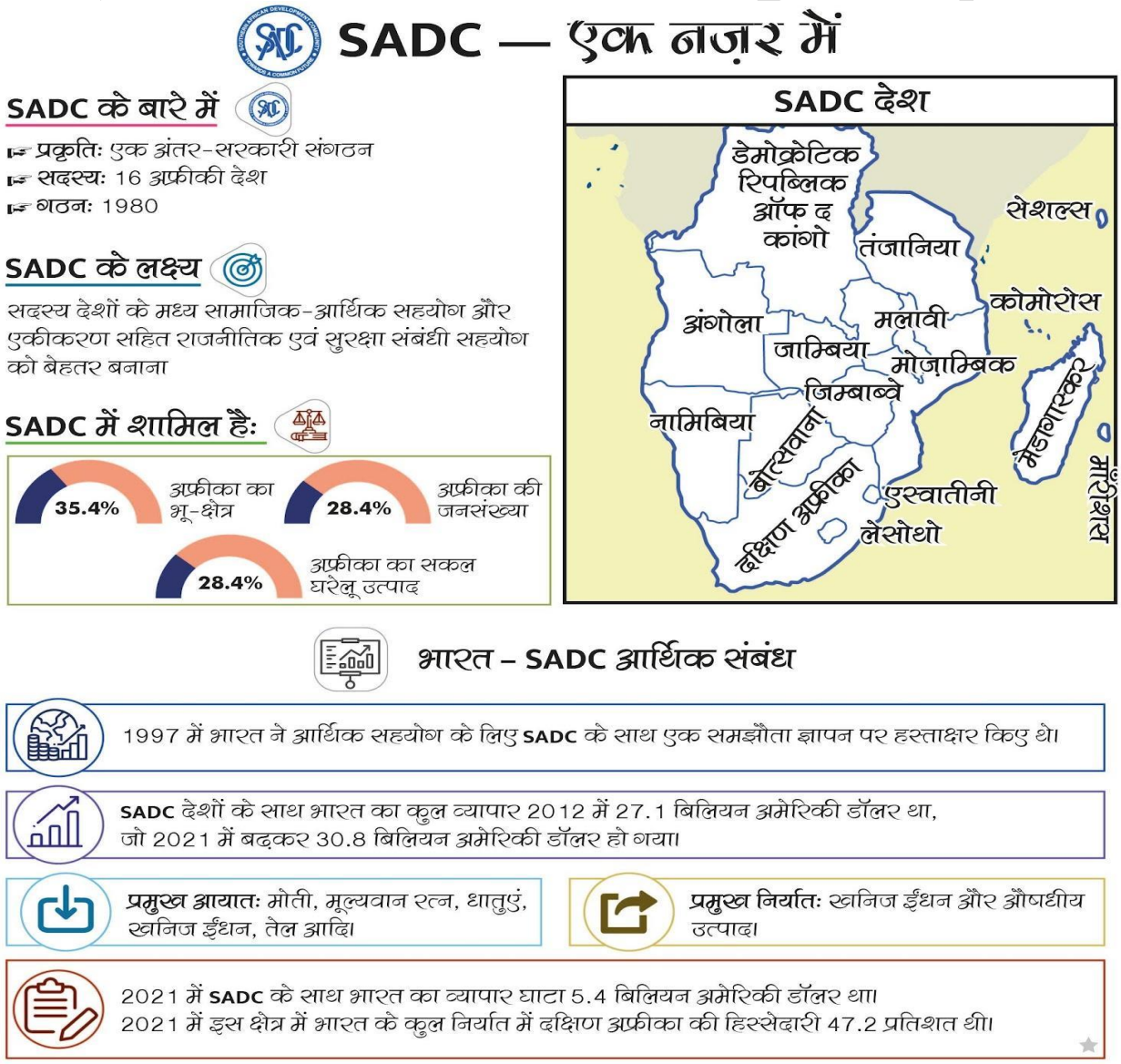

[43] Confederation of Indian Industry

© Vision IAS

8.13. सुर्ख़ियों में रहे बहुपक्षीय संगठन/ मंच/ अभिसमय (जिनमें भारत सदस्य/ भागीदार/ हस्ताक्षरकर्ता है) {Multilateral Organisations/Platforms/Conventions in News (Of which India is a Member/Participating/ Signatory}

इंटरनेशनल इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (International Electrotechnical Commission: IEC)	• भारत को **IEC का उपाध्यक्ष और रणनीतिक प्रबंधन बोर्ड (SMB) का अध्यक्ष चुना** गया है। भारत का कार्यकाल **वर्ष 2023 से वर्ष 2025** तक होगा। 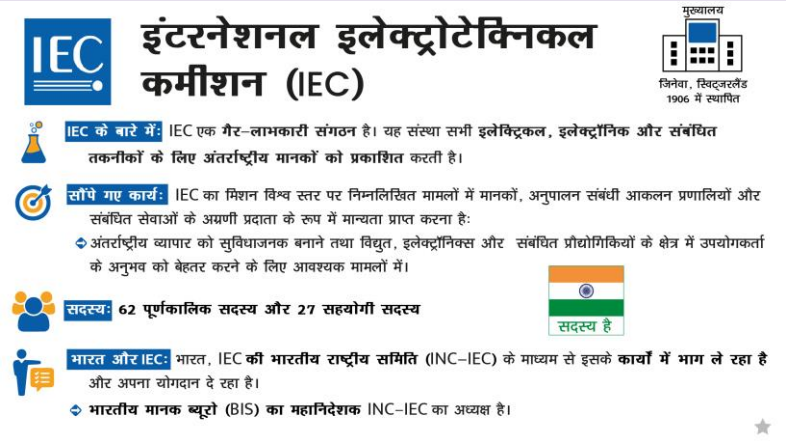
अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (International Finance Corporation: IFC)	• IFC ने **6 बिलियन डॉलर का वैश्विक खाद्य सुरक्षा मंच** लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य खाद्य संकट से निपटने के लिए **निजी क्षेत्र की क्षमता को मजबूत करना और खाद्य उत्पादन में मदद** करना है। ○ यह मंच **वैश्विक खाद्य प्रणाली के लचीलेपन में सुधार** लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही, इसके जलवायु और पारिस्थितिक फुटप्रिंट को भी कम करने का प्रयास करेगा।
एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (Asian Infrastructure Investment Bank: AIIB)	• RBI के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को AIIB का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

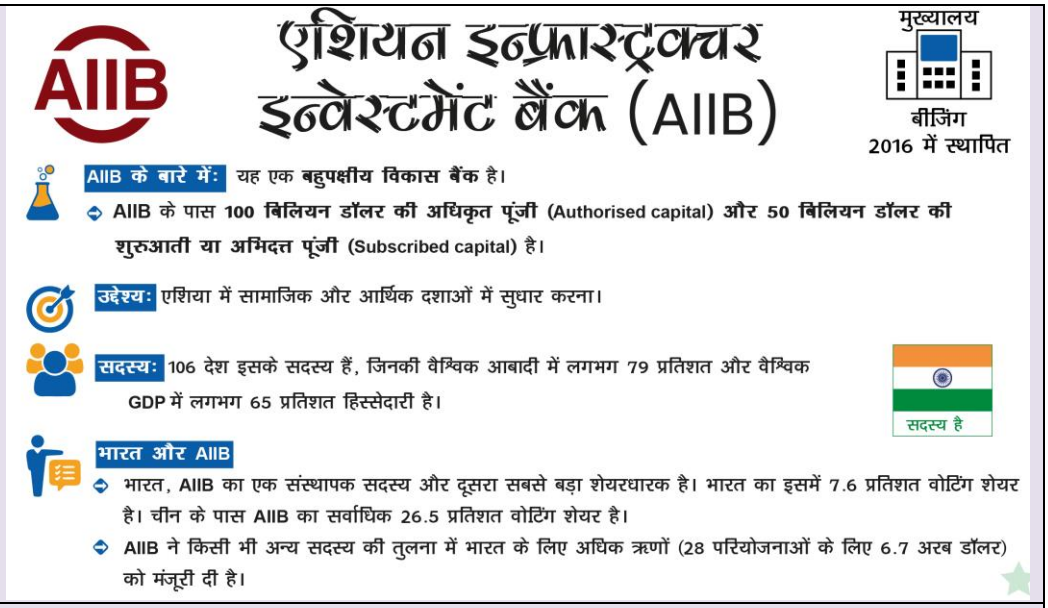

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice: ICJ)

- **यूक्रेन ने रूस के खिलाफ ICJ में एक अर्जी दाखिल की थी।**
- यूक्रेन ने नरसंहार के अपराध की रोकथाम और सजा पर अभिसमय[44] के तहत रूस के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी।

नरसंहार अभिसमय (Genocide Convention) के बारे में

- यह अभिसमय 1948 में UNGA द्वारा अपनाई गई **पहली मानवाधिकार संधि** थी।
- इस अभिसमय के अनुसार युद्ध और शांति-काल, दोनों के दौरान नरसंहार का अपराध हो सकता है।
- इसको अपनाने से **मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून के क्रमिक विकास में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।**
- यह अभिसमय अपने पक्षकार देशों पर **नरसंहार के अपराध को रोकने तथा उसके लिए दंडित करने** के लिए उपाय करने सहित **प्रासंगिक कानून बनाने और अपराधियों को दंडित करने** का दायित्व निर्धारित करता है (अनुच्छेद IV)।

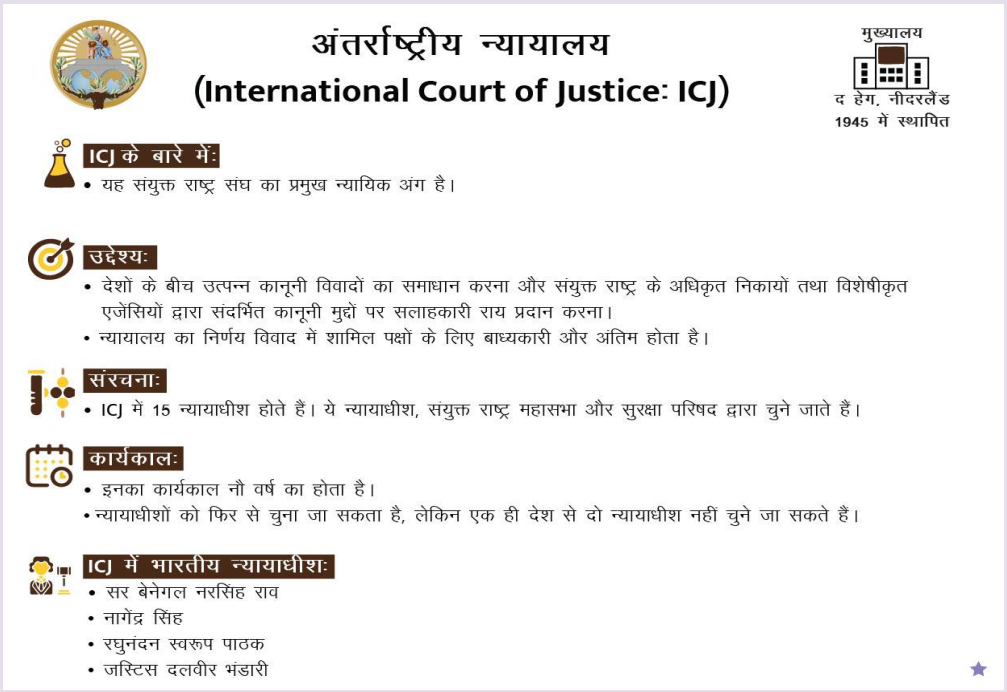

एशिया-प्रशांत

- AIBD के लिए **भारत की अध्यक्षता को एक और वर्ष के लिए बढ़ा** दिया गया है।

[44] Convention on the Prevention and Punishment of the Crime of Genocide

 © Vision IAS

प्रसारण विकास संस्थान (Asia-Pacific Institute of Broadcasting Development: AIBD)	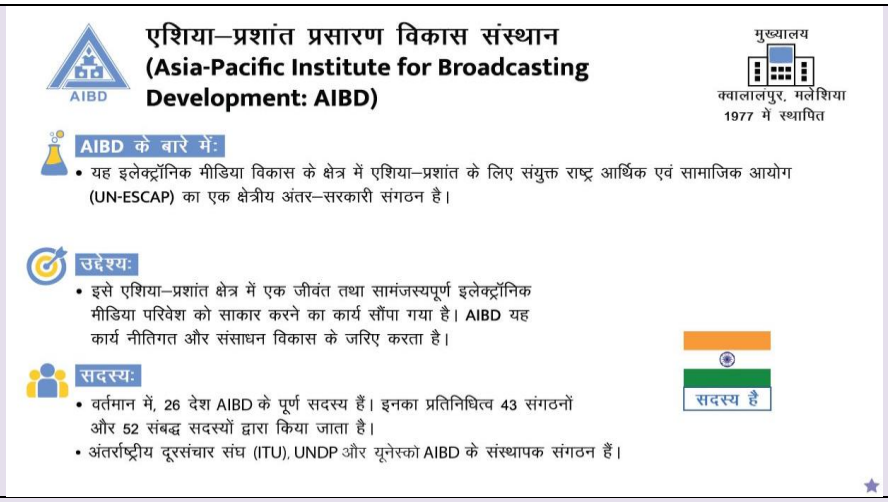
जी33 (G33)	• G33 या **"फ्रेंड्स ऑफ स्पेशल प्रोडक्ट्स (FoSP)"** कृषि मामले में विकासशील देशों का एक गठबंधन है। यह गठबंधन विकासशील देशों के लिए **कृषि बाजार को सीमित रूप से खोलने** हेतु लचीलेपन पर बल देता है। • इसके अंतर्गत, **भारत और पाकिस्तान दोनों** सदस्य द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध के बावजूद **विश्व व्यापार संगठन (WTO) में मिलकर काम कर रहे हैं।** • इसने खाद्य सुरक्षा और किसानों की आजीविका को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर WTO की वार्ताओं में **विकासशील देशों के लिए विशेष नियम प्रस्तावित किए हैं।** उदाहरण के लिए, विकासशील देशों को **अपने कृषि बाजारों तक प्रतिबंधित पहुंच को सुनिश्चित करने की अनुमति देना।**
कोडेक्स कमेटी ऑन स्पाइसेस एंड कलिनरी हर्ब्स (Codex Committee on Spices and Culinary Herbs: CCSCH)	• इस समिति ने जायफल, केसर और मिर्च (काली मिर्च तथा लाल शिमला मिर्च) के लिए **गुणवत्ता मानदंडों की सिफारिश** की है। साथ ही, इन मानकों को 'कोडेक्स एलेमेंट्रिस कमीशन' (CAC) के पास अंतिम मंजूरी के लिये भेजा है। • CCSCH का गठन 2013 में किया गया था। इसका उद्देश्य **मसालों और खाने में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियों के लिए विश्वव्यापी मानकों का विकास एवं विस्तार करना है।** ○ इसकी स्थापना **कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC), रोम के तहत** की गई है। ○ भारत इस समिति का **मेजबान व अध्यक्ष** देश है। **भारतीय मसाला बोर्ड** इस समिति के **सचिवालय के रूप में** कार्य करता है। • **CAC को 1963 में गठित किया गया था। यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा संयुक्त रूप से गठित एक अंतर-सरकारी निकाय है।** ○ **भारत 1964 में इसका सदस्य बना था।**

8.14. सुर्ख़ियों में रहे बहुपक्षीय संगठन/ मंच (जिनमें भारत सदस्य/ भागीदार नहीं है) {Multilateral Organisations/Platforms in News (of which India is not a Member/Participating)}

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन प्लस {OPEC Plus (OPEC+)}	• ओपेक प्लस (OPEC+) ने **कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करने का फैसला** किया है। इससे आपूर्ति में बाधा आएगी और तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। 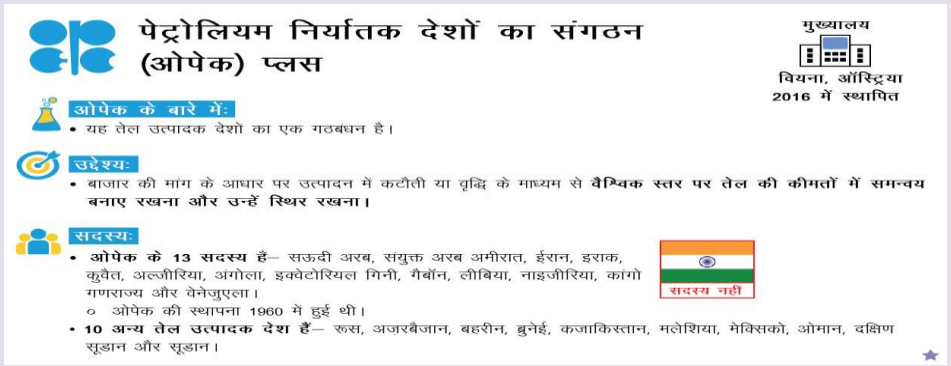

कैरेबियन समुदाय (कैरिकॉम) {Caribbean Community (CARICOM)}	• न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के साथ-साथ भारत और कैरिकॉम के विदेश मंत्रियों की चौथी बैठक का भी आयोजन संपन्न हुआ। 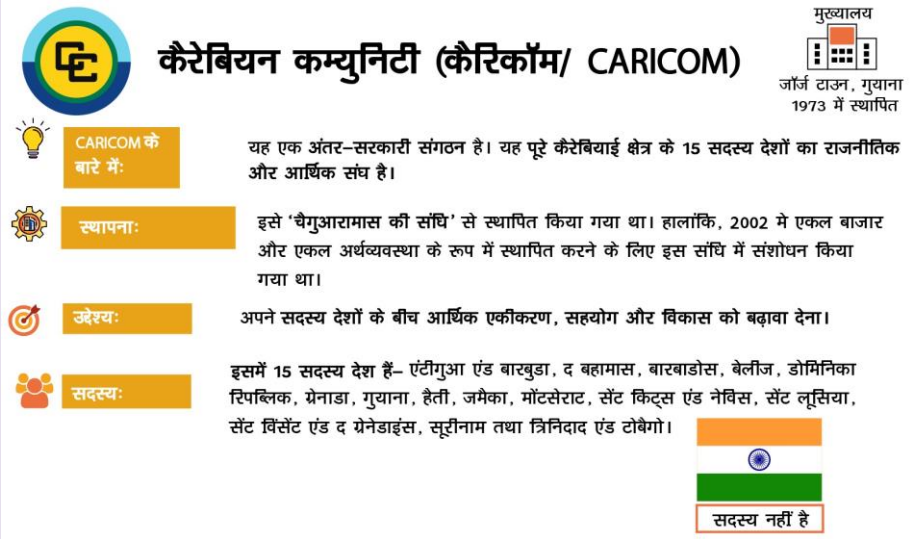
लीग ऑफ अरब स्टेट्स (अरब लीग) {League of Arab States (Arab League)}	• भारतीय विदेश सचिव ने **संयुक्त राष्ट्र** और **लीग ऑफ अरब स्टेट्स** के बीच अधिक नीतिगत समन्वय का आह्वान किया है।
यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (USCIRF)	• USCIRF ने **लगातार तीसरे वर्ष भारत को "विशेष चिंता वाले देश"** (Country of Particular Concern: CPC) के रूप में नामित किया है। ○ यह दर्जा उन देशों को प्रदान किया जाता है, जो **धार्मिक स्वतंत्रता के सबसे गंभीर उल्लंघनकर्ता** के रूप में पाये जाते हैं। ○ **पाकिस्तान, सऊदी अरब, ईरान, नॉर्थ कोरिया और रूस** को भी CPCs के रूप में नामित किया गया है।

© Vision IAS

9. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related to Security)

9.1. सामूहिक विनाश के हथियार (Weapons of Mass Destruction: WMD)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **सामूहिक विनाश के हथियार और उनके डिलिवरी सिस्टम्स (गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रतिबंध) संशोधन अधिनियम, 2022**[45] पारित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सामूहिक विनाश के हथियारों के वित्त-पोषण पर प्रतिबंध लगाना है।

इस अधिनियम के मुख्य प्रावधानों पर एक नज़र

- इस अधिनियम के जरिए "सामूहिक विनाश के हथियार और उनके डिलिवरी सिस्टम्स (गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रतिबंध) अधिनियम, 2005" में **संशोधन** किया गया है।
  - 2005 का अधिनियम **सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके डिलिवरी सिस्टम्स से संबंधित गैर-कानूनी क्रियाकलापों (जैसे- मैन्यूफैक्चरिंग, परिवहन या स्थानांतरण) को प्रतिबंधित** करता है।
  - हालिया संशोधन पहले से प्रतिबंधित क्रियाकलापों में वित्त-पोषण को शामिल करते हुए **प्रतिबंधित क्रियाकलापों का विस्तार** करता है।
- यह संशोधन विधेयक व्यक्तियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके डिलिवरी सिस्टम्स से संबंधित किसी भी **प्रतिबंधित गतिविधियों के वित्त-पोषण से रोकता है।**
- **यह केंद्र सरकार को** ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों की **वित्तीय संपत्तियों और आर्थिक संसाधनों को फ्रीज करने, जब्त करने या कुर्की करने का अधिकार प्रदान करता है।**

सामूहिक विनाश के हथियार और उनके डिलिवरी सिस्टम्स (गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रतिबंध) अधिनियम, 2005

- इसका प्राथमिक उद्देश्य सभी तीन प्रकार के WMDs (अर्थात् परमाणु, रासायनिक और जैविक), उनकी डिलीवरी प्रणाली तथा संबंधित सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकियों के संबंध में गैर-कानूनी गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के संबंध में **एक एकीकृत और व्यापक कानून प्रदान करना** है।
- इसमें इन प्रावधानों के **उल्लंघन के लिए दंड की व्यवस्था भी की गई है**, जैसे कि न्यूनतम पांच वर्ष की अवधि का कारावास (इसे आजीवन कैद में भी बदला जा सकता है) तथा जुर्माना आदि।
- इस अधिनियम को 2004 के **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प (UNSCR) 1540** द्वारा लागू एक अंतर्राष्ट्रीय दायित्व को पूरा करने के लिए पारित किया गया था।
  - **UNSCR 1540**, संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य देशों के लिए WMD के प्रसार, उनकी आपूर्ति के साधनों और गैर-राज्य अभिकर्ता को संबंधित सामग्री के विरुद्ध प्रभावी उपाय करने और उन्हें लागू करने के लिए बाध्यकारी दायित्वों की व्यवस्था करता है।

भारत में WMD अधिनियम, 2005 के अनुसार WMD की परिभाषाएं

परमाणु हथियार	रासायनिक हथियार	जैविक हथियार
वे हथियार जिन्हें परमाणु क्षमता वाले हथियार की श्रेणी में रखा गया है और भारत सरकार ने भी यही माना है। सामान्य तौर पर, ये मशीनरी और हथियार विस्फोट के लिए नाभिकीय विखंडन की प्रक्रिया का प्रयोग करते हैं।	विषैले रसायन और उनके अग्रगामी (शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग होने वाले को छोड़कर); ऐसे हथियार और उपकरण जिन्हें उन विषैले रसायनों की विषैली विशेताओं का उपयोग करके मृत्यु या अन्य नुकसान के लिए विशेष रूप से बनाया गया है; और कोई ऐसे उपकरण जिसे विशेष तौर पर इन हथियारों और डिवाइस को उपयोग में लाने के लिए बनाया गया है।	सूक्ष्मजीव या अन्य जैविक एजेंट या विषाक्त पदार्थों के वे प्रकार और इतनी मात्रा जिसे रोगनिरोधी, सुरक्षात्मक या अन्य किसी शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग का कोई औचित्य नहीं हो; और ऐसे हथियार, उपकरण या डिलीवरी सिस्टम जिसे विशेष रूप से युद्ध के उद्देश्यों या सशस्त्र संघर्ष के लिए बनाया गया हो।

WMD के बारे में

- **अंतर्राष्ट्रीय कानून में WMD की कोई एकल या ऑफिसियल परिभाषा नहीं है।** इसका उपयोग आमतौर पर परमाणु, जैविक और रासायनिक (NBC)[46] हथियारों के लिए किया जाता है।

[45] Weapons of Mass Destruction and their Delivery Systems (Prohibition of Unlawful Activities) Amendment Act, 2022

[46] Nuclear, Biological, and Chemical

- **यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी** के अनुसार, **"सामूहिक विनाश का हथियार** एक परमाणु, रेडियोलॉजिकल, रासायनिक, जैविक या अन्य उपकरण होता है, जिसका उद्देश्य बड़ी संख्या में लोगों को क्षति पहुंचाना होता है"।

WMDs के कई वर्गों को गैर-कानूनी घोषित करने के वैश्विक प्रयास

संधियां/ सम्मेलन/ संहिताएं	उद्देश्य	क्या भारत ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं और इसकी पुष्टि की है?
जैविक और विषाक्त हथियार संधि, 1972 {Biological and Toxic Weapons Convention (BWC), 1972}	यह जैविक और विषाक्त हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, हस्तांतरण, भंडारण और उपयोग को प्रतिबंधित करता है। • यह 1925 के जिनेवा प्रोटोकॉल का पूरक है, जिसने केवल जैविक हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित किया था।	**हाँ**
रासायनिक हथियार सम्मेलन, 1992 {Chemical Weapons Convention (CWC), 1992}	यह रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, भंडारण, प्रतिधारण, हस्तांतरण या उपयोग को प्रतिबंधित करता है। • इसके कारण **रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)**[47] की स्थापना हुई, जिसका मुख्यालय हेग, नीदरलैंड में स्थित है।	**हाँ**
परमाणु अप्रसार संधि, 1970 {Treaty on the Non-Proliferation of nuclear weapons (NPT), 1970}	इसका उद्देश्य परमाणु हथियारों और हथियार प्रौद्योगिकी के प्रसार को रोकना, परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग को बढ़ावा देना और परमाणु निरस्त्रीकरण प्राप्त करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।	**नहीं** भारत NPT की भेदभावपूर्ण प्रकृति का विरोध करता है और परमाणु हथियारों के सार्वभौमिक प्रतिबंध की मांग करता है।
परमाणु हथियार निषेध संधि, 2017 {Treaty on the Prohibition of nuclear weapons (TPNW), 2017}	यह संधि किसी भी परमाणु हथियार गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगाती है। इन गतिविधियों में परमाणु हथियारों का विकास, परीक्षण, उत्पादन, अधिग्रहण, प्राप्त करना, भंडारण, उपयोग या डराने/ धमकाने के लिए उपयोग तथा प्रतिबंधित गतिविधियों के संचालन में किसी भी राष्ट्र को सहायता प्रदान करने के उपक्रम शामिल हैं।	**नहीं।** भारत का मानना है कि यह संधि प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के निर्माण या विकास में योगदान नहीं करती है; न ही यह कोई नया मानक या मानदंड निर्धारित करती है।
व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि, 1996 (Comprehensive Nuclear-Test-Ban Treaty, 1996)	यह संधि पृथ्वी पर सभी जगहों पर परमाणु विस्फोट परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है। यह अपने प्रावधानों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए वियना में स्थित एक सी.टी.बी.टी. संगठन (CTBTO) की स्थापना का भी प्रावधान करती है। • इसे अभी लागू नहीं किया गया है।	**नहीं।** भारत CTBT की भेदभावपूर्ण प्रकृति के कारण इसका विरोध करता है और परमाणु हथियारों के सार्वभौमिक प्रतिबंध का समर्थन करता है।
हेग आचार संहिता (HCOC) जिसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय आचार संहिता' (ICOC), 2002 के रूप में जाना जाता था {Hague Code of Conduct (HCOC) formerly known as "The International Code of Conduct" (ICOC), 2002}	बैलिस्टिक मिसाइलों तक पहुंच को विनियमित करने के लिए, जो संभावित रूप से सामूहिक संहार के हथियार पहुंचा सकती हैं।	**हाँ**
बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था (Multilateral Export Control Regimes: MECR)	इसमें WMD के प्रसार का समर्थन करने वाली कुछ सैन्य और दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को रोकने से संबंधित एवं उनके प्रयासों में सहयोग करने के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता देशों द्वारा निर्मित स्वैच्छिक और गैर-बाध्यकारी समझौते शामिल हैं। वर्तमान में MECR के तहत ऐसी चार व्यवस्थाएं हैं: • परमाणु संबंधित प्रौद्योगिकी के नियंत्रण के लिए **परमाणु**	भारत NSG को छोड़ चार MECRs में से तीन का सदस्य है।

[47] Organisation for the Prohibition of Chemical Weapons

	आपूर्तिकर्ता समूह (Nuclear Suppliers Group: NSG)। • रासायनिक और जैविक प्रौद्योगिकी जिनसे हथियार बनाए जा सकते हैं, इसके नियंत्रण हेतु **ऑस्ट्रेलिया समूह (AG)।** • सामूहिक संहार के हथियार पहुंचाने में सक्षम रॉकेट और अन्य हवाई वाहनों के नियंत्रण के लिए **मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (Missile Technology Control Regime: MTCR)।** • पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के लिए **वासेनार व्यवस्था (Wassenaar Arrangement)।**	

संबंधित सुर्ख़ियाँ

NWBM[48] की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है।

- **NWBM के बारे में:**
  - इसे **2018 में एक अनुसंधान कार्यक्रम** के रूप में स्थापित किया गया था। इसका निर्माण और प्रकाशन **नॉर्वेजियन पीपुल्स ऐड (NPA)** द्वारा किया गया है, जो **परमाणु हथियारों को नष्ट करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अभियान (ICAN)[49] का एक भागीदार संगठन है।**
    - ICAN संयुक्त राष्ट्र परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि के अनुपालन और कार्यान्वयन को बढ़ावा देने वाले गैर-सरकारी संगठनों का एक गठबंधन है।
  - यह परमाणु हथियारों में कमी पर वैश्विक संधियों के पक्षकार/गैर-पक्षकार **197 राष्ट्रों में से प्रत्येक की परमाणु-हथियारों से संबंधित नीतियों और प्रथाओं का मूल्यांकन करता है।**

न्यूज़ टुडे

- 4 पृष्ठों में कवर किया जाने वाला दैनिक समसामयिकी समाचार बुलेटिन।
- सुर्खियों के प्राथमिक स्रोत: द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस और पीआईबी (PIB)। अन्य स्रोतों में शामिल हैं. न्यूज ऑन एयर, द मिंट, इकोनॉमिक टाइम्स आदि।
- इसका उद्देश्य प्रचलित विभिन्न घटनाओं के बारे में जानने के लिए प्राथमिक स्तर की जानकारी प्रदान करना है।
- इसमें दो प्रकार के दृष्टिकोणों को शामिल किया गया है यथा:
  - दिवसीय प्राथमिक सुर्खियों – 180 से कम शब्दों में दिन की मुख्य सुर्खियों को शामिल किया गया है।
  - अन्य सुर्खियाँ– ये मूल रूप से समाचारों में आने वाली एक पंक्ति की जानकारियाँ हैं। यहां शब्द सीमा 80 शब्द है।
- यह अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। हिंदी ऑडियो, विजन आईएएस हिंदी यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

[48] Nuclear Weapons Ban Monitor/ परमाणु हथियार प्रतिबंध मॉनिटर

[49] International Campaign to Abolish Nuclear Weapons

9.2. परमाणु अप्रसार संधि (Nuclear Non-Proliferation Treaty: NPT)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, NPT की पंचवर्षीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

अन्य संबंधित तथ्य

- NPT ने वर्ष 2020 में 50 साल पूरे किए थे।
- NPT की पंचवर्षीय समीक्षा बैठक 2020 में होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई।

परमाणु अप्रसार संधि
(Nuclear Non–Proliferation Treaty: NPT)

NPT के बारे में: यह एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना है।

स्थापना: 1968

उद्देश्य:
- परमाणु हथियार और हथियार प्रौद्योगिकी के प्रसार को रोकना,
- परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग हेतु सहयोग को बढ़ावा देना,
- परमाणु निरस्त्रीकरण और सामान्य तथा पूर्ण निरस्त्रीकरण प्राप्त करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाना।

सदस्य: **साउथ सूडान, भारत, पाकिस्तान, इज़रायल और नॉर्थ कोरिया को छोड़कर** विश्व के सभी देश NPT के पक्षकार हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:
- **परमाणु–हथियार संपन्न देश (Nuclear–Weapon States: NWS):** वे देश जिन्होंने 1 जनवरी, 1967 से पहले परमाणु विस्फोटक उपकरण का निर्माण और परीक्षण किया है।
  - इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और चीन शामिल हैं।
- इस संधि के संचालन की समीक्षा करने के लिए **हर पांच साल में NPT की समीक्षा बैठक** आयोजित की जाती है।
- NPT के लागू होने के बाद **जैंगर समिति** का गठन किया गया था।
  - यह सामरिक परमाणु सामग्रियों की एक **ट्रिगर सूची** (आपूर्ति की शर्त के रूप में सुरक्षा उपायों को ट्रिगर/लागू करना) को बनाए रखती है।
- NPT में शामिल कोई देश संधि के नियमों का पालन कर रहा या नहीं, उसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) करती है। दूसरे शब्दों में, IAEA यह देखता है कि इस संधि में शामिल कोई **गैर–NWS देश** परमाणु हथियार हासिल न कर पाए।

NPT पर भारत का रुख:
- **भारत ने NPT पर न तो हस्ताक्षर किए हैं और न ही इसमें शामिल हुआ है।**
- **भारत निरस्त्रीकरण सम्मेलन में एक ऐसे व्यापक परमाणु हथियार कन्वेंशन पर वार्ता शुरू करने का समर्थन करता है,** जो सर्वसम्मति के आधार पर कार्य करने वाला विश्व का एकल बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण वार्ता मंच हो।
- भारत इसके तहत प्रस्तावित **विखंडनीय सामग्री कटौती संधि (Fissile Material Cut off Treaty: FMCT) का समर्थन करता है।** यह परमाणु हथियारों के **दो मुख्य घटकों {अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम (HEU) और प्लूटोनियम} के उत्पादन को प्रतिबंधित** करेगी।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में परमाणु–हथियार–मुक्त क्षेत्र स्थापित करने वाली संधियां और पहलें:
- **रारोटोंगा की संधि** (साउथ पैसिफिक परमाणु मुक्त क्षेत्र संधि, 1986)
- **बैंकॉक संधि** (साउथ–ईस्ट एशियन परमाणु–हथियार–मुक्त क्षेत्र संधि, 1995)
- **सेंट्रल एशिया परमाणु–हथियार–मुक्त–क्षेत्र (2006)**
- **मंगोलिया** ने 1992 में स्वयं को पहला **सिंगल–स्टेट परमाणु–हथियार–मुक्त क्षेत्र (SS–NWFZ) घोषित किया।** इसे बाद में P–5 (पांच परमाणु–हथियार संपन्न देश) द्वारा भी मान्यता दी गई। इसने अन्य देशों के लिए स्वयं को SS–NWFZ घोषित करने के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

9.3. अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) (International Criminal Police Organization: INTERPOL)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **नई दिल्ली में इंटरपोल की 90वीं महासभा** का आयोजन किया गया था।

© Vision IAS

अन्य संबंधित तथ्य

इसमें इंटरपोल ने **दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया पहला मेटावर्स (Metaverse)** लांच किया है।

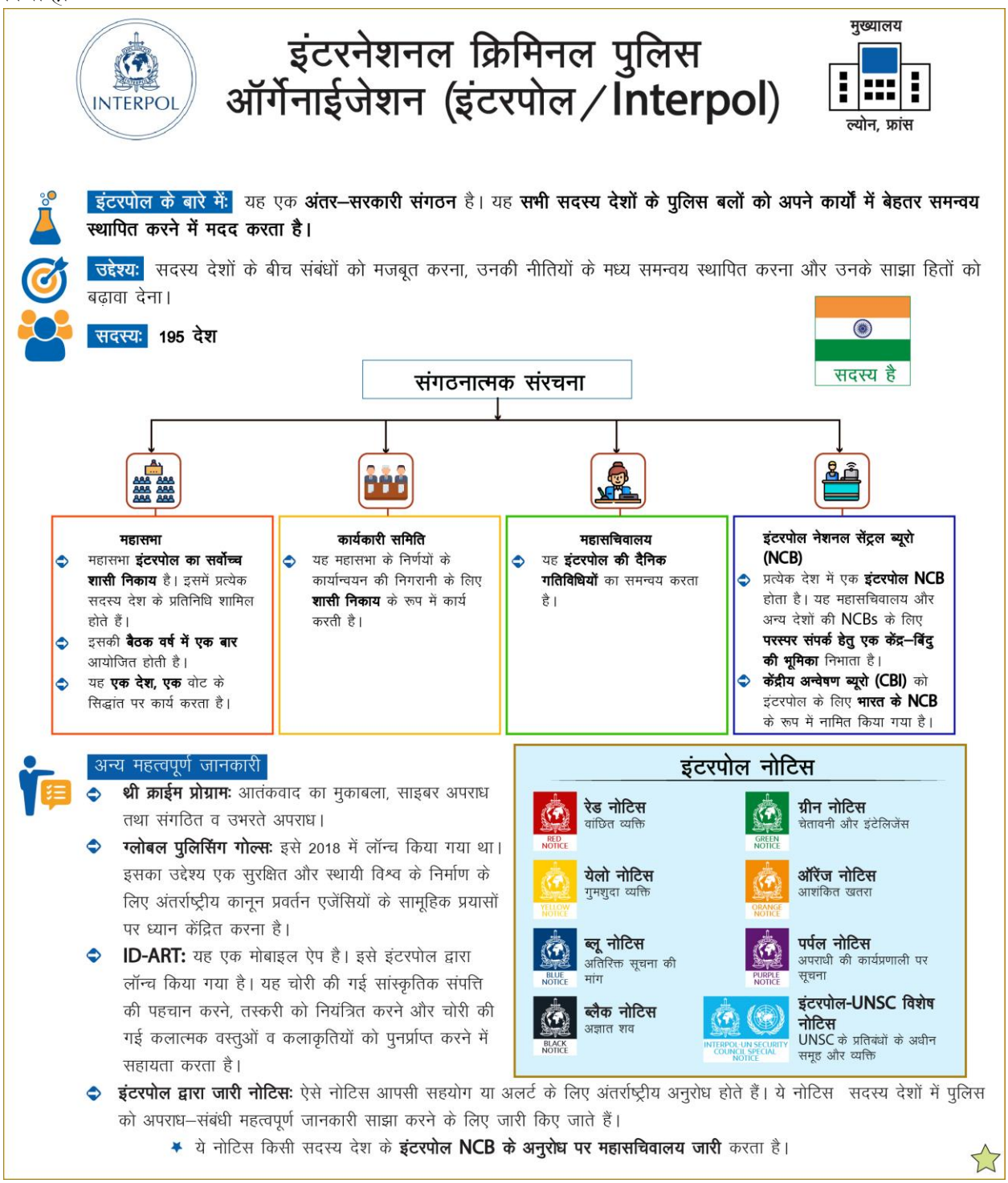

9.4. वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force: FATF)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, FATF ने **पाकिस्तान** को अपनी **"ग्रे लिस्ट (Grey List)"** से बाहर कर दिया है।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force: FATF)

मुख्यालय
पेरिस, फ्रांस
1968 में स्थापित

FATF के बारे में:
यह एक **अंतर–सरकारी निकाय है। इसकी स्थापना ग्रुप ऑफ सेवन (G-7)** द्वारा की गई थी।

उद्देश्य:
धन शोधन, आतंकवाद के वित्त–पोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्त–पोषण के जोखिम से वैश्विक वित्तीय प्रणाली को सुरक्षित रखना।

सदस्य:
37 सदस्य देश और 2 क्षेत्रीय संगठन (खाड़ी सहयोग परिषद और यूरोपीय आयोग)

सदस्य है

कार्य

अवैध गतिविधियों को रोकने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानक जैसे वैश्विक धन–शोधन रोधी (AML) मानक और आतंकवादरोधी वित्त–पोषण (CFT) मानक **निर्धारित करता है।**

यह संदिग्ध **देशों की ग्रे सूची और ब्लैक सूची बनाता है और उन्हें प्रबंधित करता है।**
➢ यदि कोई सूचीबद्ध देश AML/CFT व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रगति दिखाता है तो उसे ग्रे लिस्ट से बाहर करता है।

'ग्रे लिस्ट' बनाम 'ब्लैक लिस्ट'

	ग्रे लिस्ट या "ऐसे देश जिन पर निगरानी बढ़ा दी जाती है"	ब्लैक लिस्ट या "उच्च जोखिम वाले देश, जहां कार्रवाई की आवश्यकता होती है"
देशों को इन सूचियों के अधीन क्यों शामिल किया जाता है?	यह उन देशों की सूची है जो धन शोधन (Money Laundering), आतंकवाद के वित्त–पोषण (Terrorist Financing) और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्त–पोषण (Financing of Proliferation) को रोकने के लिए **अपनी शासन व्यवस्था में रणनीतिक कमियों को दूर करने में विफल रहते हैं।**	यह उन देशों की सूची है, जिन्हें FATF **धन शोधन, आतंकवाद के वित्त–पोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्त–पोषण से निपटने के वैश्विक प्रयास में सहयोग नहीं करने वाला** मानता है। ऐसे देश मूलभूत रणनीतिक खामियों से ग्रस्त होते हैं।
इन सूचियों में शामिल किए जाने पर देशों द्वारा सामना की जाने वाली परिस्थितियां	• देशों को अपनी शासन व्यवस्था के अधीन रणनीतिक कमियों को दूर करने के क्रम में **कार्य योजनाओं को विकसित करने के लिए औपचारिक रूप से प्रतिबद्ध** होना पड़ता है। • उन्हें FATF द्वारा निर्धारित कुछ निश्चित शर्तों का पालन करना पड़ता है। इन शर्तों के पालन में विफल रहने पर ऐसे देशों के समक्ष निगरानी दल द्वारा "ब्लैक लिस्ट" **में डाले जाने का जोखिम** बना रहता है।	FATF अपने सदस्य को ऐसे देशों के साथ व्यावसायिक संबंधों के दौरान उचित सावधानी बरतने का आह्वान करता है। इसके अतिरिक्त, अधिक गंभीर मामलों में ब्लैक लिस्ट वाले देशों से कठोरता से निपटने वाले उपाय लागू किए जाते हैं।

9.5. मिशन डेफस्पेस (Mission DefSpace)

सुर्ख़ियों में क्यों?

मिशन डेफस्पेस को गुजरात के गांधीनगर में आयोजित वार्षिक **डिफेंस एक्सपो** में लॉन्च किया गया था।

मिशन डेफस्पेस के बारे में

- मिशन डेफस्पेस का उद्देश्य उद्योग और स्टार्ट-अप्स के जरिए **अंतरिक्ष क्षेत्रक में सशस्त्र बलों के लिए इनोवेटिव समाधान** विकसित करना है।
  - इस दौरान **रक्षा खरीद प्रक्रिया (DAP)[50], 2020** के तहत 101 मदों (Items) की **'चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची'** की घोषणा भी की गई है। इसका उद्देश्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।
- **अंतरिक्ष का सैन्यीकरण और मिशन डेफस्पेस**
  - हालांकि, अंतरिक्ष और इसके शांतिपूर्ण उपयोग के लिए कई **संधियां (इन्फोग्राफिक देखें) मौजूद हैं,** लेकिन अंतरिक्ष संबंधी परिसंपत्तियों के समक्ष कई चुनौतियां/ खतरे भी मौजूद हैं।

[50] Defence Acquisition Procedure

© Vision IAS

- **यू.एस.ए. (स्पेस फोर्स) और चीन (PLA स्ट्रेटेजिक सपोर्ट फोर्स)** जैसे देश समर्पित सैन्य अंतरिक्ष संस्थान भी स्थापित कर रहे हैं।

- **मिशन डेफस्पेस के तहत** सशस्त्र बलों के लिए इनोवेटिव समाधान प्राप्त करने हेतु ऐसी 75 चुनौतियों की पहचान की गई है। इसमें प्रक्षेपण प्रणाली, उपग्रह आदि से संबंधित चुनौतियां शामिल हैं।

- **भारत की अंतरिक्ष कूटनीति**:
  - भारत ने **दक्षिण एशिया उपग्रह** प्रक्षेपित किया है। इसका उद्देश्य भारत के छह पड़ोसी देशों के बीच **क्षेत्रीय संचार को बढ़ावा देना और आपदा सहयोग संपर्क में सुधार** करना है।
  - 2019 में, भारत ने **'मिशन शक्ति'** नाम से एक **एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण** किया था।
  - इसके अलावा, 2019 में ही भारत की **रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी (DSA)** ने भी परिचालन शुरू कर दिया था। यह एजेंसी **अंतरिक्ष युद्ध क्षेत्र** से संबंधित है।

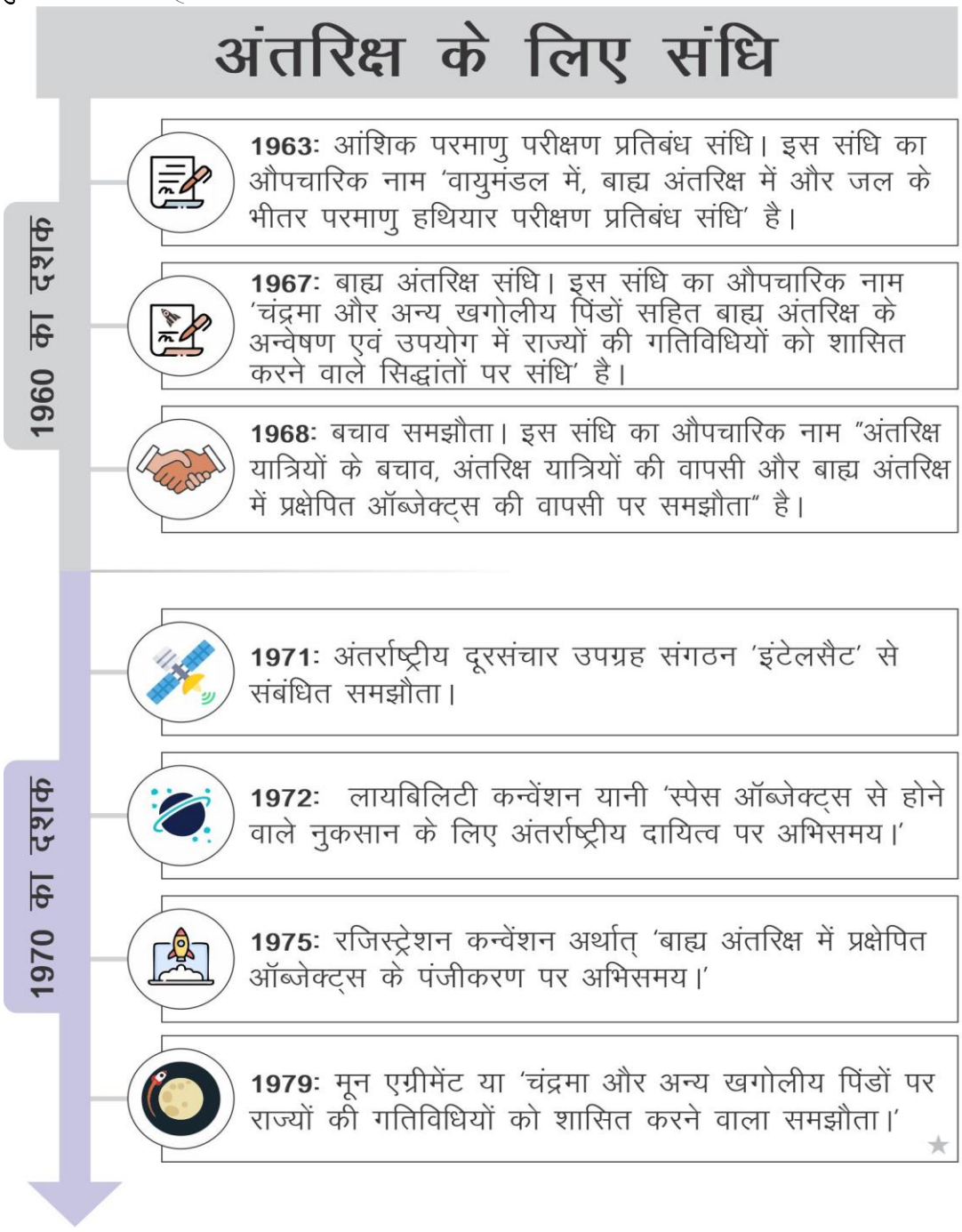

9.6. रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया, 2020 (Defence Acquisition Procedure, 2020)

सुर्ख़ियों में क्यों?

सरकार ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP), 2020 के तहत हल्के टैंक, एयरबोर्न स्टैंड-ऑफ जैमर, संचार उपकरण और सिमुलेटर से संबंधित स्वदेशी रक्षा परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

ऑफसेट क्या है?

- ऑफसेट नीति के तहत, विदेशी रक्षा कंपनियों को पुर्जों की खरीद, प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण या अनुसंधान और विकास केंद्रों की स्थापना के माध्यम से **भारत में कुल अनुबंध मूल्य का कम से कम 30 प्रतिशत खर्च करना अनिवार्य था।**
- ऑफसेट संबंधी शर्त **2,000 करोड़ रुपए से अधिक के सभी अनुबंधों पर लागू थी।**
- इसका उद्देश्य **घरेलू रक्षा विनिर्माण में सुधार** करना था।

DAP नीति की प्रमुख विशेषताएं

- DAP, आवंटित बजटीय संसाधनों के इष्टतम उपयोग के माध्यम से **आवश्यक सैन्य उपकरणों, प्रणालियों और प्लेटफॉर्म का समय पर अधिग्रहण** सुनिश्चित करेगी। उल्लेखनीय है कि इनकी प्रदर्शन, क्षमताओं और गुणवत्ता मानकों के आधार पर सशस्त्र बलों को अत्यधिक आवश्यकता होती है।
- यह 1 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी हो गई है और इसने **2016 की रक्षा खरीद प्रक्रिया (DPP) की जगह** ली है।
    - DAP-2020 तैयार करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने **अपूर्वा चंद्रा की अध्यक्षता में एक कमेटी** गठित की थी।
- DAP **चिकित्सा उपकरणों को छोड़कर,** स्वदेशी स्रोतों और निर्यात-आयात, दोनों माध्यमों से **सभी पूंजीगत अधिग्रहण** को कवर करेगा। हालांकि, इन अधिग्रहणों में **रक्षा मंत्रालय (MoD) और सेवा मुख्यालय (SHQ) के निर्माण तथा भूमि संपदा शामिल नहीं होंगे।**

स्वदेशी सामग्री को बढ़ावा देने हेतु समग्र प्रावधान

क्रम संख्या	श्रेणी	DPP–2016 में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत	DAP–2020 में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत
1	खरीद (भारतीय– IDDM) {Buy (Indian–IDDM)} • IDMM अर्थात् स्वदेशी रूप से अभिकल्पित, विकसित और विनिर्मित (Indigenously Designed, Developed and Manufactured)	न्यूनतम 40%	न्यूनतम 50%
2	खरीद (भारतीय) {Buy (Indian)}	न्यूनतम 40%	स्वदेशी डिज़ाइन – न्यूनतम 50% अन्य – न्यूनतम 60%
3	खरीद और निर्माण (भारतीय) {Buy & Make (Indian)}	निर्माण (मेक) का न्यूनतम 50%	निर्माण का न्यूनतम 50%
4	खरीद (वैश्विक – भारत में विनिर्माण) {Buy (Global – Manufacture in India)}	———	खरीद + निर्माण का न्यूनतम 50%
5	खरीद (वैश्विक) {Buy (Global)}	———	भारतीय विक्रेताओं के लिए न्यूनतम 30%

नीति के प्रमुख बिंदु

- **ऑफसेट नीति संशोधित की गई है।**
- **उन हथियारों/ प्लेटफॉर्म्स की सूची अधिसूचित की जाएगी, जिनके आयात पर प्रतिबंध होगा।**
- **आयातित पुर्जों के स्वदेशीकरण के लिए प्रावधान:**
    - **खरीद की नई श्रेणी (वैश्विक–भारत में निर्माण) बनाई** गई है।
    - **सूचना के लिए अनुरोध (RFI) का प्रावधान** किया गया है। इससे इस बात की पुष्टि की जा सकेगी कि उपकरण स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।
    - **अलग-अलग श्रेणियों में भारतीय विक्रेताओं को आरक्षण** दिया गया है।
    - **अन्य प्रस्तावित उपाय:**
        - बिक्री के बाद समर्थन को पूंजीगत अधिग्रहण अनुबंध का हिस्सा बनाना;
        - अधिग्रहण में उच्च स्वदेशी सामग्री को प्राथमिकता देना;

संबंधित सुर्ख़ियां

रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति (DPEPP) 2020 का मसौदा

- हाल ही में, रक्षा मंत्रालय ने DPEPP 2020 का मसौदा प्रस्तुत किया है। इसका उद्देश्य **अगले पांच वर्षों में भारत के रक्षा उत्पादन को दोगुना करना है।**
- इस नीति को एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में परिकल्पित किया गया है। इससे आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिए देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। साथ ही, सुगठित और महत्वपूर्ण बल प्रदान करके इस क्षेत्रक के समक्ष विद्यमान चुनौतियों को दूर किया जा सकेगा।
- इसका **लक्ष्य 2025 तक एयरोस्पेस, रक्षा उपकरणों और सेवाओं में 35,000 करोड़ रुपये के निर्यात सहित 1,75,000 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल** करना है।

© Vision IAS

- स्थानीय सामग्री एवं सॉफ्टवेयर के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना और
- ऑफसेट्स के तहत उत्पाद निर्यात पर बल देना।

- **लीजिंग:** यह मौजूदा 'बाय' और 'मेक' श्रेणियों के अलावा रक्षा अधिग्रहण की एक नई श्रेणी है। इसे आरंभ में बहुत अधिक मात्रा में होने वाले पूंजीगत परिव्यय की जगह समय-समय पर किराये के भुगतान के लिए निर्मित किया गया है।
- **सामरिक भागीदारी मॉडल (SPM):** सामरिक भागीदारी मॉडल मौजूदा उत्पादन केंद्रों के अलावा, निजी क्षेत्र के माध्यम से भी स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने का प्रयास करेगा।

9.7. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति (Scorched Earth Tactics)	• यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में, **रूस पर स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति का इस्तेमाल** करने का आरोप लगाया जा रहा है। • **स्कॉर्च्ड अर्थ** रणनीति, सैन्य रणनीति का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत **ऊर्जा आपूर्ति, पुलों, कृषि क्षेत्रों, सड़कों, रेल मार्गों आदि सहित शत्रु के लिए उपयोगी किसी भी सुविधा आदि को नष्ट करना शामिल है।** ○ रूस ने विद्युत एवं जल आपूर्ति लाइनों सहित **सिविल बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए मिसाइलों** का इस्तेमाल किया है। • यह रणनीति युद्ध में बढ़त बनाए रखने के लिए **शत्रु के संसाधनों को समाप्त** करने का प्रयास करती है। साथ ही, **उसका मनोबल भी तोड़ती है।** • इस रणनीति के तहत **नागरिकों को हानि पहुंचाना 1977 के जिनेवा कन्वेंशन के अंतर्गत प्रतिबंधित** किया गया है। • भारत में, **छत्रपति शिवाजी की सेना** स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति के इस्तेमाल के लिए विख्यात थी।
मैकोलिन कन्वेंशन (Macolin Convention)	• हाल ही में, इंटरपोल के **मैच फिक्सिंग टास्क फोर्स (IMFTF)** की 12वीं बैठक संपन्न हुई है। इस बैठक में **प्रतिस्पर्धा में हेरफेर को रोकने और राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के लिए सामंजस्यपूर्ण वैश्विक प्रयासों का आह्वान** किया गया है, जैसा कि **मैकोलिन कन्वेंशन** द्वारा रेखांकित किया गया था। ○ यह **इंटरपोल** के नवनिर्मित **वित्तीय अपराध और भ्रष्टाचार रोधी केंद्र (IFCACC)**[51] के तहत पहला बड़ा आयोजन था। ○ भारत की ओर से, **केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI)** ने इसमें भाग लिया है। • **खेल प्रतियोगिताओं के हेरफेर पर यूरोप कन्वेंशन की परिषद**[52] को **मैकोलिन कन्वेंशन** के रूप में जाना जाता है। यह एक बहुपक्षीय संधि है। इसका उद्देश्य मैच फिक्सिंग की जांच करना है।
डर्टी बम	• रूस ने दावा किया है कि **यूक्रेन "डर्टी बम"** का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। • **डर्टी बम में रेडियोधर्मी पदार्थ** जैसे कि यूरेनियम होता है। इसके विस्फोट के बाद हवा के जरिये रेडियोधर्मी सामग्री दूर-दूर तक फैल जाती है। • इस बम में **अत्यधिक संवर्धित रेडियोधर्मी सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता** है, जबकि, परमाणु बम में अत्यधिक संवर्धित रेडियोधर्मी सामग्री का ही उपयोग किया जाता है। • इसमें **अस्पतालों, परमाणु ऊर्जा स्टेशनों या अनुसंधान प्रयोगशालाओं** से प्राप्त रेडियोधर्मी सामग्री का उपयोग किया जाता है। ○ इसलिए डर्टी बम को परमाणु बम की तुलना में **बहुत सस्ते में और तेजी से बनाया** जा सकता है।
युद्ध अपराध (War Crimes)	• **अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) की रोम संविधि के अनुसार,** युद्ध अपराध वस्तुतः **घरेलू संघर्ष या दो देशों के बीच युद्ध के दौरान मानवीय कानूनों के गंभीर उल्लंघन** को संदर्भित करता है। ○ **जनसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध शांतिकाल** में या निहत्थे लोगों के समूह के विरुद्ध सेना के एकतरफा हमले के दौरान हो सकते हैं। • यह परिभाषा **1949 के जिनेवा कन्वेंशन** से ली गई है। जिनेवा कन्वेंशन सशस्त्र संघर्ष को नियंत्रित और इसके प्रभावों को सीमित करने का प्रयास करता है। • यह इस विचार पर आधारित है कि **व्यक्तियों को राज्य या उसकी सेना के कृत्यों के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है**

[51] Financial Crime and Anti-corruption Centre

[52] Council of Europe Convention on the Manipulation of Sports Competitions

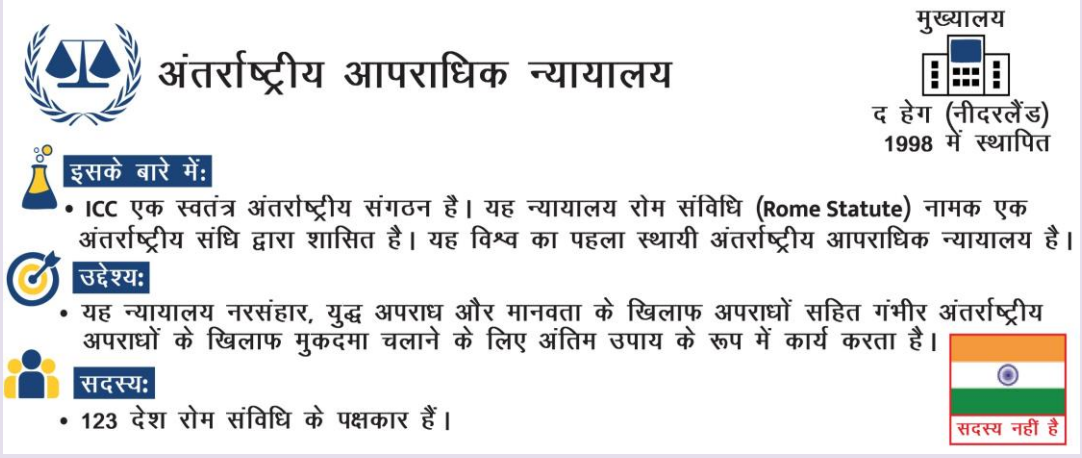

UNSC आतंकवाद-रोधी समिति (CTC) {UN Security Council (UNSC) Counter Terrorism Committee (CTC)}

हाल ही में, UNSC-CTC की **विशेष बैठक भारत में आयोजित** हुई थी। यह बैठक **"दिल्ली घोषणा-पत्र"** को अपनाने के साथ समाप्त हुई। इस घोषणा-पत्र में **निम्नलिखित की मांग की गई है:**

- **डिजिटल आतंकवाद** के खतरे से निपटने के लिए **गैर-बाध्यकारी मार्गदर्शक सिद्धांतों का नया सेट** जारी किया जाए।
- आतंकवादियों द्वारा **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी** (जैसे भुगतान प्रौद्योगिकियां एवं ड्रोन आदि) **के दुरुपयोग को रोका जाए।**
- आतंकवादी उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोका जाए। ऐसा करते समय मानवाधिकारों और **मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान** किया जाना चाहिए।
- महिला संगठनों, निजी क्षेत्र की संस्थाओं आदि सहित **नागरिक समाज के साथ संपर्क बढ़ाया** जाए।

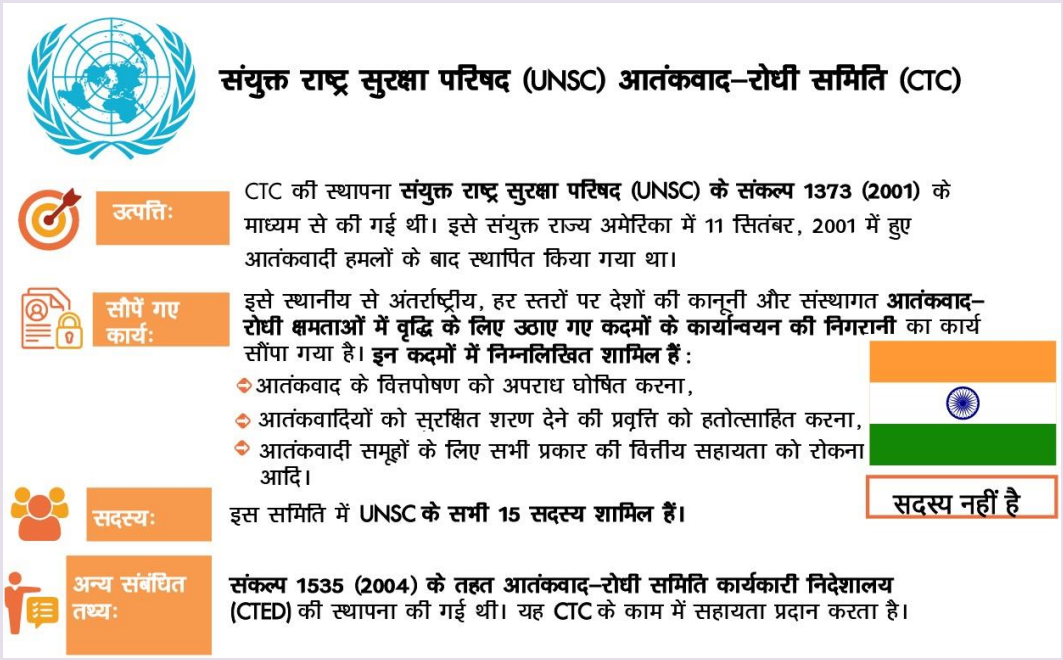

TVS-2M परमाणु ईंधन

- **रूस ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र** के लिए भारत को TVS-2M परमाणु ईंधन की पहली खेप की आपूर्ति की है।
- TVS-2M में **यूरेनियम संवर्धन के साथ मिश्रित यूरेनियम-गैडोलिनियम ऑक्साइड** होता है, लेकिन यहां ज्वलनशील अवशोषक छड़ें (BARs) नहीं होती हैं।
  - BARs में न्यूट्रॉन-अवशोषक सामग्री होती है। इसे एक दाबित जल रिएक्टर की गाइड ट्यूब में डाला जाता है।
- **TVS-2M का महत्व:**
  - फ्यूल-बंडल की कठोरता के कारण यह **अधिक कुशल और अधिक कंपन प्रतिरोधी है।**
  - **बेहतर यूरेनियम क्षमता-** पूर्ववर्ती ईंधन की तुलना में एक TVS-2M असेंबली में 7.6% अधिक ईंधन सामग्री होती है।
  - 18 महीने के ईंधन चक्र में कुशलता से उपयोग होता है।

मुक्त आकाश संधि

रूस ने मुक्त आकाश संधि से स्वयं को अलग कर लिया है। अपने कदम को उचित ठहराने के लिए उसने अमेरिका का उदाहरण दिया है,

© Vision IAS

(Open Skies Treaty: OST)	जो पहले ही इस संधि से अलग हो चुका है। **मुक्त आकाश संधि (OST) के बारे में:** • OST एक समझौता है, जो प्रत्येक पक्षकार देश को किसी अन्य पक्षकार देश के सैन्य बलों और उसकी गतिविधियों पर डेटा एकत्र करने के लिए अल्प अवधि सूचना पर निशस्त्र और टोही उड़ानों का संचालन करने की अनुमति देता है। • OST पर **1992 में हस्ताक्षर** किए गए थे और यह **2002 में लागू** हुई थी। ○ वर्तमान में **32 देश इस संधि के पक्षकार** हैं। ○ **भारत और चीन इस संधि के पक्षकार नहीं हैं।** • **ओपन स्काईज कंसल्टेटिव कमीशन (OSCC),** OST के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। OSCC में सभी पक्षकार देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। • यह **मुक्त आकाश समझौतों से अलग है।** मुक्त आकाश समझौते **द्विपक्षीय समझौते** होते हैं। ये समझौते दो देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय यात्री और कार्गो सेवाओं के संचालन हेतु एयरलाइन्स को अधिकार प्रदान करने के लिए परस्पर वार्ता करते हैं। हाल ही में, **संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत के साथ मुक्त आकाश समझौता करने** में रुचि व्यक्त की है।
डेटा फ्री फ्लो विद ट्रस्ट (DFFT)	G20 का बाली घोषणा-पत्र 2022, **डेटा फ्री फ्लो विद ट्रस्ट (DFFT)** पर चर्चा जारी रखने के लिए G20 के सभी सदस्यों की प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर रही है। **DFFT के बारे में** • इसका उद्देश्य **इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से** व्यक्तिगत जानकारी सहित **सूचना के सीमा पार हस्तांतरण और विदेशी सर्वर में डेटा भंडारण पर प्रतिबंधों को समाप्त** करना है। इससे उत्पादकता, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। • इसे **सर्वप्रथम पूर्व जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे** ने प्रस्तुत किया था। इसे **सीमा पार डेटा हस्तांतरण के क्षेत्र में नियम बनाने के लिए बुनियादी सिद्धांत** के रूप में प्रस्तावित किया गया था। शिंजो आबे ने इसे विश्व आर्थिक मंच की 2019 की बैठक (दावोस) में प्रस्तुत किया था। G20 देशों ने **ओसाका ट्रैक** के तहत इसे समर्थन दिया था। ○ ओसाका ट्रैक एक प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य **डिजिटल अर्थव्यवस्था (विशेष रूप से डेटा प्रवाह और ई-कॉमर्स) पर अंतर्राष्ट्रीय नियम बनाने** के प्रयासों को तीव्र करना है। साथ ही, बौद्धिक संपदा, व्यक्तिगत जानकारी और साइबर सुरक्षा के लिए अधिक सुरक्षा को बढ़ावा देना भी है।
एकीकृत युद्धक समूह (Integrated Battle Groups: IBG)	**भारतीय थल सेना** IBGs को मूर्त रूप देने के अंतिम चरण में है। **IBG के बारे में** • IBG वस्तुतः **ब्रिगेड के आकार का फुर्तीला, आत्मनिर्भर व लड़ाकू सैन्य दल** होता है। यह युद्ध संबंधी स्थिति में विरोधियों के खिलाफ तेजी से हमले कर सकता है। ○ ये संबंधित **अवस्थिति के आधार पर 12-48 घंटों के भीतर तैनात होने** में सक्षम होंगे। ○ IBG लड़ाकू इकाई में **पैदल सेना, बख्तरबंद टैंक रेजिमेंट,** तोपखाने, लड़ाकू इंजीनियरों और सिग्नलों को शामिल किया जाएगा। • IBGs **रक्षात्मक (Defensive)** और **आक्रामक (Offensive)** दोनों भूमिकाएं निभाएंगे। ○ **आक्रामक IBG: यह सीमा-पार ऑपरेशन अर्थात् हमलों के लिए दुश्मन के क्षेत्र में प्रवेश करने में सक्षम होगा।** ○ **रक्षात्मक IBG: इसे उन सुभेद्य स्थानों पर तैनात किया जाएगा, जहाँ दुश्मन द्वारा हमला करने की संभावना है।** • प्रत्येक IBG को **खतरे, भू-क्षेत्र और कार्य (Threat, Terrain and Task: T3)** के आधार पर तैयार किया जाएगा। • प्रत्येक IBG का **नेतृत्व एक मेजर जनरल द्वारा किया जाएगा, जिसमें लगभग** 5,000 जवान होंगे। ○ IBG **कोल्ड स्टार्ट सिद्धांत** को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करेगा। ▪ भारतीय सशस्त्र बलों के कोल्ड स्टार्ट सिद्धांत के तहत पूर्ण युद्ध की स्थिति उत्पन्न होने पर **कुछ ही दिनों के भीतर पश्चिमी सीमा पर सैनिकों की तेजी से तैनाती** की परिकल्पना की गई है।
नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID)	**हाल ही में, सरकार ने बेंगलुरु में NATGRID परिसर का उद्घाटन किया है।** **NATGRID के बारे में** • NATGRID, गृह मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है।

	• यह एक एकीकृत खुफिया ग्रिड है जो कोर सुरक्षा एजेंसियों के डेटाबेस को संयोजित करता है। • इसे **2008 के मुंबई आतंकी हमले के पश्चात् प्रस्तावित किया गया** था। • यह आतंक का सामना करने के अंतिम उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में खुफिया एवं विधि प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता करेगा। • NATGRID **10 उपयोगकर्ता एजेंसियों को कुछ निश्चित डेटाबेस के साथ जोड़ेगा,** जिसे 21 संगठनों से प्राप्त किया जाएगा। ○ **डेटाबेस में** क्रेडिट और डेबिट कार्ड, कर, दूरसंचार, आव्रजन, एयरलाइंस और रेलवे टिकट, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस **से संबंधित डेटा सम्मिलित होगा।** • **NATGRID के पास अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (CCTNS) के डेटाबेस तक पहुंच प्राप्त है।** ○ सभी राज्य पुलिस स्टेशनों को CCTNS में 'प्राथमिक सूचना रिपोर्ट' (FIR) दर्ज करना अनिवार्य होगा।

© Vision IAS

10. विविध (Miscellaneous)

10.1. भारतीय अंटार्कटिक कानून, 2022 (Indian Antarctic Act, 2022)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **भारतीय अंटार्कटिक कानून, 2022** लागू किया गया।

भारतीय अंटार्कटिक कानून, 2022 के बारे में

- इस कानून का उद्देश्य:
  - भारत द्वारा **अंटार्कटिक के पर्यावरण और इस पर आश्रित व संबद्ध पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए राष्ट्रीय उपाय** करना है।
  - यह कानून **अंटार्कटिक संधि, अंटार्कटिक समुद्री जीव संसाधन संबंधी कन्वेंशन और अंटार्कटिक संधि के लिए पर्यावरणीय संरक्षण पर प्रोटोकॉल** को प्रभावी बनाने का प्रयास करता है।

अंटार्कटिका में भारत के अन्य प्रयास

- अंटार्कटिक संधि के लिए पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रोटोकॉल को (पर्यावरण प्रोटोकॉल या **मैड्रिड प्रोटोकॉल) भारत में 1998 में लागू किया गया था।**
- भारत, राष्ट्रीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के प्रबंधकों की परिषद (COMNAP)[53], अंटार्कटिक अनुसंधान की वैज्ञानिक समिति (SCAR)[54] और अंटार्कटिक समुद्री जीव संपदा के संरक्षण संबंधी अभिसमय (CCAMLR)[55] का भी **सदस्य है।**
- **भारत के अनुसंधान केंद्र:** शिरमाचेर हिल्स में **मैत्री**, लार्समन हिल्स में **भारती** (1984 में स्थापित दक्षिण गंगोत्री प्रथम भारतीय स्टेशन था)।
- भारत के अंटार्कटिक गतिविधियों को वर्तमान में **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को आवंटित बजट द्वारा वित्त-पोषित** किया जाता है।

- **इस कानून के प्रमुख उद्देश्य:**
  - **बिना परमिट या प्रोटोकॉल से संबंधित किसी अन्य पार्टी की लिखित अनुमति के बिना, अंटार्कटिका के लिए किसी भारतीय अभियान या अंटार्कटिका में कुछ निश्चित क्रियाकलापों को प्रतिबंधित** करना।
  - अंटार्कटिका की प्राकृतिक अवस्थिति के समक्ष खतरा उत्पन्न करने वाले **खनन, ड्रेजिंग और अन्य गतिविधियों को प्रतिबंधित करना।**
  - **अंटार्कटिक संधि और संबंधित कन्वेंशन के तहत निर्धारित भारत के दायित्वों को पूरा करना।**
  - अंटार्कटिक क्षेत्र में लगातार बढ़ते पर्यटन के प्रबंधन एवं अंटार्कटिक महासागर में मत्स्य संसाधनों के सतत विकास में **भारत की रुचि और सक्रिय भागीदारी को सुगम बनाना।**
  - **ध्रुवीय क्षेत्रों के गवर्नेंस और प्रबंधन में भारत की कुशलता एवं विश्वसनीयता** को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना।
  - **भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के कुशल और ऐच्छिक संचालन के लिए** एक सुस्थापित कानूनी तंत्र बनाना।

[53] Council of Managers of National Antarctic Programme

[54] Scientific Committee of Antarctica Research

[55] Commission for Conservation of Antarctic Marine Living Recourses

- **इस कानून के प्रमुख प्रावधान:**
  - **कानून किन पर लागू होगा:** इस कानून के प्रावधान निम्नलिखित पर लागू होंगे:-
    - किसी भी भारतीय या विदेशी नागरिक;
    - भारत में प्रभावी किसी कानून के तहत निगमित, स्थापित या पंजीकृत संस्था;
    - भारत में पंजीकृत या अंटार्कटिक के लिए भारतीय अभियान में शामिल किसी भी पोत या विमान पर।
  - केंद्र सरकार **अंटार्कटिका गवर्नेंस एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक समिति की स्थापना करेगी।** इसमें दस सदस्य और दो विशेषज्ञ होंगे। यह समिति **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में** गठित की जाएगी। समिति के कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - विभिन्न गतिविधियों **के लिए अनुमति देना, उसे निलंबित या रद्द करना;**
    - अंटार्कटिक के पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय कानूनों, उत्सर्जन मानकों और नियमों की **निगरानी करना। साथ ही, उनका कार्यान्वयन एवं अनुपालन सुनिश्चित करना;**
    - अंटार्कटिक में विभिन्न गतिविधियों के लिए **अन्य पक्षकारों से शुल्क/ प्रभार पर वार्ता करना;**
    - **अपशिष्ट वर्गीकरण प्रणाली और अपशिष्ट प्रबंधन योजना** आदि की स्थापना करना।
- **परमिट-प्रणाली:** विभिन्न गतिविधियों के लिए समिति द्वारा दिया गया परमिट या भारत के अतिरिक्त प्रोटोकॉल में शामिल अन्य पक्षकारों से लिखित अनुमति जरूरी होगी। इन गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं;
  - **अंटार्कटिक में प्रवेश करना और वहां ठहरना,**
  - **खनिज संसाधन से जुड़ी गतिविधियां संपन्न करना,**
  - **ऐसे जानवरों और पौधों या सूक्ष्म जीवों को अंटार्कटिक ले जाना, जो वहां के लिए स्थानीय नहीं हैं**
  - अंटार्कटिका से **जैविक नमूने** या किसी अन्य नमूने **को हटाना,**
  - **अंटार्कटिक के विशेष रूप से संरक्षित क्षेत्र या समुद्री संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश करना,**
  - अंटार्कटिका या समुद्र में **अपशिष्ट को छोड़ना।**
- **'अंटार्कटिक फंड' नामक एक कोष का गठन करना।** इसका उपयोग अंटार्कटिक से जुड़े शोध कार्यों की बेहतरी और अंटार्कटिक के पर्यावरण की सुरक्षा हेतु किया जाएगा।
- **इसके प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कठोर दंड दिया जा सकता है।** उदाहरण के लिए अंटार्कटिक में **परमाणु विस्फोट करने पर 20 वर्ष के कारावास के दंड का प्रावधान है।**
- **दंडनीय अपराधों की सुनवाई के लिए पदनामित न्यायालय।**
- **अंटार्कटिक में व्यावसायिक मत्स्यन के लिए विशेष अनुमति देना।**

VISION IAS

अंटार्कटिक संधि

अंटार्कटिक संधि के बारे में

यह संधि शुरू में 12 सदस्यों के अनुसमर्थन के बाद 1961 में लागू हुई थी। ये 12 देश हैं: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, चिली, फ्रांस, जापान, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीकी संघ, USSR (अब रूस), यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

उद्देश्य

- अंटार्कटिक को विसैन्यीकृत करना। इससे यह क्षेत्र परमाणु परीक्षणों और रेडियोधर्मी अपशिष्ट के निपटान से मुक्त रहेगा।
- इसे शांतिपूर्ण अनुसंधान गतिविधियों के लिए एक क्षेत्र के रूप में स्थापित करना।
- इस क्षेत्र पर अधिकार से जुड़े विवादों को समाप्त करना।

पक्षकार: वर्तमान में 54 देशों ने इस संधि को स्वीकार किया है।

अंटार्कटिक के बारे में

- यह दुनिया का 5वां सबसे बड़ा, सुदूर दक्षिणी और **शुष्कतम, सतत तेज पवनों के प्रवाह वाला (Windiest), शीतलतम और सर्वाधिक हिमाच्छादित** महाद्वीप है।
- यह कोई देश नहीं है और **न ही इसकी कोई सरकार है। यहां कोई स्थानीय आबादी भी नहीं है।** इसके बावजूद इस पूरे महाद्वीप को एक वैज्ञानिक संरक्षण (Scientific Preserve) क्षेत्र के रूप में अलग रखा गया है।
- **इस महाद्वीप के केवल 2% हिस्से पर बर्फ नहीं है।** इससे कठिन परिस्थितियों को सहने में सक्षम जानवरों और पौधों के लिए एक छोटा स्थान ही प्राप्त हो पाता है।
- **यहां पृथ्वी की कुल हिम का 90% और ताजे जल का 70% हिस्सा पाया जाता है।**

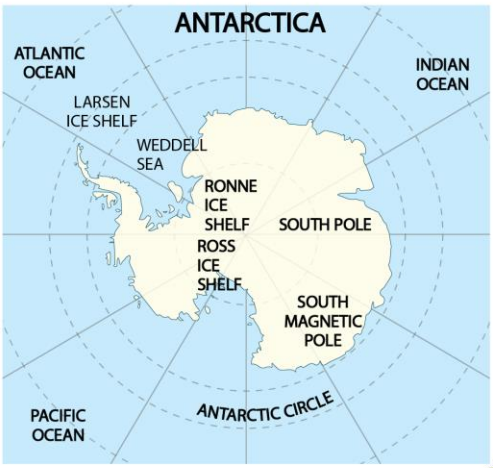

अंटार्कटिक संधि प्रणाली

तीन अंतर्राष्ट्रीय समझौते जो अंटार्कटिका में गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं:

- **अंटार्कटिक सील के संरक्षण के लिए कन्वेंशन, 1972**
- **अंटार्कटिक समुद्री जीव संसाधनों के संरक्षण पर कन्वेंशन (CCAMLR), 1980; वर्ष 1985 में भारत द्वारा अनुसमर्थित।**
- **अंटार्कटिक संधि के लिए पर्यावरणीय संरक्षण पर प्रोटोकॉल (Treaty) / मैड्रिड प्रोटोकॉल, 1991; भारत ने 1998 में इस प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए थे।**

10.2. आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (Supply Chain Resilience Initiative: SCRI)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जारी 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग पर संयुक्त वक्तव्य' (Joint statement) को अपनाया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- **भारत, यू.एस.ए. और यूरोपीय संघ सहित 18 अर्थव्यवस्थाओं** की साझेदारी ने सामूहिक व दीर्घकालिक लचीली आपूर्ति श्रृंखला (RSC) के निर्माण के लिए **चार सूत्री रोडमैप** जारी किया है। इसका **उद्देश्य** आपूर्ति निर्भरता और सुभेद्यता से उत्पन्न होने वाले जोखिमों से निपटना है।
  - यह रोडमैप **2021 में यू.एस.ए. में आयोजित आपूर्ति श्रृंखला शिखर सम्मेलन** की पृष्ठभूमि में तैयार किया गया है।
- भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने भी **SCRI** शुरू की है। इसे सबसे पहले जापान ने प्रस्तावित किया था। यह पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने में मदद करेगी।

शब्दावली को जानें

- **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (GSC):** यह वस्तुओं और सेवाओं की स्रोत स्थल से गंतव्य स्थल तक आपूर्ति करने के उद्देश्य से **महाद्वीपों एवं देशों में फैला एक नेटवर्क है।**
  - GSC के अंतर्गत दुनिया भर में **सूचना, प्रक्रियाओं और संसाधनों का प्रवाह शामिल होता है।**

SCRI के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ता/लचीलापन एक **ऐसा दृष्टिकोण है जो किसी देश को सिर्फ एक या कुछ पर निर्भर** होने के बजाय **आपूर्ति करने वाले राष्ट्रों के समूह के माध्यम से अपने आपूर्ति जोखिम में विविधता प्राप्त करने में सहायता करता है।**
- **उद्देश्य:**
  - **हिंद-प्रशांत क्षेत्र को अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र में परिवर्तित करने के लिए** प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करना।
- **साझेदार देशों के मध्य पारस्परिक रूप से पूरक संबंध स्थापित करना।**

10.3. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियां (Other Important News)

पेरिस क्लब (Paris Club)	• पेरिस क्लब के ऋणदाता देश श्रीलंकाई ऋण संकट को हल करने के लिए श्रीलंकाई ऋण को लेकर 10 साल की मोहलत का प्रस्ताव कर रहे हैं। • यह **आधिकारिक ऋणदाता देशों का एक अनौपचारिक समूह** है। इसका कार्य ऋणी देशों द्वारा अनुभव की जाने वाली **भुगतान संबंधी कठिनाइयों के समन्वित और स्थायी समाधान खोजना** है। • पेरिस क्लब की **शुरुआत 1956 में** हुई थी • यह 22 स्थायी सदस्यों का एक समूह है, जिसमें **ऑस्ट्रेलिया, यू.के., यू.एस.ए., जापान** आदि शामिल हैं। ○ भारत इसका सदस्य **नहीं** है। यह एक **अस्थायी भागीदार** के रूप में इससे जुड़ा है।
लंकांग-मेकांग सहयोग (Lancang-Mekong Cooperation: LMC)	• सेना द्वारा सत्ता पर अधिकार करने के बाद से **म्यांमार ने LMC देशों की अपनी पहली बहुराष्ट्रीय मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन** किया है। • **LMC का गठन 2016 में किया गया था। इसका गठन लंकांग/ मेकांग नदी के तटवर्ती देशों के मध्य** संचालित विकास परियोजनाओं पर तनाव को कम करने में मदद करने के लिए किया गया था। ○ **लंकांग, मेकांग नदी का चीनी नाम है।** • मेकांग नदी का उद्गम स्थल **तिब्बत का पठार** है। यह नदी दक्षिण चीन सागर में गिरने से पहले **चीन, म्यांमार, लाओस, थाईलैंड, कंबोडिया और वियतनाम** से होकर प्रवाहित होती है।
ग्रुप ऑफ़ फ्रेंड्स	• **भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरक्को और नेपाल "ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स टू प्रमोट"** के सह-अध्यक्ष हैं। यह समूह शांति रक्षकों के विरुद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। • ग्रुप ऑफ़ फ्रेंड्स **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प 2589 के प्रावधानों के कार्यान्वयन** के लिए सदस्य देशों की **"राजनीतिक इच्छा"** को प्रदर्शित करता है। • **संकल्प 2589-** इसके अंतर्गत सदस्य देशों से आह्वान किया गया है कि वे संयुक्त राष्ट्र कार्मिकों के खिलाफ **हत्या और हिंसा के सभी कृत्यों के अपराधियों को सजा देने के लिए सभी उचित उपाय करें।**
कफाला सिस्टम (Kafala System)	• **2022 में कतर** में होने वाले **फुटबॉल विश्व कप** की मेजबानी करने वाले **आयोजकों** की प्रवासी श्रमिकों के साथ उनके व्यवहार को लेकर निंदा की जा रही है। • कतर सहित मिडिल ईस्ट के कई देश 'कफाला सिस्टम' का पालन करते हैं। **कफाला, एक स्पॉन्सरशिप प्रणाली है, जो प्रवासी श्रमिकों और उनके स्थानीय प्रायोजक (स्पॉन्सर) या कफील के बीच संबंधों को परिभाषित करती है।** • इसके तहत, स्थानीय स्पॉन्सर्स को **प्रवासी कामगारों के रोजगार और प्रवास की स्थिति पर लगभग पूर्ण नियंत्रण प्राप्त होता है।** ○ उदाहरण के लिए- प्रवासी कामगारों को नौकरी छोड़ने या बदलने, मेजबान देश में प्रवेश करने या बाहर निकलने के लिए स्पॉन्सर की अनुमति की आवश्यकता होती है। • इस प्रणाली का उपयोग मुख्य रूप से **सस्ते श्रम की मांग को पूरा करने** के लिए किया जाता है। हालांकि, स्पॉन्सर्स कामगारों के **मानवाधिकारों के हनन** और **उनके शोषण** के लिए इसका दुरुपयोग करते हैं।
कैस्पियन शिखर सम्मेलन (Caspian summit)	• **छठे कैस्पियन शिखर सम्मेलन** का आयोजन **अश्गाबात (तुर्कमेनिस्तान)** में किया गया है। • इसमें कैस्पियन सागर की सीमा से लगे देश- **रूस, अजरबैजान, ईरान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान** भाग लेते हैं। इस सम्मेलन के तहत **कैस्पियन सागर में सहयोग के सामयिक मुद्दों पर चर्चा** की जाती है।

© Vision IAS

काला सागर अनाज समझौता (Black Sea Grain deal)	हाल ही में, रूस **काला सागर अनाज समझौते**[56] में फिर से भागीदार बन गया है। **काला सागर अनाज समझौता के बारे में** • काला सागर अनाज समझौता **जुलाई में रूस और यूक्रेन के बीच संपन्न** हुआ था। इस समझौते में **संयुक्त राष्ट्र और तुर्की** ने मध्यस्थता की थी। • यह समझौता **खाद्य कीमतों में हुई वृद्धि को रोकने की दिशा में** किया गया एक प्रयास है। गौरतलब है कि यह वृद्धि, काला सागर के प्रभावी रूप से अवरुद्ध होने तथा इसके फलस्वरूप आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने के कारण उत्पन्न हुई थी। • इसके अतिरिक्त, यह यूक्रेन के तीन प्रमुख बंदरगाहों अर्थात् **चोर्नोमॉर्स्क, ओडेसा और यज़्नी/ पिवडेनी** से यूक्रेनी निर्यात (विशेष रूप से खाद्यान्न) के लिए **एक सुरक्षित समुद्री मानवीय गलियारे का प्रावधान** करता है। ○ यूक्रेन विश्व स्तर पर **गेहूं, मक्का, रेपसीड, सूरजमुखी के बीज और सूरजमुखी के तेल के सबसे बड़े निर्यातकों** में से एक है।
इंटरनेशनल काउंटर रैंसमवेयर इनिशिएटिव (CRI)	• वैश्विक स्तर पर बढ़ते रैंसमवेयर हमलों को देखते हुए **CRI ने अपने संस्थागत सहयोग को अधिक गहन करने का निर्णय लिया है।** • CRI में **भारत सहित 36 देश और यूरोपीय संघ** शामिल हैं। इसका उद्देश्य **रैंसमवेयर हमलों को रोकना** और अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंडे को मजबूत करना है। ○ **भारत और लिथुआनिया** संयुक्त रूप से CRI के नेटवर्क रेसिलियंस वर्किंग ग्रुप का नेतृत्व करते हैं। • हाल ही में संपन्न शिखर सम्मेलन में **CRI ने एक अंतर्राष्ट्रीय काउंटर रैंसमवेयर टास्क फोर्स** (ICRTF) के गठन का निर्णय लिया है। ICRTF का उद्देश्य लोचशीलता में सहयोग करना, रैंसमवेयर समूहों को बाधित करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाना तथा इन समूहों की अवैध वित्तीय गतिविधियों को रोकना है।
लुसोफोन वर्ल्ड (Lusophone World)	• भारत ने गोवा में **अंतर्राष्ट्रीय लुसोफोन महोत्सव** की मेजबानी की। ○ यह **लुसोफोन देशों** के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। ○ वेल्हा गोवा (या ओल्ड गोवा) पर **पुर्तगाली शासन 1510 ई.** में आरंभ हुआ था और यह **1961** तक बना रहा था। • **लुसोफोन वर्ल्ड (पुर्तगाली भाषी देशों) के बारे में:** ○ इसमें **चार महाद्वीपों के नौ देश** शामिल हैं। ○ **पुर्तगाली, दक्षिणी गोलार्ध** में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है (इन्फोग्राफिक देखें)। ○ 1996 में **पुर्तगाली भाषी देशों के समुदाय (CPLP)**[57] का गठन किया गया था। इसे **लुसोफोन कॉमनवेल्थ** भी कहा जाता है। ▪ CPLP **9 सदस्य देशों और 32 सहयोगी पर्यवेक्षकों** का एक बहुपक्षीय मंच है। **भारत** इसका सहयोगी पर्यवेक्षक देश है। **Portuguese Speaking Countries** • **भारत-लुसोफोन संबंध:** ○ **2014** में गोवा में **तीसरे लुसोफोनिया खेलों** का आयोजन किया गया था। इसमें **लुसोफोन देशों** के एथलीट शामिल हुए थे। ○ पिछले एक दशक में CPLP देशों के साथ **भारत के व्यापार में छह गुना वृद्धि** हुई है।

[56] Black Sea Grain deal

[57] Community of Portuguese Language Countries

	○ भारत **इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (ITEC)** प्रोग्राम और **इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट (IAFS)** फ्रेमवर्क के तहत पुर्तगाल को छोड़कर शेष सभी **CPLP सदस्य देशों** को प्रशिक्षण प्रदान करता है।
दक्षिण एशिया ऊर्जा समूह (South Asia Group for Energy: SAGE)	विदेश मंत्रालय (MEA) के अधीन **SAGE** की स्थापना की गई है। **SAGE के बारे में** • यह दक्षिण एशिया क्षेत्र में संधारणीय ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के लिए **दक्षिण एशियाई सरकारों तथा ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के मध्य सहभागिता पर आधारित एक संघ** है। ○ इस संघ या कंसोर्टियम में शामिल हैं- USAID, यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी (DOE) और तीन राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं: लॉरेंस बर्कले नेशनल लेबोरेटरी (LBNL), नेशनल रिन्यूएबल एनर्जी लेबोरेटरी (NREL) और पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी (PNNL)।
ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI)	भारत, फ्रांस से ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI) की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। • **GPAI एक बहु-हितधारक अंतर्राष्ट्रीय पहल** है। इसे **2020** में शुरू किया गया था। इसका **उद्देश्य मानवाधिकारों, मौलिक स्वतंत्रता और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के संगत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदारीपूर्ण विकास तथा उपयोग का मार्गदर्शन** करना है। ○ **यह पहल सिद्धांत और व्यवहार के बीच विद्यमान अंतराल को समाप्त करने का प्रयास करेगी।** इसके लिए यह AI से संबंधित प्राथमिकताओं पर नए अनुसंधान और उपयोगी गतिविधियों का समर्थन करेगी। • वर्तमान में, **GPAI के 25 सदस्य** हैं। इनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी आदि शामिल हैं। ○ **भारत 2020 में इस समूह में संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हुआ था।** ○ इसका सचिवालय **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)** में स्थित है।
फाइनेंशियल इंटरमीडियरी फंड (Financial Intermediary Fund: FIF)	• **महामारी की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया (PPR)** के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नया **फाइनेंशियल इंटरमीडियरी फंड: (FIF)** स्थापित किया गया है। इसमें **भारत** सहित कई देशों की **वित्तीय प्रतिबद्धताएं** शामिल हैं। • इसकी **मेजबानी विश्व बैंक द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की तकनीकी सहायता** से की जाएगी। **FIF** निम्नलिखित कार्य **करेगा:** ○ यह निम्न और मध्यम आय वाले देशों में **PPR क्षमताओं को मजबूत करने के लिए दीर्घकालिक वित्त-पोषण** प्रदान करेगा। ○ यह **राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण अंतराल को दूर** करेगा। ○ FIF **पशुजन्य (Zoonotic) रोग निगरानी, प्रयोगशालाओं, आपातकालीन संचार, महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यबल क्षमता आदि** जैसे क्षेत्रों में PPR क्षमता को मजबूत करने में मदद करेगा।
2अफ्रीका पर्ल्स (2Africa Pearls)	• **मेटा (फेसबुक)** भारत में 2अफ्रीका पर्ल्स का विस्तार करने के लिए **भारती एयरटेल के साथ साझेदारी करेगी।** • 2अफ्रीका पर्ल्स **समुद्र के नीचे बिछाई जाने वाली दुनिया की सबसे लंबी केबल प्रणालियों में से एक है।** यह प्रणाली **अफ्रीका, एशिया और यूरोपीय देशों को आपस में जोड़ेगी।** ○ एक बार पूर्ण हो जाने के बाद, यह प्रणाली **कुल तीन बिलियन लोगों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।** • साथ ही, यह **भारत में फिक्स्ड-लाइन ब्रॉडबैंड इंटरनेट की कनेक्टिविटी में भी सुधार** करेगी।
आर्कटिक क्षेत्र (Arctic Region)	रूस ने सेंट पीटर्सबर्ग में **परमाणु-संचालित दो आइसब्रेकर** लॉन्च किए हैं। इसकी सहायता से रूस स्वयं को **"महान आर्कटिक शक्ति"** के रूप में मजबूत करना चाहता है। • **परमाणु-संचालित आइसब्रेकर** संवेग प्राप्त करने और **बर्फ पर अपने नुकीले हिस्से को गति देने के लिए** परमाणु ईंधन का उपयोग करता है। आइसब्रेकर के **नुकीले हिस्से** द्वारा बल लगाने से बर्फ टूट जाती है। • वर्तमान में, रूस विश्व में **एकमात्र ऐसा देश** है, **जो परमाणु-संचालित आइसब्रेकर बना रहा** है। • **आइसब्रेकर लॉन्च का महत्व:** यह **उत्तरी समुद्री मार्ग** में बर्फ रूपी बाधा को दूर करेगा। इससे **एशिया तक पहुंचने** में स्वेज नहर के वर्तमान मार्ग की तुलना में **दो सप्ताह कम समय** लगेगा।

© Vision IAS

- **रूस 2035 तक वैश्विक लिक्विड नेचुरल गैस (LNG) बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 20 प्रतिशत** करना चाहता है। इस लक्ष्य प्राप्ति में आर्कटिक की मुख्य भूमिका होगी।

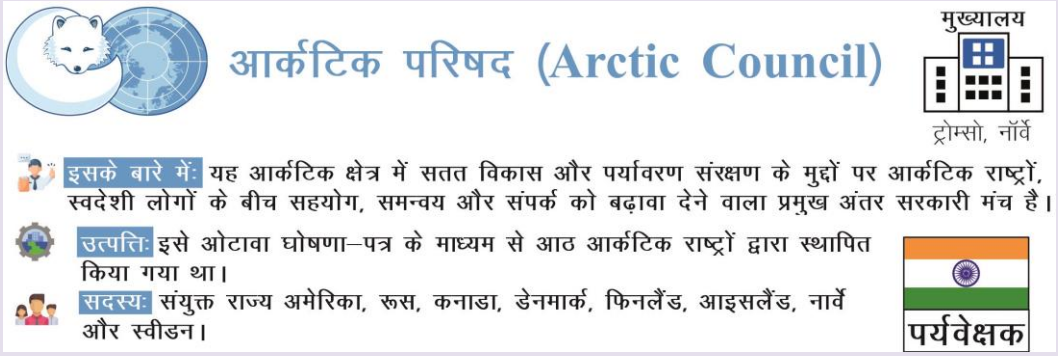

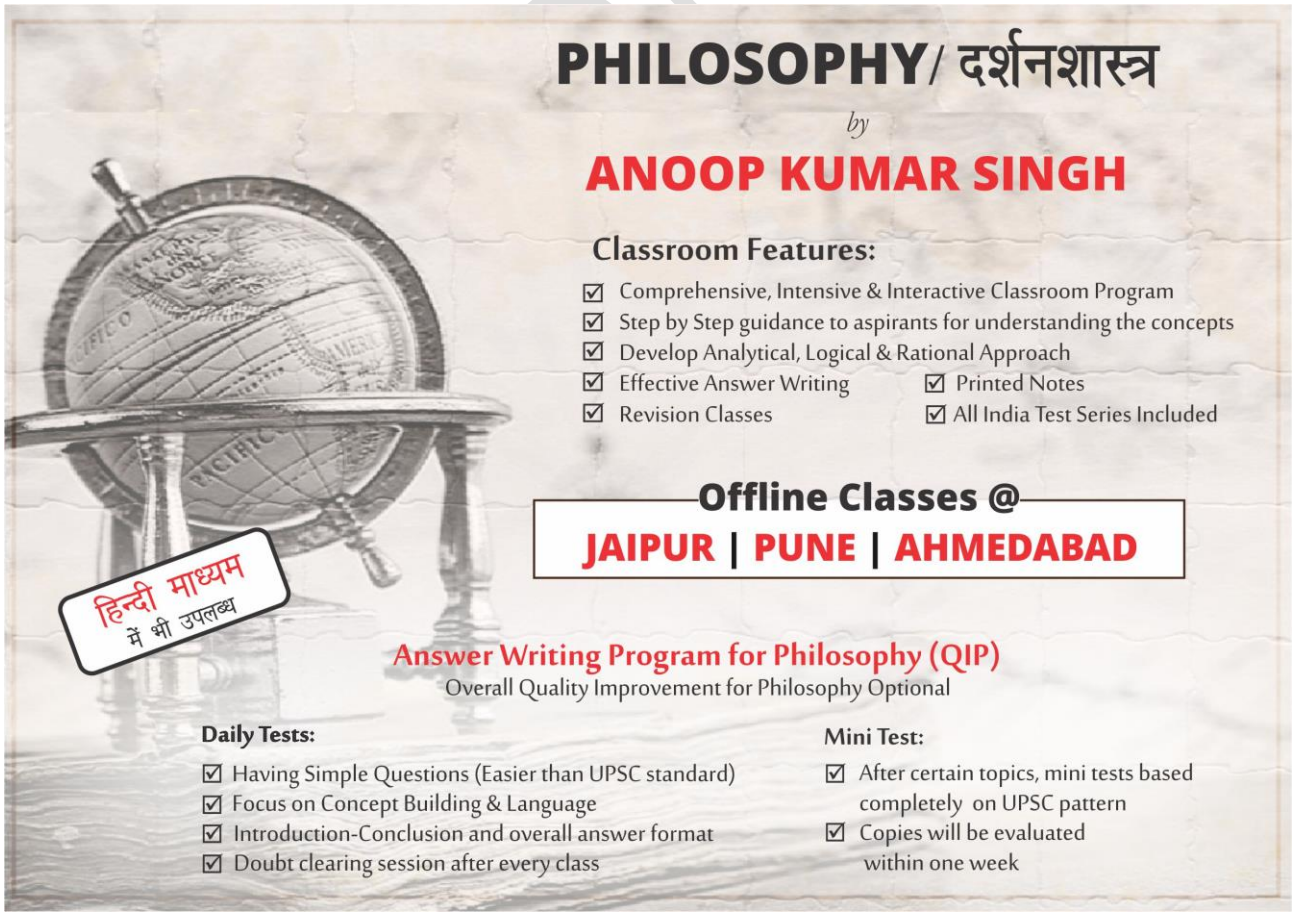

11. सुर्ख़ियों में रहे सैन्य अभ्यास (Military Exercises in News)

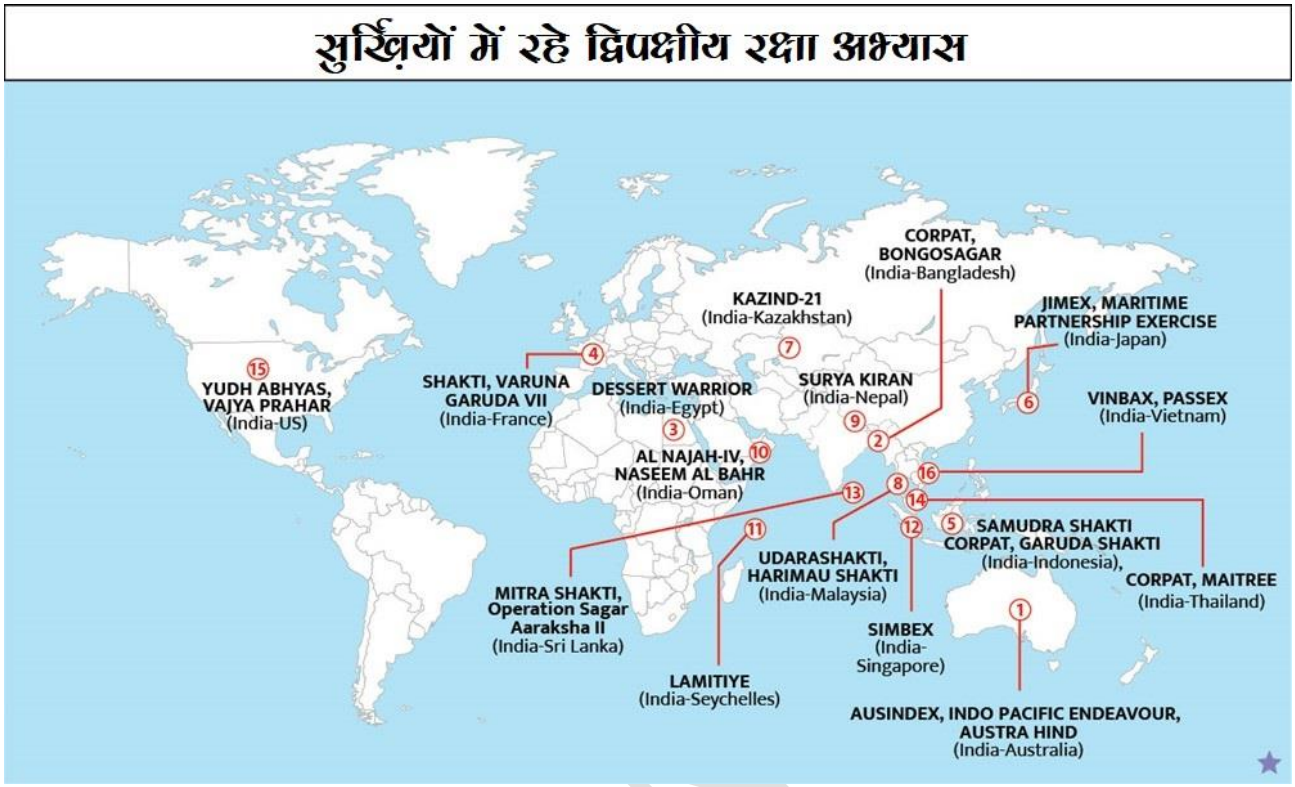

महत्वपूर्ण बहुपक्षीय अभ्यास

क्रम संख्या	शामिल देश	अभ्यास का नाम
1.	भारत और आसियान देश	**समन्वय**
2.	भारत, मोजाम्बिक और तंजानिया	**आईएमटी त्रिलाट (IMT TRILAT)**
3.	भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका	**इब्सामार (IBSAMAR)**

महत्वपूर्ण बहुपक्षीय अभ्यास जिसमें भारत ने भाग लिया

क्रम संख्या	अभ्यास का नाम	मेजबान देश
1.	**काकाडू-22, पिच ब्लैक**	ऑस्ट्रेलिया
2.	**कोबरा गोल्ड**	थाईलैंड

Copyright © by Vision IAS
All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

8 IN TOP 10 SELECTIONS IN CSE 2021

from various programs of VisionIAS

2 AIR — ANKITA AGARWAL

3 AIR — GAMINI SINGLA

4 AIR — AISHWARYA VERMA

5 AIR — UTKARSH DWIVEDI

6 AIR — YAKSH CHAUDHARY

CIVIL SERVICES EXAMINATION 2020

1 AIR — SHUBHAM KUMAR

7 AIR — SAMYAK S JAIN

8 AIR — ISHITA RATHI

9 AIR — PREETAM KUMAR

YOU CAN BE NEXT

ABHYAAS 2023

ALL INDIA PRELIMS (GS+CSAT)

MOCK TEST SERIES

3 TEST

TEST-1	TEST-2	TEST-3
2 APRIL	23 APRIL	7 MAY

- All India Ranking
- Comprehensive Evaluation, Feedback & Corrective Measures
- Available In ENGLISH / हिन्दी

OFFLINE* IN 170+ CITIES

Register @ www.visionias.in/abhyaas

AGARTALA | AGRA | AHMEDABAD | AIZAWL | AJMER | ALIGARH | ALMORA | ALWAR | AMRAVATI | AMRITSAR | ANANTHAPURU | AURANGABAD | BAREILLY BENGALURU | BHAGALPUR | BHOPAL | BHUBANESWAR | BIKANER | BILASPUR | CHANDIGARH | CHENNAI | CHHATARPUR | COIMBATORE | CUTTACK | DEHRADUN DELHI MUKHERJEE NAGAR | DELHI RAJENDRA NAGAR | DHANBAD | DHARWAR | DIBRUGARH | FARIDABAD | GANGTOK | GAYA | GHAZIABAD | GORAKHPUR GREATER NOIDA | GUNTUR | GURGAON | GUWAHATI | GWALIOR | HALDWANI | HARIDWAR | HAZARIBAGH | HISAR | HYDERABAD | IMPHAL | INDORE | ITANAGAR JABALPUR | JAIPUR | JAMMU | JAMSHEDPUR | JHANSI | JODHPUR | JORHAT | KANPUR | KOCHI | KOHIMA | KOLKATA | KOTA | KOZHIKODE (CALICUT) | KURNOOL KURUKSHETRA | LUCKNOW | LUDHIANA | MADURAI | MANGALURU | MATHURA | MEERUT | MORADABAD | MUMBAI | MUZAFFARPUR | MYSURU | NAGPUR | NASIK NAVI MUMBAI | NOIDA | ORAI | PANAJI (GOA) | PANIPAT | PATIALA | PATNA | PRAYAGRAJ (ALLAHABAD) | PUNE | RAIPUR | RAJKOT | RANCHI | ROHTAK | ROORKEE SAMBALPUR | SHILLONG | SHIMLA | SILIGURI | SONIPAT | SRINAGAR | SURAT | THANE | THIRUVANANTHAPURAM | TIRUCHIRAPALLI | UDAIPUR | VADODARA VARANASI | VIJAYAWADA | VISHAKHAPATNAM | WARANGAL

HEAD OFFICE Apsara Arcade, 1/8-B, 1st Floor,
Near Gate 6, Karol Bagh Metro Station

8468022022 WWW.VISIONIAS.IN

JAIPUR | HYDERABAD | BHOPAL | GUWAHATI | RANCHI | LUCKNOW | PUNE | AHMEDABAD | CHANDIGARH | PRAYAGRAJ